आज़ादी का
अमृत महोत्सव

वार्षिक प्रतिवेदन

2021-2022

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

(केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 द्वारा स्थापित)

राया-सुचानी (बागला), जिला सांबा - 181143, जम्मू

(जम्मू एवं कश्मीर)

दूरभाष : 01923-249660 वेबसाइट: www.cujammu.ac.in

विश्वविद्यालय के माननीय कुलाध्यक्ष

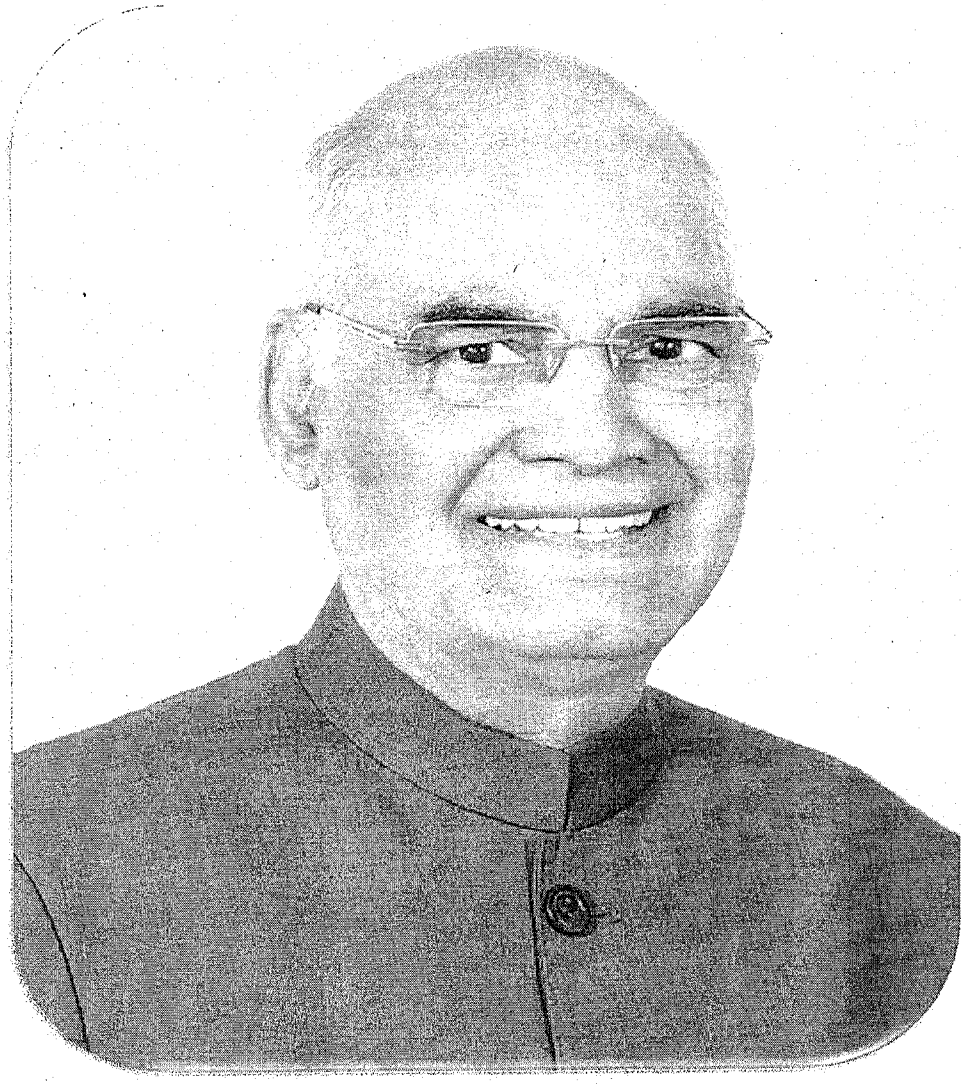

श्री राम नाथ कोविन्द

भारत के राष्ट्रपति

विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति

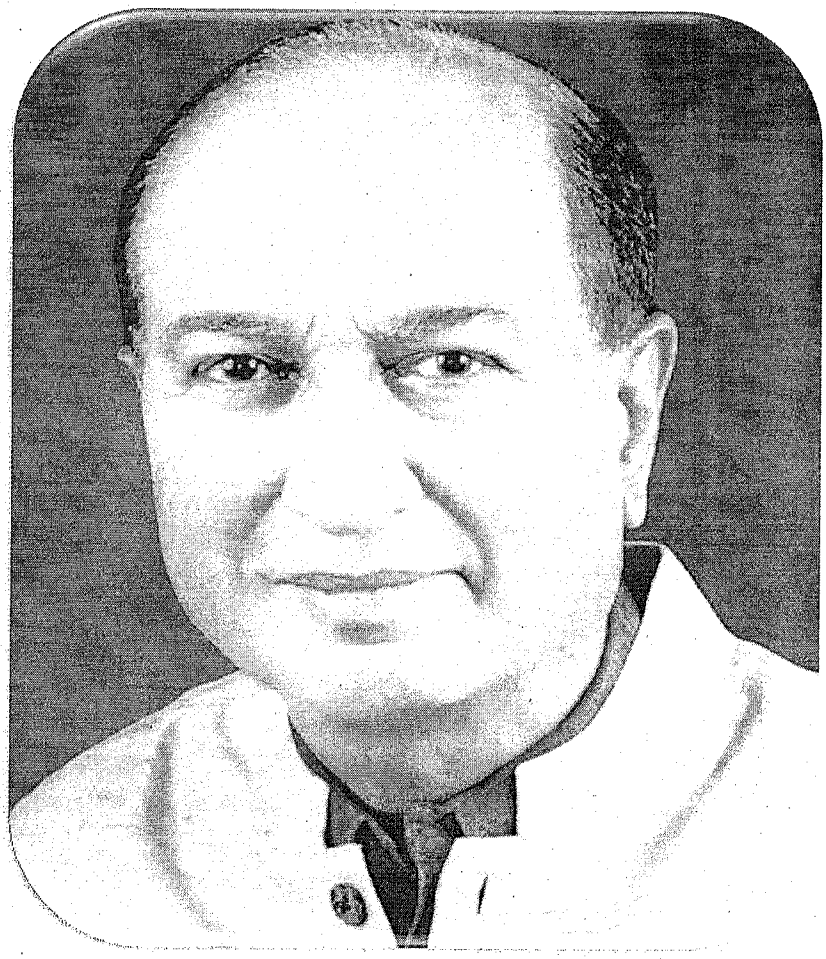

श्री गोपालास्वामी पार्थसारथी

माननीय कुलाधिपति

कुलपति संदेश

जैसा कि एनईपी-20 के कार्यान्वयन के साथ देश में उच्च शिक्षा का विकास रथ तेजी से प्रगति कर रहा है, सत्र 2021-2022 के लिए जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की 11वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए मुझमें आत्म-अनुभूति के साथ-साथ संतोष की भी अनुभूति होती है, सत्र 2021-2022 के लिए जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की 11वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए मुझमें आत्म-अनुभूति के साथ-साथ संतोष की विशेष भावना की भी अनुभूति होती है, यह साझा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि विश्वविद्यालय ने अपने अस्तित्व के दशक में क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा और अनुसंधान दोनों क्षेत्रों विशिष्ट स्थान बनाया है, जिससे आत्ममंथन करना अनिवार्य हो जाता है, चूंकि वार्षिक रिपोर्ट भविष्य का खाका तैयार करने के लिए आत्मनिरीक्षण के प्रामाणिक दस्तावेज के रूप में कार्य करती है।

यह रिपोर्ट सत्र 2021-22 के लिए हमारी पहलों और उपलब्धियों के उद्देश्यों को प्रतिबिंबित करती है और शैक्षणिक गतिविधियों, अनुसंधान परिणामों और अभिनव शिक्षण पद्धति की व्यापक झलक प्रस्तुत करती है। शैक्षणिक सत्र 2021-22 के दौरान, विश्वविद्यालय ने 54 प्रस्तावित पाठ्यक्रम की । 19 स्नातकोत्तर , 18 अनुसंधान उन्मुखी, 04 पंचवर्षीय एकीकृत उपाधि , 01 चार वर्षीय एकीकृत और 19 विभागों तथा 2 केन्द्रों के तत्वावधान में स्नातक स्तर पर 03 व्यावसायिक कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इतना ही नहीं, वर्ष 2022 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्ण वित्त पोषित प्रतिष्ठित सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र का उद्घाटन किया गया।

बाधाओं और कठिनाईयों का बहादुरी से सामना करना, एक संस्था की विकास यात्रा का स्पष्ट रूप से एक भाग हैं, विश्वविद्यालय भी अपने राष्ट्रवादी चरित्र के संबंध में समान रूप से चिंतित है, जो विश्वविद्यालय के अखिल भारतीय प्रकृति में उपयुक्त रूप से परिलक्षित होता है, क्योंकि देश के विभिन्न राज्यों के उपलब्धि हासिल करने वाले और नवप्रवर्तक विश्वविद्यालय के गौरान्वित छात्र हैं । विश्वविद्यालय ने अब तक 81 पीएचडी उपाधियां और 108 एम.फिल प्रदान की हैं । 19 विभागों और 2 केंद्रों के 271 पीएचडी शोधार्थी अपना शोध पाठ्यक्रम पूरा कर रहे हैं। विश्वविद्यालय अनुसंधान के लिए विभिन्न वित्त पोषण एजेंसियों से संसाधन जुटाने में सक्षम है। विश्वविद्यालय के संकाय को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय अध्येतावृत्तियों, परियोजना वित्त पोषण एवं मान्यता प्रदान की गई है और अनुसंधान, परामर्श और सम्पर्क गतिविधियों के माध्यम से विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्रों में निरंतर योगदान दे रहे हैं । वर्तमान में, संकाय सदस्यों द्वारा शैक्षिक और सामाजिक प्रासंगिकता की 56 बडे/छोटे अनुसंधान परियोजनाएं चलाई जाती हैं। संकाय सदस्य विभिन्न वित्त पोषित एजेंसियों यथा नेशनल बोर्ड ऑफ हायर मैथेमैटिक्स, परमाणु ऊर्जा, (भारत सरकार) एसईआरबी, यूजीसी, आईसीएसएसआर, डीएसटी, आईयूएसी, कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार, एमएसएमई, भारत सरकार, नई एवं अक्ष्य उर्जा, भारत सरकार, इडीआईआई, अहमदाबाद आदि से अनेक अतिरिक्त धन जुटाने में सक्षम रहे हैं ।

अकादमिक दृढता को अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और नवीनतम सुविधाओं को समझदारी के साथ पूरा करने की आवश्यक्ता है। इसलिए विश्वविद्यालय परिसर और छात्रावासों में वाई-फाई की सुविधा, एक स्वचालित पुस्तकालय, बुनियादी खेल अवसंरचना, योग कक्षाएं, विभिन्न क्लबो और संवादात्मक सत्रों आदि के साथ, छात्र भी उच्च गुणवत्ता वाले समग्र शिक्षा एवं प्रतिष्ठित नौकरियां प्राप्त करने में सफल हुए। वर्तमान में प्रस्तावित किये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों और

पाठ्यक्रमों के माध्यम से बुनियादी मानवीय मूल्यों और मानकों को विकसित करने पर विश्वविद्यालय का सराहनीय प्रयास रहा है।

विश्वविद्यालय ने प्रतिष्ठित संस्थानों और उद्योगों जैसे कील विश्वविद्यालय, जर्मनी; डॉ अंबेडकर फाउंडेशन; टीआईएफएसी; प्रीवेस्ट डेन प्रो; एक्सिगो रिसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड; विज्ञान प्रसार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार; और अन्य कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

स्टार्ट अप और ऑनलाइन शिक्षा-शिक्षण पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बल के अनुरूप, छात्रों और स्थानीय आबादी के बीच उद्यमशीलता कौशल विकसित करने के लिए राष्ट्रीय एजेंडा और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विश्वविद्यालय ने स्टार्ट-अप संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल और यूनिवर्सिटी बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना की है। विश्वविद्यालय का विकास स्पष्ट रूप से शिक्षा और शिक्षण, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और प्रकाशन के क्षेत्र में देखा जा सकता है। यह प्रगतिशील विकासात्मक प्रवृत्ति अवसंरचनात्मक और सहायक सुविधाओं में काफी दिखाई देती है। विश्वविद्यालय छात्रों के सशक्तिकरण के लिए कुछ नवोन्मेषी योजनाएं ला रहा है जैसे, सीखते हुए कमाएं; पूर्व छात्र विन्यास निधि, इत्यादि। इसके अलावा, विश्वविद्यालय स्मार्ट कक्षाओं के रूप में कक्षा की बुनियादी सुविधाओं में गुणात्मक रूप से विकसित करने और बहुआयामी गतिविधियों को प्रभावी बनाने हेतु आईसीटी का व्यापक उपयोग करने में सफल रहा है।

देश के विभिन्न भागों से प्रतिबद्ध संकाय सदस्य विश्वविद्यालय की एक अन्य उल्लेखनीय शक्ति है। संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में शैक्षिक अवसरों में वृद्धि करने के लिए कई अभिनव प्रस्ताव भी प्रस्तुत किये गए हैं तथा कुछ राष्ट्रीय हितों और लक्ष्यों के अनुरूप ज्ञान के विकास करने के लिए विचाराधीन हैं।

चुनौतियां, निस्संदेह उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए अमृत के समान हैं तथा सभी भागीदारों : संकाय, शोधार्थी, छात्र, प्रशासनिक कर्मचारी और सहायक कर्मचारियों की सद्भावना और अखंड प्रतिबद्धता असली उत्प्रेरक है। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ईमानदारी, भाईचारे और सद्भावना से आने वाले वर्ष में नए शिखर प्राप्त करने के लिए दृढ़ता के साथ प्रतिबद्ध है।

जय हिन्द !

प्रो. संजीव जैन

विषय-सूची

क्रम सं	शीर्षक	पृष्ठ सं
1.	**जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के दस वर्ष**	8
2.	**विश्वविद्यालय निकाय**	24
3.	विश्वविद्यालय कोर्ट	24
4.	कार्यकारिणी परिषद	27
5.	योजना मंडल	28
6.	अकादमिक परिषद	30
7.	वित्त समिति	32
8.	**विश्वविद्यालय के अधिकारी**	33
9.	**शैक्षणिक सत्र 2021-2022 के दौरान छात्रों का विवरण**	34
10.	**वित्त एवं लेखा विभाग**	40
11.	**समितियाँ एवं प्रकोष्ठ**	41
12.	**अधिष्ठाता छात्र कल्याण**	49
13.	**विद्यालय तथा विभाग**	53
14.	**भाषा का विद्यालय**	54
15.	हिंदी एवं अन्यन भारतीय भाषा विभाग	55
16.	अंग्रेजी विभाग	60
17.	**आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय**	70
18.	कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग	71
19.	गणित विभाग	85
20.	भौतिकी एवं खगोल विज्ञान विभाग	87
21.	रसायन शास्त्रो एवं रसायनिक विज्ञान विभाग	89
22.	नैनो विज्ञान एवं पदार्थ विभाग	92
23.	**जीव विज्ञान विद्यालय**	96
24.	पर्यावरण विज्ञान विभाग	97
25.	प्राणि विज्ञान विभाग	106
26.	वनस्पति विज्ञान विभाग	110
27.	अणु जैविक विज्ञान केंद्र	113
28.	पृथ्वी विज्ञान विभाग	118
29.	**व्यावसायिक अध्ययन विद्यालय**	122
30.	मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार	123
31.	पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन	130
32.	विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	142
33.	**मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय**	148
34.	अर्थशास्त्र विभाग	149

35.	लोक नीति एवं लोक प्रशासन विभाग	152
36.	समाज कार्य विभाग	153
37.	तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता के	157
38.	**शिक्षा विद्यालय**	163
39.	शैक्षिक अध्ययन विभाग	164
40.	**ज्ञान प्रबंधन, सूचना एवं मीडिया अध्ययन विद्यालय**	169
41.	जन संचार एवं नवीन मीडिया विभाग	170
42.	**राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विद्यालय**	172
43.	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग	173
44.	**छात्रावास**	176
45.	**अभियांत्रिकी अनुभाग**	178
46.	**विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र**	182
47.	**विधि प्रकोष्ठ**	185
48.	**वर्ष के दौरान आयोजन**	186
49.	**आज़ादी का अमृत महोत्सव**	196
50.	**अनुलग्नक**	199

जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय के दस वर्ष

वर्ष 2022 में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा संस्थान के रूप में अपने अस्तित्व के दशक में प्रवेश किया है। परस्पर सिखने तथा आलोचनात्मक सोच को प्रेरित करने के मंत्र के रूप में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय एक शिक्षा ग्रहण करने का स्थान है। जो छात्रों को जीवन शैली तथा विस्तृत रूप से सीखने में मदद करता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप नए विशेष पाठ्यक्रमों के साथ, विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों को बहुआयामी दृष्टिकोण के साथ तैयार किया गया है, जिसमें अंत:विषयता, कौशल विकास और ऑनलाइन शिक्षा – शिक्षण की प्रक्रिया पर बल दिया गया है।

स्थापना और मुख्य आदर्श

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय 08 अगस्त, 2011 को केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 (केंद्रीय विश्वविद्यालय के अधिनियम 2009 के नियम संख्या -25 के तहत) स्थापित किया गया था जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का परिसर सांबा जिला के गांव बागला, राया -सुचानी में निर्माणाधीन एवं विकसित हो रहा है, जो जम्मू शहर से लगभग 25 किलोमीटर की दूरी पर है।

विश्वविद्यालय का प्रतीक चिह्न निम्नानुसार दर्शाया गया है :

प्रतीक चिह्न विवरण

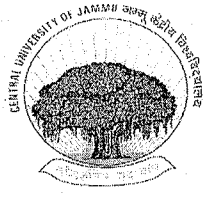

उगता सूरज, बरगद का पेड़ और अनंत आकाश प्रकृति के कुछ सबसे महत्वपूर्ण तत्व हैं, जो इसके सार का प्रतीक हैं और मानव जाति को जीवन के सृजन शीलता को अपनाने, ज्ञान प्राप्त करने और शांति और समृद्धि प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं। इन तत्वों को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक प्रतीक के रूप में एक साथ व्यवस्थित किया गया है।

बरगद के पेड़ की पृष्ठभूमि में उगता हुआ सूर्य अंधकार पर विजय का प्रतीक है - अज्ञान पर ज्ञान की विजय है। छात्र प्रकाश में रहकर, ज्ञान प्राप्त करेंगे और ज्ञान में विकास करेंगे।

प्रतीक का यह भाग घोषणा करता है कि बरगद का पेड़ शुद्ध हवा प्रदान करने के लिए अशुद्धियों को छानकर शुद्ध वायु उपलब्ध करता है तथा अपनी मूल जड़ों के माध्यम से सहारा प्रदान करते है, उसी प्रकार से विश्वविद्यालय अपने छात्रों के योगदान और सहभागिता के माध्यम से संगठित विचार, अंतर कर सकने वाली योग्यता तथा आत्म-अनुशासन ओर ले जाने का संकल्प रखता है।

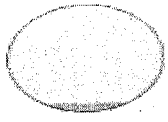

अनंत आकाश की विशाल चादर जिसमें सूर्य की किरणों से भरा है, उस विशाल विस्तार को दर्शाता है जो ज्ञान की प्राप्ति, वृद्धि और प्रसार के लिए उपलब्ध विशालता को दर्शाता है।

विचारों के पोषण और प्रवाह के लिए एक संपूर्ण प्रतीक चिह्न के रूप में उभरती है। विश्वविद्यालय अन्नत ज्ञान तथा बुद्धि का वास है जो अर्थ पूर्ण आत्मा-निरीक्षण के लिए मार्ग बनाता है जिनका परिणाम व्यक्तिगत बुद्धि का विकास होता है।

संक्षेप में बरगद का पेड़ तथा अन्नत आकाश के संग उगता सूर्य वास्तव में विश्वविद्यालय के मूल्यों आकाक्षाओं लक्ष्यों तथा स्वाभाविक विशेषताओं को दर्शाता है तथा यह गतिवान,ज्ञानवान तथा शक्तिवान युवाओं के माध्यम से उस प्रकाशवान समाज में पदार्पण करने की इच्छा को दर्शाता है जहां वे आधुनिक संसार के नए विचारों तथा उभरती प्रवृर्तियों को अपना सकें तथा उससे उठने वाली चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए आतुरता दर्शा सकें।

दूरदर्शिता

उच्च शिक्षा का अग्रणी केंद्र होना जिससे संस्कृति, ज्ञान, दर्शन, विज्ञान और मूल्य प्रणाली को एकीकृत हो, हमारी प्राचीन अवधारणाओं को आधुनिक तथा उभरते विचारों, योग्यता प्रौद्योगिकी और प्रबंधन अभ्यास से आत्मसात करें।

उद्देश्य

- ऐसी शिक्षा प्रदान करना जो हमारे प्रतीक चिह्न में तीन मुख्य प्रतीकों का प्रतिनिधित्व करता है; उगते सूर्य के समान इंद्रधनुषी, बरगद के समान अमर तथा आकाश के समान अनंत।
- आत्मविश्वास विकसित करना; जो अनुशासित अध्ययन से मिश्रित हो, जो अपनी शक्ति तथा दृढ़ विश्वास हेतु श्रद्धा में परिणत हो।
- संगठित विचार, आत्म-अनुशासन और विवेकशील संकाय पर जोर देकर शिक्षाविदों, प्रशासन, व्यवसाय और अनुसंधान में सतत विकास के लिए प्रतिभा विकसित करना है।
- अंतर विषय पर ध्यान केन्द्रित करना साथ ही अग्रणी संस्थानों के साथ संयुक्त शोध पर ज़ोर देना, जिसका उद्देश्य मानव संसाधन का विकास तथा नए विचारों, नवाचारों का एकीकरण हो।
- एक आधुनिक, स्थाई पर्यावरण, स्वस्थ तथा जीवंत परिसर प्रदान करना जो ग्रीन तकनीक के सिद्धांतों के अनुरूप हो।
- आसपास के क्षेत्रों के निवासियों के मामलों में विशेष रूप से सभ्य समाज के मामलों में सामान्य रूप से सहयोगी प्रतिभागी बनना।

परिसर स्थल

विश्वविद्यालय परिसर विश्वविद्यालय का प्रशासनिक कार्यालय परिसर स्थल, राया-सुचानी (बागला) जिला-सांबा, जम्मू-कश्मीर में स्थित है। जिसे कंप्यूटर नेटवर्किंग ,फर्नीचर एवं अन्य उपकरणों की सुविधाओं के साथ कार्यात्मक बनाया गया है। सभी शिक्षण विभागों ने शैक्षणिक सत्र 2017-18 से विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर से अपना कार्य प्रारंभ कर दिया है।

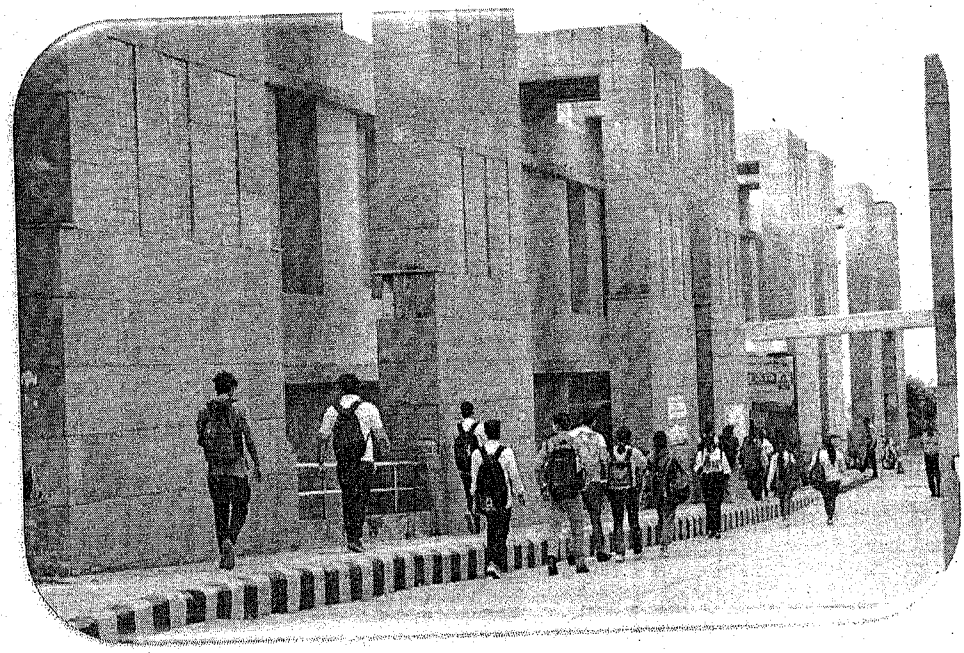

प्रस्तावित अध्ययन पाठ्यक्रम

शिक्षा तथा आलोचनात्मक विचारों को प्रेरित करना जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय मुख्य चर्चा के बिंदु है । सीयूजे शिक्षाशास्त्र की परंपराओं को तोड़ने का प्रयास करता है जो अधिकांश शैक्षिक प्रणाली का प्रतीक है। मानविकी और प्राकृतिक विज्ञान, साहित्य और कला और प्रबंधकीय अभ्यास वस्तुतः अलग हैं और इस तरह के अन्तरनुभागीय दृष्टिकोण के साथ भी देखा

जाता है । शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए, निम्नलिखित 54 शैक्षणिक, और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रस्तातवित किये गये थे -

क्रम सं.	अध्ययन पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम का प्रकार
1.	सौंदर्य और कल्याण	प्रमाणपत्र
2.	सौंदर्य और कल्याण	डिप्लोमा
3.	सौंदर्य और कल्याण (मेकअप)	
4.	खुदरा प्रबंधन	
5.	हिंदी-अंग्रेजी अनुवाद और विलोमत:	स्नातकोत्तर डिप्लोमा
6.	योग	
7.	भारतीय रहस्यमय विचार	
8.	शैववाद	
9.	भारतीय लिपि: ब्रह्मी और शारदा	
10.	एकीकृत बीएससी (ऑनर्स) - वनस्पति विज्ञान में स्नातकोतर	एकीकृत
11.	एकीकृत बीएससी (ऑनर्स) – प्राणी विज्ञान में स्नातकोतर	
12.	एकीकृत बीएससी (ऑनर्स) - भौतिकी में स्नातकोतर	
13.	एकीकृत बीएससी (ऑनर्स) - रसायन विज्ञान में स्नातकोतर	
14.	एकीकृत बीए - बी.एड	
15.	वी.वॉक खुदरा प्रबंधन	व्यवसायिक
16.	वी.वॉक पर्यटन प्रबंधन	
17.	वी.वॉक बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएं	
18.	स्नातकोतर पदार्थ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	स्नातकोत्तर
19.	एम.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी)	
20.	स्नातकोतर पर्यावरण विज्ञान	
21.	एमए / स्नातकोतर गणित	
22.	एमबीए पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन	
23.	एमबीए मानव संसाधन प्रबंधन	
24.	एमबीए विपणन प्रबंधन	
25.	एमबीए कार्यकारी	
26.	एमबीए	
27.	एमए अंग्रेजी	
28.	एमए लोक नीति एवं लोक प्रशासन	
29.	एमए समाज कार्य	
30.	एमए, जनसंचार एवं नवीन मीडिया	
31.	एमए राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन	
32.	एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)	

33.	एमए हिंदी	
34.	एमए अर्थशास्त्र	
35.	एमए योग	
36.	स्नातकोतर जैव प्रौद्योगिकी	
37.	कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	पीएचडी
38.	शिक्षा	
39.	गणित	
40.	पर्यावरण विज्ञान	
41.	समाज कार्य	
42.	मानव संसाधन प्रबंधन	
43.	पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन	
44.	व्यवसाय प्रशासन	
45.	पदार्थ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	
46.	भौतिक विज्ञान	
47.	रसायन शास्त्र	
48.	वनस्पति विज्ञान	
49.	तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता	
50.	हिन्दी	
51.	विपणन प्रबंधन	
52.	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन	
53.	अंग्रेज़ी	
54.	लोक नीति एवं लोक प्रशासन	

विश्वविद्यालय में अत्याधुनिक शिक्षण कक्ष, कंप्यूटर लैब, अनुसंधान प्रयोगशालाएँ एवं सक्षम संकाय सदस्य हैं। इसमें एक विशाल कैंटीन, एक खेल का मैदान और एक स्वास्थ्य केंद्र है जिसका प्रबंधन विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी करते हैं। परिसर वायर्ड और वायरलेस इंटरनेट सुविधा से जुड़ा हुआ है। आभासी शिक्षणकक्ष भी स्थापित है जो अन्य शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क के माध्यम से 1 जीबीपीएस के बैंड विड्थ से जुड़ा हुआ है।

शैक्षणिक संरचना और पाठ्यचर्या संबंधी पहलू

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में वर्तमान में आठ विद्यालय और दो स्वतंत्र केंद्र हैं। इनमें भाषा, साहित्य, सामाजिक विज्ञान और विज्ञान से लेकर बहु-विषयक विषय शामिल हैं। विश्वविद्यालय शिक्षण ,अनुसंधान और व्यापक गतिविधियों में अपनी उत्कृष्टता बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास करता है।

शैक्षणिक कार्यक्रमों की पाठ्यक्रम सामग्री को अपने हितधारकों को बेहतर ज्ञान प्रदान करके उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाय गया है। हर पाठ्यक्रम की संरचना जिसमें प्रयोगशाला प्रयोग (जहां भी लागू हो), प्रस्तुतियाँ, आंतरिक सम्मेलन , कार्य, स्व-अध्ययन और शोध प्रबंध आईसीटी सक्षम अभिनव शिक्षा और शिक्षण शामिल है। प्रत्येक पाठ्यक्रम की संरचना में आईसीटी सक्षम नवीन शिक्षण और शिक्षण ,प्रयोगशाला प्रयोग (जहां भी लागू हो), प्रस्तुतियां , विभागीय सम्मेलन ,असाइनमेंट ,स्व-अध्ययन और शोध प्रबंध शामिल हैं।

प्रौद्योगिकी ,उद्योग की बदलती प्राथमिकताओं के साथ-साथ ज्ञान प्रदान करने के तरीकों और इसके कार्यान्वयन को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रमों को नया स्वरूप देने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पाठ्यक्रम सामग्री को अद्यतन और उन्नत करने की ये पहल संबंधित केंद्रों और विभाग के अध्ययन बोर्डों द्वारा देश, भर के विभागाध्यक्ष शैक्षणिक और वैज्ञानिक संस्थानों से प्राप्त विशिष्ट बाहरी सदस्यों के सुझाव के साथ किया जाता है। इस अभ्यास का उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले पाठ्यक्रमों के लिए अत्याधुनिक निष्पादन और लाभ प्रदान करना है। यह राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के संदर्भ में रोजगार प्रदत्त योग्यता और सामाजिक और आर्थिक प्रासंगिकता पर जोर देने के साथ विश्वविद्यालय के स्नातकों को विश्व स्तर पर सक्षम बनाना है।

च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, योजना की स्थापना प्रारंभ के समय से ही की गई है, विश्वविद्यालय अपने पाठ्यक्रमों में पर्याप्त गुंजाइश के साथ कोर अनिवार्य, कोर इलेक्टिव और फाउंडेशन पाठ्यक्रमों के रूप में विभागों और केंद्रों के पाठ्यक्रमों में अंत: अनुशासनात्मक आवश्यक अकादमिक लचीलेपन को शामिल करता है ।

विश्वविद्यालय ने पाठ्यक्रम संरचना और सामग्री पर छात्रों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए एक जगह पर एक औपचारिक तंत्र स्थापित किया गया है। छात्रों से प्राप्त प्रतिक्रिया एवं बाहरी विशेषज्ञों के अवलोकन और सुझावों का विश्लेषण कर पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र को संशोधित और अद्यतन करने के लिए ठोस आधार प्रदान करता है।

विश्वविद्यालय की स्थापना के दस्तावेज़ में उल्लिखित उद्देश्यों और दायित्वों के अनुरूप ,विश्वविद्यालय आंतरिक सुरक्षा, राष्ट्रीय

सुरक्षा, जैसे क्षेत्रों में पाठ्यक्रम प्रस्तावित करता है और अनुसंधान करता है।

अध्ययन – अध्यापन और मूल्यांकन

विश्वविद्यालय अपने सभी अकादमिक और मूल्यांकन कार्यों में पारदर्शिता अपनाता है और सभी उपलब्ध शैक्षणिक पाठ्यक्रमों का व्यापक प्रचार सुनिश्चित करता है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश अखिल भारतीय स्तर पर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का संचालन करने वाले नए स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अपनी तरह का पहला विश्वविद्यालय है। पूरी प्रक्रिया की निगरानी केंद्रीय प्रवेश समिति द्वारा की जाती है जिसमें परीक्षा नियंत्रक ,विद्यालयों के अधिष्ठाता ,विभिन्न विद्यालयों के संकाय सदस्य और एससी , एसटी ,ओबीसी ,महिला और अल्पसंख्यक की श्रेणियों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रत्येक सदस्य शामिल होते हैं। विश्वविद्यालय नए विद्यार्थियों को जिस पाठ्यक्रम का चयन किया गया है उसकी विशेषताएं और पाठ्यक्रम पूरा होने पर उसके अवसर के बारे में अवगत अवगत कराने के लिए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करता है।

सभी विद्यालयों द्वारा शैक्षणिक कैलेंडर का पालन किया जा रहा है और सीखने की प्रक्रिया को छात्र-केंद्रित बनाने के लिए सभी संभव उपाय सुनिश्चित किए जा रहे हैं। अधिकांश शिक्षण-अधिगम पद्धतियां आईसीटी आधारित हैं। चौबीसों घंटे लैन कनेक्टिविटी के माध्यम से सभी छात्रों के लिए ई-लर्निंग सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हैं। संकाय सदस्य शिक्षार्थियों के बीच रचनात्मकता की संस्कृति सुनिश्चित करते हैं।

शिक्षकों को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय शैक्षणिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जो उन्हें प्रतिष्ठित शिक्षाविदों के साथ परिचर्चा करने में सक्षम बनाता है।

विश्वविद्यालय केंद्रीय स्तर पर निरंतर आंतरिक मूल्यांकन और सत्र के अंत में विश्वविद्यालय द्वारा बाहरी मूल्यांकन के माध्यम से छात्रों की प्रगति का मूल्यांकन करके परीक्षा की एक पारदर्शी और मानक प्रणाली का अनुपालन करता है। छात्रों के मूल्यांकन के लिए यूजीसी के दिशानिर्देशों का पालन किया जाता है।

अनुसंधान एवं विकास

अनुसंधान एवं विकास पर विश्वविद्यालय का मुख्य बल है। कई विभाग और केंद्र अंतःविषय दृष्टिकोण के साथ अनुसंधान पाठ्यक्रम प्रस्तुत करते हैं। अनुसंधान परियोजनाओं के सुचारू कार्यान्वयन की सुविधा के लिए ,विश्वविद्यालय:

- विभिन्न विषयों में प्रस्ताव प्रस्तुतियों को प्रोत्साहन और सहायता प्रदान की जाती है।
- जांचकर्ताओं द्वारा की गई मंजूरी/खरीद से संबंधित प्रक्रिया को सरल किया गया है।
- समय पर अनुदान जारी करना सुनिश्चित किया जाता है।
- वित्त पोषण प्राधिकारियों को समय पर लेखा परीक्षा और उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित किया जाता है।

ढांचागत सुविधाएं, प्रकोष्ठ/केंद्र और वार्षिक गतिविधियां

- **संकाय कक्ष और केबिन**

संकाय के पास अच्छी तरह से सुसज्जित आईटी-सक्षम क्यूबिकल्स और वर्क स्टेशन हैं जो उन्हें अकादमिक और अनुसंधान गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए सभी सुविधाएं प्रदान करते हैं।

- **ब्रि. राजेंद्र सिंह संगोष्ठी हॉल**

170लोगों के बैठने की क्षमता से सुसज्जित संगोष्ठी हॉल बनाया गया है। बैठक ,सम्मेलन ,शैक्षणिक गतिविधियों आदि के लिए मुख्य परिसर में सभागार स्थापित किए गए हैं।

- **समिति कक्ष**

बैठकों, सेमिनारों और आंतरिक चर्चाओं के लिए शैक्षणिक भवन में एक अत्याधुनिक समिति कक्ष स्थापित किया गया है।

- **स्वास्थ्य केंद्र**

विश्वविद्यालय के छात्रों ,कर्मचारियों और संकाय के लिए परिसर में पूर्णकालिक वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों और नर्सिंग स्टाफ के साथ चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

- **कैंटीन / कैंफेटेरिया**

विश्वविद्यालय में एक विशाल ,हवादार कैंटीन है जहां छात्र और शिक्षण संकाय अपने परिसर में स्वच्छ परिस्थितियों में तैयार स्वच्छ खाने का स्वाद लेते हैं।

- **छात्रावास**

विश्वविद्यालय में एक 100 बिस्तर का पुरुष छात्रावास और एक कन्या छात्रावास 100 बिस्तर निर्माणाधीन है। वर्तमान में विश्वविद्यालय ने बाहर के छात्रों को समायोजित करने के लिए जम्मू शहर में मासिक आधार पर निजी भवनों को किराए पर लिया है। उपलब्धता के आधार पर ,ये छात्रों को उनकी योग्यता और दूरी के आधार पर आवंटित किए जाते हैं।

प्रशासनिक संरचनात्मक ढ़ाचा

- कुलपति सचिवालय
- कुलसचिव का कार्यालय
- परीक्षा नियंत्रक का कार्यालय
- मानव संसाधन विंग
- समान और सेवा विंग
- डी.आई.क्यू.ए
- भाषा विद्यालय
- आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय
- प्राणि विज्ञानविद्यालय
- व्यावसाय अध्ययन विद्यालय
- मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय
- शिक्षा विद्यालय
- राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन का विद्यालय
- ज्ञान प्रबंधन, सूचना एवं मीडिया अध्ययन विद्यालय
- सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र
- शैक्षणिक एवं प्रशासनिक खण्ड
- बिग्रेडियर राजेन्द्र सिंह सभागार
- समिति कक्ष
- वर्चुअल लर्निंग रिसोर्स सेंटर
- भाषा प्रयोगशाला
- केंद्रीय पुस्तकालय
- ओपन एयर वाई-फाई प्वाइंट
- ओबीसी प्रकोष्ठ

- एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी प्रकोष्ठ
- स्थानन प्रकोष्ठ
- छात्रावास
- स्वास्थ्य केंद्र
- योग केंद्र
- कैंटीन /कैफेटेरिया
- व्यायामशाला
- जम्मू और कश्मीर बैंक की शाखा ,एसबीआई ,एचडीएफसी बैंक और एटीएम

विश्वविद्यालय के कन्या एवं पुरुष छात्रावास, सैनिक कॉलोनी ,जम्मू में स्थित हैं।

1. कक्षाएं और व्याख्यान शाला

विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों की वर्तमान जरूरतों को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय में पर्याप्त संख्या में कक्षाएं और व्याख्यान शाला हैं। कक्षाएँ शिक्षण के लिए अपेक्षित अत्याधुनिक उपकरणों से अच्छी तरह से सुसज्जित हैं।

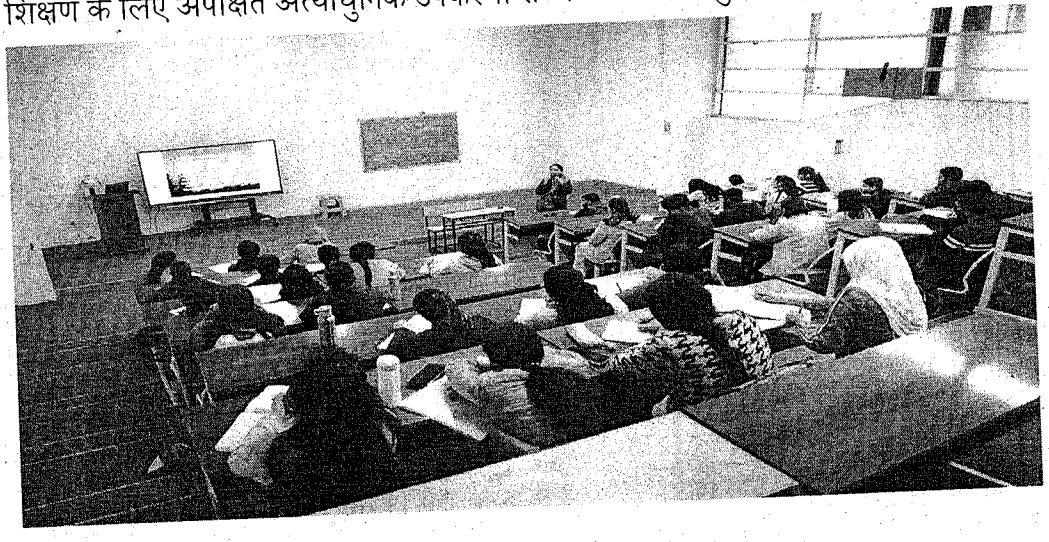

2. पुस्तकालय

विश्वविद्यालय में पूरी तरह से स्वचालित पुस्तकालय है। पुस्तकालय विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत अध्ययन के विभिन्न विषयों/पाठ्यक्रमों से संबंधित पर्याप्त संख्या में पुस्तकों ,पत्रिकाओं और संदर्भ पुस्तक से भरा हुआ है। ई-शोध सिंधु: कंसोर्टियम फॉर हायर एजुकेशन इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्सेज एंड साइंस डायरेक्ट के माध्यम से सब्सक्राइब किए गए ई-जर्नल्स में प्रमुख हैं।

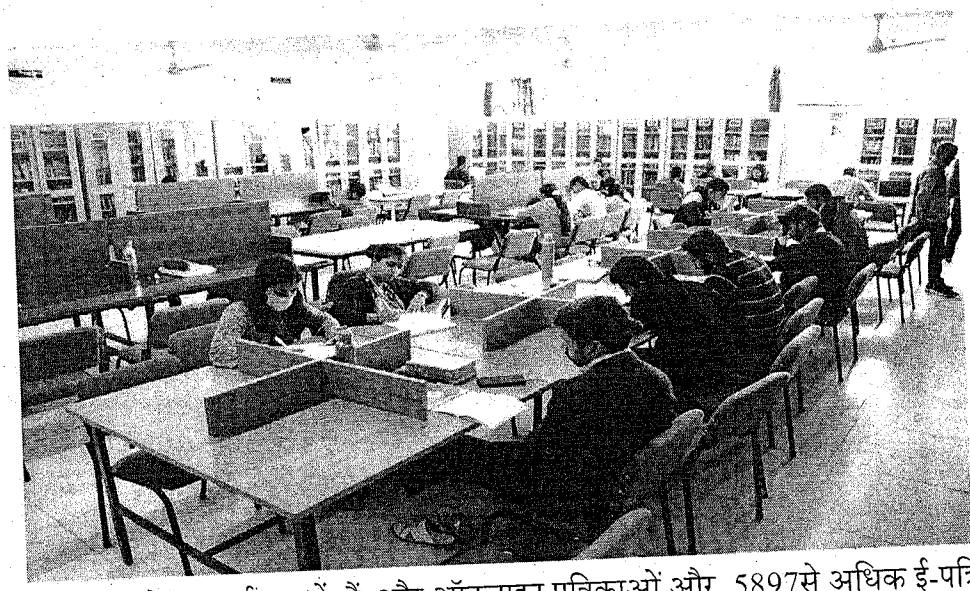

इसमें लगभग 27850पुस्तकें और 261ई-पुस्तकें हैं ,और ऑनलाइन पत्रिकाओं और 5897से अधिक ई-पत्रिकाओं की सदस्यता प्राप्त है। पुस्तकालय संचालन और सेवाओं के लिए कोहा सॉफ्टवेयर का उपयोग करके पुस्तकालय को पूरी तरह से स्वचालित किया गया है। केंद्रीय पुस्तकालय पुस्तकों की चोरी की सुरक्षा के लिए आरएफआईडी प्रौद्योगिकी प्रणाली का उपयोग करता है और यह संचालन अनुभाग के लिए स्वयं चेक-इन और स्वयं चेक आउट सुविधा प्रदान करता है।

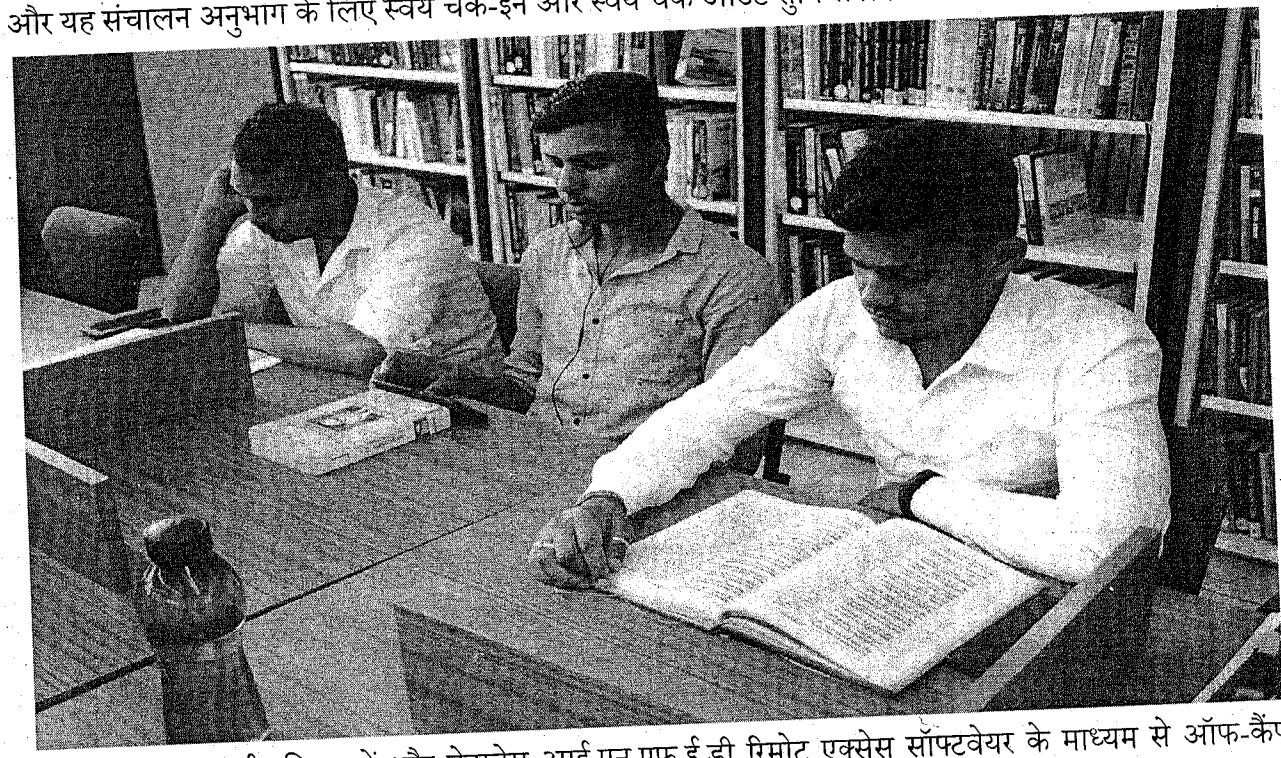

केंद्रीय पुस्तकालय ई-पत्रिकाओं और डेटाबेस आई.एन.एफ.ई.डी रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर के माध्यम से ऑफ-कैंपस अभिगम प्रदान करता है।

विवरण	2021-22
जोड़ी गई पुस्तकों की संख्या	1041
जोड़ी गई ई-पुस्तकों की संख्या	0

ई-जर्नल्स - उच्च शिक्षा इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के लिए ई-शोध सिंधु कंसोर्टियम अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी पत्रिका और आर्थिक राजनीतिक साप्ताहिक (ईपीडब्लू) जे-स्टोर स्प्रिंगर लिंक टेलर और फ्रांसिस साइंस डायरेक्ट (सीयू जम्मू द्वारा शुल्क दिया गया)	5897
एंटीप्लागियरिम सॉफ्टवेयर क) उरकुंड/टर्निटिन साहित्यिक चोरी विरोधी	02
ई डेटाबेस जे. गेट प्लस आईएसआईडी गणित विज्ञान नेट इंडियास्टेट हार्वर्ड व्यापार समीक्षा	05

3. इंटरनेट और आईसीटी प्रयोगशाला

विश्वविद्यालय निर्बाध वाई-फाई कनेक्टिविटी से युक्त है और छात्र कैंपस में कहीं से भी अपने लैपटॉप के माध्यम से इंटरनेट का उपयोग कर सकते हैं। विश्वविद्यालय में तीन अत्याधुनिक आईसीटी प्रयोगशाला भी हैं, जो छात्रों के लिए सुलभ आवश्यक सॉफ्टवेयर से भरे उन्नत कंप्यूटरों से युक्त हैं।

4. विश्वविद्यालय बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (यूबीआईसी)

विश्वविद्यालय व्यापार ऊष्मायन केंद्र यूबीआईसी की स्थापना की गई है और यह छात्रों के साथ-साथ स्थानीय लोगों के बीच उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने के एम/ओ एमएसएमई, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित नवाचार ऊष्मायन और उद्यमिता परिषद के तत्वावधान में 2015 से कार्य कर रहा है। इनक्यूबेशन सेंटर का उद्देश्य और व्यावसायीकरण के नज़रियें से नवीन विचारो को सहायता प्रदान करना और इनक्यूबेटियों को ढांचागत सहायता प्रदान करना है।

यूबीआईसी आवश्यक सलाह प्रदान करके ,आईपी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देकर और उद्यमियों को अपने विचारों के व्यावसायीकरण के लिए एक मंच प्रदान करके उभरते हुए नवोन्मेषी उद्यमों में मौजूदा और संभावित उद्यमियों के नवीन विचारों को सहायता प्रदान करता है ,इसके अलावा अनुदानित दरों और आईपी सुरक्षा पर विभिन्न वित्तीय संस्थानों से पूंजी जुटाने में मदद करता है। साथ ही नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए कैंपस स्टार्ट अप ट्रैक शुरू किया गया है। इसी क्रम में ,व्यावसायिक प्रासंगिकता वाले सर्वोत्तम नवीन विचारों को बढ़ावा देने के लिए यूबीआईसी द्वारा 25000/- रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की गई है। उद्यमिता के बारे में जागरूकता पैदा करने और भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में छात्रों को संवेदनशील बनाने के लिए ,यूबीआईसी और यूआईसी द्वारा एक व्याख्यान श्रृंखला आरंभ की गई है जिसमें सफल उद्यमियों के साथ विविध क्षेत्रों के विशेषज्ञों को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

5. उद्योग-अकादमी इंटरफेस

विश्वविद्यालय ने देश और विदेश में विभिन्न उद्योगों ,प्रतिष्ठित संस्थानों /विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए

हैं जिनमें चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ,जम्मू ,वीएलसीसी ,नैसकॉम फाउंडेशन (नई दिल्ली) आश्रय इनक्यूबेटर अहमदाबाद एएससीआई ,हैदराबाद के साथ समझौता ज्ञापन शामिल हैं। विश्वविद्यालय ने शीर्ष औद्योगिक संगठनों अर्थात की सदस्यता भी प्राप्त की जैसे – आई. एस. टी. डी. आई.ए.ओ.टी.ए, सी.आई.आई.एन.एच.आर.डी.एन ए.आई. एम. ए. यूनाइटेड नेशन एकेडमिक इम्पैक्ट(यूएनएआई) आदि। इस लिंकेज ने छात्रों और संकाय के लाभ के लिए एक मजबूत उद्योग-अकादमी इंटरफेस का निर्माण किया है। विश्वविद्यालय ने प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला शुरू की है, जिसमें प्रमुख जानी-मानी हस्तियों और विशेषज्ञों को समय-समय पर छात्रों और संकायों के साथ बातचीत के लिए आमंत्रित किया जाता है।

विश्वविद्यालय ने उद्योग की जमीनी स्तर की समझ के प्रति व्यवसाय को संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से एक अद्वितीय कॉर्पोरेट आप्लावन और नेतृत्व विकास कार्यक्रम भी शुरू किया है जो अधिगम कक्षा में सीखने को वास्तविक स्थिति से जोड़ने का प्रयास करता है।

6. सह पाठ्यक्रम गतिविधियां

विश्वविद्यालय परिसर में खेलकूद एवं अन्य सह-पाठयक्रम गतिविधियों की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। इनमें क्रिकेट ,फुटबॉल , वॉलीबॉल ,बैडमिंटन और बास्केटबॉल जैसे आउटडोर खेल शामिल हैं। इसके अलावा ,टेबल टेनिस ,शतरंज और कैरम जैसे इनडोर खेलों की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

7. एन.एस.एस गतिविधियां

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 2015 में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में बनाई गई थी ताकि छात्रों को सामुदायिक विकास और जागरूकता कार्यक्रमों जैसे सह-पाठयक्रम गतिविधियों में शामिल किया जा सके। यूनिट ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 120से अधिक स्वयंसेवकों को नामांकित किया है। इसने विभिन्न गतिविधियां जैसे-: रक्तदान शिविर ,पीआरए (ग्रामीण मूल्यांकन सहभागिता) के तहत दौरा ,युवा महोत्सव में सहभागिता ,गणतंत्र दिवस समारोह ,डिजिटल इंडिया कार्यशाला आदि का का आयोजन किया है।

8. व्यायामशाला

विश्वविद्यालय ने मुख्य परिसर में पूरी तरह से सुसज्जित व्यायामशाला की स्थापना की है।

9. संयुक्त प्रशिक्षण कक्षाएं

विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ-साथ बाहर के छात्रों जैसे - अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और पीडब्ल्यूडी छात्रों के लिए सीटों की संख्या के साथ संयुक्त केंद्रीय और राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षाओं की प्रशिक्षण कक्षाएं भी प्रदान कर रहा है।

10.योग में पीजी डिप्लोमा कोर्स

विश्वविद्यालय ने छात्रों के लिए शैक्षणिक सत्र 2018 से योग में एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किया है।

11.उड़ान

विश्वविद्यालय सांस्कृतिक उत्सव उड़ान का आयोजन करता है जिसमें छात्र गायन ,नृत्य, कला ,रंगोली बनाने आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं।

12. उच्च शिक्षा के लिए छात्र प्रगति

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कई छात्र दि), ईएनएससीबीपी बोर्डो(फ्रांस) जामिया मिलिया इस्लामिया, पंजाबी विश्वविद्यालय, मानू हैदराबाद , एस्टोनिया विश्वविद्यालय, आईआईटी जोधपुर जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च उपाधि प्राप्त कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के छात्र इन सभी प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे- एनआईटी श्रीनगर, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, आईआईटी इंदौर आदि से अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त करके अपने जीवन में उत्कृष्टता दिखा रहे हैं।

13. परिवहन सुविधा

विश्वविद्यालय के छात्रों को मुख्य परिसर से बागला राया-सूचानी आगमन-प्रस्थान हेतु एक शटल बस सेवा प्रदान कर रहा है। इसके अलावा ,विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को स्टाफ बस सेवा भी प्रदान कर रहा है।

14. सम्मेलन सुविधा

विश्वविद्यालय में 50से 200व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाले सम्मेलनों ,कार्यशालाओं और संगोष्ठियों के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित सभागार उपलब्ध हैं।

15. गैर-नेट छात्रवृत्ती

सभी छात्रों पीएच.डी पाठ्यक्रम, यूजीसी गैर-नेट अध्येताव्रत्ति पहल के माध्यम से मासिक अध्येताव्रत्ति प्राप्त करने के पात्र हैं। विश्वविद्यालय समय-समय पर निर्धारित अध्येताव्रत्ति के लिए संबंधित वित्तीय निकायों द्वारा दिशानिर्देशों का पालन करता है।

16. *अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक छात्राओं के लिए कल्याणकारी योजनाएँ*

विश्वविद्यालय में भारत सरकार और यूजीसी द्वारा अधिसूचित कार्यान्वित कल्याणकारी योजनाओं का अनुपालन किया जाता है और समय-समय पर घोषित योजनाओं को विश्वविद्यालय के अंतर्गत लागू किया जाता है।

17. शारीरिक शिक्षा निदेशालय

विश्वविद्यालय शारीरिक गतिविधियों के महत्व से अवगत है और वार्षिक खेल का आयोजन करता है। परिसर में एक व्यायामशाला की सुविधा उपलब्ध है। विश्वविद्यालय ने खेल सुविधाओं के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (एस ए ऑफ आई), गांधीनगर के साथ भी करार किया है।

18. *स्थानन प्रकोष्ठ*

विश्वविद्यालय ने एक स्थानन और प्रशिक्षण प्रकोष्ठ की स्थापना की है, जो विश्वविद्यालय में संभावित नियोक्ताओं के बीच परस्पर सहयोग के लिए उत्तरदायी है।

उच्च शिक्षा में सुधार और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों के अनुभवों से सीखते हुए ,विश्वविद्यालय ने कई नवाचारों की शुरुआत की है जिनका विवरण नीचे दिया गया है।

- **सत्र आधारित शैक्षणिक कैलेंडर**

विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक कार्यक्रम ,एकीकृत स्नातकोतर उपाधि ,स्नातकोतर उपाधि और पीएच.डी. पाठ्यक्रम यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार चालाए जाते हैं, और आवश्यक शिक्षण दिनों और शिक्षण सुझावों के संदर्भ में वैश्विक प्रथाओं के अनुरूप तैयार किए जाते हैं। पीएच.डी .में प्रविष्ट सभी छात्रों को छह महीने की अवधि के अनिवार्य पाठ्यक्रम करना अनिवार्य हैं।

- ***व्यापक विकल्प आधारित क्रेडिट सिस्टम पर आधारित पाठ्यक्रम***

विश्वविद्यालय ने यूजीसी के दिशा-निर्देशों के अनुसार विकल्प आधारित क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) को अपनाया है।

- ***अध्ययन के पाठ्यक्रमों का निर्माण करने में अभिनव दृष्टिकोण***

विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत अध्ययन पाठ्यक्रमों छात्रों को उनके संबंधित क्षेत्रों में विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के उद्देश्य से तैयार किए गए हैं। शिक्षार्थी की जरूरतों और अपेक्षाओं को समायोजित करने के लिए सामग्री ,माध्यम और सीखने की गति में व्यापक विकल्प रखने के लिए पारंपरिक शिक्षक केंद्रित दृष्टिकोण के विपरीत छात्र केंद्रित दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

- **अंतर-अनुशासनात्मक पाठ्यक्रम का अध्ययन**

विश्वविद्यालय के अकादमिक विभागों का बुनियादी विषयों के आस-पास निर्माण किया गया है ताकि संकाय सदस्य अनुसंधान के अपने विशेष क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर सकें। विश्वविद्यालय के अध्ययन का प्रत्येक कार्यक्रम अंतर-अनुशासनात्मक है जो छात्रों को विश्वविद्यालय के अन्य विभागों द्वारा प्रदान किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों से आवश्यक संख्या में क्रेडिट जमा करने का अधिकार देता है।

- **सभी शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए मूल्यांकन प्रक्रिया**

कार्य, सामूहिक कार्य, मध्य सत्र और अंतिम सत्र परीक्षाओं के आधार पर निरंतर आंतरिक मूल्यांकन के माध्यम से किया जाता है। प्रत्येक विभाग निरंतर आंतरिक मूल्यांकन के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के प्रदर्शन को समझने के लिए गतिविधियों की सूची में से कम से कम चार गतिविधियों को सक्रिय करता है। मूल्यांकन प्रक्रिया में निम्नलिखित शामिल हैं:

सतत आंतरिक मूल्यांकन	25%
मध्य सत्र परीक्षा	25%
अंतिम सत्र परीक्षा	50%

- **पीएच.डी. पाठ्यक्रम**

विश्वविद्यालय में पूर्णकालिक/अंशकालिक पीएच.डी ऐसे पाठ्यक्रम जिनका उद्देश्य अनुसंधान कौशल में गति लाना ,शिक्षण क्षमताओं को बड़ाना ,गुणवत्तापूर्ण शोध प्रकाशन तैयार करना और संगोष्ठियों/सम्मेलनों में सक्रिय सहभागिता करना है।

सर्वोत्तम अभ्यास

- प्रवेश परीक्षा और प्रवेश प्रक्रियाओं का पूर्ण स्वचालन
- परीक्षा नियंत्रक कार्यालय का स्वचालन
- परिणामों की समय पर घोषणा
- पाठ्यक्रम का नियमित अद्यतन

- • सभी स्कूलों में आईसीटी समर्थित शिक्षण-अधिगम में सीबीसीएस का पालन किया जाता है।
- अंतरराष्ट्रीय प्रस्तुतियों के लिए संकाय को वित्तीय सहायता
- चिकित्सा सुविधा और प्रतिपूर्ति -स्वयं और परिवार
- अस्पताल में भर्ती के दौरान नकदहीन सुविधा सहित चिकित्सा सहायता के लिए तीन मुख्य अस्पतालों को जोड़ा गया है।
- एम्बुलेंस सुविधा
- अवकाश यात्रा रियायत -स्वयं एवं परिवार
- योग केंद्र
- नई पेंशन योजना
- कैरियर उन्नति योजना
- अध्ययन अवकाश
- संकाय सदस्यों का शैक्षणिक सहभागिता के लिए यात्रा अनुदान
- तीन मिनट की शोध प्रबंध प्रतियोगिता
- लेखक श्रृंखला का स्मरण
- साप्ताहिक संगोष्ठी

छात्र और कर्मचारी शिकायत निवारण

- अधिष्ठाता छात्र कल्याण का कार्यालय
- एससी/एसटी संपर्क अधिकारी
- समान अवसर प्रकोष्ठ
- ओबीसी संपर्क अधिकारी
- योन उत्पीडन के विरूद्ध लिंग संवेदीकरण समीति
- शिकायत निवारण समिति

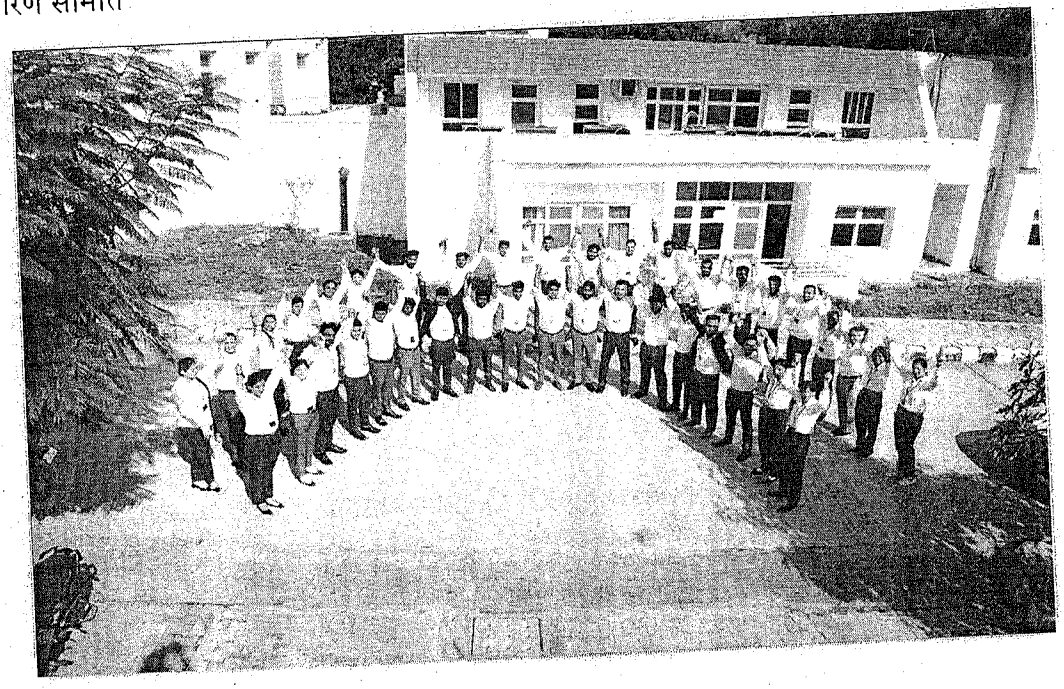

विश्वविद्यालय निकाय

विश्वविद्यालय कोर्ट

विश्वविद्यालय कोर्ट का गठन अधिनियम में निहित प्रावधानों के अनुसार:

i.	कुलाधिपति	**श्री गोपालस्वामी पार्थसारथी** पदेन-सदस्य
ii.	कुलपति	**प्रो. संजीव जैन** पदेन-सदस्य
iii.	सम-कुलपति	पदेन-सदस्य
iv.	सभी अधिष्ठाता	पदेन सदस्य
v.	कार्यकारिणी परिषद के दो सदस्यों को कार्यकारिणी परिषद द्वारा नामित।	1. **प्रो. उदय प्रताप सिंह** आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, मानव विज्ञान विभाग , लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ 2. **प्रो. सुशील कुमार गुप्ता** आचार्य, कृषि वानिकी प्रभाग, कृषि संकाय एस.के.यू. ए एस टी-जम्मू
vi.	सभी विभागाध्यक्ष (एचओडी)	**सदस्य** पदेन
vii.	कुलाध्यक्ष द्वारा मनोनीत किए जाने वाले चार सदस्य *(एमएचआरडी के पत्र एफ.सं. 52-7/2013-सीयू-III दिनांक 26.07.2018 के तहत चार सदस्य मनोनीत*	**डॉ.बंदना पांडेय** पूर्व निदेशक, एचआरडीसी, गुरु जंबेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार **डॉ .अलका शर्मा** व्यावसाय विद्यालय , जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू **प्रो .गीता सिंह** निदेशक, उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय **प्रो. जी .मुस्तफा शाह** प्राणि विज्ञान विभाग , कश्मीर विश्वविद्यालय
viii.	अधिष्ठाता छात्र कल्याण	**सदस्य** पदेन
ix.	कुलसचिव	**सदस्य- सचिव** पदेन
x.	पुस्तकालय अध्यक्ष	**सदस्य**

		पदेन
xi.	कुलानुशासक	**सदस्य** पदेन
xii.	परीक्षा नियंत्रक	**सदस्य** पदेन
xiii.	वित्त अधिकारी	**सदस्य** पदेन
xiv.	दस आचार्य जो विभागाध्यक्ष / अधिष्ठाता नहीं हैं, लेकिन वे आचार्य / निदेशक / प्राचार्य का दर्जा रखते हैं। प्रत्येक विद्यालय /केंद्र/कॉलेज का प्रतिनिधित्व करने वाले कुलपति द्वारा बारी-बारी से नामित किए जाने वाले आचार्य/निदेशक/प्राचार्य। प्रतिनिधित्व प्रत्येक विभाग/विद्यालय/केंद्र को दिया जाएगा। सभी को प्रतिनिधित्व मिलने तक रोटेशन किया जाएगा।	1. रिक्त 2. रिक्त 3. रिक्त 4. रिक्त 5. रिक्त 6. रिक्त 7. रिक्त 8. रिक्त 9. रिक्त 10. रिक्त
xv.	दो सह-आचार्य जो शिक्षण विभागों के विभागाध्यक्ष नहीं हैं। प्रत्येक विद्यालय /केन्द्र/कॉलेज का प्रतिनिधित्व करने वाले कुलपति द्वारा बारी-बारी से नामित किए जाने वाले सह-आचार्य । प्रत्येक विभाग/विद्यालय/केंद्र को अभ्यावेदन दिया जाएगा । सभी को प्रतिनिधित्व मिलने तक रोटेशन किया जाएगा।	1. **डॉ.ऋचा कोठारी** सह- आचार्य पर्यावरण विज्ञान विभाग 2. **डॉ .सुरम सिंह** सह -आचार्य भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान विभाग
xvi.	रोटेशन द्वारा दो सहायक आचार्य, कुलपति द्वारा मनोनीत किए जाएंगे।	1. **डॉ .संजय कुमार शर्मा** सहायक आचार्य गणित विभाग 2. **डॉ .वंदना शर्मा** सहायक आचार्य हिंदी विभाग
xvii.	शिक्षणेत्तर स्टाफ के तीन सदस्य, समूह 'ए' स्टाफ से एक, समूह 'बी' स्टाफ से एक और समूह 'सी' से एक, कुलपति द्वारा रोटेशन के आधार पर नामित किया जाएगा।	**समूह क'** **मोहम्मद इकबाल** उप कुलसचिव **समूह 'ख'**

		श्री. उदय वीर सिंह जामवाल, सहायक **समूह 'ग'** **सुश्री क्षमा शर्मा** उच्चा श्रेणी लिपिक
xviii.	उद्योग, वाणिज्य, ट्रेड यूनियनों, बैंकिंग, कृषि, स्वास्थ्य और संस्कृति, वित्तीय संस्थानों, कानूनी, नौकरशाह, पुलिस / सेना, प्रख्यात शिक्षाविदों, इंजीनियरिंग / वास्तुकला, मीडिया, टीवी / फिल्म के प्रतिनिधियों सहित व्यवसायों और विशेष हितों के समाजिक कार्य, कॉर्पोरेट, आदि का प्रतिनिधित्व करने वाले छह व्यक्ति को कार्यकारिणी परिषद द्वारा नामित किया जाना है।	**अशोक भान** संरक्षक ,आईआईपीए जम्मू और कश्मीर क्षेत्रीय शाखा , जम्मू जम्मू और कश्मीर पुलिस के पूर्व महानिदेशक **अध्यक्ष** जम्मू और कश्मीर बैंक **श्री सोनम वांगचुक** मुख्य समन्वयक और संस्थापक सदस्य ,हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव ,लद्दाख **श्री कैलाश कुमारत पाठक** निदेशक ,भविष्य प्रौद्योगिकी प्रबंधन निदेशालय डीएफटीएम ,डीआरडीओ **प्रो .अनिल के गुप्ता** संस्थापक ,हनी बी नेटवर्क ,एस.आर.आई.एस.टी.आई ज्ञान और नेशनल नवाचार संस्थापक **श्री संजय काचरू** पूर्व संपादकीय सलाहकार समाचार 18 नेटवर्क और पूर्व उपाध्यक्ष, मीडिया रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड
xix.	कुलपतियों और प्रख्यात शिक्षाविदों में से कुलाधिपति द्वारा दो व्यक्तियों को मनोनीत किया जाएगा।	**प्रो. अमिताभ मट्टू** अंतराष्ट्रीय अध्ययन विद्यालय ,जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय एवं पूर्व कुलपति, जम्मू विश्वविद्यालय **प्रो .वरुण साहनी** कुलपति ,गोवा विश्वविद्यालय
xx.	एक पूर्व छात्र और छात्र परिषद प्रतिनिधि	**पूर्व छात्र** **डॉ. मीनाक्षी राणा** छात्र परिषद प्रतिनिधि सुश्री मीनाक्षी देवी हिंदी विभाग

कार्यकारिणी परिषद

कार्यकारिणी परिषद की संरचना	कार्यकारिणी परिषद के सदस्य
कुलपति	**अध्यक्ष** पदेन
सम-कुलपति	**सदस्य** *रिक्त*
सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार या उनके नामित व्यक्ति जो संयुक्त सचिव के पद से कम का न हो	***सदस्य*** *पदेन*
अध्यक्ष ,यूजीसी या उनके नामित	**प्रो. (श्रीमती) मंजुला राणा,** आचार्य और विभागाध्यक्ष , हिंदी विभाग, एचएनबी, गढ़वाल विश्वविद्यालय श्रीनगर, गढ़वाल-246 174 उत्तराखंड *(पदेन)*
उच्च शिक्षा से संबंधित मामलों से निपटने वाले राज्य सरकार के सचिव	**सदस्य** *(पदेन)*
अकादमिक में विशिष्ट चार व्यक्तियों को कुलाध्यक्ष द्वारा नामित किया जाएगा *एमएचआरडी के पत्रांक एफ.सं.52-1/2019-सीयू-III दिनांक 18.02.2019 के अनुसार(*	1. **प्रो. उदय प्रताप सिंह** आचार्य और विभागाध्यक्ष मानव विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ *(सदस्य)*
	2. **डॉ. विनीता सिंह** आचार्य, सांख्यिकी विभाग सामाजिक विज्ञान संस्थान डॉ. बी आर अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा *(सदस्य)*
	3. **प्रो. रामदेव भारद्वाज** कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल *(सदस्य)*
	4. **प्रो. सुशील कुमार गुप्ता** आचार्य, कृषि वानिकी विभाग, कृषि संकाय,

	यू.टी - जम्मू *(सदस्य)*
तीन प्रख्यात शिक्षाविद जो विश्वविद्यालय की सेवा में नहीं हैं ,जिन्हें एमएचआरडी द्वारा कार्यकारिणी परिषद द्वारा अनुशंसित पैनल में से नामित किया जाएगा;	. .1 **सदस्य** *रिक्त*
	2. **सदस्य** *रिक्त*
	3. **सदस्य** *रिक्त*
कुलाध्यक्ष द्वारा नामित कोर्ट का एक सदस्य	1. **सदस्य** *रिक्त*
विद्यालय के तीन अधिष्ठाता वरिष्ठता के अनुसार बारी-बारी से	**प्रो .देवानंद** अधिष्ठाता ,आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग
	प्रो .दीपक पठानिया अधिष्ठाता ,प्राणि विज्ञानविद्यालय
	प्रो .जया भसीन अधिष्ठाता ,व्यवसाय अध्ययन विद्यालय
एक आचार्य जो अधिष्ठाता नहीं है, वरिष्ठता के अनुसार रोटेशन द्वारा कुलपति द्वारा नामित किया जाएगा	**प्रो. बृजमोहन सिंह भाऊ** विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग
एक सह-आचार्य जो अधिष्ठाता नहीं है, वरिष्ठता के अनुसार रोटेशन द्वारा कुलपति द्वारा नामित किया जाएगा	**डॉ. सुनील धर** सह- आचार्य, पर्यावरण विज्ञान विभाग
कुलसचिव	**सचिव** *(पदेन)*

योजना बोर्ड

	कुलपति	पदेन	अध्यक्ष
	समकुलपति	--	सदस्य
	रोटेशन के आधार पर वरिष्ठता के आधार पर विद्यालयों के दो अधिष्ठाता	**प्रो. जया भसीन** अधिष्ठाता, व्यवसाय अध्ययन विद्यालय	सदस्य
		प्रो. बीएस भाऊ, अधिष्ठाता प्राणि विज्ञानविद्यालय	सदस्य

	शिक्षा प्रक्रिया और विकास में विशेष रुचि रखने वाले व्यक्तियों में से छह व्यक्तियों को नामित किया जाना है, जो उच्च शैक्षणिक मानकों के हैं, जिनमें से: चार को कार्यकारिणी परिषद द्वारा नामित किया जाएगा और	**श्री परीक्षित कौल** वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सहकारी सेवाएं, अडानी समूह **डॉ. श्रीनिवास रेड्डी** निदेशक, आईआईएम, जम्मू **प्रो. एमएन खान** एफएमएसआर, एएमयू **विभागाध्यक्ष , सिविल** इंजीनियरिंग विभाग, सरकार। अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय , चक भलवाल, जम्मू	
	कुलपति द्वारा दो नामित	**जम्मू कश्मीर सरकार के मुख्य सचिव** कौशल विकास विभाग, जम्मू एवं केंद्र शासित प्रदेश **श्री अमित शर्मा** निदेशक और साइबर सलाहकार, डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय, भारत	
	वित्त अधिकारी	पदेन	सदस्य
	कुलसचिव	पदेन	सदस्य सचिव

अकादमिक परिषद

क	कुलपति	प्रो. संजीव जैन माननीय कुलपति,
ख	सम कुलपति	**रिक्त**
ग	अध्ययन विद्यालयों के अधिष्ठाता	**i.प्रो .देवानन्द** अधिष्ठाता आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय अधिष्ठाता ,ज्ञान प्रबंधन एवं सूचना नव मीडिय **प्रो .जया भसीन** अधिष्ठाता व्यवसाय अध्ययन विद्यालय **प्रो .बीएस भाऊ** अधिष्ठाता ,प्राणि विज्ञान विद्यालय अधिष्ठाता राष्ट्रीय सुरक्षा विद्यालय **प्रो .सुनील धर** अधिष्ठाता, शिक्षा विद्यालय **ii.प्रो .मुश्ताक अहमद** अधिष्ठाता ,मानवीकरण एंड सामाजिक अध्ययन विद्यालय **प्रो .रसाल सिंह** अधिष्ठाता ,भाषा विध्यापीठ
घ	छात्र कल्याण के अधिष्ठाता	प्रो. रसाल सिंह
ड़	कुलानुशासक	डॉ. बच्चा बाबू सहायक आचार्य, जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग
च	पुस्तकालय अध्यक्ष	**प्रो. बीएस भाऊ** विभागाध्यक्ष , वनस्पति विज्ञान विभाग
छ	कोर्ट के निर्वाचित सदस्यों में से एक सदस्य जिसे कोर्ट द्वारा नामित किया जाएगा	प्रो. वरुण साहनी पूर्व कुलपति, गोवा विश्वविद्यालय
ज	वरिष्ठता एवं चक्रानुक्रम के आधार पर शिक्षण विभागों के दस विभागाध्यक्ष कुलपति द्वारा मनोनीत किये जायेंगे	**I.**विभागाध्यक्ष ,वनस्पति विज्ञान विभाग **II.**विभागाध्यक्ष ,सीएसआईटी विभाग **III.**विभागाध्यक्ष ,गणित विभाग **IV.**विभागाध्यक्ष ,शैक्षिक अध्ययन विभाग **V.**विभागाध्यक्ष ,रसायन विज्ञान विभाग **VI.**विभागाध्यक्ष ,विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग **VII.**विभागाध्यक्ष ,भौतिकी विभाग **VIII.**विभागाध्यक्ष ,नैनो विज्ञान विभाग

		IX.रिक्त X.रिक्त
झ	केंद्रों के पांच निदेशक, यदि कोई हों, वरिष्ठता और रोटेशन के आधार पर कुलपति द्वारा नामित किए जाएंगे	**I.निर्देशक,** तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र **II.निर्देशक,** अणु जैविक विज्ञान केंद्र
	वरिष्ठता और रोटेशन के आधार पर प्रत्येक विद्यालय से दो आचार्य, जो विद्यालयों के अधिष्ठाता या विभागों / केंद्रों के विभागाध्यक्ष और कार्यकारिणी परिषद के सदस्य नहीं हैं, कुलपति द्वारा नामित किए जाएंगे।	i.रिक्त ii.रिक्त
ट	दो सह-आचार्य , जो उपरोक्त (सी), (डी), और (ई) में शामिल नहीं हैं, या विभागों के विभागाध्यक्ष नहीं हैं या कार्यकारिणी परिषद के सदस्य नहीं हैं, वरिष्ठता के अनुसार रोटेशन द्वारा कुलपति द्वारा नियुक्त किया जाएगा।	**i.डॉ .सुरम सिंह** सह -आचार्य, भौतिकी विभाग **ii.डॉ .शशांक शुक्ला** सह -आचार्य, हिंदी विभाग
ड	दो सहायक आचार्य, जो कार्यकारिणी परिषद के सदस्य नहीं हैं, वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से कुलपति द्वारा नियुक्त किए जाएंगे।	**i.डॉ .पविंदर सिंह** गणित विभाग **ii.डॉ.नीलिका अरोड़ा** मानव संसाधन प्रबंधन एवं ओबी विभाग
ढ़	**दस व्यक्ति, जो विश्वविद्यालय की सेवा में नहीं हैं, शैक्षिक प्रगति, विकास और उद्योग लिंकेज में उनके विशेष ज्ञान के लिए अकादमिक परिषद द्वारा सहयोजित**	**i.प्रो .मो .मियां** मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति **ii.प्रो .मनोज धर** पूर्व ,कुलपति ,जम्मू विश्वविद्यालय **iii.प्रो .सुषमा यादव** पूर्व कुलपति, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय ,हरियाणा **iv.प्रो .मनोज गौड़** निदेशक ,आईआईटी जम्मू **v.प्रो .आरएनके बमजई** पूर्व कुलपति ,एसएमवीडीयू **vi.प्रो .पुलिन बी .नायक** अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय **vii.प्रो .अशोक ओगरा**

		निदेशक ,जन संचार एपीजे ,नई दिल्ली **viii.प्रो .एस.के शर्मा** पूर्व विभागाध्यक्ष , विधि विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय **ix.प्रो .रोमेश चंदर** विभागाध्यक्ष ,गणित विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय **x.**श्री धनजय सिंह महानिदेशक –राष्ट्रीय एचआरडी नेटवर्क
ण	कुलसचिव	(पदेन) सचिव

वित्त समिति

i)कुलपति	**अध्यक्ष** (पदेन)
ii)सम कुलपति	**सदस्य** (पदेन)
iii)एक व्यक्ति को कोर्ट द्वारा नामित किया जाएगा iv)(31 अगस्त ,2020 को कोर्ट के अध्यक्ष द्वारा मनोनीत)	**प्रो. अमिताभ मट्टू** अंतरराष्ट्रीय राजनीति संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालयनई महरौली रोड, नई दिल्ली - 110067
v)कार्यकारिणी परिषद द्वारा नामित तीन व्यक्ति , जिनमें से कम से कम एक कार्यकारिणी परिषद का सदस्य होगा। (ईसी ने 10.12.2019 को आयोजित अपनी 15वीं बैठक में)मद संख्या 13के अंतर्गत कुलपति को तीन सदस्यों को मनोनीत करने के लिए अधिकृत किया	(i) **प्रो. सुशील कुमार गुप्ता** आचार्य, कृषि वानिकी विभाग के कृषि संकाय एस के यू ए एस टी - जम्मू (कार्यकारिणी परिषद सदस्य) (ii) **प्रो. एमआई हक** पूर्व अधिष्ठाता और अध्यक्ष, व्यवसाय प्रशासन विभाग, प्रबंधन अध्ययन और अनुसंधान संकाय, एएमयू, अलीगढ़ **iii) प्रो. आलोक मोहन शौरी** राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान फरीदाबाद ,नई दिल्ली
vi)	
vii)तीन व्यक्तियों को कुलाध्यक्ष द्वारा नामित	(i) **संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार** ,

किया जाना है। (एमएचआरडी पत्र एफ.सं.54-1/2014-सीयू.III दिनांक 8जनवरी 2019 ,	एमएचआरडी, या वित्त ब्यूरो (सीयू से संबंधित) से उनके नामित, एमएचआरडी अवर सचिव के स्तर से कम के नहीं **(ii) संयुक्त सचिव** (सीयू), एमएचआरडी, या उनके नामित व्यक्ति जो प्रशासनिक ब्यूरो से अवर सचिव के स्तर से कम नहीं हैं **(iii) संयुक्त सचिव** (सीयू), यूजीसी, या अध्यक्ष, यूजीसी द्वारा नामित कोई अन्य अधिकारी जो अवर सचिव के स्तर से कम का न हो।
viii)वित्त अधिकारी	**सचिव** (पदेन)

विश्वविद्यालय के अधिकारी

विद्यालयों के अधिष्ठाता

क्र.सं.	विद्यालय का नाम	अधिष्ठाता का नाम
1.	व्यवसाय अध्ययन विद्यालय	प्रो. जया भसीन
2.	ज्ञान प्रबंधन, सूचना एवं मीडिया अध्ययन विद्यालय	प्रो. देवानंद
3.	आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	प्रो. देवानंद
4.	शिक्षा विद्यालय	डॉ. सुनील धर
5.	मानविकी एवं सामाजिक अध्ययन विद्यालय	प्रो. मुश्ताक अहमद
6.	भाषा विद्यालय	प्रो. रसाल सिंह
7.	प्राणि विज्ञानविद्यालय	प्रो. बृजमोहन सिंह भाऊ
8.	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विद्यालय	प्रो. बृजमोहन सिंह भाऊ

केंद्र के निदेशक

क्र.सं.	विद्यालय का नाम	केंद्र का नाम	निदेशक का नाम
1.	प्राणि विज्ञानविद्यालय	आणविक प्राणि विज्ञानकेंद्र	प्रो. मुश्ताक अहमद
2.	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय	तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र	डॉ. अजय कुमार सिंह निदेशक (प्रभारी)

शैक्षणिक सत्र 2021-2022 के दौरान छात्रों का लिंगवार विवरण

शैक्षणिक सत्र 2020-2021 के लिए संबंधित विभागों में स्नातक, स्नातकोत्तर 4 वर्षीय एकीकृत, 5 साल एकीकृत और पीएचडी कार्यक्रम में प्रविष्ट हुए छात्रों/शोधार्थियों का विवरण निम्नानुसार है:-

स्नातकोतर उपाधि कार्यक्रम (2 वर्ष) 2021-2022

क्रम.सं	विद्यालय	विभाग	प्रविष्ट विद्यार्थी
1	व्यावसायिक अध्ययन विभाग	एमबीए (मानव संसाधन प्रबंधन)	43
2		एमबीए (पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन)	34
3		एमबीए (मार्केटिंग प्रबंधन)	40
4		एमबीए	26
5	ज्ञान प्रबंधन , सूचना एवं मीडिया अध्ययन विद्यालय	जनसंचार विभाग एवं नवीन मीडिया	29
6	आधिकारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	22
7		गणित विभाग	44
8		पदार्थ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	26
9	शिक्षा विद्यालय	शैक्षिक अध्ययन विभाग एम.एड	41
10	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय	अर्थशास्त्र विभाग	39
		लोक नीति एवं लोक प्रशासन	34

		विभाग	
12		समाज कार्य विभाग	36
13		तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र	
14	भाषा विद्यालय	अंग्रेजी विभाग	36
15		हिंदी एवं अन्य भाषा विभाग	27
16	प्राणि विज्ञान विद्यालय	पर्यावरण विज्ञान विभाग	37
17		आणविक प्राणि विज्ञानकेंद्र	
18	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विद्यालय	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग	20
19	योग केंद्र	योग में एमए	02

स्नातक कार्यक्रमों के तहत (3 वर्ष) 2021-22

व्यापार अध्ययन विद्यालय	वी.वॉक(खुदरा प्रबंधन)	24
	वी.वॉक(पर्यटन प्रबंधन)	26
	वी.वॉक(बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं)	30

एकीकृत यूजी-पीजी कार्यक्रम 5 साल 2021-22

शिक्षा विद्यालय	बीए-बी.एड	46

एकीकृत यूजी-पीजी कार्यक्रम 5 साल 2021-22

क्र.सं.	विद्यालय	विभाग	प्रविष्ट विद्यार्थी
1.	प्राणि विज्ञानविद्यालय	वनस्पति विज्ञान में एकीकृत स्नातकोतर पाठ्यक्रम	40
2.		प्राणी विज्ञान एकीकृत स्नातकोतर पाठ्यक्रम	34
3.	आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	रसायन विज्ञान में एकीकृत स्नातकोतर पाठ्यक्रम	40
4.		भौतिकी में एकीकृत स्नातकोतर पाठ्यक्रम	38

वोकेशनल/सर्टिफिकेट कोर्स 2021-22

क्र.सं.	विद्यालय	विभाग	प्रविष्ट विद्यार्थी
1.	कम्युनिटी कॉलेज	योग में डिप्लोमा	0
2.		सौंदर्य और कल्याण में डिप्लोमा	6
3.		सौंदर्य और कल्याण में डिप्लोमा (मेकअप)	0
4.		ब्यूटी एवं वेलनेस में सर्टिफिकेट कोर्स	0

5.	**व्यावसायिक अध्ययन विभाग**	शोध विधि & डेटा विश्लेषण	9
6.	**भाषा विद्यालय**	हिंदी अंग्रेजी अनुवाद में सर्टिफिकेट / पीजी डिप्लोमा कोर्स और विलोमत:	10
7.	**मानावकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय**	**शैववाद में पीजी डिप्लोमा**	10
8.		**रहस्यमय विचारों में पीजी डिप्लोमा**	6
9.		**भारतीय लिपियों में पीजी डिप्लोमा**	18

डी पाठ्यक्रम.एच.के लिए पी 22-2021सत्र

क्र.सं.	विद्यालय	विभाग	विद्यार्थी नामांकन
1.	मानाविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय	अर्थशास्त्र विभाग	5
2.	शिक्षा विद्यालय	शिक्षा विभाग	5
3.		पृथ्वी विज्ञान विभाग	0
4.	आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	गणित विभाग	0
5.	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विद्यालय	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग	4
6.	मानाविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय	लोक नीति एवं लोक प्रशासन विभाग	3
7.		समाज कार्य विभाग	2
8.	प्राणि विज्ञान विद्यालय	पर्यावरण विज्ञान विभाग	5
9.	आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	कंप्यूटर विज्ञान और आईटी विभाग	6
10.	ज्ञान प्रबंधन सूचना एवं मीडिया अध्ययन विद्यालय	जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग	0
11.	भाषा विद्यालय	अंग्रेजी विभाग	4
12.	व्यवसाय विभाग	मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग	1
13.		पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग	5
14.		व्यवसाय प्रशासन	3
15.		विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला	1

		प्रबंधन विभाग	
16.	भाषा विद्यालय	हिंदी विभाग	7
17.	आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	पदार्थ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	3
18.		भौतिकी एवं खगोल विज्ञान विभाग	4
19.		रसायन शास्त्र एवं रसायन विज्ञान विभाग	1
20.	प्राणि विज्ञानविद्यालय	वनस्पति विज्ञान विभाग	2
21.		प्राणी विज्ञान विभाग	0
22.		जैव प्रौद्योगिकी विभाग	0

शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए विभिन्न स्नातकोतर उपाधि पाठ्यक्रमों में प्रविष्ट में छात्रों का लिंगवार, श्रेणीवार और राज्यवार प्रतिनिधित्व :

स्नातक, स्नातकोत्तर के तहत (श्रेणी के अनुसार - लिंग, एससी/एसटी/ओबीसी/पीडब्ल्यूडी):

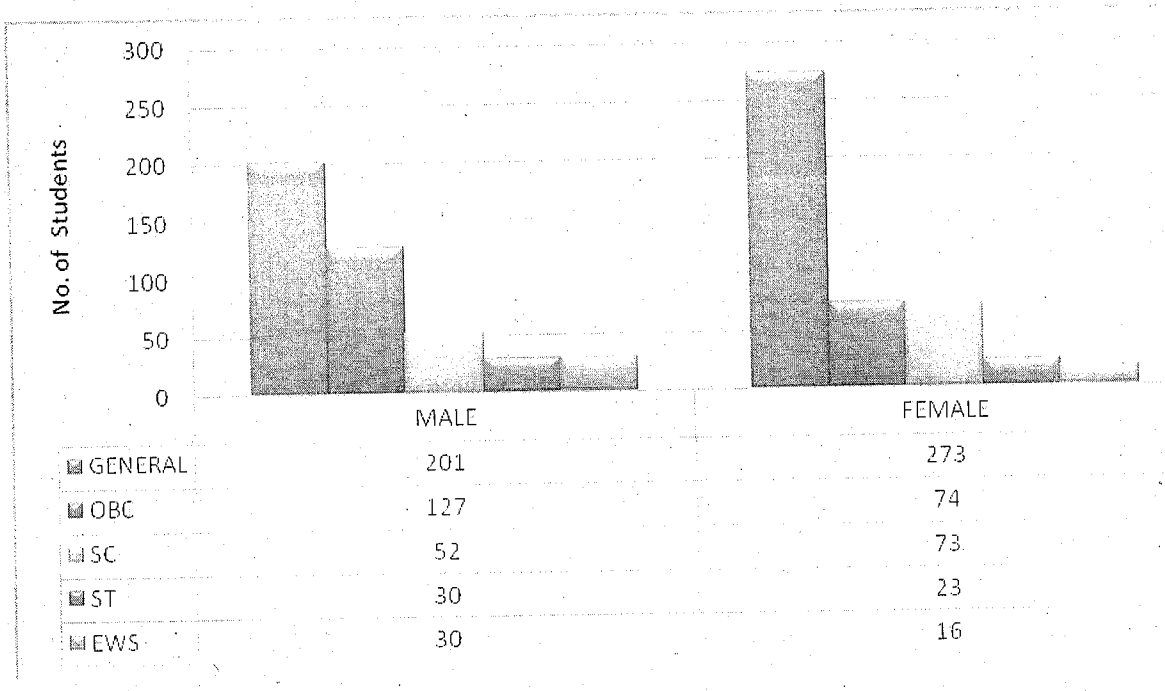

स्नातकोतर उपाधि पाठ्यक्रम 2021-2022 में प्रवेश लेने वाले छात्रों का राज्यवार प्रतिनिधित्व

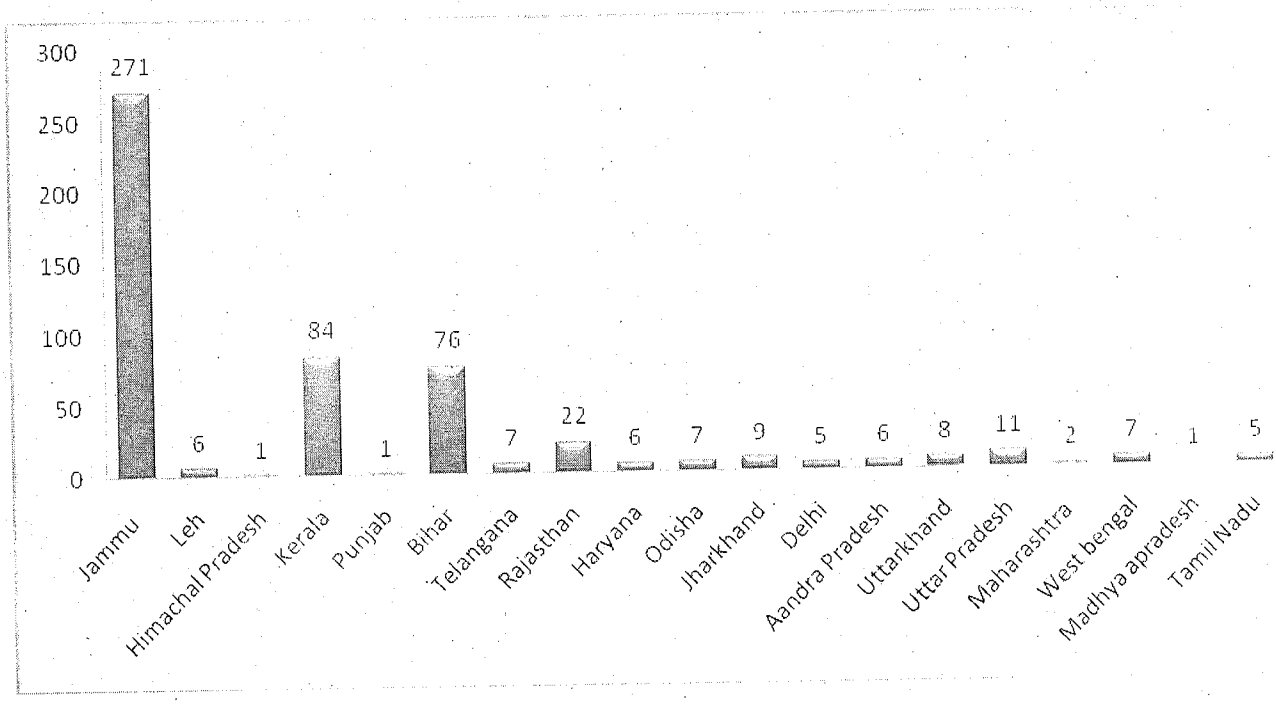

एकीकृत एम.फिल-पीएचडी पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक सत्र 2021-22 में प्रवेशित शोधार्थियों का लिंगवार, श्रेणीवार और राज्यवार प्रतिनिधित्व:

(श्रेणी के अनुसार - लिंग, एससी/एसटी/ओबीसी/पीडब्ल्यूडी):

पीएचडी कार्यक्रम 2021-2022 में प्रवेश लेने वाले छात्रों का राज्यवार प्रतिनिधित्व

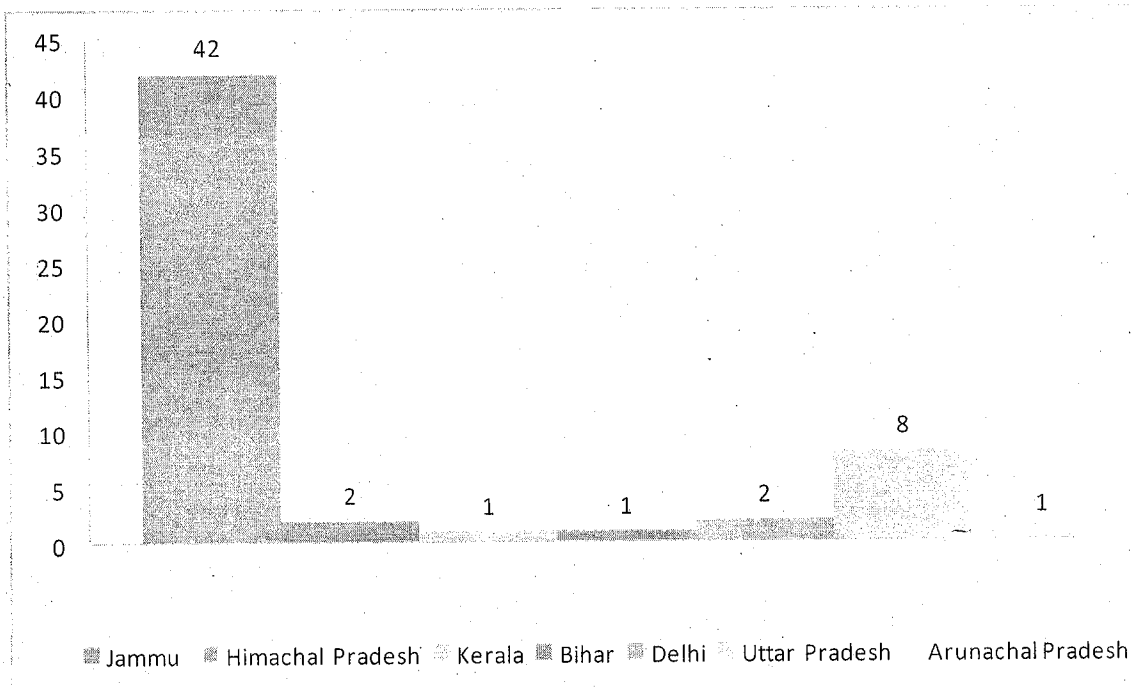

वित्त और लेखा विंग

वित्त और लेखा विंग केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम ,2009 के प्रासंगिक अध्यादेशों के प्रावधानों के अनुसार और वित्त समिति और कार्यकारिणी परिषद के निर्देशों के तहत कार्य करता है। विंग के दिन-प्रतिदिन के कार्य की देखरेख माननीय कुलपति के निर्देशन में वित्त अधिकारी द्वारा की जाती है। विंग विश्वविद्यालय की निधियों पर सामान्य पर्यवेक्षण करता है और भारत सरकार के प्रासंगिक नियमों के भीतर विश्वविद्यालय की वित्तीय नीति के संबंध में माननीय कुलपति ,वित्त समिति और कार्यकारिणी परिषद को सलाह देता है। साथ ही ,यह सक्षम प्राधिकारी द्वारा सौंपे गए अन्य वित्तीय कार्यों को भी करता है। विंग के मुख्य कार्यों में वित्त समिति और कार्यकारिणी परिषद की देखरेख में वार्षिक बजट तैयार करना ,आंतरिक नियंत्रण ,आंतरिक लेखा परीक्षा और भुगतान की प्रक्रिया शामिल है। वित्त समिति एवं कार्यकारिणी परिषद के निर्देशन में वित्त विंग द्वारा प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय का वार्षिक लेखा एवं तुलन पत्र तैयार किया जाता है। विश्वविद्यालय के वार्षिक खातों की लेखा परीक्षा भारत सरकार के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा प्रतिवर्ष की जाती है। लेखापरीक्षित वार्षिक लेखे संसद के दोनों सदनों समक्ष रखे जाने के लिए शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत करने से पहले कोर्ट ,वित्त समिति ,कार्यकारिणी परिषद को प्रस्तुत किए जाते हैं।

विंग में उत्तरदायित्व चार डेस्कों को सौंपे गए हैं :बजट और वित्त अनुभाग ,लेखा अनुभाग ,बिल और भुगतान अनुभाग और आंतरिक लेखा परीक्षा अनुभाग। वर्तमान में ,02 अनुभाग अधिकारी ,01 निजी सचिव और 04कर्मचारी विंग में विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए नियुक्त हैं।

मुख्य विशेषाताएँ

- विश्वविद्यालय ने वित्त वर्ष 2019-20 से 100प्रतिशत नगद लेनदेन के लिए शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित लक्ष्य को हासिल कर लिया है।
- भुगतान जारी करने और उसको रिकार्ड करने के लिए नियंत्रक महालेखाकार(सीजी) द्वारा विकसित एक वेब आधारित ऑनलाइन

सॉफ्टवेयर सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली(पीएफएमएस) को लागू किया गया है।

- विश्वविद्यालय ने पीएफएमएस पोर्टल के माध्यम से आरबीआई द्वारा आयोजित ट्रेजरी सिंगल अकाउंट्स (टीएसए) से भुगतान के संवितरण को लागू किया है।
- विश्वविद्यालय ने सभी लेखा परीक्षा पैरा को संबोधित करने के लिए एक स्थायी लेखा परीक्षा समिति का गठन किया है।
- शिक्षा मंत्रालय द्वारा और एचईएफए ऋण रु .123.00 करोड़ स्वीकृत , अनुमोदन प्राप्त हुआ है।
- टैली सॉफ्टवेयर के माध्यम से डिजिटल कैश बुक का रखरखाव किया जा रहा हैं।
- वित्तीय प्रबंधन विंग और लेखा प्रणाली के पूर्ण कम्प्यूटरीकरण पर काम कर रहा है।

समितियां एवं प्रकोष्ठ

•शिक्षणेत्तर कर्मचारियों और छात्रों के लिए शिकायत निवारण समिति:

विश्वविद्यालय में कर्मचारियों और छात्रों के लिए अलग शिकायत निवारण समिति है। समिति को व्यक्तिगत रूप से या समूहिक रूप में सीधे प्रभावित करने वाले मामलों के संबंध में लिखित शिकायतों और याचिकाओं को स्वीकार करने; शिकायतों की जांच करना और सिफारिशें करना और संबंधित अधिकारियों को रिपोर्ट करना; या अन्यथा और उन पर विचार करने का अधिकार है।

•एससी /एसटी /ओबीसी /पीडब्ल्यूडी प्रकोष्ठ :

विश्वविद्यालय में भारत सरकार के नियमानुसार आरक्षण नीति को लागू किया जाता है। नियुक्तियों में एससी/एसटी/ओबीसी/पीडब्ल्यूडी के लिए भारत सरकार और यूजीसी दिशानिर्देश ,2006 (विश्वविद्यालयों में भारत सरकार की आरक्षण नीति के कार्यान्वयन के लिए दिशा-निर्देशों के अनुरूप ,विश्वविद्यालय ने एससी/एसटी ,ओबीसी और पीडब्ल्यूडी के लिए संपर्क अधिकारी नामित किया है। विश्वविद्यालय ने प्रवेश ,रोजगार और अन्य शिकायतों से संबंधित समुदाय /श्रेणी के उम्मीदवारों के मुद्दों को देखने के लिए एससी /एसटी /पीडब्ल्यूडी सेल और ओबीसी सेल की स्थापना की है। एससी /एसटी सेल के तहत निम्नलिखित गतिविधियां और बैठकें आयोजित की गई हैं :

1. विश्वविद्यालय के सभी विभागों में दाखिले के समय छात्रों का श्रेणी प्रमाणपत्र सत्यापन किया जा चुका है।
2. प्रवेश के दौरान उपलब्ध एससी/एसटी सीटों के संबंध में प्रश्नों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया।
3. प्रत्येक समिति में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर प्रवेश समितियों/भर्ती समितियों का गठन एवं संशोधन किया गया है।
4. विश्वविद्यालय रोस्टर पर समय-समय पर बैठकें आयोजित की जाती रही हैं।
5. आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को विश्वविद्यालय रोस्टर में शामिल करने के लिए भी बैठक आयोजित की गई है।

•यौन उत्पीड़न का संवेदीकरण ,रोकथाम और निवारण (स्पर्श)

विश्वविद्यालय अपने कर्मचारियों, संकायों, छात्रों और शोधार्थियों के लिए एक अनुकूल कार्यस्थल वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जो किसी भी प्रकार के यौन उत्पीड़न से मुक्त हो।

(स्पर्श (यौन उत्पीड़न का संवेदीकरण, रोकथाम और निवारण) जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्पर्श (एबीएस) और यूसीसी (विश्वविद्यालय शिकायत समिति शीर्ष निकाय के साथ कार्य कर रहा है। यह संवेदीकरण कार्यक्रम और परामर्श सहित विभिन्न गतिविधियों के आयोजन में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। महिला सशक्तिकरण को हर कदम पर ध्यान में रखा गया है।

ओबीसी प्रकोष्ठ

1.	**डॉ.श्वेता यादव** सहायक आचार्य पर्यावरण विज्ञान विभाग	संपर्क अधिकारी
2.	**डॉ.सुशांत नाग** सहायक आचार्य अर्थशास्त्र विभाग	सदस्य
3.	**डॉ.सलिल सेठ** सहायक आचार्य	सदस्य

	विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग	

एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी प्रकोष्ठ

1.	**डॉ. सुजाता कुंदन** सहायक आचार्य रसायन शास्त्र एवं रासायनिक विज्ञान विभाग	-	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के संपर्क अधिकारी
2.	**डॉ. विनय कुमार शुक्ला** सहायक आचार्य हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग	-	पीडब्ल्यूडी के संपर्क अधिकारी
3.	**श्री अनिल कुमार भारती** सहायक आचार्य अर्थशास्त्र विभाग	-	सदस्य

कर्मचारी शिकायत निवारण समिति समिति

क्र.सं.	**संयोजन**	**नाम और पदनाम**
.1	कुलपति द्वारा नामित किया जाने वाले अध्यक्ष	**प्रो .मुश्ताक अहमद** अधिष्ठाता, मानवीकी एवं सामाजिक अध्ययन विद्यालय
.2	लिंग ,अल्पसंख्यक ,अनुसूचित जाति ,अनुसूचित जनजाति ,अन्य पिछड़ा वर्ग का प्रतिनिधित्व करने वालें शिक्षणेत्तर समुदाय के पांच प्रतिनिधि।	**श्रीमती शफला परिहार** उपकुलसचिव (महिला प्रतिनिधि)
		श्री संजीव गुप्ता निजी सचिव
		श्री अविनाश खंडवाल सहायक (ओबीसी प्रतिनिधि)
		सुश्री मोनिका कलसी सहायक (एससी प्रतिनिधि)
		श्री तलविंदर सिंह प्रयोगशाला सहायक (अल्पसंख्यक प्रतिनिधि)
.3	कुलसचिव या उनके नामित समिति के सदस्य-सचिव होंगे	**श्री शैलेंद्र सलाथिया** सहायक कुलसचिव

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन निदेशालय (डीआईक्यूए)

1.	कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	अध्यक्ष
2.	**प्रो. देवानंद** अधिष्ठाता ,आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विद्यालय अधिष्ठाता, ज्ञान प्रबंधन एवं सूचना विज्ञान का विद्यालय	सदस्य
3.	**प्रो .बीएस भाऊ** अधिष्ठाता ,प्राणि विज्ञानविद्यालय अधिष्ठाता ,राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विद्यालय अधिष्ठाता ,अनुसंधान अध्ययन प्रभारी पुस्तकालयाध्क्ष ,जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	सदस्य
4.	**प्रो .सुनील धर** अधिष्ठाता, शिक्षा विद्यालय विभागाध्यक्ष ,पृथ्वी विज्ञान विभाग	सदस्य
5.	**प्रो .मुश्ताक अहमद** अधिष्ठाता ,मानावकी एवं समाजिक विज्ञान विद्यालय विभागाध्यक्ष ,प्राणी विज्ञान विभाग विभागाध्यक्ष ,आणविक प्राणि विज्ञानकेंद्र	सदस्य
6.	**प्रो .रसाल सिंह** अधिष्ठाता, भाषा विद्यालय अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभागाध्यक्ष ,हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग विभागाध्यक्ष ,राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग	सदस्य
7.	**डॉ .वंदना शर्मा** विभागाध्यक्ष ,अंग्रेजी विभाग	सदस्य
8.	**डॉ .यशवंत सिंह** विभागाध्यक्ष ,सीएस और आईटी विभाग	सदस्य
9.	**डॉ .जे.एन बलिया** विभागाध्यक्ष ,शैक्षिक अध्ययन विभाग	सदस्य
10.	**मोहम्मद इकबाल** उप कुलसचिव	सदस्य
11.	**ईआर.अनिल सूरी** अध्यक्ष बी.बी.आई.ए और गुणवत्ता विशेषज्ञ	सदस्य
12.	**प्रो .एम.एन खान** एफएमएसआर ,एएमयू	सदस्य

13.	**प्रो .एलके वर्मा** पूर्व अधिष्ठाता ,शिक्षा संकाय और सीओई ,जेयू	सदस्य
14.	**डॉ .संजय कुमार** सहायक आचार्य ,गणित विभाग	सदस्य
15.	**डॉ.शाहिद मुश्ताक** सहायक आचार्य, एचआरएम एवं ओबी विभाग	सदस्य
16.	**श्री विकास गुप्ता** सहायक कुलसचिव	सदस्य
17.	**प्रो .जया भसीन** निदेशक ,डीआईक्यूए	सदस्य सचिव

विश्वविद्यालय का प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ

क्रम.स	नाम और पदनाम	
1.	**प्रो. मुश्ताक अहमद** (आई/सी) निदेशक, प्रशिक्षण और स्थानन प्रकोष्ठ	**संयोजक**
2.	**डॉ.नीलिका अरोड़ा** सहायक आचार्य, मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग उप निदेशक, प्रशिक्षण एवं स्थानन प्रकोष्ठ	**सह संयोजक**
3.	**डॉ.नरेश शर्मा** सहायक आचार्य, विपणन विभाग एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	**सदस्य**
4.	**डॉ.नरेंद्र कुमार** सहायक आचार्य, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग	**सदस्य**
5.	**डॉ.श्वेतांबरी जसरोटिया** सहायक आचार्य, प्राणी विज्ञान विभाग	**सदस्य**
6.	**डॉ. किरण** सहायक आचार्य, शैक्षिक अध्ययन विभाग	**सदस्य**
7.	**डॉ.अरबिंद कुमार यादव** सहायक आचार्य, हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग	**सदस्य**
8.	**डॉ. जे. जगन्नाथन** सहायक आचार्य, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग	**सदस्य**
9.	**डॉ. नैन्सी मेंगी** सहायक आचार्य, समाज कार्य विभाग	**सदस्य**
10.	**डॉ.अर्चना कुमारी** सहायक आचार्य, जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग	**सदस्य**
11.	प्रशिक्षण एवं स्थानन अधिकारी	**सदस्य सचिव**

विश्वविद्यालय भवन समिति का गठन

केंद्रीय विश्वविद्यालयों को सामान्य विकास सहायता के लिए अनुदान संख्या 20 और यूजीसी छत के अनुसार, समय-समय पर अनुमत खंड संख्या 5.5, 5.6 और 5.11 के अनुसार, रुको कुलपति विश्वविद्यालय ने समिति का कार्यकाल पूरा होने पर पुन: स्थायी करने की अनुसंशा करते हैं :

संयोजन	सदस्य का नाम	
(i)माननीय कुलपति	पदेन	अध्यक्ष
(ii)कुलपति द्वारा मनोनीत विश्वविद्यालय योजना बोर्ड का एक सदस्य	प्रो .मेहराज-उद-दीन ,कुलपति , कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय	सदस्य
(iii)उपयोगकर्ता विभाग के विभागाध्यक्ष	प्रो. देवानंद, अधिष्ठाता आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान का विद्यालय	सदस्य
(iv)कुलपति द्वारा मनोनीत विश्वविद्यालय के दो शिक्षक जो आचार्य के पद से नीचे के न हों	i.प्रो. जया भसीन, अधिष्ठाता, व्यवसाय अध्ययन विद्यालय ii.(प्रो .दीपक पठानिया ,पर्यावरण विज्ञान विभाग ,(सरदार पटेल विश्वविद्यालय ,मंडी में प्रतिनियुक्ति पर)	सदस्य सदस्य
(v)विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी	विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी	सदस्य
(vi)विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य या पास के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज से	डॉ .संजीव कुमार गुप्ता ,विभागाध्यक्ष ,सिविल इंजीनियरिंग, विभाग जीसीईटी	सदस्य
(vii)सीपीडब्ल्यूडी या राज्य पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता (सिविल) या उनके प्रतिनिधि जो अधीक्षण अभियंता के पद से नीचे नहीं हैं	ई .रविंदर मनसोत्रा, अधीक्षण अभियंता ,पीडब्ल्यू (आर एवं बी) जम्मू-कठुआ सर्कल	सदस्य
(viii)सीपीडब्ल्यूडी/राज्य	श्री किरण विट्ठाल	सदस्य

पीडब्ल्यूडी/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के एक सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता/अधीक्षण अभियंता (सिविल)	सेवानिवृत्त जेएमसी आयुक्त	
(ix)सीपीडब्ल्यूडी या राज्य पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण/कार्यपालक अभियंता (विद्युत)	श्री सुधीर गुप्ता ,सेवानिवृत अधीक्षण अभियंता ,जम्मू-कश्मीर विद्युत विकास विभाग	सदस्य
(x)सीपीडब्ल्यूडी या राज्य पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण/कार्यपालक अभियंता (जन स्वास्थ्य)	श्री वीके अबरोल, सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता , पीएचई/पूर्व सचिव जल नियामक प्राधिकरण	सदस्य
(xi)विश्वविद्यालय अभियंता	श्री विशाल बरगोत्रा अधिशाषी अभियंता	सदस्य
(xii)विश्वविद्यालय के वरिष्ठतम वास्तुकार (जहां यह मौजूद है), अन्यथा एक मुख्य वास्तुकार या पड़ोसी विश्वविद्यालय / कॉलेज से समान स्थिति का व्यक्ति	श्री एसआर सिक्का ,मेसर्स सिक्का एसोसिएट्स के मुख्य वास्तुकार नई दिल्ली	सदस्य
(xiii)मुख्य वास्तुकार/उप मुख्य वास्तुकार या केंद्रीय या राज्य विभाग से समकक्ष दर्जे का व्यक्ति	श्री अशोक महाजन ,मुख्य वास्तुकार ,जम्मू-कश्मीर	सदस्य
(xiv)विश्वविद्यालय के वरिष्ठतम भूनिर्माण विशेषज्ञ (जहां यह मौजूद है), अन्यथा किसी पड़ोसी संस्थान /सरकार से। विभाग/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम या सीमित अवधि के लिए विश्वविद्यालय द्वारा एक सलाहकार के रूप में नियुक्त किया जाना	श्री सीएम सेठ, सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी ,जम्मू-कश्मीर सरकार।	सदस्य
(xv)विश्वविद्यालय के कुलसचिव	पदेन	सदस्य सचिव
संयोजन	सदस्य का नाम	

(xvi)माननीय कुलपति	पदेन	अध्यक्ष
(xvii)कुलपति द्वारा मनोनीत विश्वविद्यालय योजना बोर्ड का एक सदस्य	प्रो .मेहराज-उद-दीन ,कुलपति ,कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय	सदस्य
(xviii)उपयोगकर्ता विभाग के विभागाध्यक्ष	प्रो. देवानंद, अधिष्ठाता आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान का विद्यालय	सदस्य
(xix)कुलपति द्वारा मनोनीत विश्वविद्यालय के दो शिक्षक जो आचार्य के पद से नीचे के न हों	iii.प्रो. जया भसीन, अधिष्ठाता, व्यवसाय अध्ययन विद्यालय iv.(प्रो .दीपक पठानिया ,ई.वी.एस विभाग , (सरदार पटेल विश्वविद्यालय ,मंडी में प्रतिनियुक्ति पर)	सदस्य सदस्य
(xx)विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी	विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी	सदस्य
(xxi)विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य या पास के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज से	डॉ .संजीव कुमार गुप्ता ,विभागाध्यक्ष , सिविल इंजीनियरिंग, विभाग जीसीईटी	सदस्य
(xxii)सीपीडब्ल्यूडी या राज्य पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता (सिविल) या उनके प्रतिनिधि जो अधीक्षण अभियंता के पद से नीचे नहीं हैं	एर .रविंदर मनसोत्रा, अधीक्षण अभियंता ,पीडब्ल्यू (आर एवं बी) जम्मू-कठुआ सर्कल	सदस्य
(xxiii)सीपीडब्ल्यूडी/राज्य पीडब्ल्यूडी/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के एक सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता/अधीक्षण अभियंता (सिविल)	श्री किरण विट्ठाल सेवानिवृत्त जेएमसी आयुक्त	सदस्य
(xxiv)सीपीडब्ल्यूडी या राज्य पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण/कार्यपालक अभियंता (विद्युत)	श्री सुधीर गुप्ता ,रिटा .अधीक्षण अभियंता ,जम्मू-कश्मीर विद्युत विकास विभाग	सदस्य
(xxv)सीपीडब्ल्यूडी या राज्य पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण/कार्यपालक अभियंता (जन स्वास्थ्य)	श्री वीके अबरोल,	सदस्य

	सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता ,पीएचई/पूर्व सचिव जल नियामक प्राधिकरण	
(xxvi)विश्वविद्यालय अभियंता	श्री विशाल बरगोत्रा अधिशाषी अभियंता	सदस्य
(xxvii)विश्वविद्यालय के वरिष्ठतम वास्तुकार (जहां यह मौजूद है), अन्यथा एक मुख्य वास्तुकार या पड़ोसी विश्वविद्यालय / कॉलेज से समान स्थिति का व्यक्ति	श्री एसआर सिक्का ,मेसर्स सिक्का एसोसिएट्स के मुख्य वास्तुकार नई दिल्ली	सदस्य
(xxviii)मुख्य वास्तुकार/उप मुख्य वास्तुकार या केंद्रीय या राज्य विभाग से समकक्ष दर्जे का व्यक्ति	श्री अशोक महाजन ,मुख्य वास्तुकार , जम्मू-कश्मीर	सदस्य
(xxix)विश्वविद्यालय के वरिष्ठतम भूनिर्माण विशेषज्ञ (जहां यह मौजूद है), अन्यथा किसी पड़ोसी संस्थान /सरकार से। विभाग/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम या सीमित अवधि के लिए विश्वविद्यालय द्वारा एक सलाहकार के रूप में नियुक्त किया जाना	श्री सीएम सेठ, सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी ,जम्मू-कश्मीर सरकार।	सदस्य
(xxx)विश्वविद्यालय के कुलसचिव	पदेन	सदस्य सचिव

2. भवन समिति की बैठक आयोजित करने के लिए भवन समिति के सदस्य का 50% गणपूर्ति करेगा। हालांकि ,कम से कम दो इंजीनियरों और एक वास्तुकार की उपस्थिति जरूरी है।

समान अवसर प्रकोष्ठ

क्र.सं.	नाम और पदनाम	
1.	प्रो. जया भसीन विभागाध्यक्ष , मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग	**पक्षपात विरोधी अधिकारी**
	डॉ. जे.एन बलिया सह आचार्य, शैक्षिक अध्ययन विभाग	**सदस्य**
	डॉ.श्वेता कोहली सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग	**सदस्य**
	डॉ.शाहिद मुश्ताक सहायक आचार्य, विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग	**सदस्य**
	डॉ. सुजाता कुंदन सहायक आचार्य, रसायन शास्त्र एवं रसायन विज्ञान विभाग	**सदस्य**
	डॉ. संजय कुमार सहायक आचार्य, गणित विभाग	**सदस्य**

अधिष्ठाता छात्र कल्याण

अधिष्ठाता छात्र कल्याण का कार्यालय विश्वविद्यालय में प्रवेश करने वाले छात्रों के समग्र विकास में सक्रिय रूप से प्रयासरत है । यह छात्रों के व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करता है।

डी एस डब्ल्यू	प्रो. रसाल सिंह
सहायक डी एस डब्ल्यू	डॉ.विनय कुमार

आयोजन और गतिविधियाँ:

- एक आधिकारिक फेसबुक पेज odsw@cujammu को सोशल मीडिया के माध्यम से छात्रों तक पहुंचने और महामारी के समय की चिंताओं और निकट भविष्य में आयोजनों और अन्य जानकारी के बारे में छात्रों को अपडेट रखने के लिए बनाए रखा गया था।
- ऑनलाइन कक्षाओं ,ऑनलाइन परीक्षाओं ,छात्रवृत्तियों और ई-मेल ,सोशल मीडिया पेज के माध्यम से प्राप्त नए प्रवेश से संबंधित अन्य प्रश्नों की छात्रों की चिंताओं को समय-समय पर दूर किया गया और हल किया गया।
- विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाने के लिए डीएस डब्ल्यू के कार्यालय द्वारा 31 मई 2021 को एक ऑन लाइन (आभासी) कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसकी अध्यक्षता माननीय कुलपति महोदय ने संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों की बड़ी सहभागिता के साथ की थी । सभी ने तंबाकू उत्पादों का सेवन नहीं करने की शपथ ली।
- छात्रों को फेसबुक पेज के माध्यम से *नशा मुक्त भारत अभियान* ,सामाजिक न्याय मंत्रालय के मुख्य कार्यक्रम के साथ प्रश्नोत्तरी , पोस्टर बनने ,निबंध प्रतियोगिता ,कार्यशालाओं आदि में भाग लेने के लिए सूचित और प्रेरित किया गया।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने एकल उपयोग प्लास्टिक के पहचान और उन्मूलन के लिए एक कार्य योजना तैयार की। (सितंबर (2021)
- 31 अक्तूबर 2021 को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया । इस अवसर पर एक ऑनलाइन एकता शपथ समारोह का आयोजन किया गया जिसमें भाग लेने वाले छात्रों और शिक्षकों ने राष्ट्रीय अखंडता की शपथ ली।
- एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत साझेदार संस्थानों के साथ की जाने वाली गतिविधियों की वार्षिक योजना (अक्तूबर **2021)** में प्रस्तुत किया गया ।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा संस्थानों में एक स्वस्थ और तंबाकू मुक्त वातावरण बनाने के लिए की गई कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत की। (नवंबर 2021)
- अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने हमारे संविधान को अपनाने के दिन को मनाने के लिए 26 नवंबर 2021 को संविधान दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में प्रस्तावना पठन समारोह का आयोजन किया। यह

स्वतन्त्रता के 75वें वर्ष को "आजादी का अमृत महोत्सव "के रूप में मनाने के एक भाग में था। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो .संजीव जैन ने की। प्रस्तावना पठन समारोह में सभी संकाय सदस्यों ,कर्मचारियों शोधकर्ताओं और छात्रों ने भाग लिया।

- कार्यालय ने सभी विभागों के साथ समन्वय करके छात्रों के लाभ के लिए एक ही दिन में विश्वविद्यालय की व्यापक अंत:विषय पाठ्यक्रम परीक्षाओं की तिथि का मानकीकरण किया।
- छात्रों को समय पर परिसर में आसानी से पहुंचने के लिए शटल बस सेवा को सुव्यवस्थित करना।
- विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए विश्वविद्यालय आईडी कार्ड के प्रारूप को जम्मू कश्मीर बैंक के साथ मानकीकृत किया और छात्रों को आई-कार्ड वितरण की प्रक्रिया में तेजी लाई।
- छात्रों को सर्वांगीण मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करने के लिए पेशेवर परामर्शदाता के लिए प्रावधान शुरू और एचवीसी द्वारा अनुमोदित किया गया है। (मार्च 2022)
- छात्रों को जीवंत और सांस्कृतिक रूप से सक्रिय होने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय परिसर में दस सांस्कृतिक समितियों का गठन किया गया ।(मार्च 2022)
- विश्वविद्यालय में मीनस-कम-मैरिट छात्रवृत्ति की शुरूआत जरूरतमंद छात्रों को बिना किसी बाधा के पढ़ाई जारी रखने में मदद करने के लिए की गई।
- विश्वविद्यालय में कैंटीन सुविधा ,पुस्तकालय ,पानी और अन्य सुविधाओं के संबंध में समय-समय पर छात्रों को उनकी शिकायतों पर कार्यालय लगातार सहायता प्रदान करता है।

संस्थागत नवाचार परिषद

- डॉ. पंकज मेहता, अध्यक्ष आईआईसी, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्याल द्वारा5 मई 2021 को व्याख्यान सह संवादात्मक सत्र 4 जम्मू-कश्मीर बटालियन एनसीसी में नवाचार, ऊष्मायन तथा उद्यमिता पर लिया गया, जिसमें जम्मू के एनसीसी कैडेट सीनियर डिवीजन ने भाग लिया।

- पंजीकरण संख्या: L-107726/2021 के साथ डॉ. पंकज मेहता द्वारा लिखित IPR सितंबर, 2021 में दायर किया गया था। यह आईपीआर संख्या कॉपीराइट कार्यालय, भारत सरकार के साथ 2 आई शीर्षक वाले कार्य के लिए पंजीकृत है जो 3ed आई (नवाचार + ऊष्मायन = उद्यमिता) की ओर ले जाता है। भविष्य की दृष्टि: आत्मनिर्भर भारत। यह अनूठी अवधारणा दर्शाती है कि कैसे ऊष्मायन के साथ-साथ नवाचार भगवान शिव के चेहरे और तीसरी आंख की मदद से उद्यमिता की ओर ले जा सकते हैं।

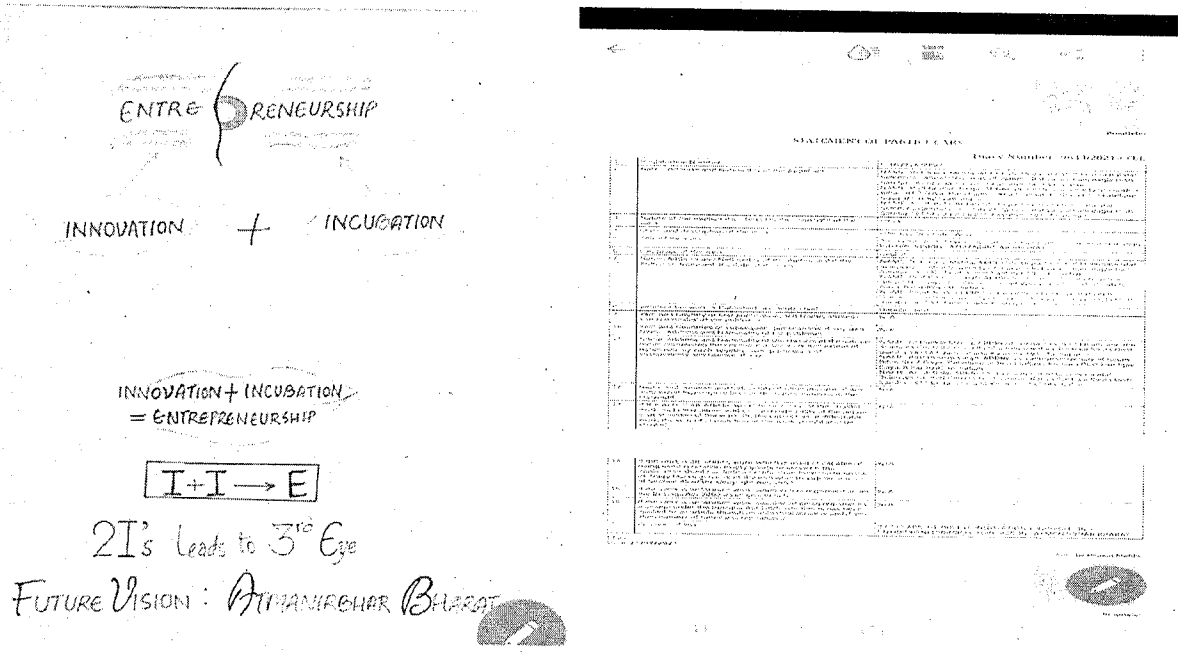

2 आई लीड्स टू थर्ड आई (इनोवेशन + इनक्यूबेशन = एंटरप्रेन्योरशिप) की अवधारणा को दर्शाने वाली तस्वीरें भविष्य की दृष्टि: आत्मानिभर भारत इसके पंजीकरण विवरण के साथ।

- 06.11.2021 को एक लेख प्रकाशित किया जिसमें उन्होंने बताया कि जिला सांबा, जम्मू-कश्मीर में आंवला का अत्यधिक उत्पादन होता है जिसका पूरी तरह से उपयोग नहीं किया जाता है। रोजगार के अवसर पैदा करने और क्षेत्र के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने की आवश्यकता है।
- 28.01.2022 को इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और जियान अहमदाबाद द्वारा एक पहल की गई जिसमें भधौरी ग्राम, जिला सांबा, जम्मू और कश्मीर, के किसान श्री बालाकार सिंह, एक पर्यावरण कार्यकर्ता और जीआईएएन, अहमदाबाद के अधिकारी, श्री नदीम ने डॉ. पंकज मेहता, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ गांव में कम ऊंचाई वाले ग्रीष्मकालीन क्षेत्र के सेब के पौधे लगाए। किसानों को पौधे भी सौंपे गए ताकि जम्मू प्रांत में सेब की खेती शुरू की जा सके।

आईआईसी यूनिट जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और जियान अहमदाबाद की पहल को दर्शाती तस्वीर।

- 29.12.2021 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय को इनोवेशन अचीवमेंट (अरिया) 2021 पर संस्थानों की अटल रैंकिंग में "राष्ट्रीय महत्व के संस्थान और केंद्रीय विश्वविद्यालयों / CFTs (तकनीकी)" श्रेणी के तहत "PROMISING" बैंड शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार में मान्यता दी गई है।

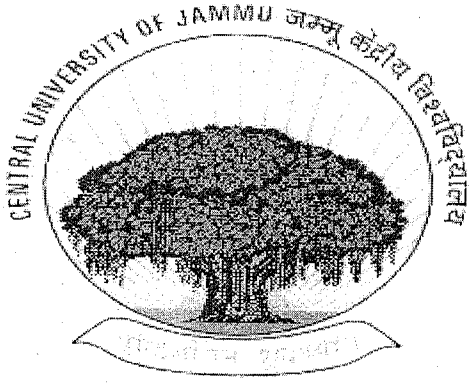

विद्यालय एवं विभाग

भाषा विद्यालय

- हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग
- अंग्रेजी विभाग

हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग

हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग , जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना अगस्त 2015 में जम्मू और कश्मीर राज्य के जम्मू क्षेत्र की भाषाई संरचना और स्थानीय मांग को ध्यान में रखते हुए की गई थी। इस विभाग को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य, इसे राष्ट्रीय भाषा हिंदी और साहित्य के अध्ययन और शोध के साथ-साथ अन्य भारतीय और स्थानीय भाषाओं के अध्ययन का मुख्य केंद्र बनाना था। विभाग एमए (हिंदी), पीएचडी की उपाधि प्रदान करता है। विभाग नए हिंदी/अंग्रेजी अनुवाद डिप्लोमा पाठ्यक्रम विषयों-रचनात्मक लेखन, पटकथा लेखन, पत्रकारिता, अनुवाद आदि के रोजगारोन्मुखी शिक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग हिंदी भाषा, साहित्य और अंतर-अनुशासनात्मक शिक्षण द्वारा भारतीय सभ्यता, संस्कृति, दर्शन और सामाजिक-राजनीतिक चुनौतियों का परिचय देने के लिए प्रतिबद्ध है विभाग प्राचीन, मध्ययुगीन,धार्मिक संस्कार, आधुनिक साहित्य, प्रवचन, भाषा, कविता और तुलनात्मक अध्ययन आदि अनुसंधान कार्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रतिबद्ध है । विभाग छात्रों को सामाजिक रूप से जागरूक और समाज की प्रगति के प्रति उन्मुख बनाने के लिए प्रतिबद्ध है । विभाग नियमित रूप से छात्रों की बेहतरी के लिए विभिन्न सम्मेलनों, सेमिनारों और विशेष व्याख्यान आदि का आयोजन करता है। विभाग 'रचना से मुलकत', 'आचार्य रघुवीर व्याख्या माला', 'काव्य-गोष्ठी' आदि विभिन्न श्रृंखलाओं का आयोजन कर रहा है । विभाग पाठ्यचर्या और सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों को पाठ्यक्रम में जोड़कर अपने छात्रों को रोजगार के बाजार और अनुसंधान में वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। ।

- **संकाय विवरण:-**

क्र.सं.	नाम	पद	विशेषज्ञता का क्षेत्र
.1	प्रो. रसाल सिंह	आचार्य	आधुनिक कविता ,भक्ति कविता ,हिंदी कथा साहित्य ,मीडिया अध्ययन ,सांस्कृतिक अध्ययन ,उत्तर-पूर्व अध्ययन ,जम्मू-कश्मीर अध्ययन ,समकालीन सामाजिक-राजनीतिक मुद्दे आदि।
.2	डॉ.शशांक शुक्ला	सह -आचार्य	हिंदी अलोचना ,हिंदी साहित्य का इतिहास ,गढ़्य साहित्य ,भारतीय साहित्य शास्त्र ,हिंदी पत्रिका
.3	डॉ.वंदना शर्मा	सहायक आचार्य	कथा साहित्य ,हिंदी अलोचना ,आधुनिक काव्य ,भारतीय साहित्य , अनुवाद
.4	डॉ.विनय कुमार शुक्ला	सहायक आचार्य	आदिकलीन काव्य एवम निर्गुण साहित्य ,भक्तिकलीन साहित्य , समकलीन कविता
.5	डॉ.रत्नेश कुमार	सहायक	कथा साहित्य ,(हिंदी साहित्य का इतिहास ,पश्चिम काव्य शास्त्र ,

	यादव	आचार्य	भारतीय साहित्य ,हिंदी पत्रकार ,हिंदी अलोचना
.6	डॉ.अरविंद कुमार यादव	सहायक आचार्य	भाषाविज्ञान और शैलीविज्ञान

➢ **विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय सम्मेलन / संगोष्ठियां/कार्यशालाएं**

क्र.सं.	दिनांक	शीर्षक	संसाधन व्यक्ति
.1	13.09.2021	रचना से मुलकात	एडीएन बाजपेयी कुलपति ,अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय , बिलासपुर
.2	19.09.2021	काव्य-कलश कवि गोष्ठी	रणविजय श्रीवास्तव मीत बनारसी, ज्ञान प्रकाश पांडेय, रामनाथ बेखबर
.3	25.02.2022	अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस	शिवम जोशी भारतीय शिक्षण मंडल
.4	24.03.2022 से 25.03.2022	हिंदी साहित्य में जम्मू कश्मीर और जम्मू कश्मीर में हिंदी भाषा	

डॉ.शशांक शुक्ला			
कॉपीराइट	1. सामवेदनिक सहचर्य का सिद्धांत	15.05.2021	डायरी सं .**4665/2021**-सीओ/एल
	2. रचना अंतर का सिद्धांत	2021-06-02	डायरी सं .**8738/2021**-सीओ/एल
	3. साहित्यिक विकास का सिद्धांत	2021-06-07	डायरी सं. 9364/**2021**-सीओ/एल
	4. स्थिर भाव संचार भाव के अध्ययन रूप	2022-02-18	डायरी सं. 3562/**2022**-सीओ/एल

➢ **संकाय प्रकाशन**

प्रो. रसाल सिंह

क्र.सं.	लेख/पुस्तक का शीर्षक	पत्रिका/पुस्तक का नाम	आईआई एस एन स./आर आई एन सं./आई बी एस एन सं.	प्रकाशन का वर्ष
.1	गुणवत्तपूर्ण और सर्व-समवेशी शिक्षा का दृष्टिपत्र :एनईपी-2020	भाषा ,दिल्ली	0523-1418।	मार्च-अप्रैल ,(2021
.2	श्री प्रकाश मिश्रा के उपन्यासों में अभिनय उत्तर-पूर्व की संस्कृति	परिंदे ,दिल्ली	6613-2347	अप्रैल-जुलाई , 2021
.3	निर्मला पुतुल के काव्य में स्त्रि-छावी	काकसड़, दिल्ली	.2211-2456	जुलाई-अगस्त , 2021
.4	डॉ .आबेडकर के सपनों के भारत में नारी का स्थान	सामाजिक न्याय संदेश ,दिल्ली	6181-2455	मार्च-मई 2021
.5	राजनीति से पहले सुरक्षा	पांचजन्य ,दिल्ली	2392-2349	28नवंबर2021 ,
.6	बजरवाड़ी समाज में साहित्य की जगह	आधुनिक साहित्य, दिल्ली	7043-2277	अप्रैल-जून2021 ,
.7	किसान आंदोलन में गतिरोध	सबलॉग ,दिल्ली	2277-5897।	अप्रैल 2021
.8	आतंक के सौदागर	पांचजन्य ,दिल्ली	2349-2392।	5सितंबर2021 ,
.9	अतंकवाद और अलगववाद से लड़ने वाले राष्ट्रवादी	त्रिकुटा संकल्प , जम्मू	आरएनआई संख्या 20024338	पेज 4, जून ,2021

डॉ.शशांक शुक्ला

क्र.सं.	**लेख/पुस्तक का शीर्षक**	पत्रिका/पुस्तक का नाम	**आईआई एस एन स./आर आई एन सं./आई बी एस एन सं.**	**प्रकाशन का वर्ष**
.1	रामनारायण शुक्ला :शब्द और कर्म के प्रतिभा साधक	पुस्तक	-90659-93-978 9-28	2021
.2	साहित्य और अश्लीलता का प्रश्न:	पुस्तक	-91034-93-978 9-55	2021
.3	एक आलोचक की डायरी	पुस्तक	-91524-93-978 5-71	2022
.4	'कवि कलाकार का जीवन और कलाएं'	नमन पत्रिका	5585-2229	2022
.5	'छायावाद और छायावादी अलोचना'	छायावाद :एक पुनर्विचार	-90872-93-978 9-74	2022
.6	'कहानी और शिक्षा विवाद'	शैक्षिक दरिक्त	--	2021
.7	रामनारायण शुक्ला :शब्द और कर्म के प्रतिभा साधक	लोकमंच पत्रिका	ऑनलाइन	2021
.8	एक क्रांतिकारी की उत्तरकथा	लोकमंच पत्रिका	ऑनलाइन	2021
.9	राष्ट्रीय जनवादी सांस्कृतिक मोर्चा	लोकमंच पत्रिका	ऑनलाइन	2021
.10	शहंशाह एडिपस :एक ग्रीक त्रासादी	लोकमंच पत्रिका	ऑनलाइन	2021

डॉ.अरविंद कुमार यादव

क्र.सं.	**लेख/पुस्तक का शीर्षक**	**पत्रिका/पुस्तक का नाम**	**आईआई एस एन स./आर आई एन सं./आई बी एस एन सं.**	**प्रकाशन का वर्ष**
.1	समाज और सम्वेदना को रेखाकृत कार्ति नरेंद्र पुंडलिक की कवितायें	द्विभाषी राष्ट्र सेवक पत्रिका	4945-2321	2021
.2	गोपाल सिंह नेपाली का कवि कर्मी	समीचिन पत्रिका	2335-2250	2021
.3	अभिनय्यु अनंत की कविताएं :अपने होने की तलाश:	विश्वभारती पत्रिका	4977-2348	2021

11. छात्रों की उपलब्धियों का विवरण

(ए) विभाग/केंद्र के जेआरएंफ/नेट/सेट छात्रों का विवरण -

क्रमांक	नाम	जेआरएफ/नेट	साल
.1	संजीव कुमार (शोधार्थी)	नेट	2021
.2	अदिति	नेट	2021
.3	ध्रुव शर्मा	नेट	2021
.4	मनीषा कुमारी	जेआरएफ	2021
.5	ममता देवी	नेट	2021

अंग्रेजी विभाग

वर्ष 2011 में स्थापित, अंग्रेजी विभाग की स्थापना का वही वर्ष है जो विश्वविद्यालय का है। विभाग एमए और पीएचडी स्तरों पर उपाधि प्रदान करता है। विभाग में शिक्षण अधिगम गहन है जो व्याख्यान, आईसीटी आधारित शिक्षण, समूह चर्चा, फिल्म स्क्रीनिंग, लेख प्रस्तुति और वाद-विवाद जैसे सहभागी सत्रों के माध्यम से किया जाता है। इसके अलावा, विभाग विभिन्न प्रकार के मंचों में कक्षा के अंदर और बाहर छात्रों को सलाह प्रदान करता है। अंतःविषय विषयों पर विस्तार व्याख्यान, संगोष्ठी, सम्मेलन और संवाद आदि वर्ष में किये जाते हैं।

विभाग समकालीन संस्कृति और समाज में अन्य प्रकार की पाठ्यवस्तु के साथ साहित्य के संरचना और अनुशासनात्मक कौशल के विभिन्न संभावित अनुप्रयोगों के लिए छात्रों ज्ञान प्रदान करने में विशिष्टता प्रदान करता हैं। विभाग द्वारा विशिष्ट प्रस्तुती :

- अनुवाद अध्ययन
- तुलनात्मक साहित्य
- विभिन्न संस्कृतियों में महिलाओं के लेखन

विजन

- विभाग स्वयं को अकादमिक उत्कृष्टता, प्रासंगिक अनुसंधान और पेशेवर विशेषज्ञता के केंद्र के रूप में कल्पना करता है।

मिशन

- अंग्रेजी भाषा में लिखे गए साहित्य में प्रारंभिक काल से लेकर आज तक, भाषा की वैश्विक पहुंच और इसकी सभी साहित्यिक अभिव्यक्तियों की विविधता और सीमा पर पर्याप्त ध्यान देने के साथ, विशेष रूप से उत्तर-औपनिवेशिक दुनिया में पूरी तरह से आधार प्रदान करना।
- छात्रों को साहित्यिक छात्रवृत्ति के साधनों से परिचित कराना और साहित्यिक अभिव्यक्तियों के सभी रूपों की व्याख्या और मूल्यांकन करने की उनकी महत्वपूर्ण क्षमता को तेज करना।
- छात्रों को उनकी पेशेवर दक्षताओं का सम्मान करके विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के लिए तैयार करना।
- एक अच्छी तरह से संरचित पाठ्यक्रम और विश्वविद्यालय/सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से वैश्विक विश्वदृष्टि को मजबूत करने के लिए।
- प्रौद्योगिकी और अंग्रेजी अध्ययन के बीच के संबंध को मजबूत करने के लिए।

अंग्रेजी विभाग के मुख्य क्षेत्र:

- तुलनात्मक अध्ययन
- नारीवाद / उत्तरनारीवाद
- लैंगिक अध्ययन
- औपनिवेशिक / उत्तर औपनिवेशिक
- अनुवाद अध्ययन
- सांस्कृतिक अध्ययन
- आदिवासी/दलित साहित्य
- जातीय साहित्य
- बाल साहित्य

- कल्पित विज्ञान

➢ प्रस्तावित पाठ्यक्रम

एमए अंग्रेजी

पीएच.डी. पाठ्यक्रम

➢ **संकाय विवरण**:-

क्रम सं.	नाम	पद	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	डॉ. वंदना शर्मा	सह - आचार्य	औपनिवेशिक अध्ययन के बाद, अनुवाद अध्ययन भारतीय अंग्रेजी नाटक, दक्षिण एशियाई साहित्य, सामान्य अध्ययन, फिल्म अध्ययन
2	डॉ. नीना गुप्ता विज	सहायक आचार्य	महिला लेखन, कथा, उत्तर औपनिवेशिक साहित्य, लोक अध्ययन
3	डॉ.एमएए फारूक	सहायक आचार्य	उत्तर औपनिवेशिक साहित्य
4	डॉ.राज ठाकुर	सहायक आचार्य	सांस्कृतिक अध्ययन, महत्वपूर्ण सिद्धांत और लोकप्रिय संस्कृति
5	डॉ. परवीन कुमारी	सहायक आचार्य	दलित साहित्य

➢ **संगोष्ठियों/सम्मेलनों का आयोजन**

22-23 नवंबर 2021 को "अनसग इंडियन वुमेन फ्रीडम फाइटरहिस्टोरिकल :, लिटररी एण्ड कल्चरल रिफ्रेक्ट" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

8 मार्च, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर "कल के सतत भविष्य के लिए आज लैंगिक समानता " विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

III. **स्मरणोत्सव के तहत लेखक श्रृंखला:**

i. 26 दिसंबर 2021 को अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने " स्मरणोत्सव लेखक श्रृंखला " के तहत सूप्रसिद्ध लेखक मुल्क राज आनंद की जयंती मनाई।

ii. 28 मई 2021 को अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने " स्मरणोत्सव लेखक श्रृंखला " के तहत प्रसिद्ध लेखिका नयनतारा सहगल की जयंती मनाई।

➢ **प्रख्यात व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान का आयोजन**

- विभाग ने 23 अप्रैल, 2021 को "इंग्लिश स्टडीज टुडे" विषय पर प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया। (केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश, कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीच

हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के कार्यान्वयन की शुरुआत में ऑनलाइन प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया)

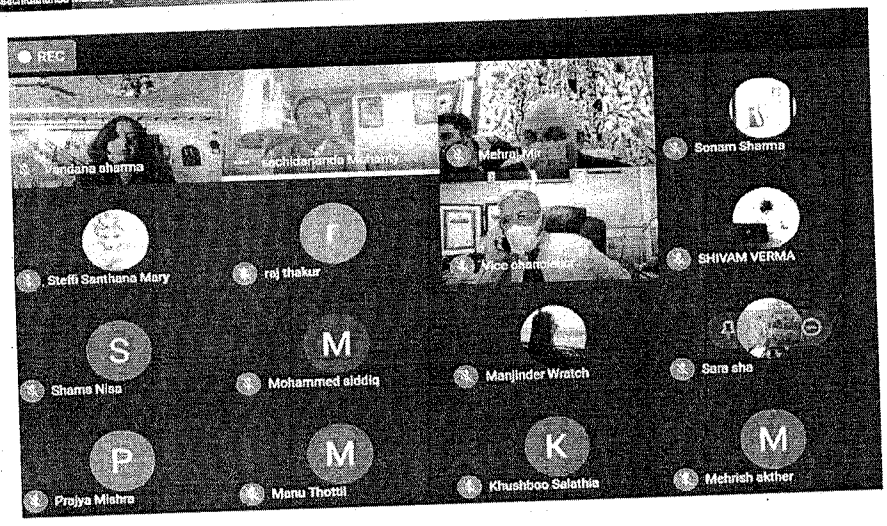

आमंत्रित वार्ता

डॉ. वंदना शर्मा

भाषण दिया / मुख्य वक्ता

1. यूजीसी- मानव संसाधन विकास केंद्र, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर द्वारा 10 अगस्त से 23 अगस्त, 2021 तक दो सप्ताह के ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स इन लैंग्वेज, लिटरेचर एवं कल्चरल स्टडीज में 12 अगस्त, 2021 को तुलनात्मक साहित्य का साहित्य पर मुख्य वक्ता के रूप में भाषा के अनुवाद से विषय पर व्याख्यान दिया।

2. 16 जून, 2021 को गूगल मीट प्लेटफॉर्म पर अंग्रेजी विभाग, कील विश्वविद्यालय, जर्मनी में "इकोफेमिनिज्म: थ्योरेटिकल पर्सपेक्टिव्स एवं इंडियन लिटरेरी टेक्स्ट्स" पर आमंत्रित भाषण दिया।

3. 26-27 नवंबर 2021 को अंग्रेजी विभाग, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अनुवाद की भूमिका को याद रखने पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय

वेबिनार में ट्रांस-क्रिएटिंग इंडिया: ट्रांसलेटिंग वुमेन लाइफ नैरेटिव्स विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में आलेख प्रस्तुत किया।

4. 28 फरवरी 2022 से 4 मार्च, 2022 तक एनआईटी श्रीनगर द्वारा आयोजित साहित्य अध्ययन और मानविकी में अनुसंधान पद्धति पर 5 दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में "साहित्यिक अनुसंधान: समीक्षा, प्रश्न और अंतराल" पर बक्तव्य दिया।

डॉ. नीना गुप्ता विज

एफडीपी/कार्यशालाओं/पाठ्यक्रमों में भाग लिया

i. आरएनडीएफ विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा और माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा प्रायोजित, "उच्च शिक्षा में एनईपी 2020 के कार्यान्वयन" पर एक सप्ताह की एफडीपी 17-22 फरवरी, 2022 तक आयोजिन किया गया।

ii. रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल, एवीपी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, तिरुप्पुर, तमिलनाडु, भारत तथा केप कोमोरिन ट्रस्ट, भारत के सहयोग से 07.02.2022 से 13.02.2022 आयोजित अनुसंधान और लेखन को बढ़ाने पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी संकाय विकास कार्यक्रम।

iii. जेएसएस कॉलेज ऑफ आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस (मैसूर विश्वविद्यालय के तहत स्वायत्त) ऊटी रोड मैसूर, कर्नाटक, भारत, लैवेंडर लिटरेरी क्लब, भारत, केप कोमोरिन ट्रस्ट, भारत, मलेशियाई औद्योगिक संबंध और मानव संसाधन संघ (MIRHA), मलेशिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 24 -30 अक्टूबर 2021 से भावनात्मक बुद्धिमत्ता और प्रभावी कक्षा प्रबंधन तथा सॉफ्ट स्किल्स पर एक सप्ताह का अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल लघू कालीन पाठ्क्रम

iv. शूलिनी विश्वविद्यालय में चित्रकूट स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स, फैकल्टी ऑफ लिबरल आर्ट्स एवं एन्सिएंट इंडियन विजडम द्वारा आयोजित पांच दिवसीय राष्ट्रीय अनुसंधान पद्धति कार्यशाला, 07.02.2022 से 11.02.2022 फरवरी 2022 (12:00-2;00pm, 3: 30-6: 00 अपराह्न)।

v. 07.02.2022 से 13.02.2022 फरवरी 2022 तक केप कोमोरिन ट्रस्ट, भारत के सहयोग से अनुसंधान और विकास सेल, एवीपी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एवं साइंस, तिरुपुर, तमिलनाडु, भारत द्वारा आयोजित अनुसंधान और लेखन को बढ़ाने पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी संकाय विकास कार्यक्रम (5) :30 अपराह्न - 9:00 अपराह्न)।

vi. अंग्रेजी और अन्य विदेशी भाषा विभाग, एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एवं टेक्नोलॉजी, रामपुरम कैंपस, चेन्नई-600089 द्वारा 2 से 9 अगस्त तक संकाय और शोधकर्ताओं के लिए पाठ्यक्रम विकास, अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता पर एक सप्ताह का अंतर्राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम 2021।

vii. इंडियन सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज एवं लिटरेचर (आईस्पैल) के सहयोग से भाषा विभाग, मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर द्वारा "महत्वपूर्ण सिद्धांतों और मानविकी में उनकी आधुनिक शैक्षणिक पर्याप्तता" पर सात दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित किया गया। 26 जुलाई - 01 अगस्त 2021।

अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों में प्रस्तुत पत्र

i. 27 मार्च, 2022 को विद्या कुटीर फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से भाषाविज्ञान और साहित्य विभाग, मानविकी और उदार कला, क्लस्टर विश्वविद्यालय जम्मू, भारत द्वारा आयोजित मानविकी, भाषा विज्ञान, साहित्य और शिक्षा में हालिया रुझानों पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (HLLE-2022) "द मिथ एंड क्वेस्ट ऑफ़ होम इन टोनी मॉरिसन की द ब्लूएस्ट आई एंड होम" में शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

- अंग्रेजी विभाग, श्री रामकृष्ण कॉलेज ऑफ आर्ट्स एवं साइंस द्वारा आयोजित कॉमनवेल्थ लिटरेचर - कॉम्प्रिहेंसिव एवं क्रिटिकल पर्सपेक्टिव्स पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में "ए बर्निंग: मेघा मजूमदार का नव-देशभक्त राष्ट्र में सबाल्टर्न इंडियन का प्रतिनिधित्व" शीर्षक से एक लेख महिलाओं के लिए, कोयंबटूर, तमिलनाडु, भारत केप कोमोरिन ट्रस्ट, भारत के सहयोग से 18 और 19 मार्च 2022 तक।
- मार्च 03-05, 2022 से लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भारतीय और अनुबंध साहित्य में मिथकों, किंवदंतियों, लोककथाओं और इतिहास पर अंतर्राष्ट्रीय और बहुभाषी सम्मेलन में "द डिस्कर्सिविटी ऑफ मायथोपोइया: रिविजिटिंग माइथोलॉजी इन सेलेक्टेड फिक्शन" पर एक लेख ।

डॉ. एमएए फारूक

एफडीपी/कार्यशालाओं में भाग लिया

i. बाबा मोहन दास पीजी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, मोटला कलां, हरियाणा (भारत) के सहयोग से भारतीय शिक्षक शिक्षा समुदाय द्वारा आयोजित 1 से 15 सितंबर, 2021 तक "अनुसंधान की मूल बातें" पर 15 दिनों के ऑनलाइन एफडीपी में भाग लिया ।

ii. इंडियन टीचर एजुकेशन कम्युनिटी, इंदौर, एमपी द्वारा आयोजित "रिसर्च लेख एवं थीसिस राइटिंग" पर सात दिवसीय ऑनलाइन एफडीपी में भाग लिया। 21 से 27 मार्च, 2022 तक

डॉ.राज ठाकुर

एफडीपी/कार्यशालाओं में भाग लिया:

➢ 01/08/2021-14/08/2021 टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय से संकाय विकास कार्यक्रम, अनुशासनात्मक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (अंग्रेजी अध्ययन) में भाग लिया। ।

i.स्वयं-एनपीटीईएल साहित्यिक आलोचना पर 12 सप्ताह का एफडीपी पाठ्यक्रम (12 जनवरी से 15 अप्रैल, 2022) (जारी...)

लेख प्रस्तुत किया गया:

i.अर्बन जेंडरस्केप्स: स्पेस ऑफ वायलेंस, गवर्नमेंटलिटी एवं प्रीकैरिटी इन प्रयागराज अकबर की लीला इन इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस (ऑनलाइन) जेंडर बेस्ड वायलेंस: लिटरेरी रिफ्लेक्शंस फ्रॉम साउथ एशिया एवं बियॉन्ड, डिपार्टमेंट ऑफ ह्यूमैनिटीज एवं सोशल साइंसेज, आईआईटी, पटना द्वारा आयोजित। 12-13 मार्च 2022।

संसाधन व्यक्ति:

i.एनआईटी श्रीनगर 28-02-2022 से 04-03-2022 तक "सांस्कृतिक अध्ययन में अनुसंधान: भारत में संकल्पनात्मक समस्याएं और दृष्टिकोण" विषय पर पांच दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में साहित्यिक अध्ययन और मानविकी में अनुसंधान पद्धति पर एक व्याख्यान दिया। ।

ii.22-23 नवंबर 2021 को स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज एवं लिटरेचर, एसएमवीडीयू, कटरा जम्मू और कश्मीर, द्वारा आयोजित सांस्कृतिक अध्ययन और अंतःविषय मानविकी: अभिसरण, हस्तक्षेप और संभावनाएं नामक दो दिवसीय सम्मेलन में "एक पाठ के रूप में खेल: भारत में क्रिकेट की सांस्कृतिक कल्पना" एक पर भाषण दिया। ।

iii.22-23 नवंबर 2021 से स्कूल ऑफ लैंग्वेज एवं लिटरेचर, एसएमवीडीयू, कटरा जम्मू और कश्मीर द्वारा आयोजित सांस्कृतिक अध्ययन और अंतःविषय मानविकी: अभिसरण, हस्तक्षेप और संभावनाएं नामक दो दिवसीय सम्मेलन में "शहरी परिदृश्य" पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

ii.13 नवंबर 2021 को सीआरएम कॉलेज, हिसार, हरियाणा में एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में ग्रामीण: साहित्य, सिनेमा और लोककथाओं को फिर से प्रस्तुत करते हुए एक सत्र की अध्यक्षता की।।

डॉ. परवीन कुमारी

एफडीपी/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

i.21 सितंबर -8 अक्टूबर 2021 (18 दिन) सेंट एलॉयसियस कॉलेज, जबलपुर द्वारा इंडियन सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज एवं लिटरेचर (आईएसपीएलएल) के सहयोग से आयोजित "टूवर्ड्स बेटर कम्युनिकेशन: ऑनिंग एलएसआरडब्ल्यू स्किल्स इन इंग्लिश, में भाग लिया।

ii.21-25 जून 2021 को पंडित मदन मोहन नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एवं टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी) के तहत किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय और फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर, मिजोरम विश्वविद्यालय , आइजोल द्वारा आयोजित "अंग्रेजी में भारतीय उपन्यास का पुनर्मूल्यांकन" में एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम पूरा किया।

➢ " आईआई एस एन स.आई बी एस एन सं/.आर आई एन सं/." के साथ संकाय प्रकाशन के दौरान **(01-04-2021 से 31.03.022)** ।

डॉ. वंदना शर्मा

क्र.सं.	लेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएस एन स./आरआईएन संख्या /आईएसबीएन संख्या	प्रकाशन का वर्ष
1.	नेविगेटिंग यूटोपियन कांशसनेस एंड डिस्टोपियन पैराडॉक्स इन रोकेया हुस्सैन सुल्ताना ड्रीम (1905) एंड मंजुला पद्मनाभन एस्केप (2008)इन	लिटरेरी वौइस् - ए पीर रिव्यूड जर्नल यूजीसी केयर एप्रूव्ड ग्रुप II. इंडेक्स्ड विद वेब ऑफ़ साइंस , इएससीआई, कोसमोस, इएससीआई, साईट फैक्टर एंड 120 आईएसएसएन 2277-4521	सितंबर, **2021**
2.	बावा जीतो का अंग्रेजी अनुवाद में सांस्कृतिक मुद्दे।	आईयूपी इन जर्नल ऑफ़ इंग्लिश स्टडीज . स्कोपस इंडेक्स्ड , एब्सको एंड UGC केयर लिस्ट आईएसएसएन 770973372008 आईएसएसएन: **09733728**	मार्च **2022**
3	पोस्ट कोलोनियल इकोफेमिनिज्म इन इंडिया : डाइवरजेंट ट्राजेक्टोरिस एंड एमेर्जेंट वॉइसेस .	आधुनिक साहित्य आईएसएसएन 2277-7083 यूजीसी स्वीकृत	अप्रैल जनू 2022
4	रीडिंग नेशन एस ए साइट ऑफ़ कनफ्लिक्ट : ए स्टडी ऑफ़ कमीला शम्सी कार्टोग्राफी (2002) एंड बर्न्ट शड़ौस (2009	इंटरडिसिप्लिनरी जर्नल ऑफ़ कंटेम्पररी रिसर्च एन इंटरनेशनल पीयर रिव्यूड रेफर रिसर्च	नवंबर2021

		जर्नल यूजीसी एप्रूव्ड, जर्नल नंबर 48416 (आईजेसीआर), इम्पैक्ट फैक्टर 2.314 आईएसएसएन: 2393-8358। आर, 2021	

डॉ. नीना गुप्ता विज

क्र.सं.	लेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएस एन स./आरआईएन संख्या /आईएसबीएन संख्या	प्रकाशन का वर्ष
1.	https://www.journals.polon.uw.edu.pl/index.php/dlk/issue/current	आईएसएसएन 0976-0822। 134-140	**2021**
2.	"होना या नहीं होना: यह महिला का प्रश्न है।" कल्याण भारती, खंड 36 संख्या XI "महात्मा की समन्वित नैतिकता: कंट्रास्ट के माध्यम से विजय।" गांधी पढ़ना। पेनक्राफ्ट इंटरनेशनल, 2021।	आईएसबीएन 978-93-82178-36-1।	**2021**
3.	"गिरीश कर्नाड की हयावदन: ए स्टडी इन थिएटर ऑफ रूट्स," इन कंटेम्परारी इंडियन इंग्लिश ड्रामा: एक्सप्लोर एवं अनएक्सप्लोर्ड विस्टा, एड। प्रो. कल्याणी दीक्षित, आदि प्रकाशन, 2021	आईएसबीएन: 978-81-952501-1-0।	**2021**
4.	"शिक्षा का निजीकरण: क्लास वॉर को क्लासरूम में ले जाना," भारतीय समाज में शिक्षा के निजीकरण में, एड। डॉ.दीपा अवस्थी, सनराइज पब्लिकेशन,	आईएसबीएन 978-93-90667-39-0 (सह-लेखक के साथ)	**2021**
5.	"सार्वजनिक से निजी शिक्षा में संक्रमण: सीमांत जनसंख्या से समझौता," भारतीय समाज में शिक्षा के निजीकरण में, एड। डॉ.दीपा अवस्थी, सनराइज पब्लिकेशन	आईएसबीएन 978-93-90667-39-0 (सह-लेखक के साथ)	**2021**

डॉ. एमएए फारूक

क्र.सं.	लेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएस एन स./आरआईएन संख्या /आईएसबीएन संख्या	प्रकाशन का वर्ष
1.	प्रेम रहस्यवाद की शास्त्रीय धारणा को समझना: हज़रत रबिया बसरी (आरए) संदर्भ	आईएसबीएन 978-93-90891-30-6	2021
2.	तसलीमा नसरीन का परिचय: उनके उपन्यासों में सांस्कृतिक अनिवार्यताएं	978-93-90588-09-1	2021

डॉ.राज ठाकुर

क्र.सं.	लेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएस एन स./आरआईएन संख्या /आईएसबीएन संख्या	प्रकाशन का वर्ष
1.	बल्ला घूमा स्टेडियम झूमा: भारत में क्रिकेट कमेंट्री का स्थानांतरण भाषण। "दक्षिण एशियाई लोकप्रिय संस्कृति। खंड 19. 2021. अंक 2 (जून)। रूटलेज, टेलर और फ्रांसिस। ब्रिटेन. लंडन। (स्कोपस अनुक्रमित)।	प्रिंट आईएसएसएन: **1474-6689** ऑनलाइन आईएसएसएन: **1474-6697**	2021

डॉ. परवीन कुमारी

क्र.सं.	आलेख का शीर्षक	आईआईएस एन स./आरआईएन संख्या /आईएसबीएन संख्या	प्रकाशन का वर्ष
1.	"स्थानीय साहित्यिक ग्रंथों के माध्यम से संचारी भाषा सीखना" **(105-11)** पीयर-रिव्यूड जर्नल रिसर्चर: ए मल्टीडिसिप्लिनरी जर्नल खंड सं. **XVII,** संख्या **1, 2021**	आईएसएसएन: **2278-9022**	**2021**
2.	मदर्स स्टोरी: द 'थर्ड स्पेस' फॉर इमैन्सिपेशन इन दलित वीमेन्स लाइफ नैरेटिव्स" **(68-**	आईएसएसएन: **1539-8706**	**2021**

	80) जर्नल ऑफ इंटरनेशनल विमेन स्टडीज **(2021)** खंड सं. **22,** अंक **10,** स्कोपस इंडेक्स जर्नल		
3.	पंजाब विश्वविद्यालय रिसर्च जर्नल (कला), वॉल्यूम में "पहचान और स्थान की समस्या: दलित प्रवासी साक्ष्य का एक अध्ययन" **(78-90)। XLVIII,** संख्या **1,** जनवरी-जून **2021,** रेफरी, यूजीसी केयर लिस्ट जर्नल	आईएसएसएन: **0970-5260**	**2021**
4.	"रेसिस्टिंग वुमन: रीराइटिंग माइथोलॉजी इन कविता केन की मेनका चॉइस" **(28-35)** द्रष्टि में: द साइट वॉल्यूम एक्स, अंक **I** (मई, **2021**-अक्टूबर, **2021),** पीयर-रिव्यू, यूजीसी केयर लिस्ट जर्नल	आईएसएसएन: **2319-8281**	**2021**
5.	नलिनी जमीला की द ऑटोबायोग्राफी ऑफ ए सेक्स वर्कर और यशिका दत्त की में दलित (28-218) कमिंग आउट ए दलित रूटलेज ,प्रतिनिधित्व महिला नायकों का में द हीरो एवं (टेलर एवं फ्रांसिस ग्रुप) शीर्षक से (2021) हेरोमेकिंग अक्रॉस जेनर्स (स्कोपस) संपादित पुस्तक में।	आईएसबीएन **9780367363284**	**2021**

आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय

- कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
- गणित विभाग
- भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान विभाग
- रसायन शास्त्र और रसायनिक विज्ञान विभाग
- नैनो विज्ञान पदार्थ विभाग

कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विद्यालय के तत्वावधान में कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की स्थापना वर्ष **2012** में की गई थी। शुरुआत में विभाग ने **30** सीटों की प्रविष्टियों के साथ एमएससी (कंप्यूटर साइंस) पाठ्यक्रम को प्रस्तावित किया। बाद में वर्ष **2013** में पाठ्यक्रम का नाम बदलकर एकीकृत एमएससी (कंप्यूटर साइंस) -एमसीए कर दिया गया। वर्ष **2017** तक एमसीए के तीन बैच सफलतापूर्वक पूरे हो गये थे। अनुसंधान परिणाम, बाजार परिदृश्य और उद्योग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभाग ने **30** सीटों पर प्रविष्टियों के साथ एमटेक (कंप्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी) पाठ्यक्रम को प्रस्तावित किया और सत्र **2016-17** से एकीकृत एमएससी (कंप्यूटर विज्ञान)-एमसीए पाठ्यक्रम को बंद कर दिया। एमटेक प्रोग्राम को एआईसीटीई ने सत्र **2017-18** से मंजूरी दे दी है। विभाग शैक्षणिक सत्र **2016-17** से पीएचडी शोध पाठ्यक्रम भी चला रहा है और वर्तमान में इसमें **18** शोधार्थी हैं। विभाग के पास अनुसंधान क्षेत्रों के विभिन्न क्षेत्रों के साथ छह उच्च योग्य और अनुभवी संकाय सदस्यों की एक टीम है। कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने वर्ष **2018, 2019, 2020** और **2021** में "कंप्यूटिंग में हालिया नवाचार" (आईसीआरआईसी) के विषय पर चार अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है।

➢ प्रस्तावित पाठ्यक्रम

- एम .टेक कंप्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
- पीएच.डी कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी

➢ संकाय विवरण

क्रम सं.	नाम	पद	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	प्रो .देवानन्द	आचार्य	कंप्यूटर सिमुलेशन और मॉडलिंग ,ऑपरेशन रिसर्च ,ग्रिड और क्लाउड कंप्यूटिंग
2	डॉ .यशवंत सिंह	सह -आचार्य	इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), वायरलेस सेंसर नेटवर्क (डब्लूएसएन), साइबर फिजिकल सिस्टम
3	डॉ.भावना अरोड़ा	सहायक आचार्य	सूचना और साइबर सुरक्षा ,एनएलपी ,डाटा माइनिंग
4	डॉ .अरविंद सेलवाल	सहायक आचार्य	बॉयोमीट्रिक्स और पैटर्न पहचान ,मशीन लर्निंग ,डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग ,सॉफ्ट कंप्यूटिंग
5	डॉ .नीरेंद्र कुमार	सहायक आचार्य	रोबोटिक्स ,आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कंप्यूटर प्रोग्रामिंग
6	डॉ.दीप्ति मल्होत्रा	सहायक आचार्य	ग्रिड कंप्यूटिंग ,क्लाउड कंप्यूटिंग ,मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग

➢ **सम्मेलन**

- जम्मू के कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 8-9 मई 2021 को "कम्प्यूटिंग में हालिया नवाचार" (आईसीआरआईसी-2021) पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑनलाइन मोड में "एक बेहतर डिजिटल दुनिया के लिए समावेशी नवाचार" विषय पर आयोजित किया गया था। सम्मेलन कंप्यूटर विज्ञान इंजीनियरिंग और सूचना प्रौद्योगिकी के सभी प्रमुख क्षेत्रों में सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं में महत्वपूर्ण योगदान की तलाश करता है। यह इंजीनियरिंग , डिजाइन और अनुसंधान में अनुभवी उद्योग ,सरकार और शिक्षाविदों के विशेषज्ञों को एक साथ लाता है। स्प्रिंगर एलएनईई के प्रायोजन के साथ वर्ष 2018 से जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आईसीआरआईसी का आयोजन किया जा रहा है। यह विभाग का प्रमुख कार्यक्रम है। सम्मेलन की कार्यवाही स्प्रिंगर एलएनईई श्रृंखला में प्रकाशित की गई है जो स्कोपस अनुक्रमित है।

➢ **कार्यशाला/एफडीपी**

- विभाग द्वारा 06-10 सितंबर, 2021 तक "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-ए ड्राइव फॉर इम्प्रूविंग बिहेवियरल एंड मेंटल हेल्थ केयर" पर 5-दिवसीय ऑनलाइन एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग एकेडमी (एटीएएल) प्रायोजित एफडीपी का आयोजन किया गया था।

➢ **वेबिनार**

- डॉ.मीनाक्षी सूद ,सह-आचार्य ,पाठ्यचर्या विकास विभाग ,एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ ने 10दिसंबर ,2021 को "एनईपी 2020के लिए पुनर्रचना पाठ्यक्रम रूपरेखा और प्रत्यायन के माध्यम से गुणवत्ता सुधार "पर वेबिनार दिया।
- श्री श्रीकृष्ण ,सी-डैक बैंगलोर ने 12मई ,2021 को "आईओटी प्रोटोकॉल :हाउ डेटा एक्सचेंज हैपन्स "पर एक वेबिनार दिया।

➢ **प्रख्यात व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान का आयोजन**

- श्री अमित शर्मा (सलाहकार) निदेशक, साइबर और रक्षा मंत्रालय ,भारत के ने 08मई ,2021 को "डार्क वेब और वर्चुअल क्रिप्टोकुरेंसी :साइबर स्पेस के लिए समकालीन चुनौतियां "पर व्याख्यान दिया।
- प्रो .जितेंद्र कुमार छाबड़ा एनआईटी कुरुक्षेत्र ,09 मई ,2021 को "फ्यूचरिस्टिक कंप्यूटिंग "पर भाषण दिया।

➢ **संकाय उपलब्धि (01-04-2021 से 31-03-2022**

संकाय सदस्य का नाम: प्रो. देवानंद

- 21मई को वेट्टीचेरुकुर एम गुंटूर आंध्र प्रदेश के साथ एसएसआर और केएसआर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एवं साइंस के शासी निकाय पर यूजीसी नामित के रूप में नियुक्त किया गया।
- कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ,जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय आईसीआरआईसी-2021 द्वारा 08/05/2021 - 09/05/2021 को आयोजित "कम्प्यूटिंग में हाल के नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "की सत्र अध्यक्षता।

- श्री अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय ,बिलासपुर के प्रस्ताव 21जून को यूजीसी समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।
- 21जुलाई को नैक की आईसीटी मुद्दे समाधान समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।
- 21अगस्त को मैसूर कर्नाटक के कला ,वाणिज्य और विज्ञान कॉलेज के सदस्य समन्वयक ,एनएएसी सहकर्मी टीम जेएसएस कॉलेज के रूप में नियुक्त।
- 21 नवंबर को एसडीएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, धवलगिरी, दरवाड़, कर्नाटक के शासी निकाय पर यूजीसी के उम्मीदवार के रूप में नियुक्त।
- 21 नवंबर को गुरुकुल कांगड़ी (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय), हरिद्वार उत्तराखंड (यूके) में नैक पीयर टीम के सदस्य के रूप में नियुक्त।

संकाय सदस्य का नाम: डॉ.यशवंत सिंह

- "ब्रिस्बेन, क्वींसलैंड, " इंट्रोडक्शन टु एग्रोइनफोर्मेटिक्स फोर लीडर्स इंस्टिट्यूट", का विकसित शिक्षण संसाधन।
- लद्दाख विश्वविद्यालय में अध्ययन बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।
- **27/01/2022 -10/02/2022** से जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर अरोरा सर्कल, विश्वविद्यालय गेस्ट हाउस के पास, जोधपुर **-342001** में "ई-संसाधन और गुणवत्ता शिक्षण और अनुसंधान में आईसीटी" पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में व्याख्यान दिया गया।
- **08/05/2021 - 09/05/2021** को कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (आईसीआरआईसी-**2021**) द्वारा आयोजित "कम्प्यूटिंग में हालिया नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" सत्र की अध्यक्षता की।

संकाय सदस्य का नाम: डॉ.भावना अरोड़ा

- कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ,जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (आईसीआरआईसी-**2021**) द्वारा 08/**05/2021 - 09/05/2021** को आयोजित "कम्प्यूटिंग में हाल के नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "की सत्र अध्यक्षता की।
- 06/**09/21** से 10/**09/21** तक "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस /आर्टिफिशियल विजडम-ए ड्राइव फॉर इम्प्रूवमेंट और मेंटल हेल्थ केयर "पर अटल एफडीपी में भाग लिया।
- 13/**09/21** से 17/**09/21** तक एआईसीटीई द्वारा आयोजित "तकनीकी शिक्षा में सार्वभौमिक मानव मूल्यों को शामिल करना "पर एफडीपी में भाग लिया।
- 22/**11/2021** से 26/**11/2021** तक "प्रामाणिक नेतृत्व और उत्कृष्टता "पर अटल एफडीपी में भाग लिया।

- **17/12/2021 - 18/12/2021** को तकनीकी कार्यक्रम समिति के सदस्य और समीक्षक "इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग और सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: एक प्रतिमान बदलाव" (आईआईसीएस**2021**) मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग, जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, ग्रेटर नोएडा द्वारा आयोजित।
- रहारजा विश्वविद्यालय ,इंडोनेशिया ,**03/02/2022 - 04/02/2022** द्वारा आयोजित तकनीकी कार्यक्रम समिति के सदस्य और "आईसीओएसटीईसीएच"2022- के समीक्षक।
- 2022/02/10- 2022/01/27से जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर, अरोरा सर्कल, निकट गेस्ट हाउस, जोधपुर 342001-में 2022/02/7 पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "संसाधन और आईसीटी-गुणवत्ता शिक्षण और अनुसंधान में ई" ।पर व्याख्यान दिया "साइबर सुरक्षा" को

संकाय सदस्य का नाम: डॉ.अरविंद सेलवाल

- • **8/05/2021** को जेआईएमएस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "आईसीसीआईसीटी **-2021**" के तकनीकी कार्यक्रम समिति के सदस्य और समीक्षक।
- ´कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (आईसीआरआईसी-**2021**) द्वारा **08/05/2021 - 09/05/2021** को आयोजित "कम्प्यूटिंग में हालिया नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" की सत्र अध्यक्षता की।
- 28/**06/2021-29/06/2021** से सेंट जोसेफ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी ,कोट्टायम ,भारत द्वारा आयोजित "आईओटी आधारित नियंत्रण नेटवर्क और इंटेलिजेंट सिस्टम("आईसीआईसीएनआईएस-**2021**) में भाग लिया।
- 23/**08/2021** से 03/**09/2021** तक "डीप लर्निंग एवं एप्लीकेशन)समानांतर आर्किटेक्चर "(में भाग लिया

संकाय सदस्य का नाम: डॉ.नीरेंद्र कुमार

- कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ,जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (आईसीआरआईसी-**2021**) द्वारा 08/**05/2021 - 09/05/2021** को आयोजित "कम्प्यूटिंग में हाल के नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "की सत्र अध्यक्षता की।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में 06/**09/2021** से 10/**09/2021** तक "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस /आर्टिफिशियल विजडम -ए ड्राइव फॉर इम्प्रूविंग बिहेवियरल एवं मेंटल हेल्थ केयर "पर एआईसीटीई ट्रेनिंग एवं लर्निंग (एटीएएल) अकादमी ऑनलाइन प्राथमिक एफडीपी में भाग लिया।
- 4थे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान नेटवर्क और कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजीज में फ्यूचरिस्टिक ट्रेंड्स ,**FTNCT-2021** के दौरान 10/**12/2021** को सत्र अध्यक्षता की।
- कंप्यूटिंग संचार और साइबर सुरक्षा (**IC4S-2021**) पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कार्यक्रम समिति के सदस्य थे।

- कंप्यूटिंग संचार और साइबर सुरक्षा **(IC4S-2021)** पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में समीक्षक/**TPC** सदस्य।
- कंप्यूटिंग संचार और साइबर सुरक्षा **(IC4S-2021)** पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र अध्यक्षता की।

संकाय सदस्य का नाम: डॉ.दीप्ति मल्होत्रा

- कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ,जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (आईसीआरआईसी-**2021**) द्वारा 08/**05/2021 - 09/05/2021** को आयोजित "कम्प्यूटिंग में हाल के नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "में सत्र अध्यक्षता की।
- **27/12/21** से **31/12/21** को **14**वीं "सॉफ्टवेयर परीक्षण में हालिया रुझान" (आरटीएसटी-**2021**) राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

➢ **संकाय प्रकाशन**

देवानंद .प्रो : का नामसंकाय सदस्य

क्र.सं.	**लेख/पुस्तक का शीर्षक**	**आईआईएसएन संख्या/आरआईएन संख्या/आईएसबीएन संख्या**	**प्रकाशन का वर्ष**
1	मल्टी सलूशन एडाप्टिव थ्रेसोल्ड बेस्ट सेगमेंटेशन ऑफ रियल टाइम विजन बेस्ड डाटा बेस फॉर ह्यूमन मोशन ऐस्टीमेशन	आईएसबीएन-981-978 : 9-6014-15	2021

यशवंत सिंह.डॉ

क्र.सं.	**लेख/पुस्तक का शीर्षक**	**आईआईएसएन संख्या/आरआईएन संख्या/आईएसबीएन संख्या**	**प्रकाशन का वर्ष**
1	ट्रैफिक सिस्टम के लिए आईओटी - आधारित नेटवर्क पर एक बेहतर डीप बिलीफ नेटवर्क आईडीएस	आईएसएसएन : ,01976729 20423195	2022
2	एन इंप्रूव्ड डीप बिलीव नेटवर्क आईडीएस ऑन आईओटी बेस्ड नेटवर्क फॉर ट्रेफिक सिस्टम	आईएसएसएन ,17936713 02192659	2022
3	एनर्जी एफिशिएंट एंड सिक्योर ऑपर्चूनिस्टिक रूटिंग प्रोटोकोल ऑफ डब्ल्यू एस एन परफारमेंस एनालिसिस विद नेचर इंस्पायर्ड एल्गोरिथम्स एंड इट्स एप्लीकेशन इन	आईएसएसएन -2314 6133	2022

	बायोमेडिकल एप्लीकेशंस		
4	स्मार्ट ट्रैफिक मॉनिटरिंग विद फोग एंड क्लाउड कंप्यूटिंग	ई-आईएसएसएन-1876 1119	2022
5	आईओटी . में उभरते सुरक्षा मुद्दे	ई-आईएसएसएन-1876 1119	2022
6	इंटरनेट ऑफ थिंग्स की सुरक्षा पर समीक्षा :सुरक्षा आवश्यकताएं ,खतरे और प्रस्तावित समाधान	ई-आईएसएसएन-1876 1119	2022
7	स्मार्ट हेल्थकेयर में सुरक्षित आईओटी संचार के लिए ब्लॉकचेन-आधारित मॉडल	ई-आईएसएसएन-1876 1119	2022
8	लर्निंग बेस्ड टेक्निक्स फॉर एसेसिंग जीरो डे अटैक एंडनरबिलिटी इन आईओटी	ई-आईएसएसएन-1876 1119	2022
9	आईओटी में ड्यूटी-साइक्लिंग तकनीक :ऊर्जा-दक्षता परिप्रेक्ष्य	ई-आईएसएसएन-1876 1119	2022
10	ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सुरक्षित मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) संचार	ई-आईएसएसएन-1876 1119	2022
1 1	इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर एक व्यवस्थित सर्वेक्षण :ऊर्जा दक्षता और अंतरसंचालनीयता परिप्रेक्ष्य	आईएसएसएन-2161 : 3915	2022
12	एन्सेम्बल लर्निंग का उपयोग कर आईओटी नेटवर्क के लिए घुसपैठ का पता लगाने वाला सिस्टम मॉडल	आईएसएसएन-1793 : 6713	2022
13	ट्रैफिक सिस्टम के लिए आईओटी - आधारित नेटवर्क पर एक बेहतर डीप बिलीफ नेटवर्क **IDS**	आईएसएसएन : ,01976729 20423195	2022
14	इंटरनेट ऑफ थिंग्स के लिए मानव रहित हवाई वाहन : अवधारणाएं ,तकनीक और अनुप्रयोग	आईएसबीएन-1-978 : 1-76882-119	2021
15	इंटरनेट ऑफ थिंग्स के लिए मानव रहित हवाई वाहन : अवधारणाएं ,तकनीक और अनुप्रयोग	आईएसबीएन-1-978 : 5-468-53619	2021
16	मेटाहेरिस्टिक रूटिंग :इंटरनेट ऑफ थिंग्स के लिए एक वर्गीकरण और ऊर्जा-कुशल ढांचा	ईआईएसएसएन-2169 : 3536	2021
17	**IVQF**आईओटी **:** इंटरनेट ऑफ थिंग्स भेद्यताओं को	ईआईएसएसएन-1468 :	2021

	स्कोर करने के लिए बुद्धिमान भेद्यता मात्रा निर्धारण ढांचा	0394	
18	इंटरनेट ऑफ थिंग्स(आईओटी): भेद्यताएं और उपचारात्मक रणनीतियां	ई-आईएसएसएन -1876 1119	2021
19	वायरलेस सेंसर नेटवर्क में इंटेलिजेंट ऑपर्च्युनिस्टिक रूटिंग प्रोटोकॉल :एक सुरक्षा परिप्रेक्ष्य	आईएसएसएन -1876 1100	2021
20	मशीन लर्निंग एल्गोरिथम का उपयोग करके पहली छाप की पहचान के लिए दृष्टि और ऑडियो-आधारित तरीके: एक समीक्षा	ईआईएसएसएन-1793 : 6349	2021
21	इंटरनेट ऑफ थिंग्स :विकास ,चिंताएं और सुरक्षा चुनौतियां	आईएसएसएन 8220-1424:	2021
22	वायरलेस सेंसर नेटवर्क के लिए एक ट्रस्ट आधारित सुरक्षित बुद्धिमान अवसरवादी रूटिंग प्रोटोकॉल	आईएसएसएन-0929 : 6212	2021

संकाय सदस्य का नाम: डॉ.भावना अरोड़ा

क्र.सं.	**लेख/पुस्तक का शीर्षक**	**आईआईएसएन संख्या/आरआईएन संख्या/आईएसबीएन संख्या**	**प्रकाशन का वर्ष**
1	क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी का पता लगाने की तकनीकों की समीक्षा	ऑनलाइन आईएसबीएन-978 : 3-8248-16-981	2022
2	अंग्रेजी भाषा और देवनागरी लिपि पर स्टेमिंग तकनीक : एक समीक्षा	ऑनलाइन आईएसवीएन -978 3-8248-16-981	2022
3	साइबर थ्रेट इंटेलिजेंस" इसके स्रोतों और मूल्यांकन के मापदंडों का तुलनात्मक विश्लेषण"	ऑनलाइन आईएसबीएन-978 : 1-8987-16-981	2022
4	सीएवी और वीएनैट के समावेश के माध्यम से यातायात भीड़भाड़ में कमी और दुर्घटना से बचाव प्रणाली	आईएसएसएन: **19416245 19416237**	2021
5	नेटवर्क विसंगति का पता लगाने के लिए वृद्धिशील और ऑनलाइन सीखने के तरीकों की समीक्षा	ई-आईएसएसएन 6591-1309	2021

6	नेटवर्क के जीवनकाल को बढ़ाने के लिए ऊर्जा-कुशल क्लस्टरिंग और बहु-अनुमानी रणनीतियों का संकरण-एक समीक्षा	आईएसएसएन: **25228722 25228714**	2021
7	मैलवेयर का पता लगाने के लिए डेटा माइनिंग और मशीन लर्निंग तकनीक	आईएसएसएन: **21945365 21945357**	2021
8	आईओटी में डोस और डी डोस का पता लगाना और उनकी रोकथाम करना	आईएसएसएन: **23673389 23673370**	2021
9	डोगरी पाठ सारांश के लिए फीचर चयन और निष्कर्षण	आईएसएसएन का हिस्सा: **21945365 21945357**	2021
10	बिट डिफरेंसिंह तकनीक का उपयोग करके छवि स्टेग्नोग्राफ़ी	आईएसएसएन: **23673389 23673370**	2021
11	डोगरी भाषा के लिए भाषण के अंश)पीओएस (टैगिंग	आईएसएसएन: **23673389 23673370**	2021
12	आईओ टी का उपयोग करके ट्रैफिक जाम कम से कम और दुर्घटना से बचाव प्रणाली	आईएसएसएन: **18761119 18761100**	2021

संकाय सदस्य का नाम: डॉ.अरविंद सेलवाल

क्र.सं.	**लेख/पुस्तक का शीर्षक**	**आईआईएसएन संख्या/आरआईएन संख्या/आईएसबीएन संख्या**	**प्रकाशन का वर्ष**
1	डीप लर्निंग-बेस्ड इमेज स्टेगनालिसिस की ओर : प्रैक्टिस एवं ओपन रिसर्च इश्यूज	ऑनलाइन आईएसएसएन : 5068-1556	2022
2	ब्लॉक -मल्टी-इंस्टेंस आईरिस बायोमेट्रिक सिस्टम के लिए एक्सओआर आधारित रद्द करने योग्य टेम्पलेट सुरक्षा योजना	इलेक्ट्रॉनिक आईएसएसएन 7721-1573	2022
3	आईओटी में शून्य-दिन के हमलों और कमजोरियों का आकलन करने के लिए सीखने-आधारित तकनीकें	ई-आईएसएसएन 1119-1876	2022

4	बुद्धिमान प्रणालियों के लिए डेटा विज्ञान और नवाचार :कम्प्यूटेशनल उत्कृष्टता और समाज 5.0	आईएसबीएन : 9781003132080	2021
5	फिनपैड :फिंगरप्रिंट प्रेजेंटेशन अटैक डिटेक्शन मैकेनिज्म ,टैक्सोनॉमी और फ्यूचर पर्सपेक्टिव्स का अत्याधुनिक	आईएसएसएन -0167 8655	2021
6	बेहतर स्थानीय छवि सुविधाओं के साथ पहनावा सीखने का उपयोग करके फिंगरप्रिंट प्रस्तुति हमले का पता लगाने के लिए एक बुद्धिमान दृष्टिकोण	ईआईएसएसएन: -1573 / 7501-1380 7721	2021
7	इंटरनेट ऑफ थिंग्स(आईओटी): भेद्यताएं और उपचारात्मक रणनीतियां	ई-आईएसएसएन -1876 1119	2021
8	IVQFआईओटी : इंटरनेट ऑफ थिंग्स कमजोरियों को स्कोर करने के लिए बुद्धिमान भेद्यता परिमाणीकरण ढांचा	ईआईएसएसएन-1468 : 0394	2021
9	वायरलेस सेंसर नेटवर्क में इंटेलिजेंट ऑपर्च्युनिस्टिक रूटिंग प्रोटोकॉल :एक सुरक्षा परिप्रेक्ष्य	आईएसएसएन -1876 1100	2021
10	SAPS: स्वचालित केसर मिलावट भविष्यवाणी प्रणाली ,अनुसंधान मुद्दे ,और संभावित समाधान	आईएसबीएन-1-978: 2-2392-6654	2021
11	भावना विश्लेषण का एक व्यापक सर्वेक्षण :शब्द एम्बेडिंग दृष्टिकोण ,अनुसंधान चुनौतियां और अवसर	ऑनलाइन आईएसएसएन : 5068-1556	2021
12	फीनकैट: फ़िंगरप्रिंट रद्द करने योग्य टेम्प्लेट सुरक्षा उपचार योजनाएँ ,चुनौतियाँ और भविष्य की दिशाएँ	आईएसबीएन-1-978: 2-2392-6654	2021
13	डीप लर्निंग-बेस्ड इमेज स्टेगनालिसिस की ओर : प्रैक्टिस एवं ओपन रिसर्च इश्यूज	आईएसबीएन-1-978: 2-2392-6654	2021
14	स्केल इनवेरिएंट सुविधाओं का उपयोग करते हुए जेनेरिक अनुक्रमिक मॉडल पर आधारित एक फेस एंटी-स्पूफिंग दृष्टिकोण	आईएसबीएन-1-978: 6-2534-6654	2021
15	एचएवीएस: मानव क्रिया-आधारित वीडियो सारांश ,	आईएसबीएन-1-978:	2021

	वर्गीकरण ,चुनौतियाँ ,और भविष्य के परिप्रेक्ष्य	5-3521-6654	
16	फ़िंगरप्रिंट स्पूफ़िंग अटैक्स एवं देयर डीप लर्निंग इनेबल्ड रेमेडिएशन :अत्याधुनिक ,टैक्सोनॉमी और फ्यूचर डायरेक्शन	आईएसबीएन-1-978: 2-2392-6654	2021

संकाय सदस्य का नाम: डॉ.निरेंद्र कुमार

क्र.सं.	लेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन संख्या/आरआईएन संख्या/आईएसबीएन संख्या	प्रकाशन का वर्ष
1	संवादात्मक तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग करके शोर छवियों के लिए सुपर रिज़ॉल्यूशन	आईएसएसएन -2078 2489	2022
2	ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सुरक्षित मानव रहित हवाई वाहन (यूएवए) संचार	ऑनलाइन आईएसवीएन -978 3-8248-16-981	2022
3	मूवी प्रमोशन के लिए सोशल डेटासेट से फेक प्रोफाइल डिटेक्शन	ई-आईएसएसएन X074-2640	2 2 0 2
4	वेबपेज से स्वचालित संरचित डेटा निष्कर्षण	आईएसएसएन-0011 : 9342	2021
5	रोबोट में कमजोरियों का सुरक्षा विश्लेषण	आईएसएसएन-0011 : 9342	2021
6	मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करके पहली छाप पहचान के लिए विजन और ऑडियो-आधारित तरीके : एक समीक्षा	ईआईएसएसएन 6349-1793:	2021
7	मोबाइल रोबोट पथ योजना दृष्टिकोण :हाल के विकास	आईएसएसएन -2522 8714	2021
8	रोबोट में बाधा से बचाव दो-नमूना टी-टेस्ट-आधारित बाधा पहचान का उपयोग कर नेविगेशन	आईएसबीएन :**978-981-15-8297-4**।	2021
9	स्वायत्त के लिए पथ योजना	आईएसबीएन :**978-**	2021

	रोबोट नेविगेशन :वर्तमान दृष्टिकोण	**981-16-1483-5**।	
10	Mo- का स्वायत्त नेविगेशन बाधा निवारण के साथ पित्त रोबोट :एक समीक्षा	आईएसबीएन :**978-** **981-16-1483-5**।	2021
11	ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी :चुनौतियां और समाधान परिप्रेक्ष्य	आईएसएसएन -1975 4736	1 2 0 2

संकाय सदस्य का नाम: डॉ.दीप्ति मल्होत्रा

क्र.सं.	लेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन संख्या/आरआईएन संख्या/आईएसबीएन संख्या	प्रकाशन का वर्ष
1	बुद्धिमान आत्मकेंद्रित स्पेक्ट्रम विकार डिटेक्टर का एक व्यवस्थित अध्ययन	ऑनलाइन: **1752-914**एक्स, आईएसएसएन (प्रिंट): **1752-9131**	2022
2	दुर्लभ रोग का पता लगाने में बुद्धिमान चेहरा स्कैनिंग का एक व्यवस्थित अध्ययन	ऑनलाइन आईएसवीएन **978-981-16-6332-1**	2022
3	सामाजिक-व्यवहार संबंधी विकारों के निदान के लिए विभिन्न बायोमार्करों का एनाटॉमी	ऑनलाइन आईएसवीएन **978-981-16-8248-3**	2022
4	भीड़ का पता लगाने और लोगों की गिनती के लिए बुद्धिमान तकनीक-एक व्यवस्थित अध्ययन	ऑनलाइन आईएसवीएन -978 4-8225-16-981	2022
5	सामाजिक व्यवहार संबंधी विकारों का पता लगाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित तकनीक :एक व्यवस्थित समीक्षा	ईआईएसएसएन: **1886-1784**	2021
6	बेहतर कण झुंड अनुकूलन का उपयोग करके क्लाउड	ईआईएसएसएन:	2021

	पर्यावरण में संसाधन कुशल वीएम प्लेसमेंट	**1947-8291**	
7	क्लाउड डेटा सेंटर में होस्ट ओवरलोड डिटेक्शन के लिए एक अनुकूली थ्रेशोल्ड नीति	आईएसएसएन (ऑनलाइन): **2394-7454**	2021
8	ASD_**sfMRI** का उपयोग करके ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार का पता लगाना	ऑनलाइन आईएसवीएन **978-981-16-8225-4**	2021
9	एस पी एस आई डी बी :कानूनी हस्तलिखित दस्तावेजों में नेट साजी की पहचान करने की तकनीक	आईएसबीएन: **978-981-15-6014-9**।	2021
10	MWAMLB: संशोधित भारित सक्रिय भार संतुलन एल्गोरिथ्म	मैं एसबीएन: **978-981-15-8297-4**	2021
1 1	गणितीय अभिव्यक्ति के लिए आईएफएमई-इंटेलिजेंट फ़िल्टर	प्रिंट आईएसबीएन **978-3-030-66217-2** ऑनलाइन आईएसबीएन **978-3-030-66218-9**	2021
12	स्नायु परीक्षण का कार्यान्वयन	प्रिंट आईएसबीएन **978-3-030-66217-2** ऑनलाइन आईएसबीएन **978-3-030-66218-9**	2021

➢ **नई स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण 2022-2021**

क्रमांक	**परियोजना का शीर्षक**	**स्वीकृति का वर्ष**	**निधीयन एजेंसी**	**परियोजनाओं की स्थिति**
1	साइबर भौतिक प्रणालियों के लिए परीक्षण बिस्तर और भेद्यता विश्लेषण ढांचे का डिजाइन और विकास	2021	डीआरडीओ	चालू

➢ **छात्रों की उपलब्धियों का विवरण**

➢ **विभाग/केंद्र के जेआरएफ/नेट/सेट छात्रों का विवरण।**

क्र.सं.	नाम	कक्षा	प्रवेश बैच	परीक्षा उत्तीर्ण / उपलब्धियां
1	दीपिका शर्मा	पीएच.डी .पंडित	2019	यूजीसी नेट -नवंबर ,2021 रोल संख्या जेके02004703
2	हिमांशु शर्मा	पीएच.डी .पंडित	2020	यूजीसी नेट -नवंबर ,2021 रोल संख्या जेके02004672
3	कुलजीत सिंह	पीएच.डी. पंडित	**2021**	यूजीसी नेट -नवंबर ,2021 रोल संख्या **JK02004840**

क्रम संख्या	नाम	विषय	पर्यवेक्षक	तिथि
1	सोनम गंडोत्रा	डोगरी पाठ का स्वत: निष्कर्षात्मक सारांश	डॉ.भावना अरोड़ा	19अप्रैल2021 ,
2	रोहिणी महाजन	मशीन लर्निंग तकनीकों का उपयोग करके शारीरिक इशारों का पता लगाने के लिए वास्तविक समय प्रणाली	प्रो. देवानंद पाधा	**21** जून **2021**
3	दीप कुमार बंगोत्रा	वायरलेस सेंसर नेटवर्क में बुद्धिमान और सुरक्षित अवसरवादी रूटिंग	डॉ .यशवंत सिंह	12अक्टूबर 2021
4	भाग्यलक्ष्मी	क्लाउड पर्यावरण के लिए लोड-अवेयर एनर्जी एफिशिएंट फ्रेमवर्क का विकास	डॉ.दीप्ति मल्होत्रा	17फरवरी2022 ,

ऑनलाइन एआईसीटीई प्रशिक्षण और शिक्षण अकादमी (अटल)

मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में एआई के उपयोग पर प्रायोजित संकाय विकास कार्यक्रम

गणित विभाग

केवल दो संकाय सदस्यों के साथ जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ 2011 में गणित विभाग अस्तित्व में आया। वर्तमान में विभाग में पांच संकाय सदस्य हैं और विभाग दो पाठ्यक्रम (गणित में स्नातकोतर उपाधि कार्यक्रम और गणित में पीएचडी) चला रहा है। विभाग के संकाय में विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता है जैसे: जटिल विश्लेषण, कार्यात्मक.विश्लेषण, ऑपरेटर सिद्धांत, संचालन अनुसंधान आदि।

विभाग के संकाय सदस्यों के पास संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान, चीन, सर्बिया आदि जैसे विभिन्न देशों के अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी हैं। जापान के सहयोगी प्रो. सेई-इचिरो उकी ने 10 सितंबर से 05 अक्टूबर 2018 तक विभाग का दौरा किया। विभाग में अपने प्रवास के दौरान उन्होंने कई व्याख्यान दिए, और संकाय, विद्वानों और छात्रों के साथ बातचीत की।

डीएसटी विभाग के शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर, भारत सरकार ने एफआईएसटी कार्यक्रम के तहत 54 लाख रुपये मंजूर किए हैं। विभाग के संकाय सदस्यों के पास एनबीएचएम, परमाणु ऊर्जा विभाग और यूजीसी द्वारा वित्तपोषित 04 अनुसंधान परियोजनाएं भी हैं।

- **प्रस्तावित पाठ्यक्रम -:**

1) स्नातकोतर गणित
2) पी.एच.डी गणित

- **संकाय सदस्यों का विवरण:-**

संकाय सद स्यों का विवर णक्र मांक-	**नाम**	**पद**	**विशेषज्ञता का क्षेत्र**
.1	डॉ.अजय के शर्मा	विभागाध्यक्ष	कार्यात्मक विश्लेषण, संचालन सिद्धांत और एक जटिल चर के कार्य
.2	डॉ. पविंदर सिंह	सहायक आचार्य	हिल्बर्ट फंक्शंस, मिनिमल फ्री रेजोल्यूशन, ग्रेडेड बेट्टी नंबर्स
.3	डॉ.कमलेश कुमार	सहायक आचार्य	कतारबद्ध मॉडलिंग, गणितीय मॉडलिंग, मशीन मरम्मत की समस्याएं।

.4	डॉ. संजय शर्मा	सहायक आचार्य	जटिल विश्लेषण और ऑपरेटर सिद्धांत

➢ **संकाय प्रकाशन**

क्रम सं	लेख / पुस्तक का शीर्षक	आईएसएसएन संख्या	प्रकाशन वर्ष
.1	एसेंशियल नॉर्म्स ऑफ कंपोजीशन ऑपरेटर फ्रॉम एनालिटिक्स बीसोव स्पेस टू बलोच टाइप स्पेसिस	1617-9447	**2021**
2	डिफरेंस ऑफ कंपोजीशन ऑपरेटर्स फ्रॉम एनालिटिक्स विसोव स्पेस इन टू लिटिल बलोच टाइप स्पेस	0354-5180	**2021**
3	ऑन डाउट डिफरेंसेस ऑफ कंपोजीशन ऑपरेटर्स फ्रॉम स्पेस जेनरेटेड बाय द कायुचे करनल एंड ए स्पेशल मेजर	2218-6816	**2021**
4	इनिक्वालिटीज इंवाल्विंग एसेंशियल नॉर्म्स एस्टिमेट्स ऑफ प्रोडक्ट टाइप ऑपरेटरस	2314-8896	**2021**
5	ऑन ग्रेडेड बेटी संख्या ऑफ रिंग्स ऑफ डिफरेंट कंपलीट वाईपाटाइट ग्राफस	0092-7872	**2021**
6	स्लाइस रेगुलर बिफोर स्पेस ऑफ हाइपरहोलोमोरफिक फंक्शन एंड कंपोजिशन ऑपरेटर्स	1225-1763	**2021**

➢ **अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण:**

स्वीकृति का वर्ष	निधीयन एजेंसी	परियोजनाओं की स्थिति
2018	एनबीएचएम-डीएई	चल रहा
2019	डीएसटी-एसइआरबी	चल रहा
2018	एनबीएचएम-डीएई	चल रहा
2018	यूजीसी	चल रहा

भौतिकी एवं खगोल विज्ञान विभाग

विभाग की स्थापना शैक्षणिक सत्र 2016-17 में 30छात्रों के प्रवेश के साथ पांच साल के एकीकृत स्नातकोतर भौतिकी कार्यक्रम की शुरुआत के साथ की गई थी।

भौतिकी में पीएचडी कार्यक्रम 2018में शुरू किया गया था।

➢ **प्रस्तावित पाठ्यक्रम : एकीकृत बीएससी (एच) -स्नातकोतर भौतिकी, पीएचडी भौतिकी संकाय विवरण:-**

क्रमांक	नाम	पद	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	डॉ .सुरम सिंह	सह-आचार्य और एचओडी	सैद्धांतिक भौतिकी (परमाणु सिद्धांत)
2	डॉ.विनय कुमार	सह - आचार्य	पदार्थ विज्ञान / नैनो प्रौद्योगिकी
3	डॉ. अमित तोमर	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान(अल्कली टाइटेनेट्स लेयर्ड सेरामिक्स)

➢ **संकाय प्रकाशन**

क्र.सं.	लेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन संख्या/आरआईएन संख्या/आईएसबीएन संख्या	प्रकाशन का वर्ष
1.	सिस्टेमेटिक इन्वेस्टीगेशन ऑफ़ y -बैंड स्ट्रक्चर ऑफ़ त्रीआक्सील इवन -इवन न्यूट्रॉन -डेफिसिएंट ओस नुक्लेइ	0577-9073	2021
2.	माइक्रोस्कोपिक इनसाइट इनटू दी स्ट्रक्चर ऑफ़ नेगेटिव पैरिटी Yरेस्ट बैंड्स इन 99-117Pd इसोटोपेस	0375-9474	2021
3.	क्वासिपार्टिकल स्ट्रक्चर ऑफ़ लौ -लेइंग Yरेस्ट एनर्जी लेवल्स एंड YY-बैंडस इन 164–174Hf नुक्लेइ	1434-601X	2021
4.	लिंकिंग स्पेस -टाइम कॉरैलाशंस फॉर ए क्लास ऑफ़ सेल्फ -आर्गनाइज्ड क्रिटिकल सिस्टम्स	2470-0045	2021
5.	ट्राइक्सल प्रोजेक्टेड शैल मॉडल स्टडी ऑफ़ y-बैंड्स इन इवन 104–122Cd नुक्लेइ	0375-9474	2022

6.	स्पेक्ट्रल , सरफेस एंड थेर्मोमेट्रिक इंवेस्टीगेशंस ऑफ़ अपकंवर्टिंग Er3+/Yb3+ को-डोप्ड Na3Y(PO4)2 फॉस्फर . जर्नल ऑफ़ एलॉयज एंड कंपाउंड्स, 877, 160327.	0925-8388	2021
7.	**19.** इन्वेस्टीगेशन ऑफ़ थर्मोलुमिनेसेन्स रिस्पांस एंड काइनेटिक पैरामीटर्स ऑफ़ CaMgB2O5:Tb3+ फॉस्फर अगेंस्ट UV-C रेडिएशन फॉर डोसीमेट्रिक एप्लीकेशन . जर्नल ऑफ़ मैटेरियल्स साइंस : मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स , *32*(13), 17418-17426.	1573-482X	2021
8.	**20.** चार्ज कम्पेंसेनेटिड CaSr2(PO4)2:Sm3+, Li+/Na+/K+ फॉस्फर : लुमिनेसेन्स एंड थेर्मोमेट्रिक स्टडीज . जर्नल ऑफ़ अलॉयज एंड कंपाउंड्स , 163793	0925-8388	2022
9.	**21.** स्ट्रक्चरल एंड स्पेक्ट्रल इन्वेस्टीगेशन ऑफ़ ए नियर -UV-कनवर्टिड LiSrP3O9:डाई फोस्फो फॉर वाइट लाइट -एमिटिंग डिओडेस . जर्नल ऑफ़ मैटेरियल्स साइंस : मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स , 1-12.	1573-482X	2022
10.	रीसेंट प्रोग्रेस , फेब्रिकेशन रीसेंट प्रोग्रेस , फेब्रिकेशन चैलेंजेज एंड स्टेबिलिटी इश्यूज ऑफ़ लीड -फ्री टिन - बेस्ड परोव्सकीते थिंन फिल्म्स इन द फील्ड ऑफ़ फोटोवोल्टिक्स	0010-8545	2021

➢ छात्र छात्राओं की उपलब्धियों का विवरण

- पायल खजुरिया, शोधार्थी, को मई को 15 और 14KAIST, डाइजॉन, दक्षिण कोरिया और वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई, भारत द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित भविष्य की प्रौद्योगिकियों के लिए उन्नत सामग्री के विकास पर दूसरा भारत" (2021- डीएएमएफटी) कोरिया आभासी सम्मेलन-Er/+3Yb +3कोडोप्ड Na3YP2Oफॉस्फोर के 8 पर मौखिक प्रस्तुति के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए सम्मानित क "लुमिनेसिसेंस अध्ययन कन्वर्ज़न-अपि◌ंया गया।
- 10 मई - 11 जून 2021 के दौरान भावना सिंह, रोल संख्या 0741717 सत्र 10 को आईयूसीएए द्वारा आयोजित किए जा रहे खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी में वर्चुअल इंट्रोडक्टरी समर स्कूल में भाग लेने के लिए चुना गया।
- श्री अनमोल कुमार ,रोल संख्या 0540420, सत्र IVको 14मार्च 2022को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में एनसीसी के वरिष्ठ अवर अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया।
- श्री अनमोल कुमार ,रोल संख्या 0540420, सत्र IVने 12अक्टूबर 2021 से 18अक्टूबर ,2021 तक एन सीसी के संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया और बास्केटबॉल मैच में एक स्वर्ण पदक जीता।

रसायन शास्त्र तथा रासायनिक विज्ञान

रसायन शास्त्र एवं रसायनिक विज्ञान विभाग की स्थापना 2016 में पांच वर्षीय एकीकृत बीएससी (ऑनर्स)-एमएससी रसायन विज्ञान कार्यक्रम की शुरुआत के साथ की गई थी। विभाग की स्थापना के बाद से यूजीसी द्वारा अनुशंसित चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) लागू किया गया है। इस कोर्स में बीएससी (ऑनर्स) की डिग्री के साथ तीन साल पूरा करने के बाद बाहर निकलने का विकल्प है। रसायन विज्ञान में पीएचडी कार्यक्रम 2018-19 शैक्षणिक सत्र में शुरू किया गया था।

वर्तमान संकाय सदस्य रसायन विज्ञान के विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों जैसे सिंथेटिक ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, ग्रीन केमिस्ट्री, कैटेलिसिस, कोऑर्डिनेशन केमिस्ट्री, बायोइनऑर्गेनिक केमिस्ट्री, सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री और मेडिसिनल केमिस्ट्री में अत्यधिक अनुभवी और योग्य हैं। विभाग को डीएसटी-एसईआरबी, डीआरडीओ और यूजीसी सहित फंडिंग एजेंसियों से अब तक ~3.52 करोड़ की कुल लागत वाली 09 बाहरी वित्तपोषित परियोजनाएं प्राप्त हुई हैं, जिससे उच्च गुणवत्ता अनुसंधान को मोन स्वीकृति मिलती हैं। संकाय सदस्यों द्वारा कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सहभागिता अनुसंधान को अंतरराष्ट्रीय मानकों की ओर ले जाती है। विभाग में आधुनिक प्रायोगिक सुविधाओं के साथ उपयुक्त छात्र-शिक्षक अनुपात और अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ हैं। संकाय सदस्यों विविध क्षेत्र की विशेषज्ञता, स्व-प्रेरित छात्र तथा उच्च मानक शिक्षण-प्रयोगशाला सुविधाएं विभाग के मजबूत पक्ष हैं। रसायन शास्त्र और रसायनिक विज्ञान विभाग शिक्षा, छात्रों के लिए अनुसंधान और प्रशिक्षण रसायन विज्ञान मूलभूत सिद्धांतों का गहन ज्ञान प्राप्त करना रासायनिक प्रक्रियाओं के वैज्ञानिक पहलुओं को जानना तथा छात्रों को वास्तविक जीवन की समस्याओं में ज्ञान के अनुप्रयोग की ओर निर्देशित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

- **शोध के विशेष क्षेत्र:**

  सिंथेटिक ऑर्गेनिक केमिस्ट्री ,ग्रीन केमिस्ट्री ,कैटेलिसिस ,कोऑर्डिनेशन केमिस्ट्री ,बायोइनऑर्गेनिक रसायन शास्त्र , सैद्धांतिक तथा कम्प्यूटेशनल रसायन शास्त्र ,तथा औषधीय रसायन शास्त्र।

- **प्रस्तावित पाठ्यक्रम**

  पांच वर्षीय एकीकृत बीएससी (ऑनर्स) -एमएससी रसायन विज्ञान; प्रविष्टियां: 40

  पीएच.डी .रसायन शास्त्र ;प्रविष्टियां 05

- **संकाय विवरण-:**

क्रम सं.	नाम	पद	क्षेत्र विशेषज्ञता का
1	डॉ. वी श्रीधरणी	सह आचार्य और विभागाध्यक्ष	सिंथेटिक कार्बनिक रसायन शास्त्र
2	डॉ. ताप्त कंचन रॉय	सहायक आचार्य	सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल रसायन शास्त्र
3	डॉ. प्रिंसी गुप्ता	सहायक आचार्य	हरित रसायन शास्त्र, कटैलिसीस
4	डॉ. सुजाता कुंदन	सहायक आचार्य	समन्वय रसायन विज्ञान, जैव अकार्बनिक रसायन शास्त्र

क्र.सं.	लेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन सं./आर.आई.एन. संख्या /आईएसवीएन संख्या	प्रकाशन वर्ष
1	**पुस्तक अध्याय** : मानव जीवन की बेहतरी के लिए औषधीय पौधों का महत्व	978-93-90847- 83-9	2021
2	परफॉर्मेंस ऑफ वाइब्रेशनल सेल्फ कंसिस्टेंट फील्ड थ्योरी फॉर ए ग्रेट पोटेंशियल एनर्जी सर्फेस	1520- 5215	2022
3	फ्लोरोसेंस सेंसर बेस्ड ऑन हाइड्रोऑक्सीकावजोल फॉर द डिटरमिनेशन ऑफ द न्यूरोडीजेनरेशन रिलेटेड हल्लीडे अनोइनस	2079- 6374	2022
4	हाइब्रिड हाइड्रोजेल्स ड्राइवड फ्रॉम रिन्यूएवल रिसोर्सेज ऐसे स्मार्ट सिटी मूल्य रिस्पांस शीट सॉफ्ट मैटेरियल फॉर ड्रग डिलीवरी एप्लीकेशन	2046- 2069	2022
5	ट्रांजिशन मेटल कैटालाइज्ड सिंथेसिस ऑफ 1,2-डाईकिटोनस एंड ओवर	2193- 5815	2021
6	सिंथेसिस ऑफ फ्यूज क्विनोलाइन डेरिवेटिव्स फ्रॉम इजीली एक्सेसिबल N-(2-एमिनोबेन्ज़ीलिडेने)-अंडर क्रिस्टल-फ्री कंडीशनस इन वाटर	2365- 6549	2021
7	सल्फर काटलीज़ेड मेटल -एंड साल्वेंट -फ्री एवीवी'सी फोर -कॉम्पोनेन्ट सिंथेसिस ऑफ़ N-एडरलीन -2-आर्यल -इमीडाजो [1-2-a]एजीन-3-अमीनेस वाया स्ट्रेचकर	2365- 6549	2021
8	पोर्फिरीन बेअरिंग फेनोथिअजीन पिंकर्स एज होस्ट्स फॉर फुल्लेरेने बॉडिंग वाया कसावे –कॉन्वेक्स कम्प्लीमेंटरी : सिंथेसिस एंड कम्प्लेक्सेशन स्टडी	1144- 0546	2021

9	सरफेस मॉडिफाइड नावेल मैग्नेटिकल्ल्य ट्यूंड हाललोयसाइट फंक्शनलाइज़्ड सल्फोनिक एसिड : सिंथेसिस , कैरेक्टराइजेशन एंड कैटेलिटिक एक्टिविटी	2044- 4761	2021
10	कोरोनावायरस (कोविड -19): रासायनिक संस्थाओं का जैविक हित	1875- 5607	2021
1 1	सममित Zn (II) पोर्फिरीन परिसरों: एक्सियल बंधन प्रभाव	2278- 3318	2021

➢ **के दौरान स्वीकृत नई अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण 2022-2021 वर्ष**

क्रम सं.	संस्तुति का वर्ष	अनुदान एजेंसी	परियोजनाओं की स्थिति
1	2021 (डॉ. वी श्रीधरन)	डीएसटी- एसइआरबी	चल रहा
2	2022 (डॉ. तप्ता कंचन रॉय)	डीएसटी- एसइआरबी	चल रहा

➢ **डॉ. वी श्रीधरन ने प्रतिष्ठित केमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (CRSI) का कांस्य पदक - 2022 प्राप्त किया।**

➢ **छात्रों की उपलब्धियों का विवरण विवरण विभाग/केंद्र के जेआरएफ/नेट/सेट छात्रों का विवरण**

➢ एकीकृत बीएससी (ऑनर्स) - एमएससी केमिस्ट्री **(2021** पास आउट) के पहले बैच के छात्रों सुश्री पीहू शर्मा और सुश्री मोक्षी शर्मा ने क्रमशः ऑल इंडिया रैंक **30** और **75** के साथ सीएसआईआर-नेट-जेआरएफ परीक्षा उत्तीर्ण की है।

इन छात्रों ने बहुत अच्छे अकों के साथ गेट-**2021** भी उत्तीर्ण किया है।

विभाग / केंद्र के छात्रों और शोधार्थियों की उपलब्धियों का विवरण

कई छात्रों ने बीएससी (ऑनर्स) की डिग्री पूरी करने के बाद राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों जैसे आईआईटी, एनआईटी, बीएचयू आदि में एमएससी रसायन विज्ञान में प्रवेश लिया है।

नैनो विज्ञान एवं पदार्थ विभाग

नैनो विज्ञान एवं पदार्थ विभाग जुलाई 2016 से कार्य कर रहा है। पहले दो साल विभाग अस्थायी शैक्षणिक ब्लॉक, सैनिक कॉलोनी जम्मू में संचालित किया गया था। वर्तमान में यह सीयूजे बागला, रह्या सुचानी, जिला (सांबा), जम्मू के मुख्य परिसर में चल रहा है। मानव जाति की बेहतरी के लिए स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सामाजिक जरूरतों को पूरा करने के लिए नैनो विज्ञान एवं पदार्थ के शोध और शिक्षण में विभाग विश्व में अग्रणी बनना चाहता है और युवा शोधकर्ताओं/छात्रों को नैतिकता के साथ नैनो और सामग्री प्रौद्योगिकी में प्रगति के लिए प्रशिक्षित करने की दूरदृष्टि रखता है। अंतःविषय अनुसंधान वातावरण में शिक्षकों, वैज्ञानिकों और छात्रों के लिए व्यावहारिक अनुप्रयोगों के लिए नैनो/पदार्थ विज्ञान पर अग्रिम पंक्ति के अनुसंधान के लिए सामान्य मंच प्रदान करना विभाग का लक्ष्य है। डायनमिक शिक्षण और अनुसंधान वातावरण तैयार करना जो नैनो विज्ञान एवं पदार्थ के क्षेत्र में काम कर रहे विभिन्न शोधकर्ताओं के समूहों के बीच तालमेल को बढ़ावा देना और शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों और छात्रों के अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान के अवसर प्रदान करना।

1. **प्रस्तावित पाठ्यक्रम :पीएचडी)पदार्थ विज्ञान (और एम.एससी. पदार्थ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी**
2. **संकाय विवरण: -**

क्रमांक	**नाम**	**पद**	**विशेषज्ञता का क्षेत्र**
1.	डॉ. विशाल सिंह	सहायक आचार्य	पदार्थ विज्ञान
2.	डॉ. तनुज कुमार	सहायक आचार्य	पदार्थ विज्ञान
3.	डॉ.प्रगति कुमार	सहायक आचार्य	पदार्थ विज्ञान (नैनो सामग्री)
4.	डॉ.पवन कुमार	सहायक आचार्य	सूक्ष्म प्रौद्योगिकी

(01-04-2021 से 31-03-2022) दौरान संकाय उपलब्धि

डॉ.तनुज कुमार:

- (क) ऑनलाइन पाठ्यक्रम: जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली में 10 जनवरी, 2022 से आयोजित भौतिक विज्ञान और नैनो विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम
- (ख)2 अप्रैल, 2022 को ऑनलाइन पाठ्यक्रम: साइलैब: प्रथम पाठ्यक्रम [शुरुआत से मध्य तक]
- डॉ पवन कुमार को हरियाणा सरकार से हरियाणा विज्ञान रत्न पुरस्कार मिला।

➢ **संकाय प्रकाशन**

क्रम स.	लेख/पुस्तक का शीर्षक	एससीआई प्रकाशन	आईएसएसएन सं./ आरआईएन संख्या /आईएसबीएन संख्या	प्रकाशन वर्ष
1.	बायोलॉजिकल मेटल -आर्गेनिक फ्रेमवर्क (बायो -एमओएफ) फॉर डिटेक्शन ऑफ़ वोल्टेइक आर्गेनिक कंपाउंड्स (वीओसी)	इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशन्स (एल्सेवियर)	आईएसएसएन -1387-7003	2021
2.	करंट स्टेटस ऑफ़ जाइलानेज फॉर बायो फ्यूल प्रोडक्शन : ए रिव्यु ऑन क्लासिफिकेशन एंड कैरेक्टराइजेशन	बायो मास्स कन्वर्शन एंड बायो रिफाइनरी (स्प्रिंगर)	आईएसएसएन -2190-6815	2021
3.	कवलेंट आर्गेनिक फ्रेमवर्क्स : ऐन इंट्रोडक्शन	सीआरसी प्रैस	आईएसएसएन -2471-1063	2022
4.	मॉफ -डेरिवेड स्मार्ट सेंसर्स . मेटल -आर्गेनिक फ्रेमवर्क्स -बेस्ड हाइब्रिड मैटेरियल्स फॉर एनवायर्नमेंटल सेंसिंग एंड मॉनिटरिंग	सीआरसी प्रैस	आईएसएसएन -2471-1063	2022
5.	ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ़ रिकवर्ड कोबाल्ट फ्रॉम लिथियम -आयन बैटरीज into ज़ोलिटिक इमिडाज़ोलेट फ्रेमवर्क -67	जर्नल ऑफ़ मटीरियल साइकल्स एंड वेस्ट मैनेजमेंट (स्प्रिंगर)	आईएसएसएन -16118227	2022
6.	एक्वस -फेज बायो फंक्शनलिज़्ड NH2-MIL-53(Al) MOF फॉर बायो सेंसिंग ऍप्लिकेशन्स	जर्नल ऑफ़ पोरस मैटेरियल्स (स्प्रिंगर)	आईएसएसएन -1380-2224	2022
7.	किचन वेस्ट : सस्टेनेबल बायो कन्वर्शन टू वैल्यू -एडेड प्रोडक्ट एंड इकनोमिक चैलेंजेज	बायो मास्स कन्वर्शन एंड बायो रिफाइनरी (स्प्रिंगर)	आईएसएसएन -2190-6815	2022
8.	असेसमेंट ऑफ़ फाइन पार्टिकुलेट मैटर फॉर पोर्ट सिटी ऑफ़ ईस्टर्न पेनिन्सुलर	एटमॉस्फेयर (एमडीपीआई)	आईएसएसएन -2073-4433	2022

	इंडिया यूजिंग ग्रेडिएंट बूस्टिंग मशीन लर्निंग मॉडल			
9.	करंट पर्सपेक्टिव्स ऑन द एनवायर्नमेंटल ऍप्लिकेशन्स यूजिंग कंडक्टिव मेटल –आर्गेनिक फ्रेमवर्क्स (CMOFs)	जर्नल ऑफ़ पोरस मैटेरियल्स (स्प्रिंगर)	आईएसएसएन -1380-2224	2022
10.	बूप्रोफेन टैग्ड इमिने RT-COF-1 एस कस्टोमिसाबल वेहिकल फॉर कंट्रोल्ड ड्रग डिलीवरी एप्लीकेशन	इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशन्स (एल्सेवियर)	आईएसएसएन -1387-7003	2022
11.	प्रोग्रेसिव ट्रेंड्स इन हाइब्रिड मटेरियल - बेस्ड केमिरेसिस्टिव सेंसर्स फॉर नाइट्रोएरोमैटिक कंपाउंड्स	पॉलीमर्स (एमडीपीआई)	आईएसएसएन -2073-4360	2022
12.	प्रोग्रेसिव ट्रेंड्स ओन द बायो मेडिकल ऍप्लिकेशन्स ऑफ़ मेटल आर्गेनिक फ्रेमवर्क्स	पॉलीमर्स (एमडीपीआई)	आईएसएसएन -2073-4360	2022
13.	ऑप्टिकल प्रॉपर्टीज इवैल्यूएशन ओन द एंड फ मेटल इओनस बेस्ड डिसॉर्बोक्सीलिक MOFs फॉर पोलूटैंट सेंसिंग	बुलेटिन ऑफ़ मैटेरियल्स साइंस	आईएसएसएन -0250-4707	
14.	इफ़ेक्ट ऑफ़ टेम्परेचर ओन वाटर सोलुबिलिटी एंड अब्सॉर्प्शन कैपेसिटी इन BTC-MOFs ए फंडामेंटल स्टडी फॉर बायो मेडिकल ऍप्लिकेशन्स .	कैमिकल पेपर	आईएसएसएन -0366-6352	

जीव विज्ञान विद्यालय

- पर्यावरण विज्ञान विभाग
- प्राणि विज्ञान विभाग
- वनस्पति विज्ञान विभाग
- आणविक जीव विज्ञान केंद्र
- पृथ्वी विज्ञान विभाग

पर्यावरण विज्ञान विभाग

2012 में स्थापित पर्यावरण विज्ञान विभाग (ईवीएस), प्रति वर्ष 30 की प्रवेश क्षमता के साथ पर्यावरण विज्ञान में एमएससी की प्रस्तावित कर रहा है। छात्रों के चार बैच को प्रवेश दिया गया है; पहले दो पहले उपाधियां प्राप्त कर चुके हैं। विभाग पर्यावरण विज्ञान में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जो बढ़ते विकास-स्थिरता संघर्षों को देखते हुए अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है, जो बड़े पैमाने पर पृथ्वी पर पौधे, पशु और मानव जीवन को प्रभावित करते हैं। विभाग अपने छात्रों को रोजगार बाजार और अनुसंधान नवाचारों में वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने के लिए पर्यावरण विज्ञान की नई अवधारणाओं के अनुरूप पाठ्यक्रम की निरंतर समीक्षा, संशोधन और अद्यतन करके , अनुसंधान और विकास के उभरते क्षेत्रों और नई प्रौद्योगिकियों के साथ तालमेल रखने के लिए प्रतिबद्ध है। । वर्तमान पाठ्यक्रम यूजीसी द्वारा अनुशंसित च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के अनुरूप है जिसमें छात्रों को प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, पर्यावरण भूविज्ञान और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में विशेषज्ञता का विकल्प दिया गया है। शिक्षण अध्यापन पारंपरिक कक्षा शिक्षण की तुलना में शिक्षार्थी उन्मुख है। विभाग लैब और क्षेत्र में छात्रों के व्यावहारिक प्रशिक्षण पर जोर दे रहा है।

➢ **प्रस्तावित पाठ्यक्रम-:**

- स्नातकोतर पर्यावरण विज्ञान
- पीएच.डी .पर्यावरण विज्ञान

➢ **संकाय विवरण:-**

क्रम सं.-	नाम	पद	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	प्रो. सुनील धर	आचार्य	भूगर्भशास्त्र
2	प्रो .दीपक पठानिया	आचार्य (दूसरे संस्थान में प्रतिनियुक्ति पर)	नैनो
3	डॉ.ऋचा कोठारी	सह -आचार्य	बायोएनेर्जी ,अक्षय ऊर्जा , बायोरेमेडिएशन
4	डॉ .अनीता सिंह	सहायक आचार्य	जैव ईंधन उत्पादन ,ठोस अपशिष्ट प्रबंधन ,अक्षय ऊर्जा
5	डॉ .पंकज मेहता	सहायक आचार्य	मृदा भूविज्ञान ,जल रसायन विज्ञान

6	डॉ.श्वेता यादव	सहायक आचार्य	एरोसोल ,वायु गुणवत्ता और जलवायु परिवर्तन
7	डॉ .दिनेश कुमार	सहायक आचार्य	मौसम प्रक्रियाएं ,मॉडलिंग और पूर्वानुमान

➢ **विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/वेबिनार :**

फ्लैग ऑफ समारोह "जम्मू में एयरोसोल्स का स्रोत प्रभाजन अध्ययनके बाद सीयूजे परिसर में वायु प्रदूषण के क्षेत्र में " काम कर रहे ज्ञान भागीदारों की एक ऑनलाइन बैठक हुई। मुख्य अतिथि श्री सुरेश चुघ, अध्यक्ष, जेकेपीसीबी और कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने सीयूजम्मू में हवा निगरानी स्टेशन का उद्घाटन किया।

➢ **51वां अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस-**

पर्यावरण विज्ञान विभाग ने 22 अप्रैल, 2021 को एक वेबिनार आयोजित करके 51वां अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस मनाया।

"हिमालयन क्रायोस्फीयर एंड क्लाइमेट चेंज: ए वे फॉरवर्ड (एचसीसीसी-2021)"।

➢ **समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए**

- **जेके पीसीबी और शहरी स्थानीय निकाय के साथ सी यू जम्मू**

एनआईडीएम मुख्यालय, नई दिल्ली में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) के बीच समझौता ज्ञापन

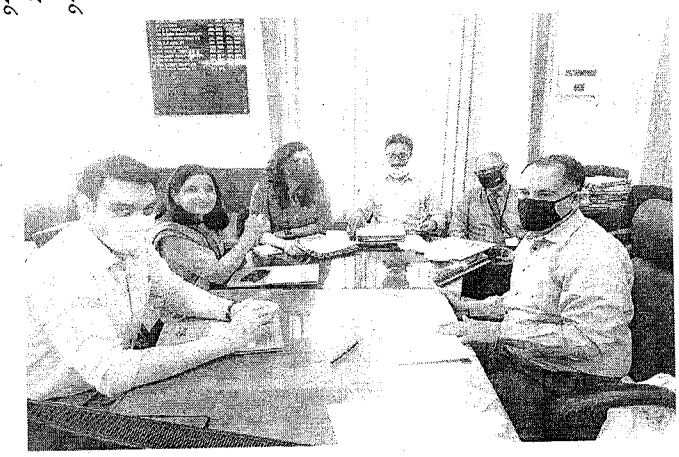

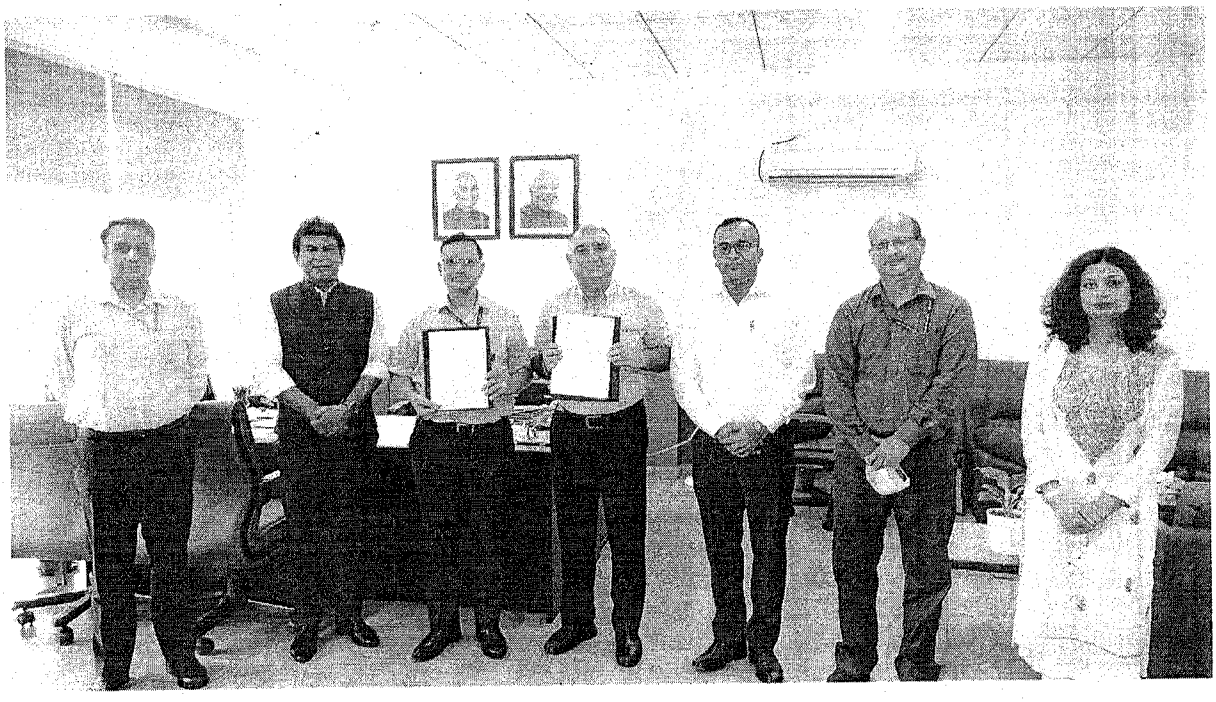

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय , जम्मू-कश्मीर (यूटी) और गृह मंत्रालय, भारत सरकार के तहत राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) सांविधिक संगठन के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर 8 सितंबर 2021 को एनआईडीएम मुख्यालय, नई दिल्ली में किया गया। एनआईडीएम की ओर से एनआईडीएम के कार्यकारी निदेशक मेजर जनरल मनोज कुमार बिंदल ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। लेफ्टिनेंट कर्नल दिनेश चंदर वशिष्ठ, संयुक्त निदेशक, एनआईडीएम, प्रो. संतोष कुमार, एनआईडीएम भी उस समय वहां पर उपस्थित थे । इस अवसर पर श्री शेखर चतुर्वेदी, सहायक आचार्य, एनआईडीएम और डॉ. प्रीति सोनी, वरिष्ठ कार्यक्रम सलाहकार, आईयूआईएन-डीआरआर, एनआईडीएम भी उपस्थित थे। प्रो. सुनील धर, नोडल अधिकारी और डॉ. विनय कुमार, आईयूआईएनडीआरआर-सीयू जम्मू के उप नोडल अधिकारी ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन दस्तावेज का प्रतिनिधित्व किया ।

➢ **संकाय उपलब्धियां**

- डॉ.ऋचा कोठारी -2% स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा सूचीबद्ध अत्यधिक उद्धृत शोधकर्ता ।
- 2021में ,जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत प्रतिष्ठित संस्थान (आईओआर) का दर्जा दिया गया था। डॉ.श्वेता यादव आईओआर प्रतिनिधि 1और डॉ.दिनेश कुमार आईओआर प्रतिनिधि 2हैं।
- डॉ .श्वेता यादव जिला मजिस्ट्रेट ,जम्मू की अध्यक्षता में जम्मू सिटी के लिए एक्शन प्लान तैयार करने के लिए कार्यान्वयन समिति में सदस्य बन गई हैं।

➢ **संकाय प्रकाशन**

क्रमांक	लेख / पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन नं. /आरआईएन संख्या /आईएसबीएन संख्या	प्रकाशन वर्ष
1	पेट्रोलॉजी एंड जीओकेमिस्ट्री ऑफ़ माफिक - उल्ट्रामाफिक रॉक्स फ्रॉम टका एरिया, वेस्टर्न बास्टर क्रेटों, सेंट्रल इंडिया :एन इम्प्लीकेशन फॉर देयर जेनेसिस एंड माइनरिलाइजेशन पोटेंशियल	आईएसबीएन संख्या -978 : 3-4121-16-981	2021
2	जल प्रदूषण और जल संकट	आईएसबीएन संख्या : 978-93-90674-05-3	2021
3	एबीई किण्वन की सीमाओं को दूर करने के लिए जेनेटिक इंजीनियरिंग प्रक्रिया के माध्यम से बुटानॉल उत्पादन के लिए हालिया दृष्टिकोण	आईएसबीएन नं. 978-93-90847	2021
4	इथेनॉल उत्पादन में नैनो-तकनीकी अनुप्रयोग: एक अंतर्दृष्टि	आईएसबीएन नं. 978-93-90847	2021
5	पश्चिमी हिमालय धारवाड़ क्रेटन, दक्षिणी भारत के विभिन्न जलवायु क्षेत्रों में उभयचरों का अपक्षय पैटर्न	आईएसएसएन: 1866-7538	2021
6	भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए माचोली ग्लेशियर ज़स्कर हिमालय, भारत में स्थानिक-अस्थायी परिवर्तन	आईएसएसएन: 2666-0334	2021
7	बायोस्फीयर परिप्रेक्ष्य और समाधानों से भारी धातुओं का फाइटोरेमेडिएशन	आईएसबीएन: 9781119693611	2021
8	निरंतर मिट्टी-गैस रेडॉन समय श्रृंखला अपघटन भूकंपीय अध्ययन के लिए एनडब्ल्यू हिमालय, भारत के धर्मशाला क्षेत्र के डेटा का अध्ययन	आईएसएसएन: 0236-5731	2021
9	उत्तर भारत के देहर वाटरशेड (हिमाचल हिमालय) में मिट्टी के कटाव की संवेदनशीलता का आकलन करने के लिए उप-वाटरशेड का मॉर्फोमेट्रिक लक्षण वर्णन और प्राथमिकता	आईएसएसएन: 0971-8966	2021
10	मूल्यवान धातुओं के लिए माइक्रोबियल लीचिंग संचयन : जैव अर्थव्यवस्था के लिए बहुमुखी प्रतिभा	आईएसएसएन 2523-8922	2021
11	हिमाचल प्रदेश, भारत के सतलुज, रावी, चिनाब और ब्यास बेसिन में मोराइन डैम्ड लेक्स इन्वेंटरी	आईएसबीएन: 978-3-030-67932-3	2021

12	लगातार कार्बनिक प्रदूषकों के उत्पादन में भस्मीकरण की भूमिका: क्या यह सुरक्षित है?	आईएसवीएन 9781003053170	2021
13	नावेल एप्रोच फॉर हार्वेस्टिंग ऑफ़ मिक्रोएल्गल बायोमास यूजिंग इलेक्ट्रिक गीजर वेस्ट मटेरियल डिपाजिट एस फ्लॉक्यूलेन्ट इन कपलिंग विद पोल्ट्री एक्स क्रेटा लिचहेट	0960-8524	2021
14	*एडोस्पेरिटिव बिहेवियर ऑफ़ फ्री एंड इम्मोबिलीज़ेड च्लोरेल्ला पैरेनॉइडोसा फॉर डिक्लोराइजेशन*	2190-6823	2021
15	ए कम्प्रेहैन्सिव स्टडी ओन एक्वेटिक केमिस्ट्री , हेल्थ रिस्क एंड रेमेडिएशन टेक्निक्स ऑफ़ कैडमियम इन ग्राउंडवाटर	0048-9697	2021
16	रिडक्शन ऑफ़ एमिशन गैस कंसंट्रेशन फ्रॉम कोल् बेस्ड थर्मल पावर प्लांट using फुल कंबुसशन एंड पार्शियल ऑक्सीडेशन सिस्टम	2307-1877	2021
17	पार्टिकल कम्पोजीशन एंड मॉर्फोलॉजी ओवर अर्बन एनवायरनमेंट (नई दिल्ली): प्लॉसिबल इफेक्ट्स ओन वीट लीव्स	0013-9351	2021
18	अपशिष्ट जल उपचार के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग :चुनौतियां और प्रगतिशील अनुसंधान रुझान	0301-4797	2021
19	संपादकीय :विषयगत" मुद्दे जैव शोधन के लिए जैव-आधारित सामग्री :नवीन प्रक्रियाएं और अवधारणाएं"	2190-6823	2021
20	भारतीय परिदृश्य में 19- कोविड और अपशिष्ट प्रबंधन :चुनौतियाँ और संभावित समाधान	1614-7499	2021
21	एडवांस सोलर फेज चेंज मटेरियल बेस्ड थर्मल एनर्जी स्टोरेज सिस्टम्स फॉर बिल्डिंग ए :हीटिंग एंड कूलिंग ऍप्लिकेशन्स प्रोस्पेक्टिव रिसर्च एप्रोच	2213-1388	2021

22	रोल ऑफ़ इन्सीनरेशन इन प्रोडक्शन ऑफ़ परसिस्टेंट आर्गेनिक पोलूटेंट्स ?इज इट सेफ :	ईबुक आईएसबीएन 9781003053170	2021
23	एक्सपेरिमेंटल इन्वेस्टीगेशन ऑफ़ डिजाइनड सोलर पैराबोलिक कॉन्सेंट्रेटर बेस्ड डेसलिनाशन सिस्टम फॉर टेक्सटाइल इंडस्ट्री वेस्टवाटर ट्रीटमेंट	0958-305X	2021
24	फ्लू गैस और अपशिष्ट जल उपयोग के माध्यम से शैवाल आधारित जैव ईंधन उत्पादन: एक स्थायी संभावित दृष्टिकोण	2190-6823	2021
25	*करकस* और *क्लोरेला पाइरेनोइडोसा* से जैव-तेल उपज में वृद्धि के लिए उपन्यास शमन एजेंट के रूप में $_4$ ZrCl के अनुप्रयोग के साथ प्रतिक्रिया सतह पद्धति-आधारित निष्कर्षण अनुकूलन	2190-6823	2021
26	सामान्य बहिःस्राव उपचार संयंत्र अपशिष्ट जल के उपचार के लिए *क्लोरेला पाइरेनोइडोसा* का उपयोग : एक प्रायोगिक दृष्टिकोण	1432-0800	2021
27	जैव-अपशिष्ट सामग्री का मूल्यांकन :स्थिरता की दिशा में पथ के लिए भविष्य के आयाम	2523-8922	2021
28	जम्मू ,भारत में मंदिर से उत्पन्न फूलों के कचरे की एरोबिक खाद का काइनेटिक मूल्यांकन :एक प्रयोगशाला पैमाने पर प्रायोगिक अध्ययन	2523-8922	2021
29	सतत विकास के लिए कोयला ताप विद्युत संयंत्र में उत्सर्जन गैस का संख्यात्मक अनुकरण	2523-8922	2021
30	मूल्यवान धातुओं की कटाई के लिए माइक्रोबियल लीचिंग :जैव अर्थव्यवस्था के लिए बहुमुखी प्रतिभा	2523-8922	2021
31	इम्पैक्ट असेसमेंट ओन वाटर क्वालिटी इन द पोलूटेड स्ट्रेच यूजिंग ए क्लस्टर एनालिसिस डयूरिंग प्री - एंड कोविड-19 लॉकडाउन ऑफ़ तवी रिवर बेसिन , जम्मू , नार्थ इंडिया : an एनवायरनमेंट रेसिलिएन्सी	2363-8338	2021

32	इम्पैक्ट ऑफ़ pH ओन पॉलूशनल पैरामीटर्स ऑफ़ टेक्सटाइल इंडस्ट्री वेस्टवाटर विद यूज़ ऑफ़ च्लोरेल्ला पैरेनॉइडोसा at लैब स्केल : ए ग्रीन एप्रोच	1432-0800	2021
33	कम लागत वाली बॉटम ऐश के साथ माइक्रोएल्गल हार्वेस्टिंग की प्रायोगिक जांच : जीटा क्षमता और थर्मोडायनामिक फ़ंक्शन के साथ तापमान और पीएच का प्रभाव	आईएसएसएन 2352-1864	2021
34	साइटोमेडिएशन ऑफ़ हैवी मेटल्स फ्रॉम द बायोस्फियर पर्सपेक्टिव एंड सोलूशन्स	आईएसबीएन: 9781119693611	2021
35	सतत पर्यावरण के लिए भारतीय जैव ऊर्जा नीति का आकलन और ग्रामीण भारत के लिए इसका प्रभाव :रणनीतिक कार्यान्वयन और चुनौतियां	2352-1864	2021
36	क्वेंचिंग एजेंट का उपयोग करकेजेट्रोफा तेल की निष्कर्षण प्रक्रिया का अनुकूलन	1757-8981	2021
37	थर्मल एनर्जी स्टोरेज इन फेज चेंज मटेरियल इंटीग्रेटेड सोलर कलेक्टर्स फॉर एयर हीटिंग एप्लीकेशन	1757-8981	2021
38	तापीय ऊर्जा भंडारण के लिए सौर जल तापन प्रणालियों में चरण परिवर्तन सामग्री का अनुप्रयोग	1757-8981	2021
39	फंगल बायो लीचिंग ऑफ़ मेटल्स फ्रॉम रिफाइनरी स्पेंट काटलिस्ट्स : ए क्रिटिकल रिव्यु ऑफ़ करंट रिसर्च , चैलेंजेज , एंड फ्यूचर डायरेक्शन	0301-4797	2021
40	सिंचाई में अपशिष्ट जल का अनुप्रयोग और कृषि अवशेषों के विशेष संदर्भ में इसका विनियमन	प्रिंट आईएसबीएन 978-981-15-8357-5	2021

41	अपशिष्ट जल से भारी धातु आयनों/रंगों को हटाने के लिए पॉलिमर आधारित नैनोएडसॉर्बेंट्स का संचालन	प्रिंट आईएसबीएन 978-3-030-62089-	2021
42	नैनोस्ट्रक्चर्ड इलेक्ट्रोकैटलिस्ट का उपयोग करके फोटोकैटलिसिस द्वारा कार्बनिक रंगों के क्षरण कैनेटीक्स पर एक सिंहावलोकन	आईएसबीएन 9780128218419	2021
43	लिग्नोसेल्यूलोसिक बायोमास से इथेनॉल: पूर्व-उपचार विधियों, किण्वन दृष्टिकोण और विषहरण प्रक्रियाओं का गहन विश्लेषण	आईएसएसएन 2213-3437	2021
44	तरल जैव ईंधन उत्पादन में नैनोमटेरियल: अनुप्रयोग और वर्तमान स्थिति	आईएसएसएन 2523-8922	2021
45	अवस्था किण्वन के तहत एस्परगिलस नाइजर और एस्परगिलस हेटेरोमोर्फस से सेल्युलस उत्पादन का मूल्यांकन	आईएसएसएन 2523-8922	2021
46	कवक सेल्युलेस उत्पादन और उनके औद्योगिक अनुप्रयोगों में हाल के विकास पर एक सिंहावलोकन	आईएसएसएन 2589-014X	2021
47	सॉलिड-स्टेट बायोकॉनवर्जन के माध्यम से सेल्युलेस और जाइलानेज उत्पादन के लिए कृषि-औद्योगिक कचरे में मूल्य जोड़ना	आईएसएसएन 2190-6823	2021
48	पोषक तत्वों के परस्पर प्रभाव के तहत लैंडफिल से मीथेन उत्सर्जन को कम करने के लिए डंपसाइट मृदा बायोकवर का उपयुक्तता मूल्यांकन	आईएसएसएन 1614-7499	2021

➢ अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

स्वीकृति का वर्ष	निधीयन एजेंसी	परियोजनाओं की स्थिति
2021	सीएसटीईपी	चल रहा
2019	डीएसटी एसइआरबी-	चल रहा
2019	जेकेपीसीबी	चल रहा
2019	डीएसटी-हिकैब	चल रहा
2021	डीएसट	चल रहा
2021	वन्य जीव संरक्षण विभाग ,जम्मू-कश्मीर सरकार	चल रहा
2021	सीपीसीबी	चल रहा
2021	डीएसटी, इंडो-ऑस्ट्रेलियाई परियोजना	चल रहा

प्राणि विज्ञान विभाग

प्राणि विज्ञान विभाग की स्थापना 2016 में प्राणि विज्ञान विभाग में पांच वर्षीय एकीकृत बीएससी एमएससी कार्यक्रम के शुभारंभ के साथ की गई थी। विभाग ने वर्ष 2019 से प्राणी में पीएचडी पाठ्यक्रम शुरू किया। विभाग एनईपी 2020 के कार्यान्वयन के साथ गहन पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों के व्यावहारिक प्रशिक्षण और निरंतर आंतरिक मूल्यांकन पर बल देता है।

1. प्रस्तावित पाठ्यक्रम

(i) बीएससी (ऑनर्स) एमएससी प्राणी विज्ञान प्राठ्यक्रम

(ii) पीएच.डी. प्राणि विज्ञान में

2. संकाय विवरण: -

क्र.सं.	नाम	पद	विशेषज्ञता का क्षेत्र
.1	डॉ.श्वेतांबरी जसरोटिया	सहायक आचार्य	जलीय जीव विज्ञान ,जलीय कृषि ,मत्स्य पालन , पारिस्थितिक प्रभाव आकलन
.2	डॉ.अंजलि धर	सहायक आचार्य	कीट विज्ञान ,अनुप्रयुक्त विष विज्ञान ,कीट जैव विविधता और संरक्षण ,पर्यावरण क्षरण
.3	डॉ .विनीता शर्मा	सहायक आचार्य	एनिमल सिस्टेमैटिक्स ,वाइल्डलाइफ फोरेंसिक , कंजर्वेशन बायोलॉजी एवं एथोलॉजी
.4	सुश्री स्टैनज़िन लाडोली	सहायक आचार्य	तंत्रिका जीव विज्ञान

3. विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/वेबिनार)

i. प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा मनाया गया राष्ट्रीय शिक्षा दिवस विवाद -छात्रों और शोधार्थियों के बीच आयोजित वाद - - प्रतियोगिता**11/02/2021** ।

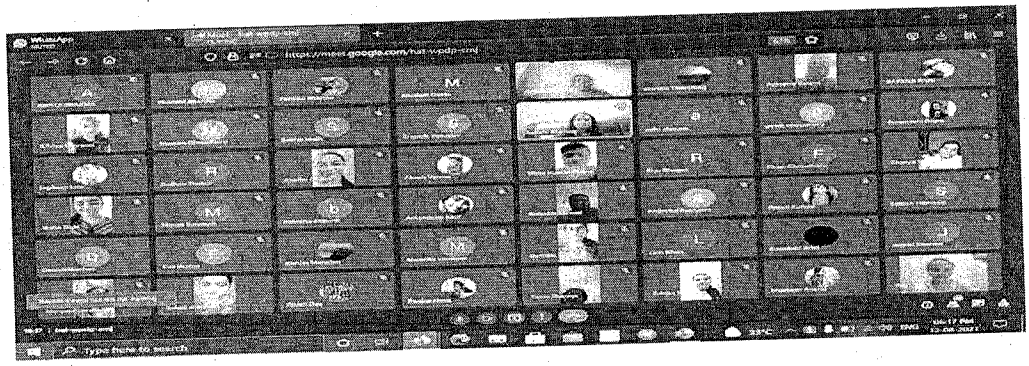

(ii) प्राणि विज्ञान विभाग में वन्यजीव सप्ताह 1/10/7 से 2021/10/(ऑनलाइन मोड) तक मनाया गया। 2021

iii. प्राणि विज्ञान विभाग में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस - 29/07/2021।

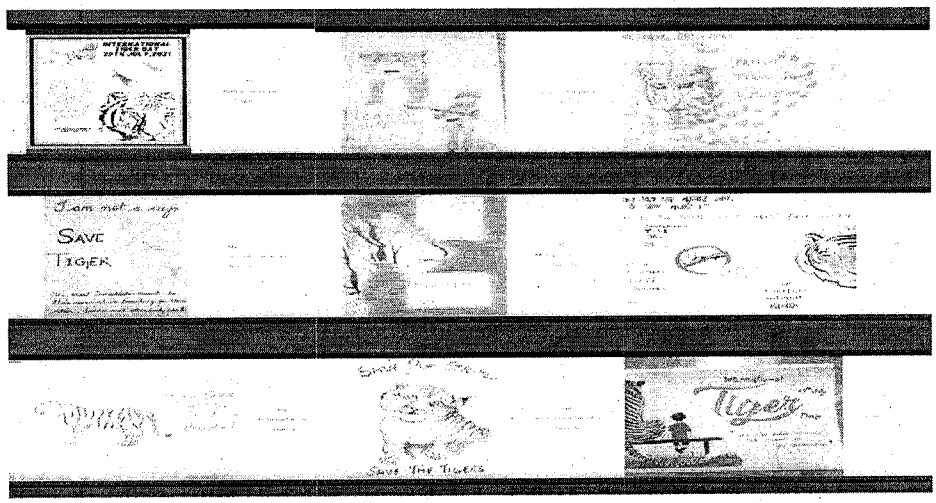

चित्र :नेशनल टाइगर्स डे पर छात्रों ने स्लोगन बनाए।

➢ **प्रख्यात व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान का आयोजन**

(i) डॉ. यूसुफ अख्तर, बाबा भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ द्वारा शोध लेखन, सामान्य डेटाबेस और अनुसंधान मेट्रिक्स पर आमंत्रित व्याख्यान। **(05/08/02021)**

(ii) डॉ. युसूफ अख्तर, बाबा भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ द्वारा 'प्रकाशन नैतिकता और दुराचार' पर आमंत्रित व्याख्यान। **(07/08/02021)**

(iii) डॉ. शुभंकर चटर्जी, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 'साहित्यिक चोरी और अनुसंधान' पर आमंत्रित व्याख्यान। **(12/08/02021)**

➢ **क्षेत्र भ्रमण/औद्योगिक भ्रमण/शैक्षिक भ्रमण**

(i) घोमनहासन मछली फार्म की शैक्षिक यात्रा - 23/11/2022

(ii) सुकास्त, जम्मू छह और 9वें सत्र की शैक्षिक यात्रा - 30/11/2021

➢ **संकाय प्रकाशन**

क्र.सं.	संकाय का नाम	लेख/पुस्तक का	आईआईएसएन एन.	प्रकाशन

		शीर्षक	/आरआईएन संख्या /आईएसबीएन संख्या	का वर्ष
.1	डॉ.श्वेतांबरी जसरोटिया	पुस्तक -भारतीय लिम्नोलॉजी और मत्स्य विज्ञान में हालिया रुझान	आईएसबीएन -81 :10 2-682-7019 आईएसबीएन :13 9788170196822	2021
.2	डॉ.श्वेतांबरी जसरोटिया	पुस्तक में अध्याय - जम्मू शहर के आसपास के क्षेत्र में मध्य हिमालयी नदी तवी के जल ,तलछट और बायोटा पर बैराज के निर्माण के प्रभाव पर अध्ययन।	पुस्तक -जैविक विज्ञान। नए रुझानों का एक बहुरूपदर्शक दृश्य। वैज्ञानिक प्रकाशक ,जोधपुर आईएसबीएन978 :**-93-92590-69-6** (एचबी(	2022
.3	डॉ.अंजलि धर	पर्वतीय क्षेत्रों और तलहटी में माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण :स्रोत निष्कर्षण , और दूरदराज के क्षेत्रों में माइक्रोप्लास्टिक के वितरण पर एक समीक्षा।	(पर्यावरण अनुसंधान) **ISSN---00139351**	2021
.4	डॉ.अंजलि धर	सूक्ष्म (नैनो) प्लास्टिक प्रदूषण और मानव स्वास्थ्य: कैसे प्लास्टिक मनुष्यों के लिए कार्सिनोजेनेसिस को प्रेरित कर सकता है?	(रसायनमंडल) **ISSN-00456535**	2022
.5	सुश्री स्टैनज़िन लाडोली	लोहे से प्रेरित मिर्गी के खिलाफ न्यूरोप्रोटेक्शन और व्यवहार में	मिर्गी अनुसंधान ,मात्रा 175 आईएसएसएन -0920	2021

		बदलाव में हिप्पोफेरहैमनोइड्स का प्रभाव।	1211	

12, छात्रों की उपलब्धियों का विवरण

➢ **विभाग/केंद्र के जेआरएफ/नेट/सेट छात्रों का विवरण दिखाने वाला विवरण।**

i. सुश्री अरज़ाना फरहत ने जेआरएफ नेट (दिसंबर 2021-22) क्वालिफाई किया
ii. सुश्री साक्षी शर्मा ने जेआरएफ एलएस (सत्र IX) (दिसंबर 2021-22) को क्वालिफाई किया
iii. सुश्री साक्षी शर्मा ने क्वालीफाई किया सत्र एक्स गेट 2021
iv. सुश्री सनमदीप कौर ने क्वालीफाई किया सत्र एक्स गेट 2021

➢ **विभाग /केंद्र के छात्रों और शोधार्थियों द्वारा उपलब्धियों का विवरण**

i. सुश्री आरुषि गुप्ता को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में क्लर्क के रूप में नियुक्त किया गया।
ii. सुश्री आसमा चौधरी को पोस्ट मास्टरजम्मू के रूप में नियुक्त किया गया। ,पोस्ट ऑफिस अखनूर ,

वनस्पति विज्ञान विभाग

वनस्पति विज्ञान विभाग अस्थायी शैक्षणिक खंड, सीयूजे में सत्र 2016-2017 में अस्तित्व में आया। इसे कृषि से संबंधित समस्याओं की पहचान करने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए तथा समाज की बेहतरी के लिए पादप विज्ञान के उपकरणों के हस्तक्षेप की पहचान करने के लिए प्रस्तावित किया गया था । वनस्पति विज्ञान विभाग को आणविक मार्कर, जैव उर्वरक, अजैविक और जैविक तनाव से फसलों की रक्षा, और दुर्लभ लुप्तप्राय औषधीय पौधों की रक्षा जैसे पौधों के विज्ञान से संबंधित विषयों की विस्तृत श्रृंखला में शिक्षण और अनुसंधान में अनुभवी शिक्षकों के साथ शुरू किया गया है। विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी आधुनिक उपकरणों और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके उच्च शिक्षण और अनुसंधान मानकों को स्थापित करना है। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर के दक्षिण-पश्चिमी भाग में स्थित है जहाँ कृषि विज्ञान के क्षेत्र में चुनौतियाँ हैं जो फसल उत्पादन को प्रभावित करती हैं। जम्मू और कश्मीर एक महत्वपूर्ण स्थान है जहां कई महत्वपूर्ण फसलों की खेती की जाती है जिसमें चावल, सेब, मक्का, गेहूं, आलू, अखरोट, बादाम, खुबानी, केसर और स्थानीय औषधीय पौधे शामिल हैं। वनस्पति विज्ञान विभाग का उद्देश्य पारंपरिक तकनीकों का अध्ययन करते हुए पौधों से संबंधित स्थानीय समस्याओं की पहचान करना और अत्याधुनिक शोध के माध्यम से समाधान खोजना है।

- **प्रस्तावित पाठ्यक्रम** : - एकीकृत बी.एससी (एच) और वनस्पति विज्ञान स्नातकोतर और पीएच.डी. वनस्पति विज्ञान
- **संकाय विवरण**:-

	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1.	आचार्य बृजमोहन सिंह भाऊ	विभागाध्यक्ष , वनस्पति विज्ञान विभाग	संयंत्र जैव प्रौद्योगिकी
2.	डॉ.सामंथा वैष्णवी	सहायक आचार्य	जेनेटिक्स और जेनेटिक मार्कर
3.	डॉ.दीपक भारद्वाज	सहायक आचार्य	पौधों में सेल सिग्नलिंग ,अजैविक और जैविक तनाव सहनशीलता
4.	डॉ .विकास श्रीवास्तव	सहायक आचार्य	औषधीय पादप अनुसंधान ,पादप जैव प्रौद्योगिकी ,तनाव जीव विज्ञान

- **विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/वेबिनार**

06 जनवरी को "प्लांट टैक्सोनॉमी में बदलते प्रतिमान "विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया ।

- **प्रख्यात व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान आयोजित:**

आचार्य हरिकेश बहादुर सिंह ,विशिष्ट आचार्य ,जैव प्रौद्योगिकी विभाग ,जीएलए विश्वविद्यालय ,मथुरा, पूर्व विभागाध्यक्ष और आचार्य ,माइकोलॉजी और प्लांट पैथोलॉजी विभाग ,कृषि संस्थान द्वारा "विभागीय प्रख्यात

व्याख्यान श्रृंखला "के तहत 'जैव प्रौद्योगिकी में आईपीआर -हाल के रुझान 'विज्ञान ,बीएचयू ,वाराणसी (21 सितंबर 2021को

➢ **फील्ड ट्रिप/औद्योगिक दौरा/शैक्षिक दौरा:**

- एकीकृत बीएससी के छात्र (एच)और एम.एससी वनस्पति विज्ञान IVसत्र ने 28मार्च 2022को वनस्पति विज्ञान विभाग ,जम्मू विश्वविद्यालय के बॉटनिकल बाग का दौरा किया।
- एकीकृत बीएससी के छात्र (एच) और एम.एससी बॉटनी एक्स सत्र 8अप्रैल 2022को इंस्टिट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन ,जम्मू का दौरा किया।

➢ **2021के दौरान संकाय उपलब्धियां:**

1. प्रतिष्ठित सहायक आचार्य (विश्व शिक्षा चिह्न पुरस्कार ,2021)।
2. रॉयल सोसाइटी-न्यूटन इंटरनेशनल फेलोशिप -2021 (रॉयल सोसाइटी ,लंदन)।
3. मैरी स्कोलोडोव्स्का-क्यूरी एक्शन 2021- सील ऑफ एक्सीलेंस ,यूरोपीय आयोग

➢ **संकाय प्रकाशन**

क्रमांक	लेख / पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन नं. /आरआईएन संख्या /आईएसबीएन संख्या	प्रकाशन वर्ष
.1	हाइड्रोजन सल्फाइड -तापमान तनाव के दौरान अन्य संकेतन अणुओं के साथ मध्यस्थता उन्मूलन और इसकी परस्पर क्रिया।	1438-8677	2022
.2	हाइड्रोजन सल्फाइड -मध्यस्थता शमन और लवणता तनाव के दौरान इसका एकीकृत सिग्नलिंग क्रॉसस्टॉक।	1399-3054	2022
.3	संयंत्र में सोडियम ट्रांसपोर्टर	978-0-323-85790-1	2022
.4	चिकित्सीय लीड सेकेंडरी मेटाबोलाइट्स प्रोडक्शन यूजिंग प्लांट।	9781119717218	2021
.5	-अमीनोब्यूट्रिक एसिड जी ए बी ए)) अजैविक तनाव सहनशीलता की ओर	978-3-030-80673-6	2021
.6	ट्रोपेन एल्कलॉइड्स :पाथवे ,संभावित और बायोटेक्नोलॉजिकल संभावनाएं	978-981- 334-535-5	2021
.7	एंकल 1 भारतीय आबादी में स्तन कैंसर के लिए नए हॉटस्पॉट म्यूटेशन के रूप में और स्तनधारी	1664-8021	2021

	कोशिकाओं में डीएनए क्षति और मरम्मत में एक भूमिका है		
.8	कोलोरेक्टल कैंसर में नए पहचाने गए आई कारोस परिवार जिंक फिंगर 1लोकी का मूल्यांकन	2407-1471	2021

➢ **अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण**

स्वीकृति का वर्ष	निधीयन एजेंसी	परियोजनाओं की स्थिति
2021	जैव प्रौद्योगिकी विभाग ,भारत सरकार ,नई दिल्ली	चल रहा
2021	जेकेएसटी और आईटी ,जम्मू-कश्मीर सरकार।	चल रहा

➢ **छात्रों की उपलब्धियों का विवरण**

विभाग में जेआरएफ/नेट उत्तीआर्ण छात्रों का विवरण

साल	विभाग का नाम	छात्र का नाम	परीक्षा उत्तीर्ण का नाम	उत्तीर्ण परीक्षा अनुक्रमांक
2020	वनस्पति विज्ञान	आकांक्षा	नेट	जेके026010
2022	वनस्पति विज्ञान	जाह्नवी गनोत्रा	नेट-जेआरएफ	जेके02001044
2022	वनस्पति विज्ञान	आयुषी महाजन	नेट	जेके026002705

अणुजैविक विज्ञान केंद्र

अणुजैविक विज्ञान केंद्र का उद्देश्य बुनियादी और साथ ही अनुप्रयुक्त जैविक विज्ञान में अनुसंधान करना है और इस ज्ञान का उपयोग जैविक दुनिया की हमारी समझ को आगे बढ़ाने और मानव स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करना है। हमारा मिशन एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी अनुसंधान और शिक्षण वातावरण बनाना है जो छात्रों के साथ-साथ संकाय सदस्यों को जैविक विज्ञान के इस क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद करेगा। उपरोक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने और शिक्षण और अनुसंधान के उच्चतम स्तर को बनाए रखने के लिए इस केंद्र के संकाय सदस्य सामूहिक और व्यक्तिगत रूप से प्रतिबद्ध है। केंद्र का उद्देश्य आधुनिक प्राणि विज्ञानके सीमांत क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी अनुसंधान और प्रशिक्षण का संचालन करना और प्राणि विज्ञानके अंतर-अनुशासनात्मक क्षेत्रों में नई और आधुनिक तकनीकों के लिए केंद्रीकृत सुविधाओं को बढ़ावा देना है।

➢ **संकाय विवरण:-**

क्र. सं	नाम	पद	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	प्रो .मुश्ताक अहमद	आचार्य	आण्विक जीवविज्ञान ,जैव प्रौद्योगिकी ,जैव सूचना विज्ञान , पर्यावरण सूक्ष्म जीव विज्ञान
2	डॉ .औदेश भाट	सहायक आचार्य	आणविक और कोशिका जीव विज्ञान ,आनुवंशिकी ,कैंसर जीव विज्ञान ,मधुमेह और हृदय रोग।
3	डॉ.अशोक कुमार यादव	सहायक आचार्य	जीन क्लोनिंग और अभिव्यक्ति ,प्रोबायोटिक्स/डिजाइपुरुष प्रोबायोटिक्स ,माइक्रोबियल मेटाबोलाइट्स
4	डॉ .प्रवीण कुमार मेहता	सहायक आचार्य	माइक्रोबियल एंजाइम प्रौद्योगिकी ,बायोप्रोसेस प्रौद्योगिकी
5	डॉ.शैली सहगल	सहायक आचार्य	वायरोलॉजी ,तुलनात्मक जीनोमिक्स और कैंसर जीव विज्ञान

➢ **विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/वेबिनार**

- वर्चुअल मोड में एक सप्ताह का क्षमता निर्माण कार्यक्रम

➢ **प्रख्यात व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान का आयोजन**

- प्रो. रीमा दादा, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

➢ **जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन**

➢ **क्षेत्र-यात्राएं/औद्योगिक भ्रमण/शैक्षिक भ्रमण**

➢ मार्च 2022को जैव प्रौद्योगिकी स्नातकोतर के छात्रों का औद्योगिक दौरे

➢ **संकाय उपलब्धियां**

डीबीटी समर्थित स्नातकोतर बायोटेक्नोलॉजी	दीर्घ शिक्षण परियोजना	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार	**18.2.2021** पांच साल के लिए **(2020-21** से **2024-25)**	**180** लाख

➢ **संकाय प्रकाशन**

क्र.सं.	**लेख/पुस्तक का शीर्षक**	**ईआईएसएन संख्या/आरआईएन संख्या/आईएसबीएन संख्या**	**काशन का वर्ष**
1.	गट –मिक्रोबियोटा डराइव बायोएक्टिव मेटाबॉलिट्स एंड देयर फंक्शन्स इन होस्ट फिजियोलॉजी	0264-8725	2021
2.	इनसाइट ऑफ़ ओरल वैक्सीन्स एस एन अल्टरनेटिव एप्रोच टू हेल्थ एंड डिजीज मैनेजमेंट : एन इनोवेटिव इंटुइशन एंड चैलेंजेज	0006-3592	2021

3.	प्रोबिओटिक मिक्रोऑर्गेनिस्म : ए प्रोमिसिंग एंड इनोवेटिव टूल फॉर कैंसर प्रिवेंशन एंड थेरेपी	978-0-12- 822909-5	2021
4.	रिसेंट एडवांसेज एंड उसे ऑफ़ टूल्स फॉर फंक्शनल फूड्स एंड नुटरसुटिकल्स	978-981-16-8125-7	2022
5.	प्रोबिओटिक्स एस ए बिओथेरप्यूटिक्स फॉर थे मैनेज़मेंट एंड प्रिवेंशन ऑफ़ रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट डिसीसेस	348-0421	2022
6.	ओर्निथीने करबामोयलट्रांस्फरसे फ्रॉम पसीक्रोफिल्स टू थर्मोफिल्स : स्ट्रक्चरल वोलुशन ऑफ़ कैटेलिटिक फोल्ड	14310651, 14334909	2021
7.	माइक्रोबियल बिओपेस्टीसिड्स फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चरल प्रैक्टिसेज	978-0-12-823355-9	2022
8.	प्लांट माइक्रोवियोम: मोडयूलेशन आफ प्लांट डिफेंस एंड इकोलोजिकल डायनमिक्स अंडर स्ट्रेस्ड एनवायरमेंट	978-0-323-90568-8	2022
9.	बिवेठानोल प्रोडक्शन फ्रॉम लोकालय ग्रोइंग अलगाल बायोमास : ए प्रोमिसिंग एंड कॉस्ट -इफेक्टिव एप्रोच	2456-9119	2021
10.	कनगलीफ्लॉजिन एंड डपगलफ्लोजिन अटेनयूएट ग्लूकोलिपोटोक्सीसिटी - इनक्लूड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस एंड एपोप्टोसिस इन कार्डिओमोकीट्स वाया इन्हिबीशन ऑफ़ सोडियम -ग्लूकोस कोट्रांसपोर्टर -1.	2575-9108	2022
11.	. जेनेटिक एसोसिएशन ऑफ़ एआरआईडी5बी विथ द रिस्क ऑफ़ कोलोरेक्टल कैंसर विदिन जम्मू एंड कश्मीर , इंडिया	1880-5779	2021
12.	नावेल थेराप्यूटिक्स फॉर दी ट्रीटमेंट ऑफ़ हाइपरटेंशन एंड इतस एसोसिएटेड कॉम्प्लीकेशन्स : पेप्टाइड - एंड नॉनपेप्टिड -बेस्ड स्ट्रेटेजीस	1348- 4214	2021
13.	सीजीजियम सुमिनी (जम्मू) फ्रूट एक्सट्रेक्टेड फ्यतोकेमिकल्स एक्सेरत एंटी - प्रोलीफेरतीवे इफ़ेक्ट ऑन ओवेरियन कैंसर सेल्स	1998-4138	2021
14.	इन्हिबीशन ऑफ़ डबल स्ट्रेन्डेड आरएनए डिपेंडेंट प्रोटीन काइनेज (पीकेआर) अबरोगटेस इसोप्रोटेरेनॉल इंदूसेड मायोकार्डियल इस्केमिअ इन विट्रो इन कल्चर्ड कार्डिओमोकीट्स एंड इन वीवो इन विस्तार राट्स	0014-2999	2021
15.	हाई फ्रुक्टोसे एंड स्ट्रेप्टोज़ोटोसिं इन्डोज डायबिटिक इम्पेरमेंट्स आर मिटिगटेड बी इंदिरुबिन -3-हैदराज़ोने वाया दोनेरेगुलशन ऑफ़ पी के आर पाथवे इन विस्तार राट्स	2045- 2322	2021
16.	एल3आरइवीसिंगल नुक्लेओटीडे वैरिएंट्स लीड टू इंक्रीसेड सुस्केप्टिबिलिटी टुवर्ड्स नॉन -स्माल सेल लंग कैंसर इन दी नार्थ इंडियन पापुलेशन ऑफ़ जम्मू एंड कश्मीर	1877-7821	2021
17.	रोले ऑफ़ हिस्टोन असत्य्ल्ट्रांस्फ़ेरासेस एम ओ एफ एंड टिप 60 इन जीनोम स्टेबिलिटी	1568- 7856	2021
18.	बीसीजी वक्सीनशन प्रोग्राम मिटिगटेस कविड -19 रिलेटेड मोर्टेलिटी : रियलिटी चेक	1873- 4316	2021

19.	इवैल्यूएशन ऑफ़ नेवली आईडेंटिफ़िएड आईकेजीएफ1 लोकि इन कोलोरेक्टल कैंसर	1998-4138	2021
20.	पॉलीमॉरफिस्म इन दी टीपी63 जीन इम्पर्टस ए पोटेंशियल रिस्क फॉर लेकिमिया इन दी नार्थ इंडियन पापुलेशन	1729-0503	2021
21.	रोल ऑफ़ हिस्टोन मेथ्य्लातिओं इन मेंटेनेंस ऑफ़ जीनोम इंटीग्रिटी	2073- 4425	2021
22.	इवैल्यूएशन ऑफ़ नेवली आईडेंटिफ़िएड आईकेजेडएफआई लोकि इन कोलोरेक्टल कैंसर	1998-4138	2021

➢ **नई स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण- 2021-2022**

क्रम सं.	**स्वीकृति का वर्ष**	**निधीयन एजेंसी**	**परियोजनाओं की स्थिति**
1	2022	आईसीएमआर ,नई दिल्ली	स्वीकृत

➢ **छात्रों की उपलब्धियों का विवरण**

- विभाग/केंद्र के जेआरएफ/नेट/सेट छात्रों का विवरण

विभाग का नाम	**नेट/जेआरएफ/सेट/गेट**
अणुजैविक विज्ञान केंद्र	बालेंदु उपमन्यु (गेट) पूजा यादव (सीएसआईआर-जआरएफ)

विभाग /केंद्र के छात्रों और शोधार्थियों द्वारा उपलब्धियों का विवरण

- सत्र IV (अंतिम सत्र जेआरएफ उत्तीर्ण किया है और-में पढ़ने वाले श्री बालेंधु ने पहले प्रयास में सीएसआईआर नेट (एनआईएबी, हैदराबाद में पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए चुना गया है।

पृथ्वी विज्ञान विभाग

➢ पृथ्वी विज्ञान विभाग एक नया विभाग है, जिसे 2020 में स्थापित किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2020-से 2021 सलाहकार वित कर रहा है। पृथ्वी विज्ञान परपृथ्वी विज्ञान में पीएचडी की प्रस्तासमिति ने शैक्षणिक सत्र 2020- 2021 शिक्षा उद्योग / परामर्श / सहयोगी परियोजनाओं / पीएचडी) के लिए पृथ्वी विज्ञान में पीएचडी पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम को को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में अनुसंधान कार्यक्रम शुरू करने के लिए स्वीकृत पृथ्वी विज्ञान विभाग (लिंकेज मंजूरी दे दी है। पृथ्वी विज्ञान विभाग ने उपलब्ध बुनियादी ढांचे और संकाय सदस्यों)प्रो.क्षविभागाध्य) सुनील धर, पृथ्वी विज्ञान विभाग(, डॉ. पंकज मेहता समन्वयक), पृथ्वी विज्ञान विभागके साथ अपना कार्य शुरू किया। पृथ्वी विज्ञान (खतरों के विभाग हिमालय में प्राकृतिकमुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसमें मुख्य ध्यान ग्लेशियर, अपक्षय भूरसायन-, मृदा भूरसायन-, जल रसायन, रॉकवाटर इंटरेक्शन और हिमालय में उत्पन्न होने वाली नदी प्रणालियों पर है-, जो स्थानीय सामाजिक प्रसंगता की समस्याओं को समझने के लिए हिमालय की भू गतिकी पर-बल देता है।

➢ **प्रस्तावित पाठ्यक्रम :-**

❖ पीएच.डी .पर्यावरण विज्ञान

➢ **संकाय विवरण :-**

क्रम सं.-	नाम	पद	विशेषज्ञता का क्षेत्र
.1	प्रो. सुनील धर (विभागाध्यक्ष, पृथ्वी विज्ञान विभाग)	आचार्य	ग्लेशियोलॉजी ,पृथ्वी की सतह की प्रक्रिया
.2	डॉ. पंकज मेहता (समन्वयक, पृथ्वी विज्ञान विभाग)	वरिष्ठ सहायक आचार्य	मृदा भू-रसायन ,रॉक-वाटर इंटरेक्शन , जल रसायन ,इंस्ट्रुमेंटेशन

➢ **संकाय उपलब्धियां:**

- **डॉ .पंकज मेहता को** 28 फरवरी 2022 को एमिटी विश्वविद्यालय , यूपी द्वारा *इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप: फ्यूचर विजन ऑफ आत्मानबीर भारत* पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था ।
- डॉ .पंकज मेहता को 10 मार्च 2022 को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा *वायु प्रदूषण और नियंत्रण के उपाय* पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था ।

- को 2022 फरवरी 03व्लूजीन्स ऐप के माध्यम से मेक्सिको ऑनलाइन मोड में डॉ पंकज मेहता को .**IPICYT** विज्ञान) (और प्रौद्योगिकी संस्थान, द्वारा पश्चिमी घाट भारत में रॉक अपक्षय के दौरान तत्वों के संघटन पर अपक्षय गतिकी और जलवायु नियंत्रण पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।
- डॉ .पंकज मेहता को जून 2022 में *त्रिभुवन विश्वविद्यालय* , काठमांडू ,नेपाल *द्वारा रामायण में जैविक विविधता* पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था ।
- डॉ .पंकज मेहता को एमएल सुखाड़िया विश्वविद्यालय ,उदयपुर द्वारा 05 जून 2021 को अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर *पारिस्थितिक बहाली पर अंतर्राष्ट्रीय संवाद के पूर्ण सत्र को मॉडरेट करने के लिए आमंत्रित किया गया था।*
- डॉ. पंकज मेहता ने उद्योग और आंतरिक व्यापार, कॉपीराइट कार्यालय, भारत सरकार को बढ़ावा देने के लिए विभाग के तहत 2 आईपीआर "जम्मू के माध्यम से कश्मीर के लिए काशी [के 2 केवीजे]" और कैंपस के चाई, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय [मुरैया कोएनिगी (एमके चाय)] दायर किया हैं।

➢ **संकाय प्रकाशन**

क्रमांक	**लेख / पुस्तक का शीर्षक**	**आईआईएसएन नं. /आरआईएन संख्या /आईएसबीएन संख्या**	**प्रकाशन वर्ष**
1	पेट्रोलॉजी एंड जीओकेमिस्ट्री ऑफ़ माफिक - उल्ट्रामाफिक रॉक्स फ्रॉम टका एरिया , वेस्टर्न बास्टर क्रेटों , सेंट्रल इंडिया :एन इम्प्लीकेशन फॉर देयर जेनेसिस एंड माइनरिलाइजेशन पोटेंशियल	आईएसबीएन संख्या 978-981-16-4121-3	2021
2	भारत में नगरीय सुविचार वेस्ट का प्रशासन	आईएसबीएन संख्या : 2320-7736	2021
3	पश्चिमी हिमालय धारवाड़ क्रेटन, दक्षिणी भारत के विभिन्न जलवायु क्षेत्रों में उभयचरों का अपक्षय पैटर्न	आईएसएसएन: 1866-7538	2021
4	भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए माचोली ग्लेशियर ज़स्कर हिमालय, भारत में स्थानिक-लौकिक परिवर्तन	आईएसएसएन: 2666-0334	2021
5	माइक्रोबियल लीचिंग फॉर वैल्युएबल मेटल्स हार्वेस्टिंग : वेर्सटिलिटी फॉर द	आईएसएसएन: 2523-8922	2021

	बीओएसोनोमय		
6	**22.** डोलोरीजेशन ऑफ़ नोसियस सफ्रानिन -टी फ्रॉम वेस्ट वाटर यूजिंग मॉंगीफेरा इंडिका अस प्रकरसोर	आईएसएसएन: 2523-8922	2021
7	**23.** हिमाचल प्रदेश ,भारत के सतलुज , रावी ,चिनाब और ब्यास बेसिन में मोराइन डैम्ड लेक्स इन्वेंटरी	आईएसएसएन: 978-3-030-67932-3	2021
8	**24.** इम्पैक्ट असेसमेंट ओन वाटर क्वालिटी इन द पोलूटेड स्ट्रेच यूजिंग ए क्लस्टर एनालिसिस डयूरिंग प्री - एंड कोविड -१९ लॉकडाउन ऑफ़ तवी रिवर बेसिन , जम्मू , नार्थ इंडिया : एन एनवायरनमेंट रेसिलिएन्सी	आईएसबीएन: 2363-8338	2021
9	फाइट्रोरेमेडिएशन ऑफ़ हैवी मेटल्स फ्रॉम द बायोस्फियर पर्सपेक्टिव एंड सोलूशन्स	आईएसबीएन: 9781119693611	2021
10	रोल ऑफ़ इन्सिनराशं इन the प्रोडक्शन ऑफ़ परसिस्टेंट आर्गेनिक पोलूटेंट्स : इज इट सेफ ?	आईएसबीएन: 9781003053170	2021
11	**25.** ह्यप्सोमेट्रिक एनालिसिस फॉर डेटर्मिनिंग एरोजन प्रोनेनेस्स ऑफ़ देहार वाटरशेड , हिमाचल हिमालय , नार्थ इंडिया	आईएसएसएन: 2455-1953	2022

➤ **अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण**

स्वीकृति का वर्ष	**निधीयन एजेंसी**	**परियोजनाओं की स्थिति**
2021	सीपीसीबी ,भारत सरकार	पूर्ण (2022)
2020	नीति आयोग ,भारत सरकार	पूर्ण (2022)
2019	डीएसटी-हिकैब	चल रहा

2021	वन्य जीवन संरक्षण विभाग ,जम्मू-कश्मीर सरकार (यूटी)	चल रहा
2018	इसरो ,भारत सरकार	पूर्ण(2021)

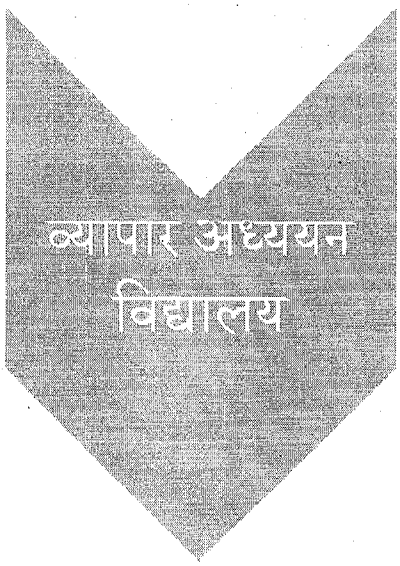

- मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग
- पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन
- विपणन एवं श्रृखला आपूर्ती प्रबंधन विभाग

मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग

➢विभाग छात्रों को व्यापार की दुनिया के लिए तैयार करने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और अनुसंधान प्रदान करता है। प्रौद्योगिकी संचालित पाठ्यक्रम लोकाचार, मूल्यों और मूल संस्कृति को बनाए रखते हुए छात्रों के सर्वांगीण विकास में बड़ी भूमिका निभाते हैं। केस स्टडी द्वारा संचालित कक्षा की चर्चाएँ छात्रों को महत्वपूर्ण तर्क और व्यावसायिक संचार कौशल विकसित करने में मदद करती हैं। विभाग अनुभवात्मक सीखने के अवसर, इंटर्नशिप, पाठ्यक्रम कार्य, उद्योग-अकादमिक तालमेल और अन्य उद्योग-संचालित परियोजनाएं प्रस्तावित करता है। यह समकालीन प्रबंधन विषयों पर अनुसंधान-संचालित शिक्षण वातावरण प्रदान करने का प्रयास करता है, जहां छात्रों को उनकी उच्चतम क्षमता हासिल करने और संगठनों में उच्च स्थान प्राप्त करने के लिए साथ ही अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए खुद को तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

➢**प्रस्तावित पाठ्यक्रम**

i.एमबीए (एचआरएम)

ii.एमबीए

iii.एमबीए (कार्यकारी)

iv.बी वॉक(खुदरा प्रबंधन)

v.बी वॉक(बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं)

➢ **संकाय विवरण:-**

क्रम सं.	नाम	पद	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1.	प्रो .जया भसीन	आचार्य	मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार
2.	डॉ.नीलिका अरोड़ा	सहायक आचार्य	सकारात्मक संगठनात्मक व्यवहार
3.	सुश्री अंजलि पठानिया	सहायक आचार्य	व्यवहार विज्ञान और आईटी
4.	डॉ .गौहर रसूल	सहायक आचार्य	विपणन और अर्थशास्त्र
5.	श्री आसिफ अली	सहायक आचार्य	उद्यमिता ,विपणन और व्यवहार वित्त

➢ **विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/वेबिनार** –

- **उद्यमिता जागरूकता और विकास कार्यशाला**

विभाग द्वारा जम्मू और कश्मीर उद्यमिता विकास संस्थान (जेकेईडीआई) के सहयोग से 31-03-2022 और 01-04-2022 को एक 02 दिवसीय उद्यमिता जागरूकता और विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें

जेकेईडीआई के संसाधन व्यक्तियों ने बाजार सिमुलेशन के माध्यम से बाजार परिदृश्यों और उद्यमशीलता रणनीतियों की अवधारणा की व्यावहारिक्ता पर बात की।

- **न्यूरो भाषाई प्रोग्रामिंग के माध्यम से स्व-नेतृत्व पर कार्यशाला:**

- **25-02-2022** को एमबीए और एमबीए (एचआरएम) 4 सेमेस्टर के छात्रों के लिए न्यूरो भाषाई प्रोग्रामिंग के माध्यम से स्व-नेतृत्व पर एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें पात्र भूमिका और खेलों के माध्यम से आत्म-जागरूकता और आत्म-निपुणता की अवधारणाओं पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यशाला की संसाधन व्यक्ति डॉ. नीलिका अरोड़ा थीं।

- **अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह :** आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में ,मानव संसाधन प्रबंधन विभाग और ओबी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के लिए "नारी शक्ति "विषय पर 8मार्च ,2022 को एक नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया।

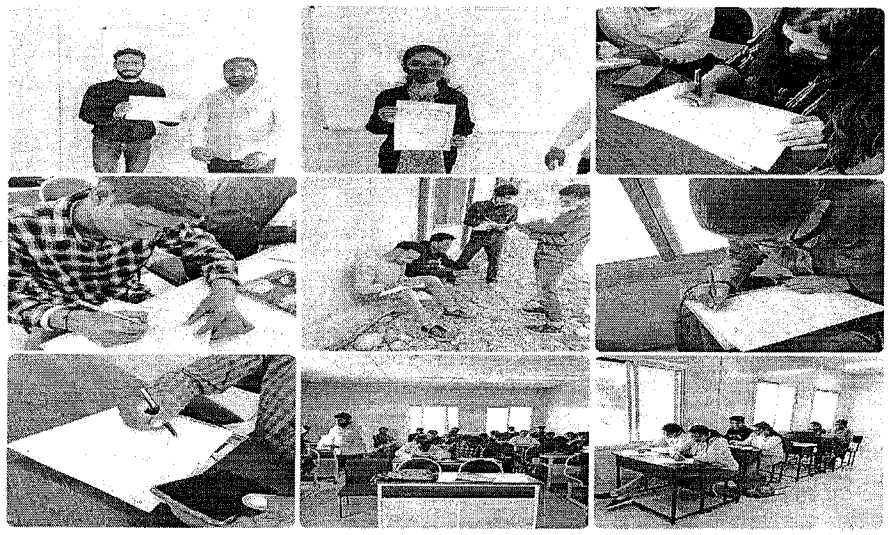

- **प्लेसमेंट ड्राइव**

  मानव संसाधन प्रबंधन और ओबी विभाग ने **21** मार्च **2022** को एमबीए चौथे सेमेस्टर के छात्रों के लिए प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया। प्रीवेस्ट डेन प्रो.लिमिटेड, एक निर्यात उन्मुख दंत सामग्री निर्माता ने परिसर का दौरा किया और एमबीए (एचआरएम) और एमबीए चौथे सेमेस्टर के छात्रों के लिए व्यक्तिगत साक्षात्कार आयोजित किए। इस अभियान में विश्वविद्यालय के तीन विभागों के **50** से अधिक छात्रों ने भाग लिया। एचआर मैनेजर, प्रीवेस्ट डेन प्रो.लिमिटेड, श्री संदीप शर्मा ने अपनी टीम के साथ फाइनल प्लेसमेंट के लिए प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की। इसके अलावा, उद्योग जगत की बदलती अपेक्षाओं और उद्योग अकादमिक संबंधों को मजबूत करने के तरीकों के बारे में संकाय और उद्योग विशेषज्ञों के बीच एक बैठक आयोजित की गई। टीम के साथ समर इंटर्नशिप और इंडस्ट्रियल विजिट की संभावना पर भी चर्चा की गई।

- **"प्रामाणिक नेतृत्व और उत्कृष्टता" पर संकाय विकास कार्यक्रम 22-26 नवंबर , 2021**

- एचआरएम और ओबी विभाग, व्यावसायिक अध्ययन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू द्वारा **22** से **26** नवंबर, **2021** तक **05** दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम को आयोजित किया गया था। एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (एटीएएल) अकादमी द्वारा वित्त पोषित इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वयं की बेहतर समझ पैदा करना था, जिससे प्रतिभागियों को व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए जीवन कौशल में कुछ सुधार करने में सक्षम बनाया जा सके। **05** दिवसीय एफडीपी मिश्रित मोड में आयोजित किया गया था। व्यावसायिक अध्ययन की अधिष्ठाता प्रो. जया भसीन ने देश के कोने-कोने से एफडीपी पर मिली भारी प्रतिक्रिया पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने वीयूसीए दुनिया में संलग्न होने स्व नेतृत्व और उत्कृष्टता की प्रासंगिकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सहयोगात्मक कार्य संस्कृति और शिक्षाविदों में और भी अधिक निर्माण करने के लिए स्व जवाबदेही अनिवार्य है, क्योंकि दुनिया चल रही महामारी के बाद जबरदस्त बदलावों का सामना कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे जीवन कौशल शिक्षाविद के लिए आवश्यक हैं। एफडीपी की समन्वयक डॉ. नीलिका अरोड़ा और डॉ. शाहिद मुश्ताक ने बताया कि विशिष्ट लाइफ कोच सुश्री निधि अरोड़ा (पीसीसी, सीएलसी, एम.टेक.) और सुश्री प्रियंका (एसीसी, एमए) की टीम संसाधन व्यक्ति थी

जिन्होंने चर्चा और विचार-विमर्श को सुगम बनाया। **05** दिवसीय एफडीपी को **14** सत्रों और प्रामाणिक नेतृत्व और उत्कृष्टता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और व्यक्तिगत ब्रांडिंग के विषयों में विभाजित किया गया था। एफडीपी में देश भर के **100** से अधिक शिक्षाविदों और विद्वानों ने भाग लिया। (अनुबंध-ए)

- **15** से **30** जून **2021** तक फैकल्टी इंडक्शन डेवलपमेंट सेल के सहयोग से व्यावसाय अध्ययन विद्यालय द्वारा आयोजित अनुसंधान पद्धति पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- **जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन:**

i. 01.**04.2022** को उच्च शिक्षा निदेशालय जम्मू-कश्मीर के तहत उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए मेगा प्लेसमेंट ड्राइव।

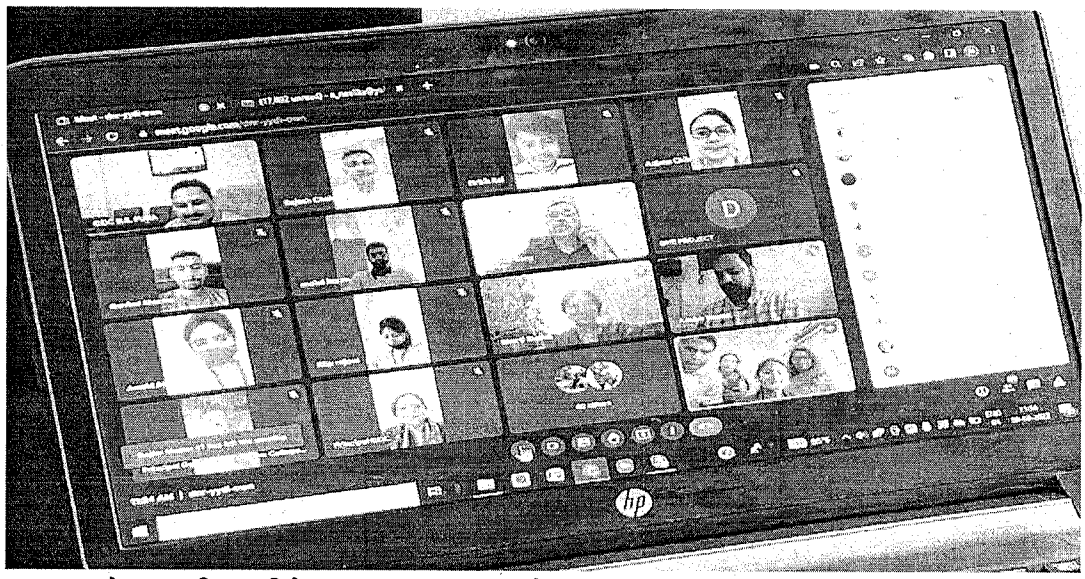

ii.30.09.2021 को उच्च शिक्षा निदेशालय जम्मू-कश्मीर के तहत उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए मेगा प्लेसमेंट ड्राइव (अनुलग्नकबी)

- **संकाय उपलब्धि**

क्रमांक	नाम	उपलब्धि
i.	प्रो .जया भसीन	एसोसिएशन ऑफ इंडियन मैनेजमेंट साइंस (एआरआईएफ) की ओर से "कोविड 19 समय के दौरान हेल्थकेयर पेशेवरों के कल्याण का एक अध्ययन"

- **संकाय प्रकाशन**

क्र.सं.	लेखक विवरण	लेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन संख्या/आरआईएन	प्रकाशन का वर्ष

			संख्या/आईएसबीएन संख्या	
.1	गुप्ता ,एस ,. भसीन ,जे .और मुश्ताक ,एस.	नियोक्ता ब्रांड अनुभव और संगठनात्मक नागरिकता व्यवहार : कर्मचारी जुड़ाव की मध्यस्थता भूमिका वॉल्यूम 13अंक 3में प्रकाशित	**4323-1757**	**2021**
.2	गुप्ता ए ,.अरोड़ा , एन ,.शर्मा ,आर . एवं मिश्रा ,ए.	पर्यटकों की साइट के निर्धारक विशिष्ट पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार व्यवहार :एक पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र परिप्रेक्ष्य जर्नल ऑफ ट्रैवल रिसर्च (सेज) वॉल्यूम 15 अंक 3 में प्रकाशित (एबीडीसी: ए* श्रेणी) प्रभाव कारक: **10.982**	0047-2875	**2021**
.3	रसूल ,जी .और पठानिया ,ए.	पंक्तियों के बीच पढ़ना :भावना विश्लेषण का उपयोग करके ऑनलाइन उपयोगकर्ता-जनित सामग्री को खोलना इंटरएक्टिव मार्केटिंग (एमराल्ड) में जर्नल ऑफ रिसर्च में प्रकाशित वॉल्यूम **15** अंक **3** (**एबीडीसी**: **बी श्रेणी**) **प्रभाव कारक**: 4.018	2040-7122	**2021**
.4	अली ,ए ,. आइमा ,ए., भसीन ,जे., और हिसरिक ,आरडी (2021)	विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में उद्यमी अभिविन्यास को मापना: स्केल डेवलपमेंट एवं वैलिडेशन (सेज पब्लिकेशन) (यूजीसी-केयर)	2278-6821	**2021**

➢ नई स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

क्रम सं.	स्वीकृति का वर्ष	निधीयन एजेंसी	परियोजनाओं की स्थिति
.1	**2021**	जनजातीय मामलों के मंत्रालय	**चल रहा**
.2	**2021**	केवीआईबी	**चल रहा**
.3	**2021**	नीति आयोग	पूरा हुआ

		(2 परियोजनाएं)	
.4	**2021**	जम्मू और कश्मीर खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड जम्मू और कश्मीर (जेकेआरईजीपी के तहत इकाइयों का तृतीय पक्ष सत्यापन)	चल रहा

- **छात्रों की उपलब्धियों का विवरण**

- **विभाग/केंद्र के जेआरएफ/नेट/सेट छात्रों का विवरण**

i. मुस्कान महाजन, एमबीए (एचआरएम) केओआएफ बॉल ,सीनियर नेशनल चैंपियनशिप 2021-22।

पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग

पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग (डीटीटीएम) पर्यटन शिक्षा, अनुसंधान और नीति विकास में ज्ञान के निर्माण और प्रसार में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित होने की इच्छा रखता है।

मिशन:

शिक्षा ,अनुसंधान ,परामर्श ,कौशल विकास और प्रशिक्षण के माध्यम से पर्यटन उद्योग ,व्यवसाय और सेवाओं के संबंध में पर्यटन प्रबंधन प्रणाली को बढ़ाना।

उद्देश्य:

1. अनुसंधान परंपराओं के पुनर्गठन और पर्यटन प्रबंधन और अध्ययन के क्षेत्र में नवीन छात्रवृत्तियां विकसित करने में सक्षम बनना एवं ज्ञान के स्त्रोत के केंद्र के रूप में विकसित होना।

2. सार्थक, पेशेवर और सामाजिक योगदान देने के लिए ज्ञान और कौशल को बढ़ाना।

3. पर्यटन और संबद्ध क्षेत्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन विकसित करना।

4. नोडल एजेंसियों को परामर्श प्रदान करना जो अत्याधुनिक अनुसंधान के आधार पर रणनीतिक सुझाव प्रदान करके प्रभावी नीति विकास में सहायता करती है।

5. सभी लाभार्थियों के बीच लोकतांत्रिक सहभागिता को प्रोत्साहित करके पर्यटन के सतत और समान विकास को बढ़ावा देना।

शैक्षिक पाठ्यक्रम के उद्देश्य (पीईओ)

पीईओ 1. :पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन का गहन ज्ञान प्राप्त करना और सामाजिक ,औद्योगिक और नीति संदर्भ में अनुसंधान करने के लिए मौजूदा और नए ज्ञान में भेदभाव ,मूल्यांकन ,विश्लेषण और संश्लेषण करने की क्षमता के साथ वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता हासिल करना।

पीईओ 2 : रणनीतिक दृष्टिकोण और व्यावहारिक जानकारी के मिश्रण के माध्यम से पर्यटन उद्योग में ज्ञान और कौशल विकसित करना।

पीईओ 3 : पेशेवर और बौद्धिक अखंडता और नैतिकता हासिल करने के लिए ,उत्साह के साथ ज्ञान और क्षमता को उन्नत करने के लिए स्वतंत्र रूप से और लगातार सीखें।

पीईओ 4 : छात्रों में उद्यमिता की भावना पैदा करना।

पीईओ 5 : पर्यटन उद्योग और संबद्ध क्षेत्रों के लिए भविष्य के नेताओं का विकास करना।

एमबीए के पाठ्यक्रम का परिणाम (पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन)

एमबीए (पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन) कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने पर छात्र निम्न में सक्षम होगा:

1. सीमित संसाधनों का उपयोग करके जटिल कॉर्पोरेट समस्याओं को हल करने के लिए पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन के ज्ञान का प्रदर्शन करें।

2. गतिशील कारोबारी माहौल में प्रभावी ढंग से काम करने के लिए नई कौशल दक्षताओं का विकास करना।

3. पर्यटन व्यवसाय के अवसरों की पहचान करना ,कार्यस्थल में नवाचारों के डिजाइन और कार्यान्वित करना।

4. आवश्यक ज्ञान और उद्यमशीलता कौशल विकसित करना।

बीवॉक पाठ्यक्रम के परिणाम (पीओ) (पर्यटन प्रबंधन)

बीवॉक पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन (पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने पर छात्र निम्नलिखित में सक्षम होगा:

1. पर्यटन उद्योग के संचालन और प्रबंधन के लिए आवश्यक समग्र कौशल और क्षमता हासिल करना।

2. मौजूदा कारोबारी माहौल में प्रभावी ढंग से काम करने के लिए उद्योग उन्मुख मानसिकता और अभिविन्यास विकसित करना।

3. आवश्यक ज्ञान और उद्यमशीलता कौशल विकसित करना।

4. विभिन्न लाभार्थियों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करना।

अगले 5वर्षों के कार्य

1. उद्योग-अकादमिक परस्पर संबंध को मजबूत बनाना ;और समझौता ज्ञापनों ,कार्यशालाओं ,आमंत्रित व्याख्यानों , क्षेत्र यात्राओं आदि के माध्यम से हितधारकों के साथ सहयोग स्थापित करना।

2. पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग को पर्यटन और आतिथ्य प्रबंधन विद्यालय में स्थापित करना।

3. अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों ,सेमिनारों और कार्यशालाओं का आयोजन करना।

4. विभाग का शोध जर्नल प्रारंभ करना।

5. टूरिज्म इनक्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर शुरू करना। बीएचक्यूएफ और एसएचएन।

➢ प्रस्तावित पाठ्यक्रम

- एमबीए
- बी वॉकटीएम
- पीएचडी

➢ संकाय विवरण:-

क्रमांक सं.	नाम	पद	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	डॉ .अमित	वरिष्ठ सहायक आचार्य	पर्यटन शिक्षा ,समुदाय आधारित पर्यटन ,स्मार्ट

	गंगोटिया		पर्यटन ,अनुभवात्मक पर्यटन ,पर्यटन नीति और योजना
2	डॉ.भारती गुप्ता	वरिष्ठ सहायक आचार्य	संस्कृति और विरासत ,रचनात्मक पर्यटन ,शांति पर्यटन ,सतत पर्यटन विकास,
3	डॉ .रंजीत कुमार रमन	वरिष्ठ सहायक आचार्य	गंतव्य प्रबंधन ,उद्यमिता और उद्यम निर्माण
4	श्री राहुल ठाकुर	वरिष्ठ सहायक आचार्य	एडवेंचर टूरिज्म ,इवेंट मैनेजमेंट ,डेस्टिनेशन मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग
5	श्री मनजीत सिंह	सहायक आचार्य	पर्यटन संचालन
6	डॉ.रबिन्दर सिंह	सहायक आचार्य	मार्केटिंग ,डिजिटल मार्केटिंग ,अकाउंट्स और फाइनेंस

➢ **अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/वेबिनारों का आयोजन :**

1. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर **8** मार्च **2022** को पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग ने दो कार्यक्रमों का आयोजन किया। पहला कार्यक्रम वृक्षारोपण समारोह था, इसमें बिजनेस विद्यालय के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, विभाग के संकाय और छात्र शामिल थे। दूसरा कार्यक्रम" जेंडर इक्वेलिटी टुडे फॉर ए सस्टेनेबल टुमॉरो "विषय पर आयोजित एक वेबिनार था ,जो पर्यटन क्षेत्र में महिलाओं के लिए उद्यमशीलता के अवसरों और चुनौतियों पर केंद्रित था। डॉ.पारुल जसरोटिया मुख्य वक्ता थीं
2. महामारी के दौरान विभाग ने 10 फरवरी 2022 को ऑनलाइन कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया , जिसमें बीवीओसी , पर्यटन प्रबंधन के तीन छात्रों को थ्रिलोफिला से नौकरी का प्रस्ताव मिला।

3. पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग ने 27 सितंबर को पड़ने वाले विश्व पर्यटन दिवस के उत्सव को चिह्नित करते हुए 26 - 27 सितंबर से दो दिवसीय ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी , यात्रावाद - 2021 मनाया । ट्रैवलिजम-2021 (26 सितंबर , 2021) का आयोजन पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा विश्व पर्यटन दिवस समारोह (27 सितंबर 2021) की पूर्व संध्या पर सुश्री सुरभि दधीची, अध्यक्ष-वरिष्ठ महिला क्रिकेट चयन द्वारा किया गया था। समिति, जम्मू-कश्मीर, बीसीसीआई विषय पर: "फिट इंडिया, हिट इंडिया": एक सफल पेशेवर और खिलाड़ी बनने के लिए क्या करना चाहिए? और श्री जीवन वर्मा, गोपाल रतन अवार्डी, स्वयंसेवी निदेशक, सामाजिक उत्थान के लिए ग्रामीण अवसर (आरओएसई) ने " मेरा गांव, मेरे आड़ू-ग्रामीण पर्यटन के योद्धा" पर एक व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता थे श्री परवेज दीवान (पूर्व सचिव, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार), श्री सलीम बेग (संयोजक, INTACH, जम्मू-कश्मीर), प्रो. फ्लाविया स्टारा (मैकेराटा विश्वविद्यालय, इटली), सुश्री सुरभि दधीची (अध्यक्ष-वरिष्ठ महिला क्रिकेट

चयन समिति, जम्मू-कश्मीर, बीसीसीआई) श्री जीवन लाल वर्मा (निदेशक, सामाजिक उत्थान के लिए ग्रामीण संगठन), श्री नवीन कुमार, श्री पांकी सूद और श्री वैभव शर्मा (उद्योग विशेषज्ञ)।

4. सफलतापूर्वक आयोजित - ऑनलाइन दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार 15-16 मई, 2021 को "विद्यालय और स्नातक स्तर पर पर्यटन में व्यावसायिक शिक्षा की प्रभावशीलता: आधुनिक्ता" विषय पर आईसीएसएसआर के तहत, विभागाध्यक्ष अनुसंधान परियोजना डॉ. अमित को सम्मानित किया गया पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित गंगोटिया (परियोजना निदेशक)।

6. प्रख्यात व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान का आयोजन:

1) 22 फरवरी 2022 को, उद्योग-एकेडमिया बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें श्री अतुल महाजन, सह-संस्थापक और निदेशक, एवीएम ट्रैवल डिज़ाइनर्स प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा यूपी ने एमबीए (टीटीएम) प्रथम सत्र और बीवीओसी (टीएम) प्रथम सत्र के छात्रों के साथ बातचीत की।
2) 25 जनवरी 2022 को, उद्योग-अकादमी सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें श्री करण सिंह सीनियर, ड्रीम राइडर्स मोटोटूरिंग एलएलपी, अहमदाबाद में सेल्स एक्जीक्यूटिव ने एमबीए (टीटीएम) चौथे सत्र और एमबीए (टीटीएम) प्रथम सत्र के छात्रों के साथ बातचीत की।
3) 17 नवंबर 2021 को विभाग ने एक प्रतिष्ठित वक्ता मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) गोवर्धन सिंह जम्वाल (एवीएसएम) जो भारत के राष्ट्रपति के पूर्व मिलिटरी सचिव, पूर्व सदस्य, जम्मू-कश्मीर विधान परिषद और अध्यक्ष, जम्मू-कश्मीर पूर्व-सेवा लीग, "राह्या सुचानी, सांबा, जम्मू-कश्मीर की विरासत " विषय पर का एक ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया।

➢ **संकाय उपलब्धियां**

डॉ .अमित गंगोटिया

1. यूजीसी- मानव संसाधन विकास केंद्र, उत्तर पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय इस विषय पर विश्वविद्यालय और कॉलेज के शिक्षकों के लिए पर्यटन और आतिथ्य और प्रबंधन पर ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम **(2-15** दिसंबर, **2021)** में व्यक्ति संसाधन के रूप में एक दिया भाषण। **: 3** दिसंबर, **2021** को "शिक्षा कमाई के लिए समकालीन कौशल कुशलता"।
2. **27** सितंबर को, **2021**विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर पर्यटन और आतिथ्य प्रबंधन विभाग, हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय (एचपीटीयू) द्वारा ऑनलाइन वेबिनार के लिए संसाधन व्यक्ति/आमंत्रित अध्यक्ष के रूप में एक भाषण दिया गया जिसका विषय था: "समावेशी विकास के लिए पर्यटन" ।
3. **23** सितंबर, **2021** को वेबिनार श्रृंखला में एक मुख्य वक्ता के रूप में, टूरिज़म ट्रिगर्थ कार्निवल (टीटीसी **2021) 23** सितंबर, **2021** को गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश द्वारा आयोजित ऑनलाइन मोड के माध्यम से इस विषय पर एक भाषण दिया: "द क्वेस्ट टू ट्रांसफॉर्म: एन अल्टीमेट जर्नी "पब्लिक स्पीकिंग" विषय पर।

4. पर्यटन कॉन्क्लेव **2021** के दौरान मुख्य पैनलिस्ट के रूप में, व्यावसायिक अध्ययन संस्थान (पर्यटन), हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय **10** से **11** दिसंबर, **2021** तक "पर्यटन सम्मेलन: हिमाचल प्रदेश में पर्यटन के विकास के लिए रोडमैप" विषय पर एक भाषण दिया।
5. मानविकी और सामाजिक विज्ञान संकाय ,यात्रा और पर्यटन विभाग ,विश्वकर्मा विश्वविद्यालय पुणे द्वारा आयोजित शनिवार 22जनवरी ,**2022** को "एक सफल सेवा पेशेवर बनने के लिए क्या आवश्यक है "विषय पर अतिथि वक्ता के रूप में एक ऑनलाइन भाषण दिया।
6. मानवता के समग्र विकास (एसएचओडीएच) फाउंडेशन, हिमाचल प्रदेश द्वारा **25** जनवरी, **2022** को राष्ट्रीय पर्यटन दिवस **2022** को #आजादी_का_अमृत_महोत्सव के तत्वावधान में आयोजित वेबिनार में विशिष्ट वक्ता के रूप में विषय: भारतीय पर्यटन: चुनौतियां और अवसर पर एक भाषण दिया।
7. सीबीएसआई के तहत डीएचई पीईटी के तहत 29 अप्रैल, 2021 से 23 जून, 2021 तक ऑनलाइन माध्यम से जीडीसी उधमपुर में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा संसाधन होने के नाते पर्यटन प्रबंधन पर संचार और सॉफ्ट कौशल विकास पर चल रहा प्रशिक्षण कार्यक्रम पर **24** ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किए गए।
8. **7** अप्रैल, **2021** को ऑनलाइन सेवा पेशेवरों के लिए सॉफ्ट स्किल्स का महत्व विषय पर व्याख्यान दिया गया।
9. **28** अप्रैल, **2021** जम्मू के एसएचटीएम विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए "सेवा पेशेवरों द्वारा आवश्यक कौशल सेट" विषय परऑनलाइन व्याख्यान दिया ।
10. **19** मार्च, **2021- 22** मार्च, **2021** के बीच जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जा रहे "सॉफ्ट स्किल्स एवं पर्सनैलिटी डेवलपमेंट" पर डिग्री कॉलेज फॉर विमेन कठुआ में **08** सत्र आयोजित किए गए।
11. **19** मार्च, **2021** को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जा रहे "सॉफ्ट स्किल्स एवं पर्सनैलिटी डेवलपमेंट" पर पुरुष डिग्री कॉलेज, कठुआ **02** सत्र आयोजित किए गए।
12. यूजीसी -मानव संसाधन विकास केंद्र ,एचपीयू ,शिमला से 09-**08-2021** से 21-**08-2021** तक वाणिज्य और व्यवसाय प्रबंधन में "ए "ग्रेड के साथ 2 सप्ताह का ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।
13. शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में निर्मला कॉलेज शिक्षकों के लिए पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन और के सहयोग से टीचिंग लर्निंग सेंटर रामानुजन कॉलेज (नैक द्वारा मान्यता प्राप्त ग्रेड 'ए') दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो सप्ताह के ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स / एफडीपी (**21** सितंबर, **2021- 05** अक्टूबर, **2021**) को सफलतापूर्वक पूरा किया।
14. ए+" ग्रेडिंग के साथ मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी) प्लेटफॉर्म स्वयं के माध्यम से शिक्षण।
15. मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (मूक) प्लेटफॉर्म स्वयं के माध्यम से "**A**+" ग्रेडिंग के साथ शिक्षण।
16. यूजीसी -मानव संसाधन विकास केंद्र ,एचपीयू ,शिमला से 09-**08-2021** से 08-21-**2021** तक वाणिज्य और व्यवसाय प्रबंधन में "ए "ग्रेड के साथ 2सप्ताह का ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।
17. शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में निर्मला कॉलेज के सहयोग से टीचिंग लर्निंग सेंटर रामानुजन कॉलेज (नैक द्वारा मान्यता प्राप्त ग्रेड 'ए') दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो सप्ताह के ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स / एफडीपी (**21**

सितंबर, **2021- 05** अक्टूबर, **2021)** को सफलतापूर्वक पूरा किया। पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एवं टीचिंग ऑन मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी) प्लेटफॉर्म स्वयं "ए प्लस" ग्रेडिंग के साथ।

डॉ.भारती गुप्ता

1. स्कूल ऑफ बिजनेस एवं मैनेजमेंट, क्राइस्ट (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय) बंगलौर द्वारा **22** मार्च **2022** से **26** मार्च **2022** तक आयोजित "क्वालिटेटिव रिसर्च स्टडी एवं डेटा एनालिसिस यूजिंग एनवीवो" पर पांच दिवसीय कार्यशाला को सफलतापूर्वक पूरा किया।
2. इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग टेक्नोलॉजी एवं एप्लाइड न्यूट्रिशन, रांची, झारखंड द्वारा आयोजित यात्रा, पर्यटन, आतिथ्य और संस्कृति **-2022** (आईसीटीटीएचसी-**2022)** पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में **12** मार्च **2022** को एक कार्यशाला में आमंत्रित वक्ता के रूप में चर्चा की।
3. टीचिंग लर्निंग सेंटर ,रामानुजन कॉलेज ,दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ग्रेड ए के साथ 21फरवरी-**05** मार्च 2022से आयोजित "रिसर्च मेथडोलॉजी एवं डेटा एनालिसिस "पर दो सप्ताह का इंटरडिसिप्लिनरी रिफ्रेशर कोर्स सफलतापूर्वक पूरा किया।
4. आयोग की नीति ने प्रधान अन्वेषक (दृष्टिकोण) के रूप में परियोजना रिपोर्ट, पहाड़ियों में पर्यावरण के अनुकूल और लागत प्रभावी पर्यटन का विकास, यूजीसी स्ट्राइड द्वारा भारतीय हिमालयी क्षेत्र (सीसीसीयूआईएसीएचआर) में केंद्रीय विश्वविद्यालयों के संघ के तहत एक सहयोगी अनुसंधान परियोजना का अवलोकन किया।
5. स्कूल ऑफ टूरिज्म एवं हॉस्पिटैलिटी सर्विसेज मैनेजमेंट के "टीएस **3-** मैनेजमेंट इन टूरिज्म" पाठ्यक्रमों पर इग्नू अध्ययन सामग्री के लिए वीडियो आधारित ई-कंटेंट बनाया गया। टीएस-**3** पाठ्यक्रम भारत सरकार के स्वयं प्लेटफॉर्म पर पेश किए जाने वाले विशाल ऑनलाइन ओपन कोर्स (मूक) में से एक है। प्रत्येक वीडियो दो क्वाड्रंट से मेल खाता है (क्वाड्रेंट **1,** ई-ट्यूटोरियल और क्वाड्रेंट **-3,** असेसमेंट)
6. अप्रैल, **2021** से जून, **2021** के दौरान डीएचई पीईटी परियोजना के तहत जीडीसी बुढल (राजौरी) में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पर्यटन प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए "पर्यटन उत्पाद और सेवाएं" पर **27** ऑनलाइन व्याख्यान वितरित किए।
7. "जर्नल ऑफ टूरिज्म "के दिसंबर 2021अंक के एक शोध पत्र की समीक्षा की।
8. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान ,श्रीनगर में 7-**11** सितंबर को आयोजित बेहतर जीवन के लिए नैनो प्रौद्योगिकी पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्नवय और एक अध्यक्षता की।
9. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ,श्रीनगर में 7से 11सितंबर तक आयोजित बेहतर जीवन के लिए नैनो टेक्नोलॉजी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भावनाओं की प्रासंगिकता "पर एक वार्ता में भाग लिया।
10. सेंटर फॉर हॉस्पिटैलिटी एवं टूरिज्म ,बीजीएसबी विश्वविद्यालय ,राजौरी ,जम्मू-कश्मीर द्वारा आयोजित "भारत में हॉस्पिटैलिटी एवं टूरिज्म इंडस्ट्री पर कोविड**19** के प्रभाव "पर 16अप्रैल 2021को राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।
11. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश में **27** मई से **31** मई **2021** तक " शिक्षण शिक्षण और प्रभावशाली अनुसंधान के लिए अभिनव तकनीक" पर पांच दिनों की एआईसीटीई ट्रेनिंग एवं लर्निंग (एटीएएल) अकादमी ऑनलाइन प्राथमिक एफडीपी में भाग लिया और पूरा किया।

12. अप्रैल, **2021** से जून **2021** के दौरान डीएचई पीईटी परियोजना के तहत जीडीसी बुढल (राजौरी) में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पर्यटन प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए "पर्यटन उत्पाद और सेवाएं" पर **27** ऑनलाइन व्याख्यान दिए गए।
13. "जर्नल ऑफ टूरिज्म "के दिसंबर 2021अंक के एक शोध पत्र की समीक्षा की
14. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान ,श्रीनगर में 7से 11सितंबर तक बेहतर जीवन के लिए नैनो प्रौद्योगिकी पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में समन्वय और सत्र अध्यक्षता की।
15. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ,श्रीनगर में 7-**11** सितंबर 2021को आयोजित बेहतर जीवन के लिए नैनो टेक्नोलॉजी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भावनाओं की प्रासंगिकता "पर एक वार्ता में भाग लिया और प्रस्तुत किया।
16. सेंटर फॉर हॉस्पिटैलिटी एवं टूरिज्म ,बीजीएसबी विश्वविद्यालय ,राजौरी ,जम्मू-कश्मीर द्वारा आयोजित "भारत में हॉस्पिटैलिटी एवं टूरिज्म इंडस्ट्री पर कोविड**19** के प्रभाव "पर 16अप्रैल 2021को राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।
17. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश में **27** मई से **31** मई **2021** तक " शिक्षण और प्रभावशाली अनुसंधान के लिए नवीन तकनीकों" पर पांच दिनों के एआईसीटीई प्रशिक्षण और शिक्षण (एटीएएल) अकादमी ऑनलाइन प्राथमिक एफडीपी में भाग लिया और पूरा किया।
18. **7** जून से **11** जून **2021** तक सेंटर फॉर लाइफ स्किल्स एवं सॉफ्ट स्किल्स (सीएलएएस), एमडी विश्वविद्यालय , रोहतक में "आनंदमय जीवन के लिए जीवन कौशल" पर पांच दिनों की एआईसीटीई ट्रेनिंग एवं लर्निंग (एटीएएल) अकादमी ऑनलाइन प्राथमिक एफडीपी में भाग लिया और पूरा किया।
19. फैकल्टी इंडक्शन डेवलपमेंट सेल (एफआईडीसी), जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से व्यवसाय अध्ययन विद्यालय द्वारा आयोजित **15 -30** जून **2021** से आयोजित अनुसंधान पद्धति पर **16** दिनों की राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
20. मुंबई विश्वविद्यालय के सहयोग से लाला लाजपतराय कॉलेज ऑफ कॉमर्स एवं इकोनॉमिक्स द्वारा आयोजित ऑनलाइन अनुसंधान संसाधन और नैतिक अखंडता पर दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ .रंजीत कुमार रमन

1. नीति आयोग द्वारा परिकल्पित परियोजना के सह प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर (को पीआई) के रूप में रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसका नाम हिल्स में इकोफ्रेंडली और कॉस्ट इफेक्टिव टूरिज्म का विकास, भारतीय हिमालयी क्षेत्र में केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कंसोर्टियम (सीसीयूआइएचआर) के तहत सहयोगी अनुसंधान परियोजना, यूजीसी स्ट्राईड, घटक-3 द्वारा प्रायोजित किया गया था।

2. इग्नू, नई दिल्ली द्वारा सौंपा गया बीवीओसी (पर्यटन प्रबंधन)के लिए पर्यटन क्षेत्र में सहभागिता पर पाठ्यक्रम : आधुनिक पर्यटन की रूपरेखा ई-मॉड्यूल विकसित किया गया है।

3. प्रकाशन में अनुसंधान नैतिकता पर पुस्तक के 'आइडेंटिफाइंग प्रीडेटरी जर्नल्स 'अध्याय के लिए एक समीक्षक के रूप में काम किया।

4. 16 से 22 मार्च 2021 के दौरान पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एवं टीचिंग, एमएचआरडी, जीओआई की योजना के तहत शिक्षा विद्यालय , जम्मू केंद्रीय विश्वीविद्यालय द्वारा आयोजित शिक्षण और शिक्षा के लिए मूल्यांकन और मूल्यांकन में उभरते रुझानों पर एक सप्ताह का एफडीपी पूरा किया।

5. अप्रैल ,2021 से जून ,2021 के दौरान डीएचई पीईटी परियोजना के तहत जीडीसी उधमपुर में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पर्यटन प्रबंधन पर ट्रैवल एजेंसी और टूर संचालन प्रबंधन पर चल रहा प्रशिक्षण कार्यक्रम पर 17ऑनलाइन व्याख्यान दिए गए।

6. जुलाई 2021को गुलिस्तान न्यूज द्वारा 'नवयुग 'टीवी शो में पर्यटन विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

7. 27जुलाई ,2021 को केस मेथड फोरम फॉर मैनेजमेंट द्वारा आयोजित फिलॉसफी ऑफ रिसर्च एवं द साइंटिफिक मेरिट ऑफ केस मेथड पर वर्चुअल सम्मेलन में भाग लिया।

8. 29 जुलाई, 2021 को केस मेथड फोरम फॉर मैनेजमेंट द्वारा आयोजित क्राफ्टिंग थ्योरी लिंक्ड केस पर वर्चुअल सम्मेलन में भाग लिया।

9. 09 से 13 अगस्त, 2021 के दौरान इग्नू, अमरकंटक द्वारा आयोजित टूर पैकेजिंग मैनेजमेंट पर एआईसीटीई ट्रेनिंग एवं लर्निंग एकेडमी (अटल) ऑनलाइन एफडीपी को पूरा किया।

10. 14अगस्त 2021को इनक्यूबेशन सेंटर-राजा रमन्ना सेंटर फॉर एडवांस टेक्नोलॉजी और आईआईटी ,इंदौर द्वारा संयुक्त रूप से लैब-टू-लैंड इकोसिस्टम बनाने पर ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

11. 26-27 अगस्त 2021को आईआईएम शिलांग द्वारा आयोजित कृषि ,खाद्य प्रसंस्करण और बागवानी व्यवसाय के लिए उभरती डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर आभासी कार्यशाला में भाग लिया।

12. ए जर्नी टू सेल्फ-रियलाइज़ेशन :लर्निंग फ्रॉम फ़ेलर्स एवं सक्सेस स्टोरीज़ पर एक ऑनलाइन लेक्चर सीरीज़ में भाग लिया ,जिसे एमराल्ड पब्लिशिंग और कर्टिन विश्वविद्यालय ,मलेशिया द्वारा संयुक्त रूप से 6और 8सितंबर ,2021 को आयोजित किया गया।

13. 17सितंबर 2021को एमराल्ड पब्लिशिंग ,सनवे विश्वविद्यालय बिजनेस विद्यालय और जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इंटरनेशनल केस कॉन्फ्रेंस प्रीव्यू में भाग लिया।

14. 24-25 सितंबर, 2021 को माइंडलर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रमाणित कैरियर कोच (आईसीसीसी) फाउंडेशन स्तर के कार्यक्रम का सफलतापूर्वक पूरा किया गया ।

श्री राहुल ठाकुर

1. **16 से 22 मार्च, 2021** तक एक सप्ताह का शिक्षा विद्यालय , जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "शिक्षण एवं शिक्षा के लिए मुल्यांकन एवं मुल्यांकन में उभरते रुझान " पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन, मानव संसाधन और विकास मंत्रालय, भारत सरकार की योजना के तहत ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) पूरा किया।

2. श्री राहुल ठाकुर वर्तमान में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय से पीएच.डी की उपाधि प्राप्त कर रहे हैं।

3. सीबीएसआई के तहत डीएचई पीईटी के तहत 27अप्रैल ,2021 से 23जून ,2021 तक ऑनलाइन मोड के माध्यम से जीडीसी उधमपुर ,जम्मू-कश्मीर में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पर्यटन प्रबंधन पर पर्यटन उत्पाद और सेवाओं पर चल रहा प्रशिक्षण कार्यक्रम पर 20ऑनलाइन व्याख्यान दिए गए।

श्री मनजीत सिंह

1. एमडीयू सेंटर फॉर प्रोफेशनल एवं एलाइड स्टडीज में "क्वालिटी एचईआई के लिए शैक्षणिक नेताओं का विकास" पर एआईसीटीई ट्रेनिंग एवं लर्निंग (एटीएएल) अकादमी ऑनलाइन प्राथमिक एफडीपी को सफलतापूर्वक पूरा किया और पूरा किया।
2. जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ,लखनऊ में "एडवांस्ड बिजनेस एनालिटिक्स ""उन्नत व्यापार विश्लेषिकी" ऑनलाइन प्राथमिक एफडीपी में भाग लिया और सफलतापूर्वक पूरा किया।
3. पेटेंट संख्या :**2021105493** के तहत ऑस्ट्रेलियाई सरकार से नवाचार पेटेंट का अनुदान प्राप्त किया

➢ **संकाय प्रकाशन**

1. डॉ.अमित गंगोटिया ने "हिमाचल प्रदेश, भारत के विद्यालयों और कॉलेजों में पर्यटन में व्यावसायिक शिक्षा: प्रशिक्षकों द्वारा सामना की गई चुनौतियों पर एक गुणात्मक जांच" शीर्षक से जर्नल ऑफ टीचिंग इन ट्रैवल एवं टूरिज्म, प्रिंट आईएसएसएन: 1531-3220, ऑनलाइनआईएसएसएन प्रकाशित किया। :1531-3239, डीओआई: https://doi.org/10.1080/15313220.2021.2010164, स्कोपस, ऑस्ट्रेलियन बिजनेस अधिष्ठाता काउंसिल (एबीडीसी) जर्नल गुणवत्ता सूची - बी. लेखक (डॉ. अमित गंगोटिया, श्री केतन भट्ट, मि. सौरभ कुमार)
2. डॉ. अमित गंगोटिया ने द रूटलेज हैंडबुक ऑफ कम्युनिटी-बेस्ड टूरिज्म मैनेजमेंट, कॉन्सेप्ट्स, इश्यूज एवं इंप्लीकेशंस में "अंडरस्टैंडिंग द फैसिलिटेटर्स एवं इनहिबिटर्स ऑफ कम्युनिटी-बेस्ड टूरिज्म: ए केस स्टडी ऑफ धर्मशाला", 2021, आईएसबीएन: 978 शीर्षक से लेख प्रकाशित किया। -0-367-22391-5 (एचबीके), आईएसबीएन: 978-0-429-27466-4 (ईबीके) पृष्ठ संख्या 39-45। लेखक: (अरुदित्य जसरोटिया और डॉ. अमित गंगोटिया)
3. डॉ .भारती गुप्ता ने समाचार पत्र डेली एक्सेलसियर दिनांक 27सितंबर 2021में "समावेशी विकास के लिए पर्यटन : विश्व पर्यटन दिवस 2021" पर एक समाचार पत्र लेख प्रकाशित किया।

4. डॉ.रबिन्दर सिंह ने सह-लेखक के रूप में लेख शीर्षक सह-निर्माण :इंटरफेस फॉर ऑनलाइन अफेक्टिव एक्सपीरियंस एवं रीपरचेज इंटेंट इन एबीडीसी ,बी रैंक जर्नल-इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एवं इकोनॉमिक्स 20(2021) 161-185 प्रकाशित किया।
5. डॉ.रबिन्दर सिंह ने लेख शीर्षक के साथ सह-लेखक के रूप में लेख प्रकाशित किया ,सोशल लोनलीनेस और ऑनलाइन सोशल इंटरेक्शन के लिए वरीयता के बीच व्हाट्सएप की लत का मध्यस्थता प्रभाव :Q2 रैंक वाली पत्रिका में एक क्रॉस-सांस्कृतिक अध्ययन -ग्लोबल बिजनेस रिव्यू
6. डॉ.रबिन्दर सिंह ने सह-लेखक के रूप में लेख शीर्षक रोल ऑफ इंटरनल मार्केटिंग इन डिटरमिनिंग एकेडमिक स्टाफ जॉब सैटिस्फैक्शन इन हायर एजुकेशन जर्नल -गुरुकुल बिजनेस रिव्यू में प्रकाशित किया।
7. डॉ.रवींद्र सिंह ने पहले लेखक के रूप में लेख शीर्षक के साथ लेख प्रकाशित किया उद्यमी सफलता पर सूक्ष्म और मैक्रो पर्यावरण का प्रभाव :जर्नल में जम्मू-कश्मीर एमएसएमई का मामला -एफआईआईबी बिजनेस रिव्यू
8. श्री मंजीत सिंह ने आईजीआई ग्लोबल पब्लिकेशंस ,यूएसए के माध्यम से "मेडिकल टूरिज्म इंडस्ट्री एवं इट्स इम्पैक्ट ऑन सोसाइटी :इमर्जिंग रिसर्च एवं अपॉर्चुनिटीज) "मंजीत सिंह और सुब्बारामन कुमारन (आईएसबीएन :978-1-799-83427-4 पुस्तक प्रकाशित की।
9. श्री मंजीत सिंह ने सह-लेखक के रूप में "केरल में बजट होटलों की कर्मचारी नौकरी संतुष्टि में मानव संसाधन प्रबंधन " शीर्षक के साथ लेख प्रकाशित किया ,पर्यटन और आतिथ्य के उभरते पहलुओं में ,राष्ट्रीय पर्यटन और आतिथ्य प्रबंधन संस्थान से एक सहकर्मी की समीक्षा की पत्रिका ,हैदराबाद आईएसएसएन 6213-2231

- **आईआईएसएन संख्या/आरआईएन संख्या/आईएसबीएन संख्या" के साथ संकाय प्रकाशन**

क्रम संख्या	लेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन संख्या/आरआईएन संख्या/आईएसबीएन संख्या	प्रकाशन का वर्ष
1	हिमाचल प्रदेश ,भारत के विद्यालयों और कॉलेजों में पर्यटन में व्यावसायिक शिक्षा :प्रशिक्षकों के सामने आने वाली चुनौतियों पर एक गुणात्मक जांच	ऑनलाइनआईएसएसएन 3239-1531:	2021
2	समुदाय आधारित पर्यटन के सूत्रधारों और अवरोधकों को समझना :धर्मशाला का एक केस स्टडी	आईएसबीएन **:978-0-367-22391-5** (एचबीके), आईएसबीएन **: 978-0-429-27466-4** (ईबीके)	2021
3	सह-निर्माण :ऑनलाइन प्रभावशाली अनुभव और पुनर्खरीद के उद्देश्य के लिए इंटरफ़ेस	आईएसएसएन ऑनलाइन : 9869-1756	2021

4	सामाजिक अकेलेपन और ऑनलाइन सामाजिक संपर्क के लिए वरीयता के बीच व्हाट्सएप की लत का मध्यस्थता प्रभाव :एक क्रॉस-सांस्कृतिक अध्ययन	आईएसएसएन : 09730664	2021
5	उच्च शिक्षा में अकादमिक स्टाफ की नौकरी की संतुष्टि का निर्धारण करने में आंतरिक विपणन की भूमिका	आईएसएसएन-0973 : 1466	2021
6	सूक्ष्म और स्थूल पर्यावरण का प्रभाव :जम्मू-कश्मीर एमएसएमई का अध्ययन	आईएसएसएन : 23197145	2021
7	चिकित्सा पर्यटन उद्योग का विकास और समाज पर इसका प्रभाव :उभरते अनुसंधान और अवसर	आईएसबीएन-1-978 : 4-83427-799	2021
8	केरल में बजट होटलों की कर्मचारियों की नौकरी से संतुष्टि में मानव संसाधन प्रबंधन	आईएसएसएन -2231 6213	2021

- 2021-2022 **में नई परियोजना अनुसंधान परियोजना का विवरण**

क्रम सं.	स्वीकृति का वर्ष	निधीयन एजेंसी	परियोजनाओं की स्थिति
1	पूर्व में प्रदान की गई परियोजना का 2022में एक वर्ष का विस्तार	सीयूजे	चल रहा

- **छात्रों की उपलब्धियों का विवरण**

➢ **सेट छात्रों का विवरण ।/नेट/केंद्र के जेआरएफ/विभाग**

क्रम सं.	**छात्र का नाम**	**आकलन एजेंसी**	**जेआरएफ/नेट/सेट**
1	सुमिरन माहेश्वरी	एनटीए	जेआरएफ
2	रोहित शर्मा	एनटीए	जेआरएफ
3	प्राची महाजन	एनटीए	नेट

विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग

विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग का अस्तित्व छह वर्षों से अधिक का है विभाग नए प्रबंधकों और निर्माताओं का निर्माण करता है जो समाज की चुनौतियों का अनुमान लगाने और उनसे निपटने के लिए सक्षम हों। विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग एक ऐसी जगह है जहाँ प्रतिभाशाली और प्रतिभावान लोग सामूहिक रूप से विभिन्न मुद्दों पर सार्थक संवाद, चर्चा और प्रवचन में संलग्न होते हैं और वास्तविक जीवन की समस्याओं के अभिनव समाधान तलाशते हैं। विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन का विकास हमारे मूल विश्वास में परिलक्षित होती है - सीखना सबसे अधिक फलदायी होता है जब विभिन्न विषयों और विविध पृष्ठभूमि के व्यक्तियों के ज्ञान और विशेषज्ञता को साझा किया जाता है। विविधता हमेशा विभाग का मुख्य आधार रही है क्योंकि यहां व्यावसायिक शिक्षा को अत्याधुनिक प्रदान किये जाने का प्रयास किया जाता है। नवाचार और उत्कृष्टता आधुनिक दुनिया में प्रगति की कुंजी है हमारे शोध ने हमारे पाठ्यक्रमों को और अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए निरंतर उन्नयन और शिक्षा और अनुसंधान के नए क्षेत्रों को जोड़ा है। खुलेपन की भावना रखना, सहभागिता और निष्पक्षता ने विभाग को ऐसी संस्कृति बनाने में मदद की है जो सीखने और निरंतर विकास के लिए अनुकूल है। पाठ्यक्रम को , मूल्यों को धारण करना, छिपी प्रतिभाओं की पहचान करना और शिक्षार्थियों को उनकी पूरी क्षमता का एहसास कराने के अवसर प्रदान करके विभाग शिक्षार्थियों को उनके ज्ञान और कौशल को बढाने में विश्वास रखता है। विभाग शिक्षार्थियों के बीच जांच की वैज्ञानिक भावना को बढ़ावा देने और मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करके उन्हें नेताओं और जिम्मेदार नागरिकों में आकार देने पर विचार करता है, जो समाज में परिवर्तन निर्माताओं की भूमिका निभाएंगे।

एमएससीएम विभाग दो साल का पूर्णकालिक एमबीए (मार्केटिंग मैनेजमेंट) और पीएचडी (मार्केटिंग मैनेजमेंट) पाठ्यक्रम प्रस्तावित कर रहा है। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य शिक्षार्थियों को बदलते और चुनौतीपूर्ण सामाजिक/व्यावसायिक परिदृश्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए सामान्य रूप से समकालीन व्यापार और विशेष रूप से विपणन प्रबंधन के लिए प्रासंगिक बहुमुखी कौशल से लैस करना है। विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग ने 2016 से युवा लड़कों और लड़कियों को प्रशिक्षण देने के इरादे से काम करना शुरू किया, जो विपणन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन की प्रशासनिक, प्रबंधकीय और उद्यमशीलता की चुनौतियों का सामना करने के लिए सबसे उपयुक्त होंगे। कार्यक्रम सामान्य प्रबंधन और उद्योग संचालित पाठ्यक्रम को शामिल करता है जो छात्रों को व्यावसायिक घरानों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों दोनों की सेवा के लिए विश्लेषणात्मक, रणनीतिक और नीति-निर्माण कौशल प्रदान करता है। व्यवहारिक शिक्षाशास्त्र में मामले को प्रस्तुत करना, समूह चर्चा और विभिन्न उत्कृष्टता केंद्रों के अधिकारियों और वरिष्ठ संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित सम्मेलन और कार्यशाला के माध्यम से वास्तविक जीवन की स्थिति के संपर्क के माध्यम से सक्रिय छात्र सहभागिता के साथ परस्पर संवादात्मक कक्षा सत्र शामिल हैं। अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और तेजी से बदलते कारोबारी माहौल के अनुरूप पाठ्यक्रम और शिक्षण शिक्षण को सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है। उत्कृष्टता की खोज में, विभाग विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के लिए कई पहल कर रहा है।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम : एमबीए (विपणन प्रबंधन) और पीएचडी (विपणन प्रबंधन)

➢ **संकाय विवरण-:**

क्रम सं.	नाम	पद	विशेषज्ञता का क्षेत्र
01	डॉ.शाहिद मुश्ताक	प्रभारी विभागाध्यक्ष	एचआरएम/विपणन
02	डॉ.नरेश शर्मा	सहायक आचार्य	मार्केटिंग/वित्त
03	डॉ.सलिल सेठ	सहायक आचार्य	मार्केटिंग/एचआर
04	डॉ.अंजू थापा	सहायक आचार्य	मार्केटिंग/एससीएम
05	डॉ.संदीप चिब	अतिथि संकाय	वित्त/विपणन

➢ **विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठि/कार्यशालायें/वेबिनार**

❖ **20-12-2021 को "ग्रामीण उद्यमिता विकास" पर कार्यशाला**

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तहत महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के सहयोग से विपणन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग ने छात्रों और शोधार्थियों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शिक्षार्थियों को ग्रामीण उद्यमिता पर एक व्यापक अभिविन्यास प्रदान करने का एक प्रयास था। इसका उद्देश्य शिक्षार्थियों को कौशल और ज्ञान प्रदान करना था , जो शिक्षार्थियों के बीच उद्यमशीलता के मूल्यों को विकसित करने के लिए आवश्यक हैं। यहाँ यह उल्लेख करना उचित होगा कि एमजीएनसीआरई एक उत्प्रेरक संगठन के रूप में ग्रामीण परिवर्तन और समावेशी विकास की शुरुआत करना चाहता है। सुश्री शिवाली चौधरी, जम्मू कश्मीर आरईडीसी, जम्मू कश्मीर केन्द्र शासित प्रदेश कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति थीं। उन्होंने शिक्षार्थियों को उद्यमिता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में बारीकियों के बारे में उपयोगी जानकारी प्रदान की। उन्होंने ग्रामीण आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए ग्राम आत्मनिर्भरता के दर्शन पर अपनी बात केंद्रित की और आत्मनिर्भर भारत के पांच स्तंभों को रेखांकित किया।

❖ **31-03-2022 से 01-04-2022** के मध्य छात्रों को रोजगार प्राप्त करने वालों से रोजगार प्रदान करने वालों बनने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए "उद्यमिता विकास" विषय से जम्मू और कश्मीर उद्यमिता विकास संस्थान (जेकेईडीआई), साम्बा द्वारा उद्यमिता विकास पर 2 दिवसीय स्टार्टअप और ऊष्मायन कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में विभाग के छात्र/शोध छात्र/संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

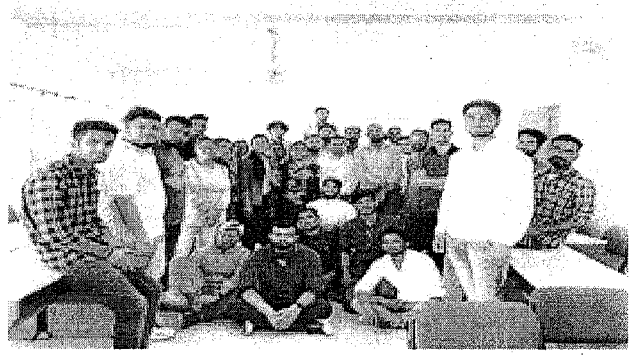

08-04-2022 को पाठ्यचर्या जीवन निर्माण (सीवी) पर कार्यशाला

छात्रों को कॉर्पोरेट जगत के लिए तैयार करने के लिए एक मजबूत और स्पष्ट संक्षिप्त की आवश्यकता होती है। उसके लिए जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के एचआरएम और ओबी विभाग की वरिष्ठ संकाय, डॉ. नीलिका अरोड़ा द्वारा एमबीए (विपणन प्रबंधन) के छात्रों के लिए सीवी निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

08-04-2022 को एसपीएसएस-28.00 का उपयोग करके आँकड़ा विश्लेषण पर कार्यशाला

सांख्यिकीय और आँकड़ा विश्लेषण ज्ञान प्रदान करने के लिए 08-04-2022 को विपणन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग के छात्रों, शोध छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए आईबीएम द्वारा एसपीएसएस 28.0 पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। आईबीएम एसपीएसएस 28.00 अनुमानित विश्लेषक सॉफ्टवेयर आँकड़े का विश्लेषण करने और उसमें सार्थक पैटर्न खोजने में मदद करने के लिए उपयोग में आसान पैकेज में उन्नत तकनीक प्रदान करता है। कार्यशाला का आयोजन विभाग द्वारा एसपीएसएस साउथ एशिया (प्रा.) लि. के सहयोग से किया गया

➢ **विशिष्ट व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान का आयोजन**

❖ भारतीय स्वतंत्रता के 75 गौरवशाली वर्षों को मनाने के लिए, 26-11-2021 को 'अज़ादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत विपणन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग के छात्रों के साथ-साथ सभी संकाय सदस्यों ने को "भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में स्वतंत्रता उपरांत भारतीय कंपनियों की भूमिका" पर बौद्धिक विचार-विमर्श कार्यक्रम का आयोजन किया।

❖ भारतीय स्वतंत्रता के 75 गौरवशाली वर्षों को मनाने के क्रम में, विपणन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग के छात्रों ने सभी संकाय सदस्यों के साथ 02-12-2021 को विभाग स्तरीय व्यापार प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता द्वारा 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाया।

❖ शिक्षाविदों के साथ उद्योग के अनुभव को मजबूत करते हुए, औद्योगिक विशेषज्ञता के सम्मिश्रण के साथ, विपणन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग (एमएससीएम), जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने समय-समय पर विभिन्न प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्तियों को आमंत्रित करके उत्कृष्टता के लिए अपनी प्रतिबद्धता को अलंकृत किया। श्री संदीप बंगोत्रा, उपाध्यक्ष-क्लस्टर बिजनेस लीडर-यस बैंक ने 04-03-2022 को छात्रों के साथ बातचीत की। उन्होंने व्यापारिक संगठनों में स्थिरता और प्रतिबद्धता के इर्द-गिर्द अपनी बात केंद्रित की।

❖ एमएससीएम विभाग छात्रों के करियर को गति देने और अक्षरशः 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' मनाने के लिए औद्योगिक अलंकरणों के साथ शिक्षाविदों को समामेलित करने के अपने प्रयासों को जारी रखे हुए है। एमएससीएम विभाग अकादमिक कौशल को तराशने के लिए उद्योग विशेषज्ञता को सहयोग करने का अपना प्रयास जारी रखता है। 30-03-2022 को छात्रों के साथ समृद्ध सत्र के लिए श्री अनिल सूरी, अध्यक्ष, भारतीय उद्योग संघ, जम्मू। महत्वपूर्ण बातचीत के माध्यम से छात्रों को संवारने के संदर्भ में एमबीए (विपणन प्रबंधन) के छात्रों के साथ बातचीत करने के बाद, श्री अनिल ने छात्रों के साथ अपने आनंदमय समृद्ध अनुभव साझा किए और करियर के सपने देखने और उन पेशेवर सपनों को साकार करने की दिशा में काम करने के सार पर प्रकाश डाला।

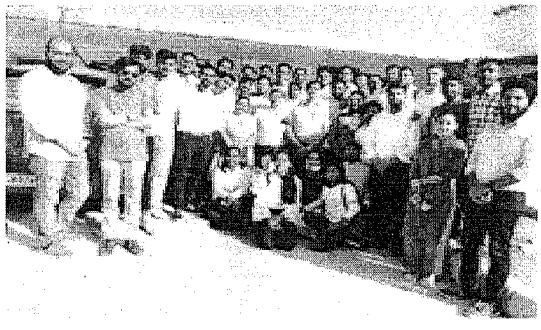

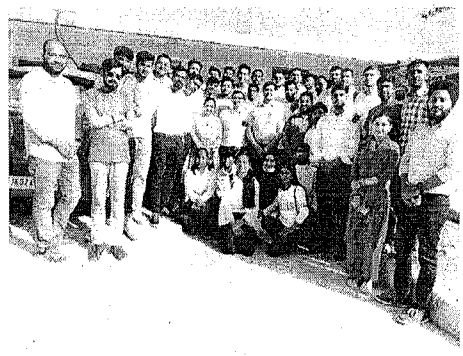

❖ **04-04-2022 को परिसर से व्यवसाय पर सत्र का आयोजन**

04-04-2022 को एमबीए (विपणन प्रबंधन) के छात्रों के लिए उनकी नियोजन की जरूरतों को पूरा करने के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए परिसर से व्यवसाय पर सत्र आयोजित किया गया। सत्र का आयोजन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) जम्मू-कश्मीर द्वारा ऑनलाइन मोड में किया गया। सत्र का फोकस छात्र के अपने परिसर के जीवन से व्यवसाय जगत में परिवर्तन पर था। श्री बेनी केहना सत्र के मुख्य संसाधन व्यक्ति थे। उन्होंने व्यवसाय वातावरण के लिए तैयार रहने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल पर अपनी बात केंद्रित की।

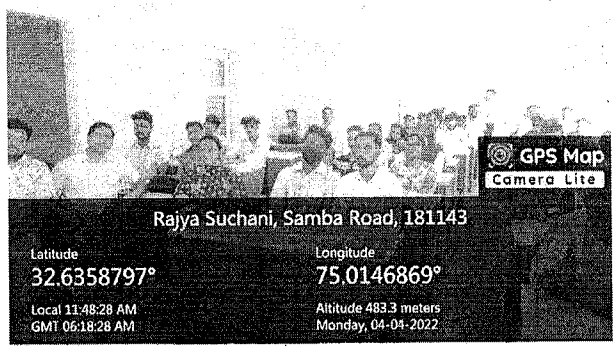

❖ **स्थानीय औद्योगिक इकाइयों का उद्योग/संसर्ग दौरा, 06-05-2022**

विपणन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 06 मई, 2022 को अपने छात्रों को औद्योगिक दौरे पर ले जाकर अपने उद्योग-शिक्षाविद पहुँच को बढ़ाने का कार्य किया। विभाग द्वारा पाँच ख्याति के विभिन्न संगठन- टीवीएस सुपर फिल्टर्स, जय बेवरेजेज लिमिटेड, यूफ्लेक्स अल्टीमेट लिमिटेड, जेकेईडीआई और बारी ब्राह्मण इंडस्ट्रियल एसोसिएशन, जम्मू में औद्योगिक दौरे के लिए छात्रों को ले जाने का एक प्रयास था। एमबीए (विपणन प्रबंधन) के छात्र यह देखकर उत्साहित थे कि उद्योग सैद्धांतिक प्रबंधन ज्ञान को कैसे व्यवहार में लाते हैं। छात्रों के लिए अधिक व्यावहारिक उद्योग उन्मुख समाधानों में कक्षा के व्याख्यानों का अनुवाद करने में सीखने का एक लंबा रास्ता तय करने का अनुमान है। प्रो. जया भसीन, संकायाध्यक्ष, व्यवसाय अध्ययन विद्यालय के कुशल मार्गदर्शन में डॉ. शाहिद मुश्ताक, विभागाध्यक्ष, विपणन विभाग और एससीएम द्वारा औद्योगिक दौरे की औपचारिकता की गई थी। इस

प्रयास में सभी संकाय सदस्यों ने छात्रों की मदद की।

➢ **संकाय दौरे /अध्योगिक दौरे/शैक्षणिक दौरे** – 01

➢ **वर्ष के दौरान संकाय की उपलब्धियाँ**

डॉ. शाहिद मुश्ताक ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन मैनेजमेंट स्कूल्स (एआईएमएस), हैदराबाद (8 अगस्त 2021) से 100000/- रुपये का एआईएमएस अनुसंधान व नवाचार साहचर्य अनुदान (एआरआईएफ़) प्राप्त किया।

➢ **संकाय का प्रकाशन**

क्र. सं.	पत्र/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन सं./आरआईएन सं./आईएसबीएन सं.	प्रकाशन वर्ष
1.	न्यूरो- विपणन: विपणन का एक अनिवार्य प्रतिस्पर्धी हथियार।	**1309-6591**	**2021**
2.	हरित रणनीतियों के माध्यम से समग्र संगठनात्मक लाभ: एक तकनीकी-कानूनी परिप्रेक्ष्य।	**0033-3077**	**2021**
3.	स्क्यूइंग से मुख्य धारा करियर पर बहुमुखी अभिविन्यास-प्रभाव।	**1965-0256**	**2021**
4.	सूचना प्रौद्योगिकी प्रथाओं और सूचना की भूमिका बैंकिंग क्षेत्र में प्रबंधन अभ्यास: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन	978-93-5515-047-9	**2021**
5.	नियोक्ता ब्रांड अनुभव और संगठनात्मक नागरिकता व्यवहार: कर्मचारी वचनबद्धता की मध्यस्थता भूमिका	1757-4323	**2021**

➢ **अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण**

क्र. सं.	अनुमोदन वर्ष	अनुदान आयोग	परियोजना की स्थिति
01	**2021**	डी/ओ जनजातीय मामले, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर	प्रगति पर
02	**2021**	केवीआईबी	प्रगति पर
03	**2021**	सीसीयूआईएचआर	पूर्ण
04	**2021**	सीसीयूआईएचआर	पूर्ण

➢ **छात्रों की उपलब्धियों का विवरण**

क्र. सं.	छात्र का नाम	जेआरएफ/नेट/सेट	वर्ष

1.	स्वतंत्र	नेट (प्रबंधन)	2021

➢ **विभाग / केंद्र के छात्रों और शोध छात्रों द्वारा प्राप्त उपलब्धियों का विवरण।**

- विपणन प्रबंधन विभाग के द्वितीय सत्र के छात्र श्री हितेश खजूरिया ने डीसीआरयूएसटी विश्वविद्यालय, सोनीपत में दिनांक **20-23** फरवरी **2022** के दौरान आयोजित अंतर-विश्विद्यालय बैडमिंटन प्रतियोगिता में भाग लिया।
- विपणन प्रबंधन विभाग के दूसरे सत्र के छात्र श्री अभिषेक आनंद ने **24-04-2021** को फंडामेंटल्स डिजिटल मार्केटिंग सर्टिफिकेट कोर्स को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।
- विपणन प्रबंधन विभाग के दूसरे सत्र के छात्र श्री दिवेश गावशिंदे ने **31-01-2022** को अनस्कूल की पहल, उलीड के तहत एक युवा प्रभावक के रूप में एक इंटर्नशिप पूरा किया।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालयद्वारा **24-01-2022** को आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार आजादी का अमृत महोत्सव में राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर विपणन प्रबंधन विभाग की चौथे सत्र की छात्रा सुश्री किरण कुमारी को स्मृति चिह्न और प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।
- विपणन प्रबंधन विभाग के चौथे सत्र के छात्र श्री दीपक झा ने वैल्यू एनेबलर्स अकादमी द्वारा **15-04-2022** को आयोजित ऑनलाइन लीन सिक्स सिग्मा ग्रीन बेल्ट प्रशिक्षण में भाग लिया है।

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय

- अर्थशास्त्र विभाग
- लोकनीति एवं लोक प्रशासन विभाग
- समाज कार्य विभाग
- तुलनात्मक धर्म और सभ्यता केंद्र

अर्थशास्त्र विभाग

अर्थशास्त्र विभाग उन तीन विभागों में से एक है जिसके साथ जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने सितंबर, **2011** से काम करना शुरू किया था। विभाग अर्थशास्त्र के अनुशासन में मास्टर डिग्री कार्यक्रम और पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है। विभाग की पाठ्यक्रम संरचना में अनुभवजन्य अनुप्रयोगों पर विशेष जोर देने के साथ सैद्धांतिक और मात्रात्मक दृष्टिकोण दोनों का संतुलन शामिल है।

दृष्टिकोण

उच्च क्षमता वाले अर्थशास्त्रियों का निर्माण करना जो आर्थिक विज्ञान के अनुशासन के सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों क्षेत्रों से के ज्ञान से सुसज्जित हों, आर्थिक तर्क के व्यापक परिप्रेक्ष्य रखने वाले और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नीति योजनाकारों का मार्गदर्शन करने में सक्षम।

उद्देश्य

- अनुशासन की एक गतिशील और नीति उन्मुख समझ विकसित करने के लिए अर्थशास्त्र के नए और उभरते क्षेत्रों पर जोर देना।
- विभिन्न निर्धारित पाठ्यक्रमों में स्नातकोत्तर और पीएचडी उपाधि कार्यक्रमों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रदान करने के लिए एक पाठ्यक्रम जो दुनिया के किसी भी अच्छे विश्वविद्यालय के बराबर है।
- कुछ अत्याधुनिक क्षेत्रों में विशेष रूप से अनुप्रयुक्त विकास अर्थशास्त्र के उप अनुशासन में गुणवत्ता अनुसंधान को प्रोत्साहित करना और संचालित करना।
- सरकार और विश्व बैंक, यूएनडीपी, नीति आयोग, आरबीआई, नाबार्ड और इसी तरह के संस्थानों के लिए अनुसंधान अध्ययन करना।
- अनुसंधान परिणामों के आधार पर विभिन्न नीति निर्माण में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नीति नियोजकों की सहायता करना।

2. **प्रस्तावित पाठ्यक्रम**: **एमए (अर्थशास्त्र)**; **पीएचडी (अर्थशास्त्र)**

3. **संकाय विवरण:**

क्र. सं.	**नाम**	**पदनाम**	**विशेषज्ञता का क्षेत्र**
1	डॉ. सुसान्त नाग	सहायक प्राध्यापक	अर्थमिति, गणितीय अर्थशास्त्र, स्वास्थ्य अर्थशास्त्र, मैक्रोइकॉनॉमिक्स, सांख्यिकीय तरीके
2	सुश्री प्रीति गुप्ता	सहायक प्राध्यापक	अर्थमिति, सार्वजनिक अर्थशास्त्र, सूक्ष्मअर्थशास्त्र, घरेलू अर्थशास्त्र
3	डॉ. श्वेता कोहली	सहायक प्राध्यापक	विकास अर्थशास्त्र, कृषि अर्थशास्त्र, गणितीय अर्थशास्त्र, लिंग अर्थशास्त्र
4	श्री अनिल कुमार भारती	सहायक प्राध्यापक	सूक्ष्मअर्थशास्त्र, पर्यावरण अर्थशास्त्र, श्रम अर्थशास्त्र
5	श्री राजेश कुमार	सहायक आचार्य (अतिथि संकाय)	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त, शास्त्रीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था

➢ **विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालायें/वेबिनार**

विभाग द्वारा **30** मई **2021** को 'महामारी काल के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार के लिए भारत सरकार और आरबीआई द्वारा किए गए उपाय' विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

➢ **जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन**

➢ महिला दिवस के अवसर पर ग्रामीण महिलाओं के लिए जागरूकता अभियान का आयोजन किया।

➢ **संकाय का प्रकाशन:**

डॉ. सुशांत नाग

क्र. सं.	पत्र/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन सं./आरआईएन सं./आईएसबीएन सं.	प्रकाशन वर्ष
1	भारत में प्रसवपूर्व देखभाल उपयोग के निर्धारक: एक गणना डेटा मॉडलिंग दृष्टिकोण	**2455-1333**	**2021**

डॉ. श्वेता कोहली

क्र. सं.	पत्र/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन सं./आरआईएन सं./आईएसबीएन सं.	प्रकाशन वर्ष
1	अनुपूरक शिक्षा: एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य	आईआईएसएन सं. **0971-8052**	**2021**
2	भारत में सहकारी समितियों के माध्यम से साख का संस्थाकरण: मुद्दे और आगे के तरीके	आईआईएसएन सं. **0019-4581**	**2021**
3	भारत के खाद्यान्न उत्पादन में कुल कारक उत्पादकता परिवर्तन का अपघटन विश्लेषण: एक माल्मक्विस्ट उत्पादकता सूचकांक दृष्टिकोण	आईआईएसएन सं. **1681-8997**	**2021**
4	जम्मू और कश्मीर में गेहूं की खेती करने वाले छोटे भूमिधारकों की तकनीकी दक्षता को मापने के लिए एक डीईए दृष्टिकोण	आईआईएसएन सं. **1681-8997**	**2021**
5	पंजाब में किसानों की आत्महत्या और उनके सह सम्बन्ध	आईएसबीएन: **978-93-91908-17-1**	**2021**

- **विभगा में जेआरएफ/नेट के छात्रों का विवरण**

क्र. सं.	छात्र का नाम	परीक्षा उत्तीर्ण	योग्यता परीक्षा की तिथि
1	रिगज़िन नोर्बु	नेट-जेआरएफ	**19-02-2022**
2	तेसरिंग डोलकर	नेट	**19-02-2022**
3.	विनीता देवी	नेट-जेआरएफ	**19-02-2022**

4.	रखमत ज़हां	नेट	**19-02-2022**
	नजमा तैयब	नेट	19-02-2022

लोक नीति एवं लोक प्रशासन विभाग विभाग

लोक नीति एवं लोक प्रशासन विभाग विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जुलाई **2013** में स्थापित किया गया था। विभाग ने एक एकीकृत एम. फिल-पीएचडी पाठ्यक्रम शुरू किया और वर्तमान में लोक नीति में स्नातकोत्तर और पीएच.डी. पाठ्यक्रम प्रस्तावित करता है।

- **पाठ्यक्रम की पेशकश:- स्नातकोतर, पीएच.डी.**
- **संकाय विवरण:-**

क्र. सं.	नाम	पदनाम	विशिष्टता का क्षेत्र
1	डॉ. रूची चौधरी	वरिष्ठ सहायक आचार्य	शासन और नीति संबंधी मुद्दे, तुलनात्मक प्रशासन, शहरी शासन, पुलिस अध्ययन
2	डॉ. जी दुर्गा राव	सहायक आचार्य	प्रशासनिक सिद्धांत, शासन, इलेक्ट्रॉनिक शासन और लोक नीति
3	डॉ. मोहित शर्मा	सहायक आचार्य	प्रशासनिक विचार, कॉर्पोरेट प्रशासन, शोध पद्धति, सांख्यिकीय तरीके, लोक नीति

- **संकाय का प्रकाशन**

क्र. सं.	संकाय का नाम	पत्र/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन सं./आरआईएन सं./आईएसबीएन सं.	प्रकाशन वर्ष
1	डॉ. रूची चौधरी	कृषि को राज्य सूची में होना चाहिए या समवर्ती सूची में? : एक महत्वपूर्ण विश्लेषण	0378-4568	जनवरी-जुलाई 2021
2	डॉ. रूची चौधरी	जम्मू-कश्मीर में एनपीईजीईएल के तहत स्कूलों में शैक्षिक सुविधाओं की प्रभावशीलता का मूल्यांकन	2229-3620	जनवरी-मार्च 2021
3	डॉ. रूची चौधरी	न्यूनतम समर्थन मूल्य: स्थायी समस्या का अस्थायी समाधान	0972-7175	दिसम्बर 2021
4	डॉ. जी दुर्गा राव	भारत में आपदा प्रबंधन की आईसीटी अवसंरचना (पुस्तक अध्याय)	आईएसबीएन: 978-981-15-4290-9	2020
5	डॉ. जी दुर्गा राव	ग्रामीण विकास में सामान्य सेवा केंद्रों की भूमिका का आकलन	आईएसएसएन – 2348-2397	2021

समाज कार्य विभाग

समाज कार्य एक समतामूलक समाज के निर्माण की दृष्टि के साथ सामाजिक न्याय ,मानवाधिकार ,समानता और एकजुटता के मानवीय सिद्धांत पर आधारित एक अंतःविषय पाठ्यक्रम है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से मानवीय कष्टों का निवारण इस पाठ्यक्रम के शीर्ष पर है। यह एक बहु-विषयक पाठ्यक्रम है जो समाजशास्त्र ,मनोविज्ञान ,अर्थशास्त्र ,दर्शन , नृविज्ञान और पर्यावरण विज्ञान जैसे विषयों के सिद्धांतों द्वारा संचालित है। पाठ्यक्रम वैज्ञानिक विधियों का उपयोग करता है , व्यक्तिगत ,समूह और सामुदायिक स्तर पर समस्याओं से निपटने के दौरान लागू किया जा सकता है।

समाज कार्य एक अभ्यास-आधारित पेशा है जो व्यावहारिक्ता में लोगों के साथ काम करते हुए छात्रों के बीच नैतिकता और मूल्यों के समावेश पर जोर देता है। यही कारण है कि पूरे पाठ्यक्रम में निरंतर प्रशिक्षण इसकी अनिवार्य विशेषता बन जाता है। समाज कार्य के छात्र प्रत्यक्ष हस्तक्षेप या विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विकास संगठनों और सरकारी संस्थानों के माध्यम से समुदाय के भीतर व्यापक और कठोर क्षेत्र कार्य प्रशिक्षण में संलग्न होते हैं। यह अंततः छात्रों को विभिन्न सामाजिक मुद्दों और चिंताओं को दूर करने के लिए तैयार करता है।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में समाज कार्य पाठ्यक्रम वर्ष 2014 में स्नातकोत्तर स्तर पर शुरू किया गया था ,जिसमें विभिन्न विषयों के 45 छात्रों की वर्तमान प्रवेश क्षमता थी। चयन राष्ट्रीय स्तर की सीयूसैट प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रतिवर्ष किया जाता है। विभाग 2018 से पीएचडी कार्यक्रम भी चलाता है। वर्तमान में विभाग में विविध शैक्षणिक पृष्ठभूमि और विशेषज्ञता के चार सहायक आचार्य है।

- **प्रस्तावित पाठ्यक्रम**

  समाज कार्य में स्नातकोत्तर

  समाज कार्य में पीएच.डी

- **विवरण संकाय:-**

क्रम सं	नाम	पद	विशेषज्ञता का क्षेत्र
01	डॉ .नैन्सी मेंगी	सहायक आचार्य	ग्रामीण और शहरी विकास ,बाल संरक्षण ,वृद्धावस्था देखभाल
02	श्री भट इकबाल मजीद	सहायक आचार्य	अपराध विज्ञान ,खानाबदोश ,जनजाति ,स्वास्थ्य और बाल संरक्षण
03	डॉ. विनय कुमार		आपदा ,पर्यावरण ,सामुदायिक कार्य
04	डॉ. रणवीर सिंह	सहायक आचार्य	स्वास्थ्य ,जीआईएस ,सामाजिक बहिष्करण और सामाजिक नीति

- **विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/वेबिनार फोटो के साथ**

- विभाग ने एड्स के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 1 दिसंबर 2021 ,को विश्व एड्स दिवस मनाया

विश्व एड्स दिवस

विभाग ने 8 मार्च, 2022 को विश्वविद्यालय परिसर की विभिन्न दीवारों पर चार्ट पेपर पर 'महिलाएं जिन्होंने आपको सबसे अधिक प्रेरित किया' स्लोगन के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया।

- विभाग ने 17 मार्च, 2020 को अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य दिवस मनाया। इस वर्ष समाज कार्य दिवस का विषय को-बिल्डिंग न्यू इको-सोशल वर्ल्ड: लीविंग नो वन बिहाइंड' था।
- **संकाय उपलब्धि**

  डॉ. नैन्सी मेंगी

  आमंत्रित व्याख्यान/संसाधन व्यक्ति

  महिला दिवस के अवसर पर व्याख्यान देने के लिए ऑल इंडिया रेडियो पर सेव द चिल्ड्रन संसाधन व्यक्ति द्वारा आयोजित 25 और 26 अक्टूबर 2021 को कार्यशाला के लिए मुख्य वक्ता।

  श्री भट इकबाल मजीद

  आमंत्रित व्याख्यान/संसाधन व्यक्ति

  इस्लामिक विश्वविद्यालय ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, अवंतीपोरा, जम्मू-कश्मीर द्वारा आयोजित एक एफडीपी में 3 फरवरी , 2022 को "फील्ड वर्क कैसे करें " पर एक भाषण दिया।

  अप्रैल, 2022 को शिक्षा विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय के सहयोग से लर्नर्स एबिलिटी मैनेजमेंट प्रोग्राम (एलएएमपी) द्वारा आयोजित "घुमंतू और आधुनिकता: वर्तमान शिक्षा प्रणाली में बक्करवालों का पता लगाना" पर दसवें मिलेनियल कॉन्क्लेव में विशेषज्ञ वक्ता।

  डॉ. विनय कुमार

  आमंत्रित व्याख्यान/संसाधन व्यक्ति

- राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान (एनआईएसडी), सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (एसमओएसजेई), भारत सरकार (जीओआई) के सहयोग से एसएलसीए, जम्मू एवं कश्मीर द्वारा आयोजित "नशामुक्ति केंद्रों के सलाहकारों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम" में संसाधन व्यक्ति **(9-13 मार्च, 2022)**
- अर्धसैनिक बलों (बीएसएफ) के लिए एक दिवसीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति और राष्ट्रीय संस्थान के सहयोग से जेकेएसपीवाईएम, राज्य स्तरीय समन्वय एजेंसी (एसएलसीए), जेएंडके द्वारा आयोजित फ्रंटियर मुख्यालय बीएसएफ पुलोरा जम्मू में "नशीली दवाओं के दुरुपयोग और निवारक उपाय" विषय पर सत्र लिया। सामाजिक रक्षा

(एनआईएसडी), नई दिल्ली; और सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित (25 फरवरी 2022)।

- संसाधन व्यक्ति , वेबिनार में "आगे क्या है? पीएसपी गवर्नमेंट पीजी कॉलेज फॉर वीमेन, गांधी नगर, जम्मू में बीकॉम स्नातकों के लिए करियर के अवसर। (17 फरवरी 2022)
- ओडीआईसी और सीपीएलआई पदाधिकारियों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के जीआईए संस्थान। जेकेएसपीवाईएम, राज्य स्तरीय समन्वय एजेंसी (एसएलसीए), जम्मू एवं कश्मीर द्वारा राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान (एनआईएसडी), नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया गया। (26 से 28 जनवरी 2022)।
- कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति कोविड -19: हाशिए पर पड़े बच्चों के शैक्षिक मुद्दे और हेड मास्टर के लिए "आर्थिक कमजोर वर्ग श्रेणी (ईएसडब्लू) के बच्चों के आलोक में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम" विषय पर एक भाषण दिया। सरकार से शिक्षक। स्कूल शिक्षा निदेशालय, जम्मू के सहयोग से सेव द चिल्ड्रेन द्वारा आयोजित और होटल केसी रेजीडेंसी, जम्मू में शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) द्वारा समर्थित। (16 सितंबर 2021)
- राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान (एनआईएसडी), एमओएसजे एवं ई, भारत सरकार द्वारा आयोजित पैरा-कानूनी स्वयंसेवकों (पीएलवी) और पुलिस अधिकारियों के लिए "नशीली दवाओं के दुरुपयोग और प्राथमिक रोकथाम की मूल बातें" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति। जेकेएसपीवाईएम, राज्य स्तरीय समन्वय एजेंसी (एसएलसीए), जम्मू एवं कश्मीर और जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) के लिए भारत, नई दिल्ली। (21 अगस्त 2021 (वर्चुअल))।
- सब इंस्पेक्टर और उससे ऊपर के रैंक के अधिकारियों के लिए मानव तस्करी पर 03 दिनों के पाठ्यक्रम में 10 अगस्त को "मानव तस्करी, बाल तस्करी, कारण, उद्देश्य और समाधान की अवधारणा" और "मानव तस्करी- सामाजिक और कानूनी आयाम" पर आमंत्रित अध्यक्ष जम्मू-कश्मीर पुलिस, शेर-ए-कश्मीर पुलिस अकादमी (एसकेपीए), उधमपुर, जम्मू-कश्मीर में। (10वीं -12 अगस्त 2021)
- कोविड-19 विषय पर कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति: स्कूल शिक्षा निदेशालय के सहयोग से सेव चिल्ड्रेन द्वारा आयोजित सरकारी स्कूलों के प्रधानाध्यापक और शिक्षकों के लिए "आर्थिक कमजोर वर्ग श्रेणी (ईडब्ल्यूएस) के बच्चों के प्रकाश में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम" विषय पर सीमांत बच्चों के शैक्षिक मुद्दे और दिए गए व्याख्यान , जम्मू और होटल केसी रेजीडेंसी, जम्मू में शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) द्वारा समर्थित (16 सितंबर 2021)।

डॉ. रणवीर सिंह

आमंत्रित व्याख्यान, सत्र की अध्यक्षता/सह-अध्यक्षता

- सीबीएलयू , भिवानी द्वारा 5- 4 अक्टूबर 2021 ,को आयोजित कोविड 19- के दौरान समाज कार्य प्रथाओं और सतत उपभोग पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की सह-अध्यक्षता की।
- डॉ. रणवीर सिंह अकादमिक लेखन पर एक कार्यशाला में एक संसाधन व्यक्ति थे और 24 नवंबर 2021 ,को असम काजीरंगा विश्वविद्यालय ,जोरहाट ,असम द्वारा आयोजित" एक शोधकर्ता की तरह सोच :समझ और महत्वपूर्ण विश्लेषण "पर बात की थी।

- डॉ .रणवीर सिंह ,गुणवत्ता पाठ्य और गैर-पाठ्य सामग्री के प्रकाशन पर स्थिति पत्र के लिए राज्य फोकस समूह की अध्यक्षता :मुद्दे ,चुनौतियां और आगे का रास्ता ,राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ,हिमाचल प्रदेश। यह स्थिति पत्र एनईपी 2020 ,के अनुसार राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के लिए एक योगदान था।

➢ **संकाय प्रकाशन**

मेंगी नैन्सी .डॉ

क्र.सं.	आलेख /पुस्तक का शीर्षक	आर.आई.एन /आईएसबीएन	प्रकाशन का वर्ष
01	कश्मीर में आधी विधवाओं का सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ :मुद्दे और चिंताएं	3581-2319	2021
02	आध्यात्मिक रूप से संवेदनशील समाज कार्य अभ्यास	978-81-949931-6-2	2021

मजीद इकबाल भट श्री

क्र.सं.	आलेख /पुस्तक का शीर्षक	आर.आई.एन /आईएसबीएन	प्रकाशन का वर्ष
01	श्रम और इसके अनदेखी पीड़ितों के लिए मानव तस्करी :संदर्भ में जम्मू और कश्मीर	0974-5114	2021
02	आधुनिकता और खानाबदोश :बक्करवाल के संदर्भ में	978-81-949931-6-2	2021

सिंह रणवीर .डॉ

क्र.सं.	आलेख / पुस्तक का शीर्षक	आर.आई.एन /आईएसबीएन	प्रकाशन का वर्ष
01	शहरी स्थानों के विविध दृष्टिकोणों के स्वास्थ्य निहितार्थ: एस्क्लांते में औपचारिक-अनौपचारिक विभाजन को पाटना, एई, एकिन, एच, गार्सिया, सीएम, एड हमारे शहरी भविष्य के लिए स्थिरता की चुनौतियां	978-2-88966-379-8	2021

तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र

➢ **प्रस्तावित कार्यक्रम :-**

- तुलनात्मक धर्म और सभ्यता में पीएच.डी
- शैव धर्म में पीजी डिप्लोमा
- भारतीय रहस्यमय विचारों में पीजी डिप्लोमा
- भारतीय लिपि में पीजी डिप्लोमा: ब्राह्मी और शारदा
- तुलनात्मक धर्म में वैकल्पिक पीजी एच्छिक पाठ्यक्रम है।
- भारतीय सभ्यता और सांस्कृतिक विरासत में वैकल्पिक पीजी एच्छिक पाठ्यक्रम है।
- नैतिकता में वैकल्पिक पीजी एच्छिक पाठ्यक्रम है।
- धर्म और विज्ञान में वैकल्पिक पीजी एच्छिक पाठ्यक्रम है।

➢ **-:संकाय विवरण**

क्रम सं.	नाम	पद	विशेषज्ञता का क्षेत्र
.1	डॉ. अजय कुमार सिंह	सहायक आचार्य	• भारतीय इतिहास • भारतीय संस्कृति और धर्म • बौद्ध धर्म ,जैन धर्म ,गांधीवादी और शांति अध्ययन • कश्मीर शैववाद • संस्कृत और पाली भाषाएं और साहित्य • भारतीय डायस्पोरा और अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक अध्ययन • भारतीय पुरालेख • ब्राह्मी और शारदा लिपि • भारतीय दर्शन
.2	डॉ .ए मुरीगेसन	सहायक आचार्य (ऑनलाइन)	• तुलनात्मक धर्म • ईसाई अध्ययन • शैव सिद्धांत • वैष्णव • दर्शन • सांस्कृतिक अध्ययन

			• शांति अध्ययन • गांधीवादी अध्ययन • विज्ञान और धर्म • पर्यावरण और धर्म • भारतीय ईसाई धर्मशास्त्र

- **विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/वेबिनार**
- संकल्प दिवस के तहत व्याख्यान श्रृंखला (जम्मू कश्मीर पर संसद का संकल्प, 22 फरवरी 1994) "पीओजेके विस्थापित व्यक्ति: 21/2/2022 को पीओजेके" के वास्तविक हितधारक

  अध्यक्ष व्यक्ति: प्रो. संजीव जैन, वीसी, सीयूजे

  मुख्य वक्ता: अजय शर्मा, अकादमिक समन्वयक, सीएलजेकेएस

- 24 जनवरी 2022 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत राष्ट्रीय बालिका दिवस पर राष्ट्रीय वेबिनार

  चेयर पर्सन प्रो. संजीव जैन, वीसी, सीयूजे

  मुख्य वक्ता: प्रो. नीरजा ए गुप्ता, वीसी, सांची विश्वविद्यालय

  सम्मानित अतिथि: डॉ. पूजा व्यास, निदेशक (अकादमिक/पी एंड आर, आईसीपीआर)

- 6 जुलाई, 2021 को लद्दाख और जम्मू कश्मीर अध्ययन के लिए सीसीसआरसी, सीयू जम्मू और केंद्र द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय सुरक्षा, मानवाधिकार और उच्च शिक्षा' विषय पर डॉ. श्यामा प्रकाश मुखर्जी की जयंती के अवसर पर मंथन।

  अध्यक्ष व्यक्ति: प्रो.अशोक आइमा, वीसी, सीयूजे

  मुख्य वक्ता: आरिफ मोहम्मद खान, केरल के राज्यपाल

  लिंक: https://fb.watch/b9WxVkkrY3/

- माता रूप भवानी जीवन और मानवता के लिए संदेश पर :तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और श्री अलख साहिबा ट्रस्ट द्वारा 20 जून, 2021 को वेबिनार आयोजित किया गया।

  अध्यक्षता:

  डॉ. ऋचा कोठारी, निदेशक आई/सी, सीसीआरसी, सीयू जम्मू।

  वक्ता: सतीश धर और भूषण जलाली।

लिंक: https://fb.watch/b9VCbMf5S0/

- 28अप्रैल, को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा जम्मू और कश्मीर के इतिहास में श्री गुरु तेज बहादुर के योगदान पर 2021 वेबिनार आयोजित किया गया।

अध्यक्ष व्यक्ति: प्रो. अशोक आइमा, वीसी, सीयूजे

मुख्य वक्ता: सुरिंदर सोंग (पूर्व अध्यक्ष जीपीसी)

वक्ता: अशोक खजांची।

- लिंक: **https://fb.watch/b9V6FJ2uRZ/**

1) डॉ. अजय कुमार सिंह

- 22.03.2022 को केन्द्रीय विद्यालय ,रह्या सुचानी ,सांबा द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय जल दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 15.03.2022 को रणबीर कैंपस ,जम्मू में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
- मानव अधिकार उल्लंघन और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर की सामाजिक-सांस्कृतिक स्थिति पर विशेष वार्ता में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 30.01.2022 को आकाशवाणी न्यूज जम्मू में मन की बात के 85वें एपिसोड के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 22.01.2022 को नेहरू युवा केंद्र संगठन और अखिल भारतीय साहित्य परिषद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित काव्य पाठ सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।
- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ,जम्मू परिसर द्वारा दिनांक 31.10.21 को आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 17.09.2021 को सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस ऑर्गनाइजेशन ,जम्मू-कश्मीर द्वारा मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया
- एसएमवीडीयू ,कटरा द्वारा दिनांक 14.09.2021 को आयोजित हिन्दी दिवस के अवसर पर संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ,जम्मू परिसर द्वारा आयोजित संस्कृत संभाषण कार्यशाला के उद्घाटन में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।
- एबीवीपी ,जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्वतंत्रता दिवस व्याख्यान के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

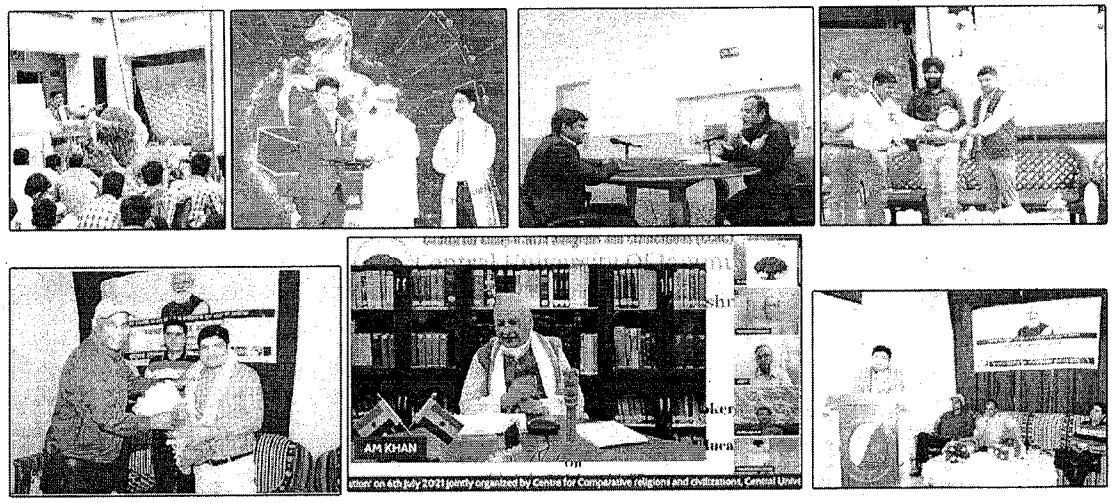

➢ **जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन**

- संकल्प दिवस -पीओजेके पर 22फरवरी 1994 2022के संसद संकल्प की पूर्व संध्या पर सार्वजनिक व्याख्यान **22** फरवरी 2022 को आयोजित किया गया।

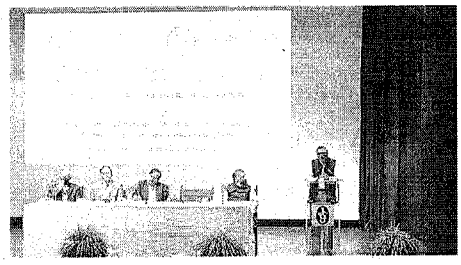

- राष्ट्रीय बालिका दिवस पर राष्ट्रीय वेबिनार ,आजादी का अमृत महोत्सव के तहत ,जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय **24** जनवरी 2022 में आयोजित किया गया ।

➢ **संकाय उपलब्धियां**

1) डॉ. अजय कुमार सिंह:

- ए.के.के., एआरएमएस , मुंबई द्वारा आज का करमवीर अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार
- गांधी ग्लोबल फाउंडेशन और गांधी स्मृति दर्शन समिति ,नई दिल्ली द्वारा गांधी ग्लोबल यूथ आइकन अवार्ड2022- प्राप्त हुआ।
- सदस्य के रूप में मनोनीत ,शैक्षणिक परिषद ,महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्व विद्यालय ,वर्धा
- सदस्य के रूप में मनोनीत ,स्कूल बोर्ड ,अनुवाद और व्याख्या स्कूल ,महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्व विद्यालय , वर्धा में शैक्षिक परिषद के रूप में मनोनीत सदस्यता प्राप्त हुआ।
- सदस्य के रूप में मनोनीत ,अनुसंधान सलाहकार परिषद ,सांची बौद्ध भारतीय अध्ययन विश्वविद्यालय ,विदिसा मनोनीत सदस्यता प्राप्त हुई।
- सदस्य के रूप में मनोनीत ,अध्ययन बोर्ड ,जनजातीय अध्ययन केंद्र ,हिमाचल प्रदेश के केंद्रीय विश्वविद्यालय ,धर्मशाला मनोनीत सदस्यता प्राप्त हुई।
- सदस्य के रूप में नामांकित ,अध्ययन बोर्ड ,प्रवासी अध्ययन विभाग ,महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय , वर्धा में नामित सदस्यता प्राप्त हुई।
- डॉक्टरेट अनुसंधान समिति ,दर्शनशास्त्र विभाग ,दिल्ली विश्वविद्यालय के विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में मनोनीत सदस्यता प्राप्त हुई।
- परीक्षक के रूप में मनोनीत ,दर्शनशास्त्र विभाग ,राजस्थान विश्वविद्यालय में परीक्षक के रूप में मनोनीत हुए।

➢ **संकाय प्रकाशन**

क्रम स	**लेख /पुस्तक का शीर्षक**	**आईआईएसएन नं. /आरआईएन संख्या /आईएसबीएन संख्या**	**प्रकाशन वर्ष**
1	शैव सिद्धांत और कश्मीर शैववाद में ईश्वर का दर्शन :एक तुलनात्मक दृष्टिकोण	आई एस एस एन 8301-2348	2021
2	पाली ,प्राकृत अपभ्रंश संस्कृत के आधारशिला के रूप में	आई एस बी एन 8194829534	2021

➢ **अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण**

प्रधान अन्वेषक -:

डॉ. अजय कुमार सिंह ,सहायक आचार्य

एक :कला संस्कृति और परंपरा में जम्मू और कश्मीर का योगदान ,भारतीय विचार -परियोजना का शीर्षक विश्लेषण विभागाध्यक्ष परियोजना दार्शनिक

स्वीकृति का वर्ष	निधीयन एजेंसी	परियोजनाओं की स्थिति
2021	आईसीपीआर	चल रहा

➢ **छात्रों की उपलब्धियों का विवरण**

1) सोहेल कयूम को दिसंबर 2021में आईसीएसएस आर डॉक्टरेट फेलोशिप से सम्मानित किया गया था।

2) ख) कुयूम, सोहेल, "शैव सिद्धांत और कश्मीर शैववाद में भगवान का दर्शन: एक प्रासंगिक दृष्टिकोण", कृषक दार्शनिक, मानविकी, कानून और सामाजिक विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (न्यू आर्कियोलॉजिकल एंड जेनोलॉजिकल सोसाइटी द्वारा वार्षिक रूप से प्रकाशित), वॉल्यूम। VIII, अंक II, दिसंबर 2021, पीपी 772-779, आईएसएसएन संख्या 2348-8301।

3) नरोत्तम कुशवाहा को गांधी ग्लोबल फाउंडेशन और गांधी स्मृति दर्शन समिति ,नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय युवा शिखर सम्मेलन ,उड़ीसा 8-10 मार्च ,2022गांधी ग्लोबल यूथ आइकन अवार्ड -2022 से सम्मानित किया गया।

शैक्षिक अध्ययन विद्यालय

- शैक्षिक अध्ययन विभाग

शैक्षिक अध्ययन विभाग

- शैक्षिक अध्ययन विभाग शिक्षा और शिक्षण के रचनात्मक दृष्टिकोण की विशेषता रखता है। चूंकि शिक्षा प्रकृति में विकासात्मक प्रक्रिया है इसलिए विभाग व्यापक शैक्षिक संदर्भ में वैचारिक और निष्पादन संबंधी परिवर्तनों को लागू करने और शुरू करने पर ध्यान केंद्रित करने की इच्छा रखता है। विभाग उन्मुखीकरण के क्षेत्र में वास्तविक प्रभाव को चिह्नित करने के लिए समकालीन परिवर्तनों के उपयोग पर जोर देने के साथ-साथ विचार के विभिन्न विद्यालयों के संश्लेषण से उत्पन्न होता है। प्रस्ताव और शिक्षाशास्त्र पर पाठ्यक्रम अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और तेजी से बढ़ते ज्ञान समाज के अनुरूप सावधानी से तैयार किए गए हैं। विभाग, उत्कृष्टता के विकासशील केंद्र के रूप में, दुनिया भर में शिक्षा की गुणवत्ता को संबोधित करने में सक्षम शैक्षिक विशेषज्ञ के रूप में उनके उभरने की सुविधा के लिए सर्वश्रेष्ठ छात्रों को आकर्षित करने और उनकी प्रतिभा को प्रकट करने पर ध्यान केंद्रित करता है।

- **प्रस्तावित पाठ्यक्रम: -**

- पीएच.डी.
- स्नातकोत्तर (एम.एड)
- स्नातक (एकीकृत बी.ए.बी.एड)

- संकाय विवरण :-

क्र.सं.	नाम	पद	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1.	डॉ. जे .एन बलिया	विभागाध्यक्ष और कार्यक्रम समन्वयक (पीएमएमएमएनएमटीटी)	ई-सामग्री देव ,शिक्षा। टेक ,पाठ्यचर्या विकास , मात्रात्मक अनुसंधान तकनीक
2.	डॉ. ऋतु बक्शी	सह -आचार्य	शिक्षा में सामाजिक पीई परिप्रेक्ष्य ,शिक्षाशास्त्र , मार्गदर्शन और परामर्श ,लिंग अध्ययन
3.	डॉ. किरण	सहायक आचार्य	आईएन ईसीएलयू, शिक्षक शिक्षा, किशोर शिक्षा
4.	डॉ. अमन	सहायक आचार्य	ईडीयू. मापन और मूल्यांकन ,जनजातीय शिक्षा , मात्रात्मक अनुसंधान
5.	डॉ. असित मंत्री	सहायक आचार्य	शिक्षा और प्रशासन में नेतृत्व ,शिक्षा में दार्शनिक दृष्टिकोण। ,मूल्य शिक्षा।
6.	डॉ. रवि वांगुरी	सहायक आचार्य	अंग्रेजी भाषा शिक्षण ,भाषा शिक्षा। ,शिक्षक शिक्षा। ,मात्रात्मक अनुसंधान

➢ **विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/वेबिनार**

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	दिनांक	फोटोग्राफ ,यदि कोई हो
1.	आईसीटी टूल्स पर 7 दिनों की एफडीपी	फरवरी ,8-2 2021	
2.	शिक्षण में नवाचारों पर एक सप्ताह की एफडीपी	फरवरी -22 21 20 ,28	
3.	"शिक्षक शिक्षा को बदलने के माध्यम से भारतीय ज्ञान का संचार: एनईपी-2020 का एक दृष्टिकोण" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	25 फरवरी, 2021	
4.	'शिक्षण और सीखने के लिए आकलन और मूल्यांकन में उभरते रुझान' पर सात दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम	16-22, मार्च, 2021	
5.	गणित में शैक्षणिक अभ्यासों को बढ़ाने पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला	25-26 मार्च, 2021	
6.	एनपीएसटी पर ओपन हाउस चर्चा	20 दिसंबर , 2021	

शैक्षिक दौरा/औद्योगिक दौरा/क्षेत्र भ्रमण

क्र.सं.	गतिविधि	दिनांक
1.	रेडियो स्टेशन का आभासी दौरा	16फरवरी 2021

➢ **संकाय प्रकाशन**

संकाय का नाम	लेख /पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन नं /आरआईएन संख्या /आईएसबीएन संख्या	प्रकाशन वर्ष
डॉ .जे एन बलिया	.1 पूर्व सेवा शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में तकनीकी शैक्षणिक और सामग्री ज्ञान (टीपैक) के लिए जागरूकता की खोज	मायर पत्रिका ऑफ एजुकेशनल स्टडीज, ट्रेंड्स एंड प्रैक्टिसेज खंड ,(2)6प्रिंट संस्करण	2021

		आईएसएसएन : 8203-0976 ऑनलाइन संस्करण आईएसएसएन : 1945-2319	
डॉ .ऋतु बक्शी	सतत विकास के लिए शिक्षा: डेलोर आयोग का पुनरीक्षण	अनुभवजन्य अर्थशास्त्र पत्र एबीसीडी और वेब ऑफ साइंस	2021
	नई शिक्षा नीति 2020 में मूल्य अभिविन्यास: प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आगे का रास्ता	एजुकेशन इंडिया पत्रिका , खंड-10, अंक-4, पी.नं.-158-162, आईएसएसएन-2278-2435 केयर सूची I	2021
	शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषा: एनईपी 2020 के प्रभावी कार्यान्वयन की ओर	इंडियन पत्रिका ऑफ नेचुरल साइंसेज, खंड-12, अंक-69,2021,36131-36136, आईएसएसएन: 0976-0997 वेब ऑफ़ साइंस	2021
डॉ .किरण	*शिक्षण योग्यता, लिंग और शिक्षण विषय के संदर्भ में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के बीच व्यावसायिक तनाव।*	*शिक्षा की पत्रिका : रवींद्रभारती विश्वविद्यालय:* *आईएसएसएन:* **0972-**	2021

		7175: *वॉल्यूम:* **XXIV,** *संख्या:* **11,** *पृष्ठ* **53-6**	
डॉ.अमन	सार्थक शिक्षा	इक्कीसवीं सदी का प्रिंटिंग प्रेस, पटियाला आईएसबीएन संख्या 978-93-90953-42-4 (संपादित पुस्तक)	2021
डॉ .असित मंत्री	यूजीसी/सीबीएसई/सीएसआईआरराष्ट्रीय पात्रता परीक्षा परीक्षा के तरीके पर शोधार्थियों का दृष्टिकोण	शिक्षा का पत्रिका : रवींद्र भारती विश्वविद्यालय, 0972-7175, खंड XXIII, पृष्ठ: 288	2021
डॉ. रवि वांगुरी	यूजीसी/सीबीएसई/सीएसआईआरराष्ट्रीय पात्रता परीक्षा परीक्षा के तरीके पर शोधार्थियों का दृष्टिकोण	शिक्षा का पत्रिका : रवींद्र भारती विश्वविद्यालय, 0972-7175, खंड XXIII, पृष्ठ: 288	2021

- **छात्रों की उपलब्धियों का विवरण**
- **विभागों में जेआरएफ/नेट के छात्रों का विवरण**

क्र.सं.	नाम	योग्यता परीक्षा	योग्यता का वर्ष
1.	पूनम पंडिता	जेआरएफ-नेट	2021
2.	आश्रिति शर्मा	जेआरएफ-नेट	2021
3.	शामिना	जेआरएफ-नेट	2021
4.	सुरभि ताकी	जेआरएफ-नेट	2021
5.	प्रिंका शर्मा	जेआरएफ-नेट	2021
6.	अदिति भडवाल	जेआरएफ-नेट	2021
7.	तमन्ना शर्मा	नेट	2021
8.	चेतना सूरी	नेट	2021
9.	शरवी सलाथिया	नेट	2021
10.	ईशा सयाली	नेट	2021
11.	रोमानी शर्मा	नेट	2021
12.	बंदना चौधरी	नेट	2021
13.	मोहम्मद हदितुलाह	नेट	2021
14.	मुदस्सिर अमीन	नेट	2021
15.	कोमल	नेट	2021

ज्ञान प्रबंधन, सूचना एवं मीडिया अध्ययन विभाग

- जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग

जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग

जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग कौशल और ज्ञान के मिश्रण के साथ जनसंचार में डॉक्टरेट और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रस्तावित करता है।

- **प्रस्तावित पाठ्यक्रम:** - पीएच.डी. , स्नातकोत्तर जनसंचार एवं नवीन मीडिया ।
- **-:संकाय विवरण**

क्रम सं	नाम	पद	विशेषज्ञता का क्षेत्र
.1	डॉ .बच्चा बाबू	प्रभारी विभागाध्यक्ष	संचार अनुसंधान ,मीडिया सिद्धांत और न्यू मीडिया
.2	डॉ .अर्चना कुमारी	सहायक आचार्य	प्रिंट जर्नलिज्म ,पीआर एडवरटाइजिंग
.3	श्री मनीष प्रकाश	सहायक आचार्य	फिल्म अध्ययन ,मीडिया कानून और नैतिकता
.4	श्री अश्विनी कुमार	सहायक संकाय	श्रव्य दृश्य पत्रकारिता।
.5	सुश्री साक्षी नेगी	अतिथि संकाय	विज्ञापन ,जनसंपर्क ,मीडिया संभाषण

- विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/वेबिनार
- **व्यापक व्याख्यान का आयोजन/प्रख्यात व्याख्यान**

क्रमांक.	विषय	दिनांक	संसाधन व्यक्ति
1.	मीडिया में अनुसंधान की आधुनिक तकनीक	29जून2021 ,	प्रो .उमेश आर्य, एमडीयू ,रोहतक
2.	कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व में अभिनव व्यवहार	जुलाई 6,2021	प्रो. सपना, मैसूर विश्वविद्यालय
3.	वैक्सीन गलत सूचना :कथा और उद्देश्य	जुलाई 13,2021	प्रो .कंचन के .मलिक हैदराबाद विश्वविद्यालय
4.	भारत में संचार अध्ययन	2अगस्त 2021	प्रो. बिस्वजीत दास

			जामिया मिलिया विश्वविद्यालय, दिल्ली

- **संकाय प्रकाशन**

क्रमांक	लेख /पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन नं. /आरआईएन संख्या /आईएसबीएन संख्या	प्रकाशन का वर्ष
1.	जम्मू और कश्मीर में पत्रकारिता शिक्षा :मुद्दे और चुनौतियाँ -डॉ . बच्चाबाबू	0588-8093	2021
2.	कठुआ बलात्कार का मीडिया कवरेज :एक सामग्री विश्लेषण -डॉ . बच्चाबाबू	1338130X	2021
3.	जम्मू और कश्मीर में मीडिया शिक्षा - डॉ .अर्चना कुमारी	1338130X	2021

- **छात्रों की उपलब्धियों का विवरण**
- **विभागों में जेआरएफ/नेट छात्रों का विवरण**

क्रमांक.	छात्र का नाम	पुरस्कार/उपलब्धियां	साल
1.	विशाभा	अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव गोवा में सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म।	2021
2.	अक्षय कुमार	जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित।	.2021

राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विद्यालय

- राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग

राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग

राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग की स्थापना वर्ष 2013 में सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन के क्षेत्र में शिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। चूंकि भारत अपने आर्थिक विकास और सामाजिक विकास को बनाए रखने के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार है, इसलिए इसे विभिन्न स्तरों से उत्पन्न होने वाली कई सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा।

विभाग सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय अध्ययन पर अगली पीढ़ी के शोधार्थियों, विशेषज्ञों और नेताओं को तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। जम्मू और कश्मीर राज्य (जम्मू और कश्मीर) में स्थित है, जिसे दक्षिण एशिया का एक सुरक्षा और रणनीतिक मुख्य केंद्र माना जाता है, इसमें राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय से संबंधित मुद्दों पर अकादमिक अनुसंधान के साथ-साथ नीति विश्लेषण को बढ़ावा देने की अंतर्निहित क्षमता है।

यह सभी हितधारकों को राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीति से संबंधित मुद्दों पर रचनात्मक चर्चा और बहस में शामिल होने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। विशिष्ट रूप से बनाए गए पाठ्यक्रम के अलावा, विभाग के छात्रों और शोधार्थियों को क्षेत्र के दौरे के साथ-साथ नवीन शिक्षण और अनुसंधान कौशल का उपयोग करके नीति विश्लेषण से परिचित कराया जाता है। अगस्त 2016 में बोर्ड ऑफ स्टडीज द्वारा अनुमोदित नए पाठ्यक्रम में सुरक्षा क्षेत्र, शासन और प्रबंधन, संघर्ष समाधान, लिंग, संघर्ष और सुरक्षा, सीमा प्रबंधन, युद्ध जैसे सुरक्षा अध्ययन के क्षेत्र में फोकस के दिलचस्प और उभरते क्षेत्र शामिल हैं । भारतीय विदेश नीति, सामरिक अध्ययन, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, अनुसंधान पद्धति आदि पर नियमित अंतःविषय पत्रों के अलावा सेंचुरी, रणनीतिक विचार, वैश्वीकरण और भू-राजनीति। विभाग ने पाकिस्तान और चीन पर दो देश अध्ययन विषय भी पेश किए हैं। यह अफगानिस्तान और पाकिस्तान के अध्ययन केंद्र की प्रत्याशा में किया गया है जो शैक्षणिक वर्ष 2017-2018 में स्कूल ऑफ नेशनल सिक्योरिटी स्टडीज के तहत चालू होने वाले हैं।

- **दूरदर्शिता और उद्देश्य**

  राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग मुख्यचत: अनुसंधान और शिक्षण को बढ़ावा देकर देश में सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के क्षेत्र में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में उभरने की इच्छा रखता है। यह भारत की सुरक्षा और विदेश नीति से संबंधित मुद्दों पर बौद्धिक रूप से संलग्न होने के लिए अंतर-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से और विभिन्न हितधारकों (नीति निर्माताओं, सशस्त्र बलों, मीडिया और नागरिक समाज) को मंच प्रदान करके वैकल्पिक और अभिनव राष्ट्रीय सुरक्षा संभाषण करना चाहता है।

- **प्रस्तावित पाठ्यक्रम** - स्नातकोत्तर एनएसएस और पीएचडी एनएसएस
- **-:संकाय विवरण**

क्रम सं	नाम	पद	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1.	डॉ .जे .जगन्नाथन	विभागाध्यक्ष , सहायक आचार्य.	अंतर्राष्ट्रीय संबंध और भारत की विदेश और सुरक्षा नीति दक्षिण एशिया क्षेत्रीय सुरक्षा और भू-राजनीति दक्षिण एशिया ,अफगानिस्तान , पाकिस्तान और श्रीलंका में परमाणु सुरक्षा और स्थिरता
2.	डॉ .नीता रानी	सहायक आचार्य	मध्य एशियाई ऊर्जा भंडार ऊर्जा सुरक्षा दक्षिण एशियाई सुरक्षा मामले भारतीय सैन्य इतिहास
3.	डॉ .आर .सुधाकरी	सहायक आचार्य	निरस्त्रीकरण और शांति अध्ययन ,व्यापक सुरक्षा। दक्षिण एशियाई सुरक्षा मामले। पर्यावरण सुरक्षा और जल संघर्ष समुद्री सुरक्षा

➢ **विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/वेबिनार**

वेबिनार की सूची

क्रमांक.	वेबिनार/वेब वार्ता
1.	गिलगित-बाल्टिस्तान: पाकिस्तान के जबरन कबजा करने के प्रयास, विषय पर वेबटॉक राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वाविद्यालय द्वारा 13 फरवरी 2021 को आयोजित किया गया। कैप्टन आलोक बंसल, निदेशक, इंडिया फाउंडेशन ने गिलगित-बाल्टिस्तान: पाकिस्तान के प्रयास पर अपना व्याख्यान दिया। जबरन आत्मसात करने पर । श्री सज्जाद हुसैन, राजनीतिक नेता, कारगिल और श्री हाजी अली असगर, पूर्व विधायक, जम्मू-कश्मीर, कारगिल चर्चा में थे। सुश्री निधि बहुगुणा, सीनियर रिसर्च फेलो, एईएचआरएफ ने " भारत के अधिकृत क्षेत्र " पर अपना व्याख्यान दिया । सीयूजे के कुलपति प्रो.अशोक ऐमा ने अध्यक्षीय भाषण दिया। अबेसिडर. जी. पराथासारथी, चांसलर, सीयूजे ने समापन भाषण दिया।
2.	प्रो.(डॉ) राकेश दत्ता, रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ ने 13 अप्रैल 2021 को राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग सीयूजे द्वारा आयोजित वेबटॉक के दौरान "इंडो-पैसिफिक: ए कंस्ट्रक्ट इन ऑफिंग" शीर्षक पर अपना व्याख्यान दिया।

➢ **संकाय उपलब्धियां**

क्र.सं.	संकाय का नाम	पाठ्यक्रम	पिंड खजूर।
1.	डॉ .नीता रानी	डॉ. नीता ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा आयोजित रक्षा और सामरिक अध्ययन में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) में भाग लिया	06.09.2021 से 19.09.202

➢ **संकाय प्रकाशन**

सुधाकर .आर

क्रम.	लेख /पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन नं. /आरआईएन संख्या /आईएसबीएन संख्या	प्रकाशन वर्ष
1.	सुरक्षा के लिए भारत की खोज: अक्षय ऊर्जा पर एक अध्ययन सौर ऊर्जा पर विशेष ध्यान देने योग्य विकल्प	आईएसएसएन-8301-2348	2021

छात्रावास की सुविधा

लड़कों के छात्रावास के कमरे आरामदेह हैं और घर से दूर घर का अच्छा विकल्प हैं। छात्रावास में छात्रों को टीवी रूम, गर्म, ठंडे और सामान्य पेयजल के लिए एक्वा गार्ड और परिसर में अन्य खेल गतिविधियों की सुविधा निम्नानुसार प्रदान की गई है:

- छात्रावास परिसर में 24x7 वाई-फाई कनेक्टिविटी प्रदान की गई है।
- छात्रावास के प्रवेश द्वार व अंदर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं।
- छात्रावास में 24x7 बिजली और पानी की आपूर्ति की जाती है।
- छात्रावास में दिन-रात केयरटेकर और हाउसकीपिंग सेवाएं प्रदान की जाती हैं।
- 24x7 एम्बुलेंस सेवाएं प्रदान की जाती हैं।
- छात्रों के लिए जिम की सुविधा है।
- छात्रों के लिए कंप्यूटर लैब है।
- छात्रों के लिए अलग अध्ययन कक्ष है।
- फोटोकॉपी के लिए फोटोस्टेट मशीन है।
- बीटिंग रिट्रीट समारोह देखने के लिए सुचेतगढ़ बॉर्डर की मुफ्त सप्ताहांत यात्रा का प्रावधान किया गया है।
- विशेष आमंत्रित व्याख्यानों के लिए सभागार है।

छात्रावास के भीतर खेल बुनियादी ढांचा:

- वॉलीबॉल कोर्ट
- क्रिकेट का मैदान
- खो खो कोर्ट
- आउटडोर बैडमिंटन कोर्ट
- टेबल टेनिस
- शतरंज
- कैरम
- प्रात: योग के लिए प्रर्याप्त स्थान

अधिभोग का विवरण:

लड़कों का छात्रावास	क्षमता	अधिभोग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	शारीरिक रूप से विकलांग	सामान्य	ईडब्ल्यूएस	रिक्त

01	145	129	7	1	63		52	06	16

कन्या छात्रावास से संबंधित अद्यतन डेटा इस प्रकार है:

छात्रावास के लिए पूछे गए छात्रों की कुल संख्या	कुल छात्रावास बिस्तर उपलब्ध	उपलब्ध छात्रावास बिस्तर का%
148	140	94.59

कुल छात्रावासों में से कन्या छात्रावासों की संख्या	विश्वविद्यालय छात्रावास में कमरों की कुल संख्या	विश्वविद्यालय के छात्रावासों में निवासियों की कुल संख्या	सामान्य	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	ईडब्ल्यूएस	कुल
3	44	140	84	1 1	6	38	1	140

अभियांत्रिकी अनुभाग

1) **भवन समिति**

21 वीं बैठक 23 दिसंबर, 2021 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, राया-सुचानी बागला के परिसर में आयोजित की गई थी। बैठकों का विवरण निम्नानुसार दिया गया है:-

1) ईएसएस 3 व 4 का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर शुरू किया जाएगा।

2) मैसर्स एस ए ए और मैसर्स ई पी आई एल को भुगतान के प्रयोजन के लिए परियोजना लागत को निविदा लागत के रूप में लिया जाएगा अर्थात 690.00 करोड़ रुपये न कि 1049 रुपये जैसा कि शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार उनके द्वारा दावा किया गया है और खातों का तदनुसार निपटान किया जाएगा।

3) अनुच्छेद-370 को हटाने के दृष्टिगत 610एकड़ भूमि विश्वविद्यालय के नाम हस्तान्तरित करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जायेगी।

4) भवन निर्माण समिति ने एमओएम के अनुसार एचईएफए वित्तपोषित परियोजनाओं के स्थान में परिवर्तन को मंजूरी दी सीपीडब्ल्यूडी और सीयूजे अधिकारियों का संयुक्त साइट दौरा ताकि संरचनात्मक स्थिरता के निर्माण पर कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना रिटेनिंग दीवारों की ऊंचाई कम करके और बाहरी विकास करके निर्माण की लागत को अधिकतम संभव सीमा तक कम किया जा सके। अन्य इमारतों के अन्य स्थलों का भी पता लगाने की सिफारिश की जाती है।

5) समिति ने निर्णय लिया कि हीफा परियोजनाओं के तहत पुस्तकालय एवं प्रशासन ब्लॉक का निर्माण आंतरिक होगा। भवन का क्षेत्रफल उसी आकार का होगा तथा जिसकी मूल रूप से परिकल्पना की गई थी, तथा लागत में वृद्धि नहीं होगी |

6) विश्वविद्यालय बुनियादी ढांचे के विकास के लिए नए पीएमसी की भर्ती के लिए ईओआई जारी करेगा ,जैसा कि सभी आगामी निर्माण बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 18वीं भवन समिति में मद संख्या :बीसी-18/04 के रूप में अनुमोदित किया गया था।

2) **परिसर स्थल ग्राम बागला, सांबा में 2022 तक ढांचागत विकास**

(रु. करोड़ में)

क्र.सं.	कार्य का नाम	एजेंसी का नाम	अनुमानित/आवंटित लागत	अब तक की प्रगति	
				वित्तीय	भौतिक (%)
1.	जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय बागला के स्थायी परिसर के लिए संकाय, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय भवन और गेट परिसर के लिए आवासीय भवनों का निर्माण	मैसर्स नागार्जुआना कांस्ट. कंपनी लिमिटेड	116.29 *(28.00 कम प्राथमिकता वाले कार्यों के रूप में स्थगित)। अनुबंध का शुद्ध मूल्य = 88.29 करोड़.)*	79.54	100

2.	जम्मू बगला के केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर के लिए सड़क निर्माण, पुल और पुलिया और अन्य संबंधित कार्यों का निर्माण	मेसर्स एसईडब्ल्यू इंफ्रास्ट। लिमिटेड	264.98 *(64.98 कम प्राथमिकता वाले कार्यों को स्थगित किया गया। अनुबंध का कुल मूल्य = 200 करोड़.)*	195.76	100
3.	जम्मू बगला विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर के लिए गेस्ट हाउस के निर्माण का आंशिक कार्य	मेसर्स परसेप्ट बिल्डर्स	4.91	4.23	100
4.	जम्मू बागला के केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर के लिए 11/0.433 केवी इंडोर/आउटडोर इलेक्ट्रिक सबस्टेशन और अन्य संबद्ध बाहरी विद्युत कार्यों की आपूर्ति स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग	मैसर्स अनिल कुमार एंड कंपनी	43.99 *(10.20 कम प्राथमिकता वाले कार्यों को स्थगित किया गया। अनुबंध का कुल मूल्य = 33.79 करोड़)* *मैसर्स अनिल कुमार एंड कंपनी (एकेसी)* का सी अनुबंध 08.01.18 को समाप्त हो गया। *मैसर्स एकेसी . के जोखिम और लागत पर शेष कार्य की निविदाएं आमंत्रित की जा रही हैं*	15.33	54
5.	दो संख्या की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग का शेष कार्य। 11/0.433 केवी इनडोर इलेक्ट्रिक सबस्टेशन (ईएसएस -1 और 2), 03 संख्या आउटडोर प्रकार 11/0.433 केवी कॉम्पैक्ट सबस्टेशन (सीएसएस-1,2 और 3) और सीयूजे के स्थायी परिसर के लिए अन्य संबद्ध बाहरी विद्युत कार्य	मैसर्स सिविकॉन हाई-टेक प्रा। लिमिटेड, जम्मू		4.96	100.00
6.	गहरे खोदे गए नलकूपों सहित अन्य विकासात्मक कार्य, जलापूर्ति एवं व्यावसायिक शुल्क	--	41.53	23.26	56.00
7.	ओबीसी लड़कों (पूर्ण) और गर्ल्स हॉस्टल (निर्माणाधीन) प्रत्येक के लिए 2 100 बिस्तर वाले छात्रावास	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग		15.55	78.00

	(आंशिक रूप से सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित) स्था। लागत 17.70				
8.	लैब, उपकरण आदि सहित अन्य बुनियादी ढांचा।			15.50	
9.	शिक्षा का स्कूल (पंडित मदन महोन मालवीय योजना के तहत)	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग	5.41	4.88	95.00
10.	चारदीवारी		25.00	17.32	32.00
	कुल			376.33	

जम्मू के केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 4880 कनाल 19 मरला भूमि के पूरे खंड पर कब्जा कर लिया, जिसे राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय को सौंप दिया था। विश्वविद्यालय ने सांबा में राह्या-सुचानी (बगला) में चरण-1 में स्थायी परिसर के विकास के लिए निम्नलिखित कार्य किए हैं। इन विकासात्मक कार्यों पर 376.33 करोड़ रुपये (जिसमें पीएमसी और आर्किटेक्ट शुल्क शामिल हैं) खर्च होते हैं और ये निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं।

वर्ष के दौरान इंजीनियरिंग अनुभाग की उपलब्धियां:

1. 12,60,000 लीटर क्षमता का सेंट्रल वाटर रिसीविंग स्टेशन (सीडब्ल्यूआरएस) पूरा हो गया है।

2. 11,88,000 लीटर क्षमता का एलिवेटेड वाटर स्टेशन-I (EWS-I) पूरा हो गया है।

3. 2,40,000 लीटर क्षमता का एलिवेटेड वाटर स्टेशनEWS)II --II) पूरा हो गया है।

4. ईएसएस-1 और ईएसएस-2, और कॉम्पैक्ट सबस्टेशन)सीएसएस-1,2 और 3) जून-2020 तक पूरा किया गया

5. सीपीडब्ल्यूडी को दिए गए शिक्षा विद्यालय के निर्माण के लिए रु 5.41 .करोड़ निर्माण कार्य 20-12-2019 से शुरू किया गया है ,जिसका निर्माण क्षेत्र 1890 वर्गमीटर है और अब पूरा होने के अंतिम चरण में है।

6. सीयूजे बागला की परिधि के साथ-साथ 13.50 किलोमीटर) लगभग (की लंबाई के साथ सीमा दीवार का निर्माण 25.00करोड़ रुपये के लिए सीपीडब्ल्यूडी को दिया गया । कार्य मैसर्स चरणजी लाल गुप्ता एंड संस को आवंटित किया गया था और कार्य 07-12-2019 से शुरू किया गया है । सीपीडब्ल्यूडी ने काम बंद कर दिया है और काम को फिर से प्रदान किये जाने की प्रक्रिया में है।

7. सतीश धवन सेंटर फॉर स्पेस साइंस एसडीसीएसएस का निर्माण इसरो द्वारा वित्त पोषित जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय , राया-सुचानी बागला जिला में सांबा पूरा हो चुका है और इमारत चालू हो गई है।

8. विश्वविद्यालय ने डीआरडीओ द्वारा वित्त पोषित कलाम सेंटर फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी) केसीएसटी (के निर्माण के लिए नया प्रधान वास्तुकार नियुक्त किया है।

9. विश्वविद्यालय एचईएफए वित्त पोषित भवनों के निर्माण के लिए नए पीएमसी की नियुक्ति की प्रक्रिया में है। आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विद्धालय 500 ,बेड बॉयज हॉस्टल 500 ,बेड गर्ल्स हॉस्टल ,लाइब्रेरी कम एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग।

10. जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय को समर्पित बिजली आपूर्ति के लिए 11/33 केवीए 10X2 एमवीए रिसीविंग स्टेशन का निर्माण शुरू हो गया है।

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना दिसंबर 2012 में सैनिक कॉलोनी के अस्थायी शैक्षणिक खंड में की गई थी। 2018 में इसे स्थायी रूप से मुख्य परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया था। वर्तमान में हिंदी विभाग के बगल में स्थित बागला के मुख्य परिसर में क्वार्टर संख्या 6 से स्वास्थ्य केंद्र दो कमरे और एक लॉबी आवास के साथ काम कर रहा है। यह सभी बुनियादी जरूरतों के साथ पांच बिस्तरों की सुविधा है।

केंद्र का मुख्य उद्देश्य रोगों की प्राथमिक रोकथाम प्रदान करना और नियमित स्वास्थ्य समस्याओं का ध्यान रखना है।

स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा अधिकारी, स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, ड्रेसर और चपरासी के रूप में कुशल और अच्छी तरह से प्रशिक्षित कर्मचारी हैं।

विश्वविद्यालय के स्टाफ सदस्यों और छात्रों के लिए नि:शुल्क चिकित्सा जांच की जाती है। सामान्य व सामान्य बीमारियों की नि:शुल्क दवा भी दी जाती है।

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र विशेष रूप से उच्च रक्तचाप और मधुमेह मेलिटस के लिए सभी पहलुओं का विस्तृत मूल्यांकन करता है। यह सभी नामांकित रोगियों के लिए अलग-अलग फाइलें रखता है। अन्य सभी रोगियों को नियमित जांच, आवश्यक जांच, परामर्श, स्वास्थ्य शिक्षा, आवश्यक सलाह और उपचार नि:शुल्क प्रदान किया जाता है।

कोविड -19 आपातकाल के मद्देनजर, रिपोर्ट के तहत अवधि, लॉकडाउन और अनलॉक द्वारा विरामित की गई है। अनलॉक अवधि में, रोगियों को देखा गया है, उपचार दिया गया है, जहां भी आवश्यक हो, 'सीजीएचएस' अस्पतालों में रेफर किया गया है। जबकि सरकार द्वारा जारी किए गए लॉकडाउन के दौरान, संचार के इलेक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से रोगियों को शामिल किया गया है।

इसके अलावा, वर्तमान महामारी के दौरान, कोविड से संबंधित मुद्दों के लिए संकाय, कर्मचारियों और छात्रों में भाग लिया-अर्थात् नमूनाकरण, परीक्षण और कोविड प्रबंधन से संबंधित इसी तरह के मामले।

ऐसी आवश्यकता वाले मामलों के लिए चिकित्सा सहायता, और अस्पताल में भर्ती करने में भी समन्वय किया जाता है।

स्वास्थ्य केंद्र की कार्यप्रणाली:-

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र सभी कार्य दिवसों में सुबह 9:30 बजे से 5:30 बजे तक कार्य करता है।
किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए चिकित्सा अधिकारी और पैरामेडिकल स्टाफ हॉस्टल के लिए हर दिन चौबीसों घंटे कॉल पर रहते हैं।

स्टाफ की उपलब्धता:-

डॉ. हरप्रीत सिंह	वरिष्ठ, चिकित्सा अधिकारी

डॉ. विजयता पुरी	वरिष्ठ, चिकित्सा अधिकारी
अलका सैनी	परिचारिका
अभिषेक कुमार	फार्मेसिस्ट
अंकुर शर्मा	चिकित्सा परिचारक/ड्रेसर
मोहिंदर सिंह	हेल्पर/चपरासी (आउटसोर्स)

पैनलबद्ध अस्पताल और प्रयोगशालाओं की सूची

i. श्री माता वैष्णो देवी नारायण सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, काकर्याल, कटरा (केवल आईपीडी के लिए कैशलेस सुविधा)
ii.आचार्य श्री चंदर कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंस एंड हॉस्पिटल, सिधरा, जम्मू।
iii.लाल पथ लैब, गांधी नगर, जम्मू।
स्वास्थ्य केंद्र का रखरखाव किया गया और निम्नलिखित सुविधाओं से सुसज्जित रहा:
1.पूरी तरह से स्वचालित ईसीजी मशीन
2.ऑक्सीजन सांद्रक 5Nos. (अगस्त 2021को खरीदा गया(
3.मल्टी पैरा पेशेंट मॉनिटर
4.डिजिटल ग्लूकोमीटर
5.रोगी बिस्तर 5
6.स्ट्रेचर
7.व्हीलचेयर
8.विजन बॉक्स (दूर और पास)
9.स्टैंड के साथ 9BP ऑपरेटर
10.टपकन आधार
11.ऑक्सीजन सिलेंडर
12.ऊंचाई मापने स्टैंड
13.परीक्षा काउच]रोगी [2
14.ड्रेसिंग के लिए सर्जिकल उपकरण
15.स्प्लिंट्स

16.सरवाइकल कॉलर [2]
17.पर्याप्त आवश्यक दवाएं
18.गर्ल्स हॉस्टल में 24*7 आधार पर एम्बुलेंस उपलब्ध और तैयार रखी गई थी
19.इन्फ्रारेड विकिरण फिजियोथेरेपी लैंप
20.अर्ध स्वचालित जैव रसायन विश्लेषक
21.पर्याप्त फेस मास्क ,सैनिटाइजर
22.आपातकालीन दवाएं
23.रैपिड एंटीजन टेस्टिंग किट।)05-01-2022 को खरीदा गया(
24.मनोवैज्ञानिक परामर्श

गतिविधियां :-

- 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग के कोविड-19 आयु वर्ग के लिए टीकाकरण अभियान (कोविशील्ड) 11 जून 2021 और 7 सितंबर 2021 को अस्थायी शैक्षणिक ब्लॉक, सैनिक कॉलोनी सीयूजे में चलाया गया।
- स्वास्थ्य केंद्र विभिन्न बीमारियों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश और उपचार प्रदान करता है।
- विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र का प्राथमिक उद्देश्य उपलब्ध सर्वोत्तम चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना है और विभिन्न स्वास्थ्य मुद्दों के संबंध में जागरूकता पैदा करने की दिशा में भी काम करना है
- विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र भी समय-समय पर छात्रों और कर्मचारियों को स्वास्थ्य परामर्श जारी करता है।
- उपरोक्त के अलावा अन्य चिकित्सा अधिकारी भी चिकित्सा प्रतिपूर्ति के बिलों को संसाधित करते हैं ,रिपोर्ट तैयार करते हैं और छात्रावासों और परिसर के स्वच्छता दौर का संचालन करते हैं
- चिकित्सा अधिकारी और कर्मचारी नियमित यात्राओं के अलावा छात्रावासों के लिए 24x7 चिकित्सा कवर प्रदान करते हैं।
- चिकित्सा अधिकारियों सहित सभी स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता चिकित्सा देखभाल प्रदान करने और बीमारियों की रोकथाम के लिए भी काम करते हैं।
- जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और कोविड प्रबंधन सांबा के सहयोग से। कर्मचारी ,आउट-सोर्स स्टाफ ,छात्रों और विद्वानों ने कोविड -19 रैपिड एंटीजन परीक्षण और आरटीपीसीआर परीक्षण किया।
- सीयूजे के स्वास्थ्य केंद्र में प्रशासन के सहयोग से रैपिड एंटीजन टेस्टिंग किट और कोविड-19 के लक्षण वाले मरीजों की जांच उपलब्ध कराई गई।

ओपीडी -:स्वास्थ्य केन्द्र में उपस्थित कुल रोगियों की संख्या (2370)-वर्ष के व्यय का विवरण (2022-2021)

क .पूंजीगत व्यय -:शून्य (उक्त अवधि के दौरान)

ख. आवर्ती व्यय:- (उपभोज्य, दवा, शल्य चिकित्सा की वस्तुएं आदि)

रु. 2,87,397/-

कुल व्यय (क+ख) रु. 2,87,397/-

विधि प्रकोष्ठ

1 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2022 तक की अवधि के कानूनी प्रकोष्ठ का विवरण निम्नानुसार है:-

निम्नलिखित विवरण इस प्रकार हैं:-

1. माननीय उच्च न्यायालय, अधीनस्थ न्यायालय और राजस्व न्यायालय के समक्ष लंबित मामलों की कुल संख्या 25 है।

2. उक्त अवधि के बीच निपटाए गए मामलों की कुल संख्या 2 है।

वर्ष के दौरान कार्यक्रम

अनुसंधान परियोजना में 1 वर्ष के कठोर नमूने की परिकल्पना की गई है, जिसके बाद प्रयोगशाला विश्लेषण किया गया है:

6 अप्रैल, 2021 को कैंपस में "जम्मू में एयरोसोल्स के स्रोत प्रभाजन अध्ययन" को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। मुख्य अतिथि, जेकेपीसीबी के अध्यक्ष, सुरेश चुघ और तत्कालीन कुलपति प्रो.अशोक ऐमा ने हवा निगरानी स्टेशन का उद्घाटन किया। इस परियोजना के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण जगहों जम्मू में पीएम 2.5 (हवा में ने कण) के नमूने के लिए सीयूजे, बाडी ब्राह्मणा, विक्रम चौक, नरवाल और कच्ची छावनी।पर नवीनतम तकनीक के हाई वॉल्यूम सैंपलर स्थापित किए जाएंगे। जम्मू में वायु प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों की पहचान करने के लिए एकत्रित नमूनों और रिसेप्टर मॉडलिंग के प्रयोगशाला विश्लेषण के बाद इस एक साल के तीक्ष्ण नमूनाकरण अभियान का पालन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में अधिष्ठाता प्रो.बी एस भाऊ, प्रो.सुनील धर, एचओडी, ईवीएस, अधिष्ठाता , विज्ञान, प्रो.देवानंद, डॉ. रवि कुमार, कुलसचिव, सीयू जम्मू ने भाग लिया। प्रो.एस एन त्रिपाठी, आईआईटी कानपुर, राष्ट्रीय समन्वयक, एनकेएन, एनसीएपी सम्मानित अतिथि थे, जबकि अन्य ज्ञान भागीदार प्रो. बी आर गुर्जर, आईआईटी रुड़की, प्रो. सुमन मोर, पंजाब विश्वविद्यालय, प्रो. नीरज रस्तोगी, पीआरएल, प्रो. खाईवाल, पीजीआई-चंडीगढ़, प्रो. सचिन एस गुंठे, आईआईटी मद्रास, डॉ. अंकित टंडन, सीयूएचपी, डॉ. विनोज वेलु, आईआईटी भुवनेश्वर, और डॉ. विजय कानवाडे, हैदराबाद विश्वविद्यालय वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से जुड़े। अपने मुख्य भाषण में प्रो. एस एन त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तत्वावधान में स्रोत प्रभाजन अध्ययन के लिए समर्पित एयरोसोल इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधा सर्वोत्तम समन्वय के इस मॉडल को प्रस्तुत करके सीयूजे और जेकेपीसीबी का काम आसान हो जाएगा।

❖ **कोविड टीकाकरण अभियान:**

कोविड की जारी महामारी के मद्देनजर **11** जून, **2021** को जम्मू के स्वास्थ्य केंद्र केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा अस्थाई शैक्षणिक ब्लॉक, सैनिक कॉलोनी में एक टीकाकरण अभियान चलाया गया, जहां गैर शिक्षण, शिक्षण कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को कोविशील्ड का टीका लगाया गया। ड्राइव के दौरान उपस्थित डॉक्टरों में डॉ. विजयता पुरी, डॉ. हरप्रीत सिंह के साथ चिकित्सा कर्मचारी श्री अभिषेक सिंह, सुश्री अलका सैनी, श्री अंकुर शर्मा और श्री मोहिंदर

सिंह शामिल थे। मोबाइल नंबरों के माध्यम से कोविशील्ड वैक्सीन पंजीकरण की प्रक्रिया के बाद टीकाकरण की खुराक कोविशील्ड वैक्सीन की पहली खुराक के रूप में ऑनलाइन दर्ज की गई। प्रथम टीकाकरण अभियान के दौरान कुल **332** सदस्यों को टीका लगाया गया।

❖ पूर्व कुलपति को विदाई :

11 अगस्त, 2021 को सेंट्रल विश्वविद्यालय ऑफ़ जम्मू टीचर्स एसोसिएशन (सीयूजेटीए) ने पूर्व कुलपति प्रो. अशोक ऐमा को विश्वविद्यालय में उनकी सेवाओं के लिए उनका आभार व्यक्त करने के लिए स्नेहपूर्ण विदाई दी। सीयूजेटीए के अध्यक्ष प्रो. देवानंद ने स्वागत भाषण दिया जिसके बाद अधिष्ठाता और विभागाध्यक्षों का विदाई संदेश दिया। सभी संकाय सदस्यों की ओर से सीयूजेटीए के सदस्यों ने प्रो.ऐमा को प्यार और प्रशंसा के प्रतीक के रूप में स्मृति चिह्न भेंट किया। अपने विदाई भाषण में प्रो.ऐमा ने उम्मीद जताई कि उनके उत्तराधिकारी सीयूजे को उत्कृष्टता केंद्र बनाने के कार्य को आगे बढ़ाएंगे और प्रत्येक संकाय सदस्य को संस्था के प्रति अपनेपन की भावना विकसित करने की सलाह दी ताकि यह भविष्य में नई ऊंचाइयों को छू सके। सीयूजे की उपलब्धियों को याद करते हुए, प्रो.ऐमा ने फैकल्टी सदस्यों के प्रयासों की उनकी सभी उपलब्धियों के लिए सराहना की और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में लगभग 100 संकाय सदस्यों ने भाग लिया डॉ. जे एन बलिया, विभागाध्यक्ष, शैक्षिक अध्ययन विभाग ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। संचालन डॉ. श्वेता कोहली ने किया।

❖ तीसरे वीसी का स्वागत :

डॉ. संजीव जैन ने 25 नवंबर 2021 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के तीसरे कुलपति के रूप में पदभार संभाला। विश्वविद्यालय परिसर में आगमन पर कुलपति का सभी अधिष्ठाता,विभागाध्यक्षों, कुलसचिव और वित्त अधिकारी ने गर्मजोशी से स्वागत किया। सामान्य और अभिनव दृष्टिकोण के साथ मिलकर अनुकरणीय प्रशासनिक कौशल रखने

वाले प्रो. जैन को देश के अग्रणी कुलपतियों में से एक माना जाता है। प्रो जैन ने अपने कार्यालय में शामिल होने के बाद एक संक्षिप्त बयान जारी करते हुए कहा: मैं एनइपी 2020 के आलोक में विश्वविद्यालय के भविष्य और विकास के लिए सभी आवश्यक कदम उठाऊंगा। सीयूजे में शामिल होने से पहले प्रो. जैन आईआईआईटी पीडीपीएम-इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग (आईआईआईटीडीएम, जबलपुर (एमपी) के निदेशक के रूप में अग्रणी इंजीनियरिंग संस्थानों में से एक का नेतृत्व कर रहें थे। इससे पहले वे श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।

एनईपी 2020 पर ओपन हाउस चर्चा:

एनसीटीई के सहयोग से शैक्षिक अध्ययन विभाग ने 20 दिसंबर, 2021 को एनईपी-2020 (पैरा 5. 20) के संदर्भ में एक ओपन हाउस चर्चा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न हितधारकों जैसे छात्रों, शिक्षकों और कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के शिक्षक शिक्षकों आदि से शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों के दस्तावेज़ को अंतिम रूप देने और विकसित करने के साथ-साथ इसके लिए रणनीति तैयार करने के लिए सहमति और विचार प्राप्त करना था। देश में एनपीएसटी का कार्यान्वयन। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में श्री विश्वजीत कुमार सिंह, आईएफएस, प्रधान सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग जम्मू-कश्मीर, प्रो. संजीव जैन, माननीय वीसी सेंट्रल विश्वविद्यालय ऑफ जम्मू और सुश्री केसांग वाई शेरपा, सदस्य सचिव (एनसीटीई) इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रो. संजीव जैन ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न तकनीकी प्रगति और विकास के बावजूद शिक्षक हमेशा एक शिक्षक ही रहेगा। उन्होंने समाज में शिक्षक की गिरती स्थिति के लिए भी अपनी चिंता व्यक्त की और श्रोताओं से अपने ज्ञान, योग्यता और कौशल (केसीएस) को अपने संबंधित क्षेत्र में उन्नत करने का आग्रह किया ताकि छात्र अपनी पसंद के अनुसार पेशे के रूप में शिक्षण का चयन कर सकें। उपायुक्त, केवीएस, जेआर, डॉ. अदित गुप्ता, एमआईईआर कॉलेज जम्मू, डॉ. विक्रम गुलाटी, प्रिंसिपल, शिवालिक कॉलेज ऑफ एजुकेशन और श्री एचआर पखरू, संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा, जम्मू ने एनसीटीई के आगामी दस्तावेज पर आधारित अपने महत्वपूर्ण प्रतिबिंब और सिफारिशों को साझा किया, शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय पेशेवर मानक, जिसे शैक्षिक अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जे एन बलिया द्वारा संचालित किया गया था।

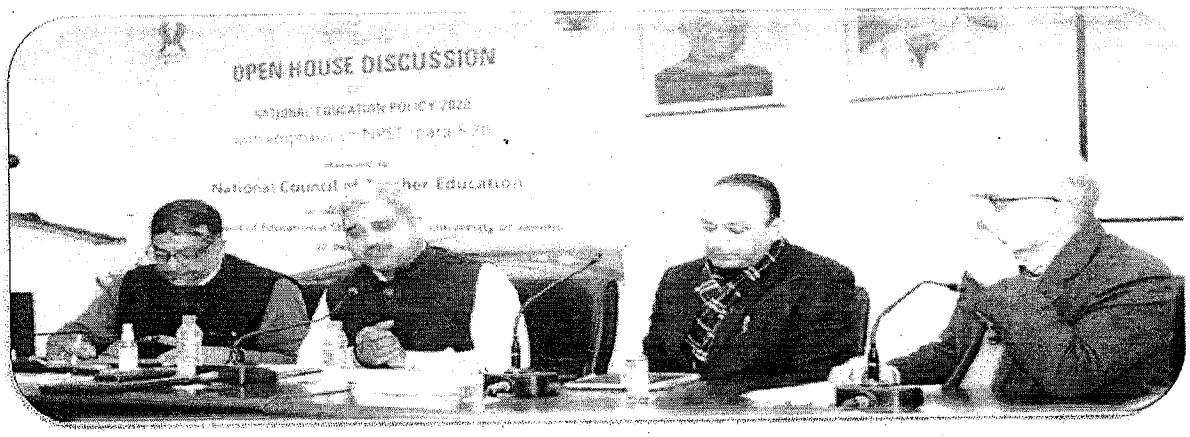

राष्ट्रीय युवा दिवस दिवस :

- 12 जनवरी, 2022 को अंग्रेजी विभाग ने सबसे महान ईश्वरवादियों और आध्यात्मिक नेताओं में से एक स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाने के लिए राष्ट्रीय युवा दिवस भी मनाया, जिसे राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में भी जाना जाता है। इस मौके पर विभाग के छात्रों और शोधार्थियों ने इस दिन के इतिहास और महत्व के बारे में बताया। समारोह की अध्यक्षता डॉ.वंदना शर्मा ने की जिन्होंने स्मरणोत्सव का समन्वय किया। संबोधन में डॉ.शर्मा ने छात्रों को स्वामी विवेकानंद के आदर्श सिद्धांत और दर्शन का अनुशीलन करने की सलाह दी। उन्होंने रेखांकित किया कि कार्यक्रम के पीछे के उद्देश्य से युवाओं को प्रेरित करके और स्वामी विवेकानंद के विचार का प्रसार करके देश के लिए बेहतर भविष्य बनाना है।

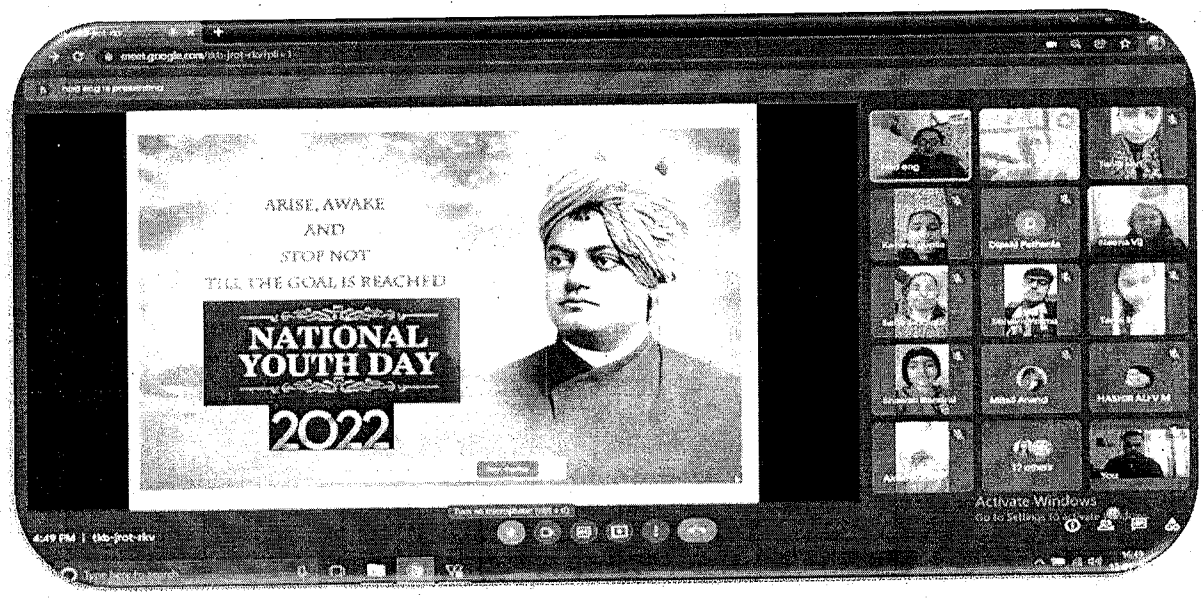

- **कोविड उपयुक्त व्यवहार पर परामर्श :**

जीएसकैश के तत्वावधान में छात्र परामर्श प्रकोष्ठ ने कोविड उपयुक्त व्यवहार और चिकित्सा सहायता विषय पर परामर्श सत्रों का आयोजन किया। सत्र 7 फरवरी 2022 से चार दिनों के लिए ऑनलाइन मोड में आयोजित किए गए थे। सभी विभागों के सभी छात्रों को वर्तमान और प्रासंगिक मुद्दे पर जानकारी प्रदान की गई । विश्वविद्यालय के चिकित्सा

अधिकारी, डॉ. हरप्रीत सिंह और डॉ. विजयता पुरी मुख्य संसाधन व्यक्ति थे, जिन्होंने प्रभावी ढंग से और धैर्यपूर्वक इस मुद्दे पर चर्चा की और छात्रों द्वारा कोविड-19 से निपटने के संबंध में पूछे गए प्रश्नों के भी उत्तर दिये।

सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र का उद्घाटन:

अंतरिक्ष विभाग और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) ने संयुक्त रूप से केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर जम्मू में अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अनुसंधान करने के लिए अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र की स्थापना की है। केंद्र का नाम प्रसिद्ध अंतरिक्ष वैज्ञानिक, शिक्षक और इसरो के पूर्व अध्यक्ष, प्रो.सतीश धवन के नाम पर रखा गया है, जो जम्मू-कश्मीर के रहने वाले थे। सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र का उद्घाटन श्री एस.सोमनाथ, अध्यक्ष, इसरो डॉ. के. राधाकृष्णन पूर्व अध्यक्ष, इसरो , सचिव, डीओएस, अंतरिक्ष आयोग की उपस्थिति में डॉ. जितेंद्र सिंह, माननीय अंतरिक्ष राज्य मंत्री (एमओएस) और प्रो. संजीव जैन, कुलपति, सीयूजे द्वारा 12 मार्च, 2022 को किया गया।

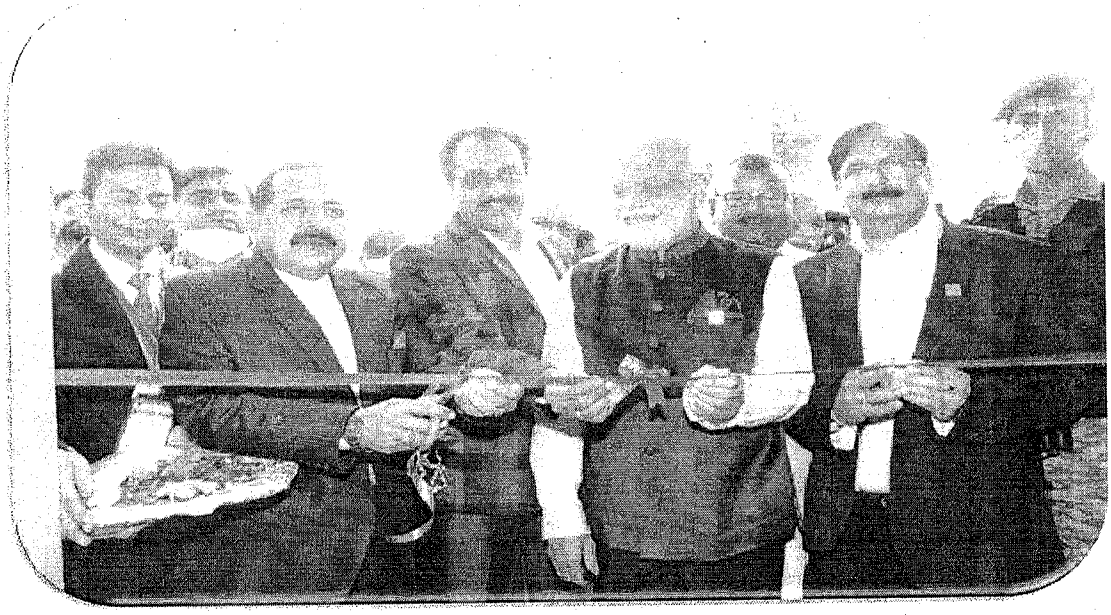

सीयूजे और एक्सिगो रिसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन:-

डोगरी के माध्यम से विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर 18 मार्च 2022 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट रीसाइक्लिंग कंपनी एक्सिगो रीसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। एमओयू के तहत बढ़ते इलेक्ट्रॉनिक कचरे से छुटकारा पाने के रणनीतिक तरीके साझा किए जाने की उम्मीद है। समझौता ज्ञापन में एक्सिगो-रीसाइक्लिंग विधियों की भी परिकल्पना की गई है, जो स्वदेशी रूप से विकसित, पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित तरीके हैं, जिससे ई-अपशिष्ट उत्पादन में वृद्धि के मुद्दे को हल किया जा सकता है।

❖ **भारत पर फोकस के साथ यूक्रेनी संकट के बाद उभरती विदेश नीति के मुद्दों पर माननीय चांसलर, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा प्रख्यात व्याख्यान:**

देश के शीर्ष राजनयिकों में से एक राजदूत पार्थसारथी माननीय कुलाधिपति जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 22 मार्च, 2022 को संकाय, शोधार्थियों और छात्रों के लिए आयोजित प्रख्यात व्याख्यान में "यूक्रेनी संकट के बाद भारत पर केंद्रीत विदेश नीति के मुद्दे " विषय से व्याख्यान किया गया । चर्चा में राजदूत पार्थसारथी ने रूस यूक्रेन युद्ध संकट के मद्देनजर वैश्विक परिदृश्य की जानकारी दी और भारतीय विदेश नीति को रेखांकित किया। चर्चा के बाद एक परसपर संवादात्मक सत्र हुआ जिसमें छात्रों और शोधार्थियों ने भाग लिया। कुलपति प्रो. संजीव जैन द्वारा माननीय कुलपति को स्मृति चिह्न भेंट करने के साथ सत्र समाप्त हुआ।

❖ **महिला दिवस:**

बेहतर कल के लिए 2022 लैंगिक समानता के लिए संयुक्त राष्ट्र के विषय के साथ एकरूपता स्थापित करते हुए, अंग्रेजी विभाग ने विश्वविद्यालय परिसर में जलवायु परिवर्तन अनुकूलन पर अग्रणी भूमिका निभाने वाली महिलाओं और कन्याओं को पहचान दिलाने और स्थायी भविष्य के प्रति उनके नेतृत्व और योगदान का सम्मान करने के लिए 8 मार्च 2022 को महिला दिवस मनाया। विभाग के छात्रों ने इस दिन के इतिहास और विकास के महत्व पर विचारशील कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिसके बाद श्रीमती ताहेरा जाधव निदेशक, ग्रामीण महिलाओं के लिए बारली विकास संस्थान, इंदौर द्वारा सतत कल के लिए लिंग समानता विषय पर विस्तारित व्याख्यान दिया गया। श्रीमती ताहेरा जाधव महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही हैं और साक्षरता, स्वास्थ्य व्यावसायिक कौशल और सामुदायिक विकास में ज्यादातर निरक्षर ग्रामीण और आदिवासी महिलाओं के प्रशिक्षण के लिए संस्थान के प्रशासन में शामिल हैं।

- **एक सतत कल के लिए आज लैंगिक समानता पर वेबिनार:** अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य दिवस पृथ्वी दिवस 8 मार्च 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग ने दो कार्यक्रम आयोजित किए। पहला आयोजन वृक्षारोपण समारोह था। दूसरा कार्यक्रम "एक सतत कल के लिए आज लैंगिक समानता " विषय पर आयोजित वेबिनार था, जो पर्यटन क्षेत्र में महिलाओं के लिए उद्यमशीलता के अवसरों और चुनौतियों पर केंद्रित था। डॉ. पारुल जसरोटिया प्रमुख वक्ता, प्रसिद्ध यात्री, व्यावसायकर्ता, व्लॉगर, वालंटियर और रिसर्चर और टीम ट्रैवल टेल्स इंडिया, एलएलपी ट्रैवल के साथ-साथ सनासर में होमस्टे अर्थात् टेल्स इको स्टे की संस्थापक थीं, उन्होंने शुरुआती दिनों में उनके द्वारा और अपनी उद्यमशीलता की यात्रा और चुनौतियों के बारे में अपने अनुभव साझा किए कैसे वह एक मजबूत महिला के रूप में उभरीं और विभिन्न भूमिकाएँ निभा रही हैं।

- **अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य दिवस**: समाज कार्य विभाग ने **17** मार्च, **2020** को अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य दिवस मनाया। इस वर्ष के समाज कार्य दिवस का विषय था 'को-बिल्डिंग ए न्यू इको-सोशल वर्ल्ड: लीविंग नो वन बिहाइंड'।

आजादी का अमृत महोत्सव

❖ **"स्वतंत्रता संग्राम की गुमनाम भारतीय महिला नायकों" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी :**

❖ प्रगतिशील भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के गौरवशाली इतिहास के चल रहे समारोह को आगे बढ़ाते हुए "अनसुनी भारतीय महिला स्वतंत्रता सेनानी: ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक अपवर्तन" विषय पर एक राष्ट्रीय स्तर की छात्र शोधार्थियों की संगोष्ठी का उद्घाटन, अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 22 नवंबर 2021 को ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह सभागार में कुलपति प्रो.अशोक ऐमा एवं और पद्मश्री शिव निर्मोही द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। मिश्रित मोड में आयोजित संगोष्ठी में प्रो.नीरजा गुप्ता, कुलपति, सांची बौद्ध-भारतीय अध्ययन विश्वविद्यालय भी शामिल हुए, जिन्होंने संगोष्ठी के विषय के महत्व और समयबद्धता पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से अनसुनी महिला स्वतंत्रता सेनानियों के सांस्कृतिक और साहित्यिक परिप्रेक्ष्य के रूप में स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित केवल ऐतिहासिक आख्यानों तक ही सीमित हो गए हैं। अपने संबोधन में, प्रो. नीरजा ने इस बात को रेखांकित किया कि किस प्रकार स्वतंत्रता आंदोलन के लिए अभियान को झलकारी जैसी महिलाओं और उनकी महिला टुकड़ी में कई अन्य महिलाओं पर विशेष जोर देने के साथ विचार-विमर्श करने की आवश्यकता है, जिन्होंने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लड़ाई लड़ी थी।

प्रो.ऐमा ने पद्मश्री निर्मोही को किया सम्मानित

❖ **संविधान दिवस :**

26 नवंबर 2021 को विश्वविद्यालय परिसर में संविधान दिवस मनाया गया जिसमें विश्वविद्यालय समुदाय द्वारा भारत के संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डीन छात्र कल्याण कार्यालय द्वारा किया गया। कुलपति प्रोफेसर संजीव जैन ने समारोह और प्रस्तावना के वाचन की शोभा बढ़ाई। अपने संबोधन में, प्रो जैन ने संविधान दिवस पर सीयूजे बिरादरी को बधाई दी और भारतीय संविधान को कई तरह से आकार देने वाले कारकों को रेखांकित किया। इसके अलावा, माननीय कुलपति ने सभी विश्वविद्यालय बिरादरी को सीयूजे को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए प्रतिबद्धता और जुनून की भावना के साथ क़ाम करने की सलाह दी। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रोफेसर रसल सिंह ने विशेष रूप से स्वतंत्रता के 75 वर्षों के दौरान स्वतंत्रता आंदोलन के विभिन्न आयामों को रेखांकित करते हुए इस दिन के महत्व पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय पर्यटन दिवस पर वेबिनार

26 जनवरी 2022 को पर्यटन विभाग ने राष्ट्रीय पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में वेबिनार का आयोजन किया। 2022 में, पर्यटन मंत्रालय नें "आज़ादी का अमृत महोत्सव" के तत्वावधान में राष्ट्रीय पर्यटन दिवस मना रहा है, जो भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्षों को चिह्नित करने के लिए 75 सप्ताह का भव्य उत्सव है। वेबिनार में पांच प्रमुख वक्ताओं और विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था, जिनमें एसएम साहनी, संयोजक, इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (जम्मू चैप्टर) और पूर्व निदेशक पर्यटन, जम्मू; अरविंद कोतवाल, पूर्व एमडी आवास और शहरी विकास, जम्मू, पूर्व उप निदेशक पर्यटन, जम्मू, सचिव गुप्ता, निदेशक ट्रैवल ग्रीन अर्थ, स्वपन स्लाथिया, निदेशक जुबिलेंट हॉलीडे और श्री संजय जीना, निदेशक ट्रैवल मर्चेंट शामिल थे।

इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल के कार्यक्रमों की श्रृंखला

➢ भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष (भारत का अमृत महोत्सव) के उपलक्ष्य में 75 सप्ताह तक चलने वाले समारोह के एक भाग के रूप में, खनिज भौतिकी प्रभाग और जीवाश्म विज्ञान प्रभाग, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्र, लखनऊ ने संयुक्त रूप से ई-प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक इंटरैक्टिव वेबिनार सत्र का आयोजन किया। 5 अगस्त 2021 को संस्थागत नवाचार परिषद, जम्मू जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और कश्मीर (यूटी) ने इस कार्यक्रम में पर्यावरण विज्ञान विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों और शोधार्थियों ने भाग लिया। खनिज भौतिकी विभाग के खनिज विज्ञानी डॉ. विवेक पी. मालवीय (वरि.) ने "आधुनिक भूविज्ञान में खनिज भौतिकी की भूमिका" पर व्याख्यान दिया है, और जीवाश्म विज्ञान विभाग के अधीक्षण भूविज्ञानी डॉ.रत्नेश सिंह चंदेल ने "जीवन के माध्यम से जीवन" पर एक व्याख्यान दिया है।

अगस्त 2021 को अनुसंधान, नवाचार और रैंकिंग पर राष्ट्रीय वेबिनार:

भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष (भारत का अमृत महोत्सव) मनाने के लिए 75 सप्ताह के लंबे समारोह के एक भाग के रूप में, शिक्षा मंत्रालय (भारत सरकार) ने एमआईसी और एआईसीटीई के साथ 11 अगस्त 2021 को प्रात: 10:30 बजे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का एक वर्ष मनाया।

वेबिनार का विषय रिसर्च, इनोवेशन और रैंकिंग था। डॉ. राजकुमार रंजन सिंह, माननीय शिक्षा और विदेश राज्य मंत्री, भारत सरकार इस कार्यक्रम के 'मुख्य अतिथि' थे, जबकि प्रो. के. विजय राघवन, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, भारत सरकार मुख्य अतिथि थे।।

वेबिनार में ऑनलाइन मोड के माध्यम से 1 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भी डॉ. पंकज मेहता, की अध्यक्ष, आईआईसी, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की पर्यवेक्षण में वेबिनार में भाग लिया।

अनुलग्नक

संकाय की सूची

क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	पद
1.	प्रो.देवानंद	आचार्य
2.	प्रो. जया भसीन	आचार्य
3.	प्रो. बृजमोहन सिंह भऊ	आचार्य
4.	प्रो. दीपक पठानिया	आचार्य
5.	प्रो. सुनील धर	आचार्य
6.	प्रो. रसाल सिंह	आचार्य
7.	प्रो. मुश्ताक अहमद	आचार्य

क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	पद
1.	डॉ. वी. श्रीधरन	सह - आचार्य
2.	डॉ. यशवंत सिंह	सह - आचार्य
3.	डॉ. ज्योति नारायण बालिया	सह - आचार्य
4.	डॉ. ऋतु बक्शी	सह - आचार्य
5.	डॉ. वंदना शर्मा	सह - आचार्य
6.	डॉ. ऋचा कोठारी	सह - आचार्य
7.	डॉ. शशांक शुक्ला	सह - आचार्य
8.	डॉ. अजय कुमार शर्मा	सह - आचार्य
9.	डॉ. विनय कुमार	सह - आचार्य
10.	डॉ. सुरम सिंह	सह - आचार्य

शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की सूची

क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	पद
1.	डॉ. सामंथा वैष्णवी	सहायक आचार्य
2.	डॉ. दीपक भारद्वाज	सहायक आचार्य
3.	डॉ. विकास श्रीवास्तव	सहायक आचार्य
4.	डॉ. सुजाता कुंदन	सहायक आचार्य
5.	डॉ. ताप्ता कंचन रॉय	सहायक आचार्य
6.	डॉ. प्रिंसी गुप्ता	सहायक आचार्य
7.	डॉ. अजय कुमार सिंह	सहायक आचार्य
8.	डॉ. मुरुगेसन ए.	सहायक आचार्य
9.	डॉ. भावना अरोड़ा	सहायक आचार्य
10.	डॉ. दीप्ति मल्होत्रा	सहायक आचार्य
11.	श्री नीरेंद्र कुमार	सहायक आचार्य
12.	श्री अरविंद कुमार सेलवाल	सहायक आचार्य
13.	सुश्री प्रीति गुप्ता	सहायक आचार्य
14.	श्री अनिल कुमार भारती	सहायक आचार्य
15.	डॉ. श्वेता कोहली	सहायक आचार्य
16.	श्री सुशांत नाग	सहायक आचार्य
17.	डॉ. अमन	सहायक आचार्य
18.	डॉ. असित कुमार मंत्री	सहायक आचार्य
19.	डॉ. रवि वांगुरी	सहायक आचार्य

20.	डॉ. किरण	सहायक आचार्य
21.	डॉ. नीना गुप्ता विज	सहायक आचार्य
22.	डॉ. राज ठाकुर	सहायक आचार्य
23.	डॉ. परवीन कुमारी	सहायक आचार्य
24.	डॉ. मिर्जा अहमद अफजल फारूकी	सहायक आचार्य
25.	डॉ. दिनेश कुमार	सहायक आचार्य
26.	डॉ. अनीता सिंह	सहायक आचार्य
27.	डॉ. पंकज मेहता	सहायक आचार्य
28.	डॉ. श्वेता यादव	सहायक आचार्य
29.	डॉ. रत्नेश कुमार यादव	सहायक आचार्य
30.	डॉ. अरबिंद कुमार यादव	सहायक आचार्य
31.	डॉ. वंदना शर्मा	सहायक आचार्य
32.	डॉ. विनय कुमार शुक्ला	सहायक आचार्य
33.	डॉ. नीलिका अरोड़ा	सहायक आचार्य
34.	सुश्री अंजलि पठानिया	सहायक आचार्य
35.	डॉ. गौहर रसूल	सहायक आचार्य
36.	श्री आसिफ अली	सहायक आचार्य
37.	डॉ. सलिल सेठ	सहायक आचार्य
38.	डॉ. शाहिद मुश्ताक	सहायक आचार्य
39.	डॉ. अंजू थप्पा	सहायक आचार्य
40.	डॉ. नरेश कुमार	सहायक आचार्य

41.	डॉ. बच्चा बाबू	सहायक आचार्य
42.	श्री राशिद अली	सहायक आचार्य
43.	श्री मनीष प्रकाश	सहायक आचार्य
44.	सुश्री अर्चना कुमारी	सहायक आचार्य
45.	डॉ. पविंदर सिंह	सहायक आचार्य
46.	डॉ. संजय कुमार	सहायक आचार्य
47.	डॉ. दीप सिंह	सहायक आचार्य
48.	डॉ. कमलेश कुमार	सहायक आचार्य
49.	डॉ. प्रवीण कुमार मेहता	सहायक आचार्य
50.	डॉ. औदेश कुमार भट्ट	सहायक आचार्य
51.	डॉ. अशोक कुमार यादव	सहायक आचार्य
52.	डॉ. शैली सहगल	सहायक आचार्य
53.	डॉ. विशाल सिंह	सहायक आचार्य
54.	डॉ. तनुज कुमार	सहायक आचार्य
55.	डॉ. प्रगति कुमार	सहायक आचार्य
56.	डॉ. पवन कुमार	सहायक आचार्य
57.	डॉ. नीता रानी	सहायक आचार्य
58.	डॉ. आर. सुधाकर	सहायक आचार्य
59.	डॉ. जे. जगन्नाथन	सहायक आचार्य
60.	डॉ. रूची चौधरी	सहायक आचार्य
61.	डॉ. दुर्गा राव घंटा	सहायक आचार्य

62.	डॉ. मोहित शर्मा	सहायक आचार्य
63.	डॉ. नैन्सी मेंगी	सहायक आचार्य
64.	डॉ. भट्ट इकबाल माजिद	सहायक आचार्य
65.	डॉ. रणवीर सिंह	सहायक आचार्य
66.	डॉ. विनय कुमार	सहायक आचार्य
67.	डॉ. भारती गुप्ता	सहायक आचार्य
68.	डॉ. अमित गंगोटिया	सहायक आचार्य
69.	श्री रंजीत कुमार रमन	सहायक आचार्य
70.	श्री राहुल ठाकुर	सहायक आचार्य
71.	सुश्री स्टैनज़िन लाडोली	सहायक आचार्य
72.	डॉ. अंजलि धर	सहायक आचार्य
73.	डॉ. श्वेतांबरी जसरोटिया	सहायक आचार्य
74.	डॉ. विनीता शर्मा	सहायक आचार्य
75.	डॉ. अविनाश चंद यादव	सहायक आचार्य
76.	डॉ. अमित तोमर	सहायक आचार्य
77.	डॉ. जेहोवा जिरे एल.हमर	सहायक आचार्य

शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की सूची

क्रम संख्या	कर्मचारी का नाम	पदनाम
1.	डॉ. यशवंत सिंह	प्रभारी कुलसचिव
2.	मोहम्मद इकबाल	उप कुलसचिव
3.	श्रीमती शफला परिहार	उप कुलसचिव
4.	श्री विशाल बरगोत्रा	अधिशाषी अभियंता
5.	श्री विकास गुप्ता	सहायक कुलसचिव
6.	श्री अजय शर्मा	सहायक कुलसचिव
7.	श्री शलेंद्र स्लाथिया	सहायक कुलसचिव
8.	श्री रोमेश चंद्र	सहायक पुस्तकालय
9.	श्रीमती प्रेरणा	सहायक पुस्तकालय
10.	डॉ. प्रियंजन	सहायक निदेशक (रा.भ)
11.	डॉ. हरप्रीत सिंह	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी
12.	डॉ. विजेयता पुरी	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी
13.	श्री ध्रुव कुमार	सूचना वैज्ञानिक
14.	श्री उदित महाजन	System Analyst
15.	श्री संजीव गुप्ता	निजी सचिव
16.	श्री आशीष कुमार सिंह	अनुभाग अधिकारी
17.	श्री अंकुश शर्मा	निजी सचिव
18.	श्री आरती पुरी	निजी सचिव
19.	श्री साहिल कुमार पंडी	निजी सचिव
20.	श्रीमती रचना गुप्ता	अनुभाग अधिकारी
21.	श्री जतिन देव रनियाल	अनुभाग अधिकारी
22.	सुश्री मिनाक्षी गुप्ता	अनुभाग अधिकारी
23.	श्रीमती अलका सैनी	नर्स
24.	श्री रोहित थापा	सहायक अभियंता
25.	श्री बलवान सिंह	सुरक्षा अधिकारी
26.	श्री अविनाश कंडवाल	सहायक (प्रतिनियुक्ति पर)
27.	सुलक्षणा शर्मा	सहायक
28.	श्रीमती मोनिका कलसी	सहायक
29.	श्री अनमोल गुप्ता	कनिष्ठ अभियंता (इलैक्ट्रीक)
30.	श्रीमती महक महाजन	वरिष्ठ तकनीकी सहायक
31.	श्री रमन कुमार	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)
32.	श्री रोहित गुप्ता	व्यावसायिक सहायक

33.	श्रीमती पुजा शर्मा	व्यावसायिक सहायक
34.	श्री रामजी	तकनीकी सहायक
35.	श्री अभिनंदन कोतवाल	विधि सहायक
36.	श्री सतीश प्रसाद	हिंदी अनुवादक
37.	श्री प्रणव गुप्ता	तकनीकी सहायक (कंप्यूटर)
38.	श्री रोमी राजपूत	सुरक्षा अधिक्षक
39.	श्री अभिषेक कुमार	फार्मेसिस्ट
40.	श्री शिव शरण सिंह	अर्ध- व्यावसायिक सहायक
41.	श्रीमती क्षमा शर्मा	प्रवर श्रेणी लिपिक
42.	श्रीमती हरिंदर कौर	प्रवर श्रेणी लिपिक
43.	श्री रोहित जसरोटिया	प्रवर श्रेणी लिपिक
44.	श्री अर्जुन गोतम	प्रवर श्रेणी लिपिक
45.	श्री पुष्प सम्वयाल	प्रवर श्रेणी लिपिक
46.	श्री बृज भूषण	प्रवर श्रेणी लिपिक
47.	श्रीमती शुम्मू स्लाथिया	प्रवर श्रेणी लिपिक
48.	श्री विवेक गुलेरिया	पुस्तकालय सहायक
49.	श्री मनोज कुमार	प्रयोगशाला सहायक
50.	श्री तलविंदर सिंह	प्रयोगशाला सहायक
51.	श्री शिप्पू महाजन	पुस्तकालय सहायक
52.	श्री राकेश कुमार	अवर श्रेणी लिपिक
53.	स. कमलजीत सिंह अरोडा	अवर श्रेणी लिपिक
54.	स. गजेंद्र सिंह	अवर श्रेणी लिपिक
55.	श्री संदीप सिंह जम्वाल	अवर श्रेणी लिपिक
56.	श्री विनीत कुमार	हिंदी टंकक
57.	श्रीमती प्रतिमा अनुप वांगरु	अवर श्रेणी लिपिक
58.	श्री अमित कुमार	अवर श्रेणी लिपिक
59.	श्री रूपेंद्र	अवर श्रेणी लिपिक
60.	श्री सुरेंदर सिंह	रसोईया
61.	श्री नरेश शर्मा	रसोईया
62.	श्री केवल सिंह	रसोईया
63.	श्री जितेंद्र स्लाथिया	चालक
64.	श्री प्रवीन कुमार	चालक
65.	श्री कुलदीप सिंह	चालक
66.	श्री अंकुर शर्मा	चिकित्सा ड्रेसर
67.	श्री पप्पी सिंह	चपरासी
68.	श्री विनोद जम्वाल	चपरासी

69.	श्री रिशु कुमार	चपरासी
70.	श्री अंकुश मंगोत्रा	चपरासी
71.	सोनिया	प्रयोगशाला परिचर
72.	श्री रवि कुमार	मल्टी टास्किंग कर्मचारी
73.	श्री राजेन्दर कुमार	मल्टी टास्किंग कर्मचारी
74.	श्री भारत भूषण शर्मा	पुस्तकालय परिचर
75.	श्री राजेशवर सिंह	प्रयोगशाला परिचर
76.	श्री शिव कोल	छात्रवास सहायक
77.	श्री कीमती लाल	छात्रवास सहायक
78.	श्री प्रदीप कुमार	पुस्तकालय परिचर
79.	श्री प्रयास शर्मा	पुस्तकालय परिचर
80.	श्रीमती कविता चोपड़ा	प्रयोगशाला परिचर
81.	श्रीमती सुक्नया वैद	पुस्तकालय परिचर
82.	श्री संजीव कुमार	रसोई परिचर
83.	श्री अंकुर वाली	रसोई परिचर

उत्तीर्ण छात्रों का डेटा 2021-22 (उत्तीर्ण-प्रतिशत और उत्तीर्ण ग्राफ के साथ)।

	2021-22 अंतिम वर्ष का पासआउट डेटा					
क्र.सं.	**विषय**	**निर्गत**	**उत्तीर्ण**	**पास प्रतिशत**	**सत्र**	**आयोजित वर्ष**
1	अर्थशास्त्र	30	30	100	चतुर्थ	जून-21
2	अंग्रेज़ी	34	33	97.06	चतुर्थ	जून-21
3	पर्यावरण विज्ञान	47	47	100	चतुर्थ	जून-21
4	हिन्दी	10	10	100	चतुर्थ	जून-21
5	एम.एड.	44	44	100	चतुर्थ	जून-21
6	एम.टेक कंप्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	28	28	100	चतुर्थ	जून-21
7	जन संचार एवं नवीन मीडिया	12	12	100	चतुर्थ	जून-21
8	व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर	26	25	96.15	चतुर्थ	जून-21
9	सामग्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	18	18	100	चतुर्थ	जून-21
10	गणित	45	45	100	चतुर्थ	जून-21
1 1	एमबीए-मार्केटिंग प्रबंधन	45	45	100	चतुर्थ	जून-21
12	एमबीए-मानव संसाधन प्रबंधन	40	40	100	चतुर्थ	जून-21
13	एमबीए-पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन	39	38	97.44	चतुर्थ	जून-21
14	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन	10	10	100	चतुर्थ	जून-21

15	लोक नीति एवं लोक प्रशासन	29	29	100	चतुर्थ	जून-21
16	समाज कार्य	28	27	96	चतुर्थ	जून-21
17	वी.वॉक(खुदरा प्रबंधन)	13	12	92.31	छः	जून-21
18	वी.वॉक(पर्यटन प्रबंधन)	22	22	100	छः	जून-21
19	एकीकृत बी.एससी. (ऑनर्स) - एम. एससी. पाठ्यक्रम: वनस्पति विज्ञान	22	22	100	दस	जून-21
20	एकीकृत बी.एससी. (ऑनर्स) - एम. एससी. पाठ्यक्रम: रसायन विज्ञान	16	16	100	दस	जून-21
21	एकीकृत बी.एससी. (ऑनर्स) - एम. एससी. पाठ्यक्रम: भौतिकी	17	17	100	दस	जून-21
22	एकीकृत बी.एससी. (ऑनर्स) - एम. एससी. पाठ्यक्रम: प्राणि विज्ञान	22	22	100	दस	जून-21

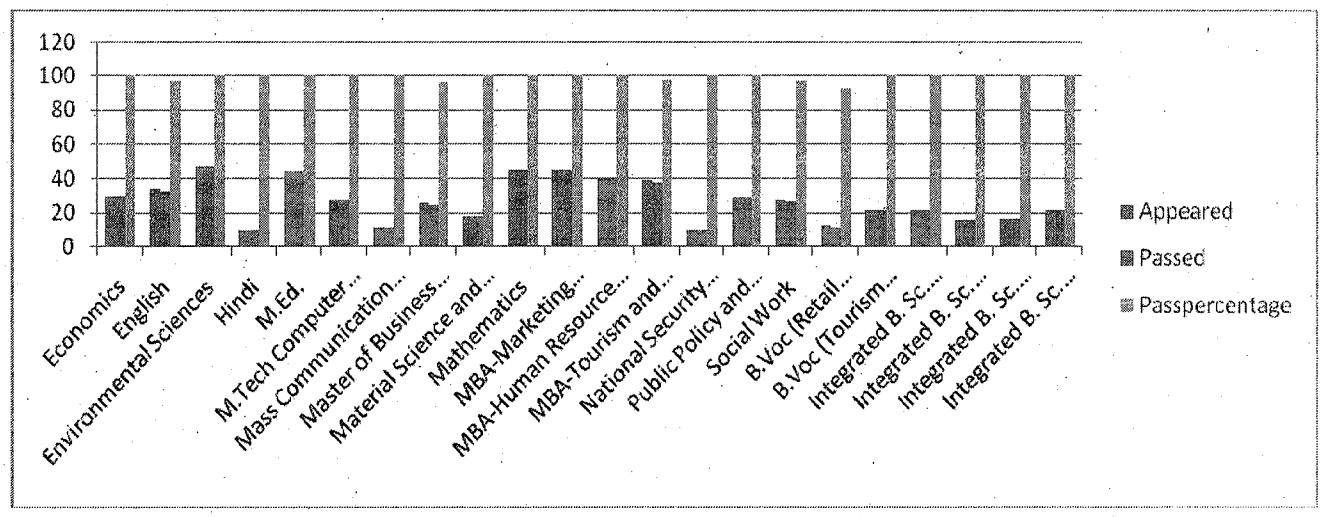

* अनुवाद के संबंध में स्पष्टीकरण हेतु अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

वार्षिक रिपोर्ट समिति 2021-22

-: समन्वयक: -

डॉ. वंदना शर्मा

सह-आचार्य , विभागाध्यक्ष , अंग्रेजी विभाग

-: सदस्य :-

डॉ. प्रियंजन , सहायक निदेशक (राजभाषा)

-: सदस्य सचिव:-

श्री शैलेंद्र सलाथिया, सहायक कुलसचिव

-: हिंदी अनुवादक :-

श्री सतीश प्रसाद, हिंदी अनुवादक